गूजरात विद्यापीठ विज्ञापक

सं. १९८०–८१



किमत रु. १–८–०

गूजरात विद्यापीठ विज्ञापक

सं. १९८०–८१



प्रकाशक

विठ्ठलदास मगनलाल कोठारी,

गूजरात विद्यापीठ, अमदावाद

मुद्रक

वेणीलाल छगनलाल बूच,

नवजीवन मुद्रणालय, सारंगपुर, अमदावाद.

किंमत रु १–८–०

निवेदन

आ विज्ञापकमां विद्यापीठने लगती अत्यार सुधीनी सर्व माहिती आपवामां आवी छे विज्ञापक छपावा मांड्या बाद धार्या करतां घणे लांबे काळे काम पूरुं थयुं दरम्यान घणा फेरफारो थई गया एटले 'शुद्धि-वृद्धि पत्रक' मांडुं थयुं छे वाचके ए पत्रकमांथी कापलीओ काढी योग्य ठेकाणे चोंटाडी देवा कृपा करवी नजर चूकनी, अने समजी शकाय एवी भूलो घणी जोऊं छुं, एनुं शुद्धिपत्रक आप्युं नथी, ए माटे क्षमा मागुं छुं

किशोरलाल घ. मशरूवाळा

महामात्र

गुजरात विद्यापीठ कार्यालय,
अमदावाद, वैशाख शु १५ सं १९८१

अनुक्रमणिका

भाग ३ निवेदन अने यादीओ

भाग ४–पत्रकोना नमुना

शुद्धि–वृद्धि पत्रक

पानुं ४ लीटी नीचेथी ४ थी—नोंधायेल स्नातकोना मतदार मडळे चूटवाना सभ्योनी सख्या १३ ने बदले १२ करवी.

पानुं ५ लीटी ५ मी—कुमार मदिरना शिक्षकोना मतदार मडळे चूटवाना सभ्योनी सख्या १ ने बदले २ करवी.

पानु ७ लीटी ४—' फाम ' ने बदले ' काम ', **लीटी २२**—' करघामां ' ने बदले ' करवामा ' वाचवु.

पानु ९ उमेरोः—

२ अ. राष्ट्रीय शाळानो व्याख्या—महासभा ए करेली राष्ट्रीय सस्थानी व्याख्याने नियामक सभा स्वीकारे छे, अने जे सस्था आ व्याख्याने अनुसरी काम करती न होय तेने तेम थई जवा एक वर्षनी मुहेतल आपे छे (नि स ठराव ४४/१९८१ माघ वदी १४)

[महासभानी व्याख्या—(बेल्गामनी) महासभानो एवो दृढ अभिप्राय छे के देशनु भविष्यनी आशा तेना युवानोमा रहेली छे, अने तेथी आशा राखे छे के प्रांतिक समितिओ बधी राष्ट्रीय केळवणीनी सस्थाओने सजीवन राखवा हजु पण वधारे जोशभेर प्रयत्न करशे. परतु महासभानो हालनी राष्ट्रीय केळवणीनी सस्थाओने पोषवानो अने नवी उघाडवानो अभिप्राय होवा छता एवी कोई पण सस्थाने महासभा राष्ट्रीय गणती नथी के जेमा—

१. हिंदुस्ताननी कोई भाषा केळवणीना वाहन तरीके वपराती न होय,

२ हिंदु मुसलमान ऐक्य, अस्पृश्योनी केळवणी अने अस्पृश्यता निवारणने सक्रिय उत्तेजन मळतु न होय,

३ कातण पींजण, व्यायाम अने आत्मरक्षणनी तालीम फरजियात न होय,

४ शिक्षको अने बार वर्षनी उपरनी उमरना विद्यार्थीओ शाळाना दिवसोमा दररोज अडधो कलाक कातता न होय, अने

५ विद्यार्थीओ अने शिक्षको सामान्य रीवाजनी जेम हमेशां खादी पहेरता न होय]

पानु २६ पदवी दान समारंभ विधि—कलम ३ पछी नीचे प्रमाणे कलम ४ उमेरवी.

४. महामात्र उमेदवारोने नीचे प्रमाणे संबोधन करे—

विद्यार्थीगण, तमने पदवी एनायत करवा कुलपतिजीने विनति करु ते पहेला नीचे प्रमाणे तमारे कुलपतिजी, नियामको अने आ सभ्यो समक्ष प्रतिज्ञा लेवी आवश्यक छे तमारे मोटेथी बोली ए प्रतिज्ञा लेवा तमने सूचवु छु

(महामात्र कटके कटके प्रतिज्ञाना वाक्यो बोले ते प्रमाणे प्रथम उमेदवारे धीमे धीमे अने स्पष्ट अवाजे ए वाक्यो बोलवा, अने बीजा उमेदवारोए एना अवाजनी साथे पोतानो अवाज मेळवी वाक्यो बोलवां)

"हु प्रतिज्ञा करू छु के जीवन पर्यंत मारा धर्मनु पालन करवा अने मारां विद्यापीठ, देश अने भाषानी प्रतिष्ठा वधे एवी रीते जीवन गाळवा निरंतर प्रयत्नशील रहीश. परमात्मानी कृपा अने गुरु जनोना आशीर्वादथी ए मारी प्रतिज्ञा पार पडो"

छापेली कलम ४ नो आक ५ करवो, अने शरुआतमा 'पछी' शब्द उमेरवो.

एज कलममां 'आ विद्यार्थीओ हवे स्नातक थई' ने बदले 'तेओए स्नातक प्रतिज्ञा लई,' तथा 'इच्छा धरावे छे' ने बदले 'इच्छा करी छे' वांचवु

पानुं २७ लीटी ६ थी ११—"गूजरात विद्यापीठनी प्रतिष्ठा . कुलपति" एटलो भाग काढी नाखवो

लीटी १२—"आपेलां आश्वासनथी" ने बदले "लीधेली स्नातक प्रतिज्ञाथी" वाचवु

लीटी १३—"स्नातक थई" ए शब्दो काढी नाखवा

लीटी २१—'(ख)' अक्षर काढी नांखवो

पानु ३२ लीटी ३ '(क)' अक्षर उमेरो

पानुं ७३ डाबी बाजुए विषय ६ ठ्ठो. 'अरबी अथवा फारसी' ने बदले 'अरबी, फारसी के फ्रेंच' करवु

जमणी बाजुए उमेरो—"(९) नेतरकाम"

लीटी २०—"गणित अने" ए शब्दो स. १९८१-८२ पछी रद समजवा

लीटी २१ पछी उमेरो—वाणिज्यना विद्यार्थीओए अर्वाचीन भाषा तरीके इंग्रजी पसंद करवी जोईए (नि स ठराव ४६/१९८० जेठ वद ६)

पानु ७४-७५ सं १९८१-८२ माट पाठ्य पुस्तको

गूजराती—गद्य-सरस्वतीचंद्र भाग ३ जो (अलक्ष प्रकरण बाद करीने)

पद्य—१ नरसिंहसार (दक्षिणामूर्ति विद्यार्थीभवन)

२ काव्य समुच्चय भाग १ मांथी नीचेनां अकवाळा काव्यो—१ थी ३, ७, ९, १०, १२ (आ अकवाळां बन्ने काव्यो). १३, १५, १६, १९, २१, २३, २८, २९, ३२, ३३, ३८, ४०, ४४, ४६ थी ४९, ५२, ५४, ५६, ५७, ५९, ६२, ६४, ६६, ६८, ७०, ७३, ८२, ८६ अने ८८ थी ९१.

इंग्रेजी—गद्य-१ Fables and Legends of Tolstoy मांथी नीचेनी वातो—The Story of Ivan the Fool, What Men Live By, If You Neglect the Little Fire, अने The Two Pilgrims

२ David Copperfield (Abridged)—English Literature Series, Macmillan & Co.

पद्य—१ Sohrab and Rustam-Arnold

२ Poetical Selections for the Vinita Examination माथी नीचेनां अकवाळां काव्यो—१थी ८, १०थी १३, १५थी १७, १९, २१, २३, २४, २६, ३३थी ३६, ३८ अने ३९.

बगाळी—स. १९७९-८० प्रमाणे

मराठी—गद्य-१. गॅरिबाल्डीचें चरित्र-केळकर

२ गड आला पण सिंह गेला—ह ना. आपटे

पद्य-बाल नवनीत (खामगाव राष्ट्रीय शाळा)

व्याकरण-जोशी कृत भाग २ रा.

हिन्दुस्तानी-हिन्दी-गद्य-१. सम्राट अशोक—ले० बाबु संपूर्णानंद.

२. हिंदीकी पाँचवी पोथी—रामदास गौड.

पद्य-१. वेन चरित्र—ले० बदरीनाथ भट्ट

२. संक्षिप्त तुलसी रामायण (इन्डियन प्रेस, अल्लाहाबाद) में से लंका काण्ड दोहा १८ से दोहा ४३ तक (पृ २०० से २०९) तथा प्रस्तावनामें से तुलसीदासजी के जीवन चरित्रकी मुख्य घटनायें (पृ १२ से ५१)—काल आदिके निर्णय की क्लिष्ट चर्चा छोड करके

व्याकरण—सरळ

उर्दु—मुन्तखेबाते उर्दु (गुजरात विद्यापीठ)

पानु ७६ विषय ४ थो पाठ्य-पुस्तक—ब्रिटिश राजतंत्र अने आपणी महासभा (गूजरात विद्यापीठ)

पानु ८१ सुथार काम—माटे नीचेनो सुधारेलो अभ्यासक्रम नीमवामां आवे छे.

१, प्लान, एलिवेशन, सेक्शन तथा एसोमेट्रीक व्यूनी माहिती तथा तेनु आलेखन

२ नीचेना साधाओना चित्रो काढवा तथा बनाववा (१) साल अने वेहनो सांधो (२) खाचावाळा साल अने वेहनो साधो, (३) एक बाजु कातरवाळा साल अने वेहनो सांधो, (४) बे बाजु कातरवाळा साल अने वेहनो साधो, (५) टूका सालनो सांधो, (६) गमे ते खुणे साल अने वेहनो साधो, उलवेलना साधाओ (ऑबलिक टेनन), (७) खांचो, स्लोप अने साल वेहनो साधो, (८) फाचरवाळो अधुरा सालनो सांधो, (९) फाचरवाळो आरपार वेहनो साधो

३. स्टूल, डेकचेर, कींग पोस्ट, कातरानी फ्रेम, शेल्फमांथी बे नमुनाओ परीक्षा वखते दरेक उमेदवारे पोते करेलु छे एवा आचार्यनां प्रमाणपत्र सहित रजु करवा जोइए.

प्रायोगिक परीक्षा-उपरना सांधाओनी.

(९) नेतरकाम सं १९८१-८२

नेतरोनी जाति, प्रत्येकनो उपयोग, हिंदुस्तानमां नेतरनी उपज, तथा तेनो करवामां आवतो उपयोग.

परदेशी नेतर.

नेतरनी परीक्षा.

नेतरनो उपयोग—लपेटवा तथा बांधवानी रीतो, कापवा—चीरवानी कुशळता, वणाटनी रीतो तथा प्रकार, खोखु तैयार करवाना नियम.

वांस अने नेतर वच्चे साम्य तथा संबंध. बीजी उपयोगी वनस्पति साथे नेतरनी तुलना,

वासना उपयोग.

नेतर काममां वपराता शस्त्रोनां नाम तथा उपयोग

प्रत्यक्ष परीक्षा—वास तथा नेतर छोलवां, साफ करवा, गांठ काढवी, पोलवां, कापवां, चीरवां, तार काढवा

वांसनी सादडी वणवी, कागळ नांखवानी टोपली गुथवी, नेतरना खुर्सी, टेबल, पालणु पेटी, पुस्तक मुकवानी नानी घोडी, देशी तथा परदेशी प्रकारोनी टोपलीओनां खोखा तैयार करवां तथा तारथी लपेटवां बांधवां वगेरे

वणाट—झझरीदार (डबल फेशन), भरतकाम, चटाईदार, त्वाज फेशन, डेमल कट इ०

परीक्षा वखते नीचे पैकी बे वस्तुओ हाजर करवी जोईए, खुर्सी, मेज, कोच, आराम खुर्सी, पालणु, पेटी, टोपली, घोडी (शेल्फ)

पा. ९३ कलम १ हवे त्रण महाविद्यालयो मान्य थयां छे. त्रीजु मुबई, ठाकुरद्वारना रस्ता उपर "धि ऍकेडेमिकल ऍन्ड सायन्टिफिक् ट्रेनींग कॉलेज ऑफ फाइन् आर्ट्स" ए विशेनी विशेष माहिती त्यांथी मळशे

कलम ३ राष्ट्रीय महाविद्यालय (मुबई) चालु सालना वसन्त सत्र पछी बंध करवानो निश्चय थयो छे

पा. ९४ कलम ९ उमेरो : खुलासो (३)—एकवार जे प्रश्नपत्रमां कोई उमेदवार उत्तीर्ण थयो होय तेज प्रश्नपत्रमां ए फरीथी बेसी शके नहि

कलम १० लीटी १ 'प्रथमा' ने बदले 'प्रथमा' वाचवु

पा. ९५ कलम ११ (क) उमेरो—

८ अ. उपाधि पत्र के प्रमाणपत्र फाटी जाय के बीजी रीते बगडी जाय तो जूनुं पाछु लई नवी नकल माटे रु. १.

पा ९६ लीटी १७ 'एवा विद्यार्थी' ए शब्दो लीटीने आरमे उमेरवा.

पा ९७—लीटी ११—' विद्यार्थीओने ' बदले ' विद्यार्थीओने ' वांचवु.
लीटी १६ ' नियमो ' ने बदले ' नियमे ' वांचवुं.
लीटी २६ ' त्रुटी ' ने बदले ' त्रुटी ' वांचवु.

पा ९८—कुल गुणनो सरवाळो ८०० ने बदले ७०० वांचवो
टीप बारमा उमेरो " (वाणिज्यना विद्यार्थीओए अर्वाचीन भाषा तरीके इंग्रेजी पसद करवी जोइए)—(नि. स. ठराव ४५,/१९८० जेठ वद ६)."

पा. १०२—पहेला खानामा औद्योगिक रसायन मदिर 'ने बदले ' विज्ञान मदिर ', बीजा खानामा ' औद्योगिक रसायन विशारद (औ र वि) ' ने बदले ' विज्ञान विशारद (वि. वि) वाचवु अने त्रीजा खानामां ' औद्योगिक रसायन ' उमेरवु.

पा. १०३—धर्म अने तत्त्वज्ञान विभागमां प्रश्नपत्र ५ मां ' पूर्वमीमांसा दर्शन ' ने बदले ' पूर्वमीमांसा दशननी रूपरेखा ' वांचवु.

पा. १०४—राजकारण विभाग ८ मा प्रश्नपत्र पछी ' ९ भारतीय सपत्तिशास्त्र ' उमेरवु.

पा. १०६ लीटी १८—' १ला अने ' ए शब्दो काढी नांखो.

पा. १०८—इग्रेजी विभागमा कलम (ग)नी नीचे नीचेनी कलम उमेरो.

खास लेखनो अभ्यास करनार विद्यार्थी माटे ५० गुणनो एक लेखी प्रश्नपत्र रहेशे अने ५० गुण माटे त्रण वर्ष दरम्यान ते लेखक उपर दस निबधो तेने लखवा पडशे ते बदल परीक्षामा अरजी साथे तेमा उत्तीर्ण थयानु इग्रेजीना अध्यापकनु प्रमाणपत्र रजु करवु जोईशे.

दरेक लेखक उपर विद्यार्थीने पसदगी करवा अवकाश मळे एटला निबधो वर्षनी शरुआतमा इग्रेजीना अध्यापक जाहेर करशे

आ फेरफारनो अमल स. १९८१ नी शरद परीक्षाथी थशे, अने वसतमां जूनी तेमज नवी बन्ने रीते परीक्षा लेवाशे

पा. ११२ प्रश्नपत्र १ मां उमेरो . नीचेनां पाठ्य पुस्तको नियत करवामां आव्या छे:

१ Unto This Last—Ruskin

२ Pride and Prejudice— Jane Austin

पा. ११४ लीटी २० " प्रश्नपत्र पहेलानी परीक्षा आपवी पडशे" ए वाक्य रद करवुं.
लीटी २५ ' आव्यां ' एक वार वांचवु.

पा १२१ मातृभाषा गुजरातीमां उमेरो सं. १९८१-८२

1. १ काव्य समुच्चय भाग १
2. २ सुभद्राहरण-प्रेमानन्द
3. ३ कान्ता-मणिलाल नभुभाई

मराठी—स १९८१-८२ माटे गया वर्ष मुजब,

पा १२२ हिंदी-स. १९८१-८२ माटे गया वर्ष मुजब.

गुजराती—(सरल अभ्यासक्रम) „ „

पा १२३ हिंदी-(रा भा) स १९८१-८२ माटे गया वर्ष मुजब

उर्दु—स १९८१-८२ माटे

१ जमींद मोअज़मे उर्दु

२ अलीबाबा व चाली चोर

३ कवाअदे उर्दु

ऐच्छिक विषय—संस्कृत- १९८१-८२ माटे

१ [illegible]

२ बुद्धचरितम् सर्ग १-८—अश्वघोष

३ पचरात्र—भास

फारसी, अरबी, मराठी—स १९८१-८२ माटे गया वर्ष मुजब

पा. १२४ बगाळी स १९८१-८२ माटे गया वर्ष मुजब

इंग्रेजी— „ „ „

फ्रेंच— „ „ „

पा. १२५ लीटी १२-'१०९' ने बदले '१०१' वाचवु

लीटी १५ 'प्रकरण १५ थी ३१' (काममीमांसा अने यज्ञमीमांसाना कूट अने लांबा विवेचनो बाद करीने) वाचवु

लीटी २३ प्रकरण ३२ थी पूरु वाचवु

पा. १२६—गूजराती [सरळ अभ्यासक्रम] अगाउ मुजब.

हिंदी „ „

पा १२७—उर्दु-अगाउ मुजब

आर्य विद्यामंदिर प्रश्नपत्र १ मा उमेरो भारतवर्ष का इतिहास—लजपतराय

पा. १२८—धर्म अने तत्त्वज्ञान विभाग प्रश्नपत्र ५ मा 'पूर्वमीमांसा दर्शन' ने बदले 'पूर्वमीमांसा दर्शननी रूपरेखा' वाचवु पुस्तकोनी यादीमा 'प्रभाकर स्कूल ऑफ पूर्वमीमांसा' उमेरवु.

पा. १३३—भाषामंदिर-संस्कृत प्र प. २ माथी 'अथ संग्रह-लौगाक्षी भास्कर' काढी नाखवु.

पा. १३७—बंगाळी प्र प. २ मा 'निवृत्ति चिन्ता' ने बदले 'उद्भ्रान्त प्रेम' वांचवु.

इंग्रेजी प्रश्नपत्र १ मा उमेरो—

First Book of Engish Literature—Saintsbury
Introduction to the Study of Literature—Hudson
Comparative Philology Ch. I only—Gune.

पा. १३८—Poetry including Dramas मा उमेरो.

Saint Joan—Bernard Shaw
Dark Lady of the Sonnets—
Loyalties—Galsworthy
तेमाथी काढी नाखो
Doctor s Dilemma—Bernard Shaw
Every Man in His Humour—Ben Jonson

4. Special Author मा उमेरो
Bernard Shaw

पूरवणी

शिक्षक परीक्षाओ*

कुमार मंदिर शिक्षक परीक्षा—

(१) आ परीक्षा दर वर्षना वसन्तमां लेवामां आवशे. एनो पहेलो अमल सं. १९८२मां थशे.

(२) परीक्षानी अरजी करवानी मिति पहेलां ओछामां ओछु एक वर्ष सुधी कोई पण मान्य राष्ट्रीय कुमार मंदिरमां शिक्षक तरीके काम करनार आ परीक्षा माटे उमेदवारी करी शकशे

(३) उमेदवारे गूजराती सात धोरण सुधीनो अभ्यास पूरो कर्यो छे, एवु एनी शाळानु के कोई प्रतिष्ठित गृहस्थनु प्रमाणपत्र रजु करवु जोईशे तथा एने सारी रीते काततां आवडे छे एवी मतलबनु एनी शाळाना आचार्यनु (अथवा आचार्य उमेदवार होय तो शाळा-समितिना मंत्रीनु) प्रमाणपत्र रजु करवु जोईशे.

(४) दरेक अरजी पोते जे मंदिरमां काम करतो होय तेना आचार्य मारफते रु २ नी फी साथे मोकलवामां आवे

(५) नीचे प्रमाणे परीक्षा लेवामां आवशे :

१. गूजराती—

२ प्रश्नपत्रो, दरेक १०० गुणनु अने त्रण कलाकनुं ते पैकी १लु प्रश्नपत्र नियत पाठ्य-पुस्तकोपरथी (ते वर्षना विनीत परीक्षा माटेना पाठ्य-पुस्तको आ परीक्षा माटे पण मुकरर थयेलां गणाशे) बीजु प्रश्नपत्र सामान्य गूजराती, व्याकरण, निबंध, इ० सहित (भलामण करेलां पुस्तको—कमळाशंकर त्रिवेदीनुं लघुव्याकरण भाग १–२ तथा मध्य व्याकरण प्रकरण १ थी २२ अने २६ थी २८)

२. इतिहास—

१ प्रश्नपत्र १०० गुणनु, ३ कलाकनु [पाठ्य-पुस्तको–पूर्वरंग (विद्यापीठ), गूजरातनो अर्वाचीन इतिहास (गूजरात वर्नाक्युलर सोसायटी), हिन्दुस्ताननो इतिहास (भलामण प्राणलाल टी मुनशीनो हिंदनो इतिहास)]

३. भूगोळ—

१ प्रश्नपत्र १०० गुणनु, ३ कलाकनु जगतनी राजकीय तथा प्राकृतिक भूगोळ [भलामण करेला पुस्तको—अ र. देसाईकृत भूगोळ विद्या भा. १ २, छो. बा. पुराणीकृत प्राकृतिक भूगोळ (विद्यापीठ तरफथी छपाशे)]

४. सामान्य ज्ञान—

१ प्रश्नपत्र १०० गुणनु, ३ कलाकनु, (पाठ्य-पुस्तको–आटलु तो जाणजो भाग १–२; मानवदेहधर्मविद्या भानुसुखराम महेता)

५. अंकगणित—

१ प्रश्नपत्र १०० गुणनु ३ कलाकनु, (भलामण—लालशंकरनु मोटु अंकगणित)

---

* आ अभ्यासक्रम छूटो एक आनानी किम्मते मळी शकशे

६. शिक्षणशास्त्र—

२ प्रश्नपत्रो दरेक १०० गुणनु ३ कलाकनु, ते पैकी एक मानसशास्त्रनु रहेशे, अने बीजु शिक्षणशास्त्र, वर्गव्यवस्था, पद्धति इ नु रहेशे

[पाठ्य–पुस्तको–शिक्षक अने शिक्षण (दक्षिणामूर्ति विद्यार्थीभवन)मांथी पृ. १ थी ५५, ८७ थी १२५, १४२ थी १६०, १७३ थी ३२८ अने ३७३ थी ४४५, तथा केळवणीनी कळा अथवा शाळा व्यवस्था अने शिक्षण पद्यतिनी सामान्य माहिती, मोंढाभाई प्रागजी कृत)

७. प्रत्यक्ष परीक्षा—

२०० गुणनी. भाषा, इतिहास, भूगोळ तथा गणित ए चार विषयोमांथी कोई पण बे विषयो पर परीक्षक नक्की तरे ते धोरणमां उमेदवारे पदार्थपाठ (नोंध सहित) आपवा

६ उत्तीर्ण थवा इष्ट गुण माटे दरेक प्रश्नपत्रमां तथा प्रत्यक्ष परीक्षामां ३३ टका

७. अरजीना नमुना एक आनानी टीकीट मोकलवाथी अथवा अर्धा आनानी किंमते विद्यापीठ कार्यालयमाथी मळी शकशे

विनयमदिर शिक्षक परीक्षा

१ आ परीक्षाओ दर वर्षना वसन्त तथा शरदमा लेवामां आवशे परीक्षामी अरजी करवानी मिति पहेलां ओछामां ओछु एक वर्ष सुधी कोई पण राष्ट्रीय विनय मदिरमा शिक्षक तरीके काम करनार आ परीक्षाओ माटे योग्यता प्रमाणे उमेदवारी करी शकशे.

२ दरेक अरजी पोते जे मदिरमां काम करतो होय तेना आचार्य मारफते आखी परीक्षा माटे रु १० नी फी साथे, अने विभागीय स्नातक परीक्षामां प्रश्नपत्र दीठ रु. ३ नी फी साथे मोकलवामा आवे.

३ परीक्षा बे प्रकारनी लेवामा आवशे

पहेली—स्नातक परीक्षा–मां गूजरात विद्यापीठनो स्नातक अथवा कोईपण युनिवर्सिटीनो ग्रॅज्युएट, अथवा जेणे आ पछी जणावेली प्रथमा शिक्षण परीक्षा पसार करी होय ते उमेदवारी करी शकशे ए परीक्षामां उत्तीर्ण थनारने ' शिक्षणशास्त्र विशारद ' नी पदवी आपवामां आवशे

बीजी—प्रथमां शिक्षण परीक्षा–मां विनीत के मेट्रिक थयेल विनय मदिरनो शिक्षक उमेदवारी करी शकशे ए परीक्षामां उत्तीर्ण थनारने विद्यापीठ तरफथी प्रमाणपत्र आपवामां आवशे पण पदवी आपवामां नहि आवे

४ उत्तीर्ण थवा माटे दरेक प्रश्नपत्रमां ३० टका गुण इष्ट छे ४५ अने ६० टका गुण मेळवनारने अनुक्रमे बीजा अने पहेला वर्गमा मूकवामां आवशे. आखी परीक्षामा उत्तीर्ण न थइ शकनार विद्यार्थी जे विषयमा ४० टका गुण मेळवशे, तेने ए विषयमा उत्तीर्ण थयेलो गणवामां आवशे, अने एमां एने फरीथी बेसवानी जरुर रहेशे नहि परतु एवी रीते हपते हपते उत्तीर्ण थनार विद्यार्थीने प्रथमा परीक्षामां वर्ग नहि मळे

५ स्नातक परीक्षामां गमे ते प्रश्न माटे गमे त्यारे उमेदवारी करी शकाशे. प्रथमा परीक्षामा आखी परीक्षा माटे अथवा बाकी रहेला सर्व विषयो माटे उमेदवारी करवी पडशे.

६ **स्नातक परीक्षाना नियमो**—(दरेक विषय पर एक प्रश्नपत्र १०० गुणनु त्रण कलाकनु परीक्षा माटे राखवामां आवशे).

१. मानसशास्त्र

पाठ्य-पुस्तको—Manual of Psychology — Stout, Talks to Teachers —James

२. शिक्षणनो इतिहास

पाठ्य-पुस्तको—Student's History of Education-Graves (Macmillan Co), Educational Institutions in Ancient India-Longmans.

३ शिक्षण पद्धति

पाठ्य-पुस्तको — Principles of Teaching — Landon.
Direct Method of Teaching English — Stokes

४. शिक्षण विषयक सामान्य प्रश्नो

पाठ्य-पुस्तको — What Do We Mean By Education ?-Welton, Logical Basis of Education-Welton, What Is and What Ought to Be in Education ?-Edmund Holmes, Report on the Universities of the World-C R Reddy (Mysore University), Report of the Calcutta University Commission-Abridged (Govt. Printing), Ideals, Aims and Methods in Education-New Educator's Library (S. Govind & Son-Bombay)

७ प्रथमा शिक्षण परीक्षाना विषयो—

(दरेक विषयमा एक प्रश्नपत्र १०० गुणनु ३ कलाकनु रहेशे)

१ मानसशास्त्र

पाठ्य-पुस्तको — मानसशास्त्र (गूजरात वर्नाक्युलर सोसायटी).
Talks to Teachers-James

२ शिक्षणनो इतिहास

पाठ्य-पुस्तको — शिक्षणनो इतिहास-मणिशंकर रत्नजी भट्ट,
Locke to Montessori-Adam Boyd

३ शिक्षण पद्धति

पाठ्य-पुस्तको — स्नातक परीक्षा प्रमाणे ज

४. शिक्षण विषे सामान्य प्रश्नो

पाठ्य-पुस्तको — विद्यार्थीनु मानस — हरिशंकर त्रिवेदी-दक्षिणामूर्ति विद्यार्थी भवन

Principles of Teaching-Findlay.

८ उपरनी बन्ने परीक्षाओ—कुमार मंदिर शिक्षक परीक्षा तथा विनय मंदिर शिक्षक परीक्षा — माटे तैयार थता उमेदवारोने उठती शंकाओनां समाधान माटे महामात्रने लखवाथी निष्णात शिक्षको मारफते तेनु निराकरण कराववा प्रयत्न करवामा आवशे, अने सर्वने उपयोगी विषयो माटे पत्रिकाओ काढवा प्रयत्न करवामा आवशे आ उपरांत दरवर्षे एक व्याख्यानमाळा गोठववा प्रयत्न करवामां आवशे.

जोडणीना नियमो

नियामक सभानो स १९८१ नो ठराव ४७—गूजराती भाषानु लखाण गूजरात विद्यापीठना कागळपत्रो, पुस्तको वगेरेमां तथा सर्वे मान्य मदिरोमा नीचेना जोडणीना नियमोने अनुसरी करवामां आवे

१ भाषामा तत्सम अने तद्भव बने रूपोने समान रीते स्वीकारवां उदाहरण कठिन अने कठण, फल अने फळ, काल अने काळ, आश्चर्य अने अचरज, दश अने दस,

२. सस्कृत स्वरान्त तत्सम शब्दो मूल प्रमाणे लखवा उदा० मति, गुरु गूजरातीमां व्यजनान्त तत्सम शब्दो स्वरान्त गणीने लखवा उदा० जगत, विद्वान, अकस्मात, परिषद, क्वचित अपवाद–पश्चात्, अर्थात् जेवा अव्ययो एमज लखवा

३ तत्सम सिवायना एक स्वरवाळा शब्दोमा ई, ऊ दीर्घ लखवा उदा० घी, जू, छू, पण एवा सानुस्वार शब्दो ह्रस्व लखवा. उदा० हु, छु, तु

४ बहु स्वरवाळा तद्भव शब्दोनी जोडणी करवामा शिष्ट उच्चार पर अने ज्यां व्युत्पत्तिनो आधार मळी शकतो होय त्यां विशेष करीने व्युत्पत्ति उपर ध्यान आपवु उदा० दूध, फूल, शीख, ऊड, ऊठ, नीवड, मूक, सूकव, जूनु, जूजवु, गूजरात.

खिसकोली शब्दनो खि ह्रस्व करवो

टीप—दरेक सदिग्ध जोडणीने प्रसगे आ नियम लागु करता विचार करवो एवा शब्दोनी जुदी नोंध करवी अने एमा करेला निर्णय परथी बनी शके तो कोइ नियम तारववो

नोंध—बे के त्रण स्वरवाळा शब्दोमा ज्या पहेलो स्वर दीर्घ होय त्या तेज शब्दो परथी घडाता वधारे स्वरवाळा शब्दोमा पहेला दीर्घ स्वरने ह्रस्व थवानु वलण छे के केम तेनो विचार करवो, दरम्यान, ह्रस्व लखवानी पद्धति राखवी उदा० भूल–भुलामणी, शीख–शिखामण, शिखव, ऊठ–उठमणु, रीस–रिसाळ, मूक–मुकाव

५ जे शब्दोमा 'ऐ' अने 'औ' एम एक स्वरवाळो ज उच्चार थतो होय ते शब्दोमा 'ऐ' अने 'औ'ज वापरवा उदा० 'पैसो,' 'चौटु' लखवु 'पइसो' 'चउटु' नहि

६ 'ए' तथा 'ओ'ना पहोळा तथा साकडा उच्चारनी भिन्नता दर्शाववा जुदां जुदा चिह्नो वापरवानी जरुर नथी परतु इग्रेजी भाषाना 'ऍ', 'ऑ'ना उच्चारमां भ्रान्ति न थाय ते माटे चिह्नोनो उपयोग करवामां हरकत नथी उदा० कॉलेज, ॲक्ट व्यजनान्त उच्चारनी विशेषता दर्शाववा चिह्ननो उपयोग करवानी जरुर नथी.

७. शब्दमा आवता जोडाक्षरथी ज्या आगला स्वरने थडको लागतो होय त्या 'इ के 'उ' जे होय ते ह्रस्व करवा उदा० इक्कर, चुस्त, दुरस्ती, जुस्सो

८ ज्या अनुस्वरनो उच्चार पछीना व्यजनना अनुनासिक जेवो न थतो होय, पण स्वरनी साथे कोमळ अनुस्वार बोलातो होय त्या 'ई' 'के' 'ऊ' दीर्घ ज वापरवा उदा० पींछु, सींच, पूछडु, सींचणियु, लूट

९ एकथी वधारे स्वरवाळा शब्दोमां अन्त्य उ सादो के अनुस्वारवाळो हमेशा ह्रस्व करवो उदा पूछु, करवु, गाउ

१० अन्त्य ' उ ' अने ' ओ ' वाळा शब्दोमा उपान्त्य ' इ ' होय तो ' इ ' ह्रस्व करी ' यु ' अने ' यो ' लखवा. उदा दरियो, कडियो, रेंटियो, सींचणियु, माळियु, अठवाडियु, जाळियु, घोडियु

११ दीर्घ ईकारान्त नामोने विभक्ति के वचनना प्रत्ययो लागता १०मो नियम लागु करवो नहि उदा नदियो, स्त्रियो नहि पण नदीओ, स्त्रीओ

१२ जोईए, करीए, लखीए, छीए, ए रुपो मान्य करवा, पण गयेलो, थयेलु, नखायेलु वगेरेमा 'ये' राखवो

१३ पीयर, दीयर, महीयर, सहियर, काठियावाड एम लखवु

१४ ' नहि ' शब्द ' नहि ', ' नहीं ' ' नहिं ' एम घणी रीते लखाय छे तेमां ' नहि ' ए जोडणी मान्य राखवी

१५ चोक्खु, चिट्ठी, पत्थरने बदले चोख्खु, चिठ्ठी, पथ्थर एम लखवु
तत्सम शब्दोमां सस्कृत जोडणी कायम राखवी उदा० अश्वत्थ, उत्थान

१६ सांज, सजा, जिंदगी, समजमा 'झ' नहि पण 'ज' लखवो गोझारु, मझा इत्यादिमा ' झ ' लखवो

१७ चांदलो–चांल्लो, साडलो–साल्लो बने रूपो चाले पण विद्यापीठे चाल्लो साल्लो लखवु

१८ पिछान–पिछाण, ठ्ठ–थड्ड, डामवु–डाभवु, आंबली–आमली, विशे–विषे, बने रूपो चाले, पण विद्यापीठे पहेली जोडणी राखवी

१९ केटलाक शब्दोना उच्चारमा गूजरातना केटलाक भागमा यकार श्रुति थाय छे उदा० जात्य, आख्य, लाव्य ते लखवामा दर्शाववानी जरुर नथी आख, लाव, जात (जाति तद्‌भव) एम लखवु

२० केटलाक शब्दो (उदा० दोरडु, खाडणी, दळणु, चाळणो)मा र, ड, ळ ने बदले केटलाक य उच्चार करे छे, पण जोडणी माटे मूळ रूप ज लखवु

२१ कहेवडाव–कहेवराव, गवडाव–गवराव बने रूपो चाले पण विद्यापीठे पहेलु राखवु.

२२ अनादि श ना उच्चारनी बाबतमा केटलाक शब्दोमा प्रान्तिक उच्चार भेद छे उदा० डोशी–डोसी, भेंश–भेंस, छाश–छास, पीरश्यु–पीरस्यु, बेश–बेस, आवा शब्दोमा 'श' अने 'स' नो विकल्प राखवो, पण विद्यापीठे डोशी, भेंश, छाश, पीरश्यु, बेस लखवु

२३ दडुको डडुको, टोच,–ट्टोंच, दाडम–दाडम, गोटाळो–घोंटाळोमा विद्यापीठे पहेली जोडणी राखवी

२४ तेमज नाखवु, वाचवु, न हतु नहि, पण नाखवु, वांचवु, नहोतु वापरवा

२५ मुलतवी, मळस्कु वगेरेमाथी जोडाक्षर काढी नाखवा

२६ शक, शोध, शुमां रूढ श राखवो साकरमा स राखवो

२७ जुवो, धुवो, फुवो नहि पण जुओ, धुओ, फुओ लखवु

२८ म्हारु, त्हारु, ज्य्हां, त्य्हा नहि पण मारु, तारु ज्यां, त्यां लखवु

२८ अ म्होटो, न्हानो एमाथी 'ह्'कार काढी नांखवो

२९ कह्राढवु, च्हढवु, म्हांडु ल्होडु, कह्डी, ट्हाढ, अह्राढ नहि पण काढवु, चढवु, मोढु लोढु, कढी, टाढ, अढार एम लखवु

३० कुहेवु, रहेवु, पहोंचवु, व्हाला, व्हेन, प्हेल, व्हेलु एम न लखवु, पण कहेवु, रहेवु, पहोंचवु, वहाला, बहेन, पहेलु, वहेलु एम लखवु

३० अ नावु, न्हावु, नहावु तथा नाहवु एम घणा प्रयोगो थाय छे तेमा 'नहावु' लखवानु पसद करवु 'नह्यो एम भूतकाळना तथा 'नहाईश' एम भविष्यकाळना रूपमा लखाय

३१ ज्या परभाषामाथी अपभ्रष्ट थयेलो शब्द रूढ थइ गयो होय त्या तेज अथमा तत्सम शब्द न वापरवा, पण रूढ शब्द वापरवा उदा० अक्षि, वाटिका, पर्पट, ख्वाहिश, हूबहू, आलीम, इग्लिश, एजिनोअर नहि पण आख, वाडी, पापड, खायेश, आबेहुब, उल्मा, इग्रेजी, इजनेर

३२ मालेक–मालिकमाथी मालिक राखवो

३३ घोष वि अगाघमा अघाष व्यजन स्वीकारवो उदा कडको, वाडका, पडकारवु मुगट, प्रगट

३४ उन, कबाट नान्यतर जातिमा अने विद्यापीठ नारीजातिमा वापरवा

३५ कवितामा प्रसिद्ध जाडणी वापरी ह्रस्व–दीर्घ बतावनारा चिह्नो वापरवा



गूजरात विद्यापीठ विज्ञापक

संवत १९८०–८१

भाग १–धारा धोरणो

बधारण

[संवत १९७८ ना आसो सुद ७ ने दिने गूजरात राजकीय परिषदे नीमेली राष्ट्रीय शिक्षण समितिए मंजुर करेलु पाछळथी करेला सुधारा वधारा साथे]

नाम — १ आ संस्थानु नाम 'गूजरात विद्यापीठ' राखवामा आव्यु छे परन्तु आ बधारणमा एने टूकामा विद्यापीठ कहेवामा आवशे

ध्यानमंत्र अने चिह्न — १ अ (क) 'सा विद्या या विमुक्तये' (जे मुक्ति आपे ते ज विद्या) तथा 'अल-हिक्मतो अल्लतुल मोमीने फहेसो वजदहा अहक्कोबेहा' (हिकमत मुसलमानोनी गूम थयेला चीज छे, ज्याथी ते मळी आवे त्याथी तेने लई लेवी ए तेमनो हक छे) एने विद्यापीठना ध्यानमंत्र तरीके स्वीकारवामा आवे छे

(ख) नीचे प्रमाणे विद्यापीठ माटे चिह्न पसंद करवामा आवे छे बे एक ज मध्यबिंदुवाळा वर्तुलो लेवा अंदरना वर्तुलमा शुद्धिसूचक वडनु झाड वच्चे मूकवु, ते उपर चंद्रकळा राखवी, नीचे अनासक्ति दर्शक कमळ राखवु वडनी नीचे योग्य स्थळे अरबी ध्यानमंत्र लखवो, बन्ने वर्तुल वच्चेना भागमा उपर संस्कृत ध्यानमंत्र लखवो नीचे 'गूजरात विद्यापीठ' ए शब्द लखवा, अने अंदरना वर्तुलना आधार आगळ 'अमदावाद' लखवु, अने वच्चे बन्ने बाजुए प्रकाशसूचक दीपको राखवा ×

व्याख्याओ — २. ज्या ज्या अन्वय उपरथी स्पष्ट रीते जुदो अर्थ नीकळतो न होय, त्या त्या आ बधारणमा सर्वत्र नीचेना अर्थमा शब्दोनी योजना करवामा आवी छे

मान्य–अमान्य–अवमान्य — (क) 'मान्य' एटले विद्यापीठे स्वीकारेलु, 'अमान्य' एटले न स्वीकारेलु, अने 'अवमान्य' एटले एकवार स्वीकारी पाछळथी स्वीकार रद कर्यो होय तेवु

---

* ७६–७७/१ नि स कार्य १ आसो सुद १२–७६

× स १९७९/१० नि स कार्य २ जु

मदिर

(ख) **'मदिर'** एटले विद्यापीठे मान्य करेली कोई शाळा के इतर जाननी सस्था

बाळमदिर

(ग) **'बाळमदिर'** एटले छथी सात वषना अदरना बाळकोने केळवणी आपवाना ईरादाथी योजायेलु मदिर

कुमार–मदिर

(घ) **'कुमार–मदिर'** एटले छ थी सात वषना बाळकोथी आरभीने आशरे छ वर्षमा जेटली केळवणी आपी शकाय तेटली ज केळवणी आपवाना ईरादाथी योजायेलु मदिर

विनय-मदिर

(च) **'विनय–मदिर'** एटले कुमार–मदिरनी केळवणी लीधेला बाळकोने जीवनमा एमनो प्रवेश सारा रीते थई शके, ए माटे जेटला सामान्य ज्ञान अने सस्कार एमने प्राप्त थवा जोईए तेटली केळवणी आपवाना ईरादाथी योजायेलु मदिर

महाविद्यालय

(छ) **'महाविद्यालय'** एटले विद्यापीठ स्वीकारेला कोई पण विषयामा विद्याथीने निष्णात करवाना ईरादाथी योजायेलु मदिर

छात्रालय

(ज) **छात्रालय'** एटले कोई मदिरमा अभ्यास करवा माटे विद्याथीओने साथे राखवाना ईरादाथी स्थपायेलु अने विद्यापीठे मान्य करेलु गृह

गृहपति

(झ) **'गृहपति'** एटले छात्रालयनो व्यवस्थापक

विनीत

(ञ) **विनीत'** एटले विनय–मदिरनी केळवणी पूर्ण करी महाविद्यालयनी केळवणी लेवा योग्य छे एवा जातनु विद्यापीठ तरफथी प्रमाण पत्र मेळवनार

स्नातक

(ट) **स्नातक'** एटले विद्यापीठ तरफथी कोई पदवी मेळवनार

कुलपति

(ठ) **कुलपति** एटले विद्यापीठनो प्रमुख

कुलनायक

(ड) **कुलनायक** एटले विद्यापीठनो उप–प्रमुख

महामात्र

(ढ) **'महामात्र'** एटले विद्यापीठनो मुख्य कारभारी के मत्री

नियामक सभा–
नियामक

(ण) **नियामक सभा'** एटले विद्यापीठनी कोई पण बाबत उपर विचार तथा निर्णय करी ते प्रमाणे अमल करवानी आज्ञा करवानी सत्ता धरावनार मडळ **नियामक'** एटले कोई खास अधिकार न धरावनार नियामक सभानो सभ्य

कार्यवाहक सभा–
कार्यवाहक

(त) **कार्यवाहक सभा'** एटले विद्यापीठनो कारभार चलावनारु मडळ अने **कार्यवाहक** एटले बीजो कोई खास अधिकार न धरावनार कार्यवाहक सभानो सभ्य

विद्या (थ) 'विद्या' एटले केळवणीना जे विषयनु विद्यापीठे खास इलाहिदु शास्त्र ठराव्यु होय ते.

विद्यासमिति 'विद्यासमिति' एटले कोई विद्या माटेनो विचार करवा निमायेलु मडळ

वेत्ता 'वेत्ता' एटले कोई विद्यासमितिनो सभ्य

विद्यानिधि 'विद्यानिधि' एटले कोई विद्या–समितिनो प्रमुख

खुलासो—साधारण रीते विद्याना विषयनु नाम उपरना दरेक शब्दनी पूर्वे दर्शाववामा आवशे उदाहरणार्थे वणाटविद्या, वणाटविद्यासमिति वणाटवेत्ता, वणाटविद्यानिधि

निधिप (द) 'निधिप' एटले जे शख्स के सस्थाने नामे विद्यापीठनी, अथवा विद्यापीठने माटे, कोई पण जातनी स्थावर के जगम मिलकत मूकवामा अथवा तेने सोपवामा अथवा तेना कबजामा आवी होय ते

निधिपमडळ 'निधिपमंडळ एटले विद्यापीठे नीमेला निधिपोनु मडळ

कोषाध्यक्ष 'कोषाध्यक्ष' एटले विद्यापीठे नीमेलो विद्यापीठनी मिलकतनो राखनार अने सभाळनार

सरकार (ध) 'सरकार' एटले इग्रेज सरकार तथा इग्रेज सरकारना शासनथी स्थपायेली कोई पण युनिवर्सिटी

हेतुओ अने उद्देशो ३ आ विद्यापीठना हेतुओ अने उद्देशो नीचे प्रमाणे छे

(क) आपणा देशनी सस्कृतिने पोषनारी अने देशनी परिस्थितिने अनुकूळ, तेमज देशनी प्रजाने धार्मिक, स्वदेशप्रेमी, स्वाश्रयी, चारित्रवान अने बळवान बनाववानी तालीम आपवाने तथा ए हेतु माटे अध्यापको तैयार करवाने सरकारथी सर्व प्रकारे स्वतत्र रहीने गूजरातमा तेमज गूजरात बहार वसता गूजराती भाषा बोलनाराओमा केळवणी आपवाने मदिरो स्थापवा, स्थपाववा अने नीभाववा,

(ख) केळवणीना विषयमा नवीन दिशामा नवीन मार्गे प्रयोगो करवा अने कराववा

(ग) मदिरोना निरीक्षण अने परीक्षण करवा,

(घ) योग्य विद्यार्थीने तथा विद्याव्यासगीओने पदवीदान देवा

(च) विद्यानो उत्कर्ष करनार अथवा प्राणीमात्रनी आदर्शरूप सेवा बजावनार चारित्रवान जनोने माननी पदवी आपवी,

(छ) अध्यापको तथा निरीक्षको नीमवा के नोतरवा,

(ज) विद्याना उत्कर्ष माटे अपायेला दान स्वीकारवा तथा तेनो वहीवट करवो,

(ञ) ईनामो, चाद्रो तथा छात्रवृत्तिओ आपवा.

(ञ) छात्रालयो, ग्रन्थालयो, प्रयोगशाळाओ, वेधशाळाओ, संग्रहस्थानो इत्यादि स्थापवा, स्थपाववा अने नीभाववा,

(ट) खेडुत, हुन्नरधधावाळा तथा बीजा श्रमजीवी लोको तथा सामान्य प्रजानी उन्नति माटे विद्याविषयक भाषणो अपाववा, तथा लेखो पुस्तको इत्यादि प्रसिद्ध करवा

(ठ) विद्यार्थीओ, अध्यापको, गृहपतिओ इत्यादिना उपयोग माटे तथा विद्यापीठना अन्य हेतुओ पार पाडवा माटे पाठय पुस्तको, निबधो, नियतकालिकपत्रो प्रसिद्ध करवा

(ड) केळवणीने अगे जरूरी माहितिओ अने आकडाओ भेगा करवा तथा प्रसिद्ध करवा

(ढ) विद्यापीठना विनीतो तथा स्नातकोने सेवाना तथा आजीविकाना सन्मार्गो शोधवा मा मदद करवी, अने

(ण) सामान्यमा, पूरवणीमा दर्शावेला सिद्धान्तोने अनुसार गूजरात तथा गूजराती बोलनाराओमां विद्यानो प्रचार, शोधखोळ, तथा भारतीय संस्कृतिनो विकास थाय तेने माटे जे जे योग्य लागे ते उपायो लेवा

४. विद्यापीठनी छेवटनी सर्व सत्ता नियामक सभा विषे छे, अने ते सत्तानी रूए सभा मिल्कत खरीदवानी, दानथी लेवानी, गीरो मूकवानी, तेना सबधमा तकरारो उठता तेनो जेम योग्य लागे तेम फेंसलो करावबानी आज्ञा करी शके छे, मदिरोने मान्य, अमान्य अवमान्य करी शके छे, विद्यापीठनु कार्य करती बीजी सभाओ के मडळोए करेला ठरावो, नीकालो तथा शिक्षा के क्षमाना पत्रोमां फेरफार करी शके छे पोतानी सत्तानो योग्य लागे तेवो भाग नियामक सभाना कोई अधिकारीने के मडळने सोंपी शके छे तथा बीजा सव वहीवटने माटे जरूरी कार्यो करी शके छे.

सत्तानो आरोप

५. (१) नियामक सभा चुटाएला ५० सभ्योनी थशे अने कुलपति अने कुलनायक होद्दानी रूए नियामक सभाना सभासदो गणाशे एटले नियामक सभाना सभ्योनी सख्या वधुमा वधु ५२ हशे

नियामक सभानी सख्या

(२) नियामक सभाना सभासदोनी चुटणी नीचे जणाव्या मुजबना मतदार मडळो नीचे जणावेल सख्यामा करशे

मतदार मडळो

मतदार मडळनु नाम	चुटवाना सभ्योनी सख्या
(१) नोंधाएल स्नातकोनु मतदार मडळ	१३
(२) गूजरात प्रातिक समिति	१०
(३) महाविद्यालय मतदार मडळ	१०

† स १९७८ ना आसो वद ९ ने रोज मजूर थयेला ठरावो प्रमाणे सुधारीने.

(६)	दाता मतदार मडळ	५
(७)	विनय मदिरना मुख्य अध्यापको अने निरीक्षकोनु मडळ	३
( )	पण अने अपूर्ण विनय मदिरोमा शीखवना पाचथी वधु वर्षना अनुभववाळा शिक्षकोनु मतदार मडळ	२
(७)	कुमार मदिरना शिक्षकोनु मतदार मडळ	१
(८)	विशिष्ट मडळना शिक्षकोनु मतदार मडळ	१
(९)	उपरना न १ थी ८ मडीना मतदार मडळोए चुटेल ४५ सभ्योए चुटवाना	५

होद्देदारोनी जग्या

(३) कुलपति तेमज कुलनायक चुटाएल सभासदो पैकी अथवा बहारना होई शके जो ते चुटाएल सभ्यो पैकीना न होय अने बहारना होय तो होद्दानी रूए नियामक सभाना सभासद गणाशे अने जो ते चुटाएल पैकीना होय तो कुलपति अथवा कुलनायक तरीकेनी तेमनी निमणुकथी जे मतदार मडळ तरफथी ते चुटाएल होय ते मतदार मडळोना चुटाएल सभासदोमा जग्या खाली पडेली गणाशे नहि

मतदार मडळोनी रचना

(४) उपर बीजा नियममा जणावेल मतदार मडळो नीचे मुजब रचवामा आवशे —

(क) नोंधायेल स्नातकोनुं मतदार मडळ :—

गूजरात विद्यापीठनो तेमज बीजी कोई पण विद्यापीठनो स्नातक जे आ विद्यापीठना उद्देशो स्वीकारतो होय अने कार्य विषे सहानुभूति धरावतो होय तेमज कोई पण सरकारी विद्यापीठ साथे प्रत्यक्ष सबध न राखतो होय तेणे कोई पण वखते विद्यापीठना महामात्रने पोतानु नाम " नोधायेल स्नातक मतदार मडळ " मा नोधवाने अरजी कर्याथी तेनु नाम आ मतदार मडळमा नोंधवामा आवशे, ते एवी शरते के आ नोंधणी बाबत वखतो वखत नियामक सभाए जे फी ठरावेल हशे ते ते स्नातक ज्या सुधी आपे त्या सुधी ज ते मतदार रही शकशे *

(ख) गूजरात प्रांतिक समिति :—

राष्ट्रीय महासभाना वखतो वखतना बधारण मुजब गूजरातने माटे (ब्रिटिश गूजरात–काठीआवाड तथा गूजरातमा आवेल देशी राज्यो अने कच्छ) जे समिति वखतो वखत होय ते

---

* स्नातक मतदार मडळमा नाम नोंधावाने गूजरात विद्यापीठना स्नातको पासेथी पहेलां पाच वर्ष सुधी काई पण लवाजम नहि लेवानु अने बीजी विद्यापीठना स्नातको माटे एकी साथे रु २५) के वार्षिक रु ५) लवाजम लेवानु ठर्यु छे

(ग) महाविद्यालय मतदार मंडळ :—

गूजरात विद्यापीठे मान्य राखेला महाविद्यालयोना वखतो वखतना आचार्यो अने अध्यापकोनु आ मतदार मडळ बनशे

(घ) दाता मतदार मडळ :—

आ मतदार मडळमा चार विभाग करवामा आवशे —

(१) विद्यापीठने एकी वखते रु १०,०००) के तेथी वधु रकम आपनारा दाताओनु मतदार मडळ आ मडळने एक सभासद चुटवानो हक रहेशे

(२) विद्यापीठने एकी वखते रु १०००) अथवा तेथी वधारे पण रु १०,०००) थी ओछी रकम आपनारा दाताओनु मतदार मडळ आ मडळने एक सभासद चुटवानो हक रहेशे

(३) विद्यापीठने एकी वखते रु ५००) अथवा तेथी वधारे पण रु १०००) थी ओछी रकम आपनारा दाताओनु मतदार मडळ—आ मडळने एक सभासद चुटवानो हक रहेशे

(४) विद्यापीठने वार्षिक रु २५) अथवा वधु आपनाराओनु मतदार मडळ आ मतदार मडळमा प्रथम नाम नोंधवाने माटे काई पण लवाजम आपवु पडशे नहि, परतु वार्षिक लवाजम नहि आपवाथी आ मतदार मडळमाथी नाम काढी नाखवामां आवशे फरीथी नाम दाखल कराववु होय तो जे वर्षमां ते दाखल करवामा आवे ते वर्षना वार्षिक लवाजम उपरात रु ५०) नु नोंधणी माटे खास लवाजम आवेथी ज आ मतदार मडळमा फरीथी नाम नोंधी शकाशे आ मडळने बे सभासदो चुटवानो हक छे *

(च) पूर्ण विनय मदिरना मुख्य अध्यापको अने निरीक्षकोनु मतदार मंडळ:—

विद्यापीठे मान्य राखेला तमाम पूर्ण विनय मदिरोना मुख्य अध्यापकोनु तथा निरीक्षकोनु आ मतदार मडळ रचवामा आवशे

(छ) पूर्ण अने अपूर्ण विनय मदिरना शिक्षकोनु मतदार मंडळ :—

विद्यापीठे मान्य राखेला तमाम पूर्ण अने अपूर्ण विनय मदिरोना शिक्षको पैकी जेमणे कोई पण विनय मदिरमा पाच वर्ष सुधी शिक्षण आपवानु कार्य कर्यु होय तेवा शिक्षकोनु मतदार मडळ रचवामा आवशे मतदार मडळमा दाखल करेल कोई पण शिक्षक कोई पण मान्य विनय मदिरमा नहि होय तो तेमनु नाम मतदार मडळमाथी काढी नाखवामा आवशे †

---

* आ वर्गमां पचीस सभासदो नोंधायेथी ते वर्गनु मतदार मडळ बनशे (स १९७९ नी त्रीजी नियामक सभानु काय ४ थु मिति आसो सुद १२)

† पूर्ण विनय मदिरना मुख्य अध्यापक ते शिक्षकना मडळमा न आवी शके (का वा सभानो ठराव स १९७९ ना आसो वद ३ कार्य ९ मु)

(ज) कुमार मंदिरना शिक्षकोनुं मतदार मडळ :—

विद्यापीठे मान्य राखेला तमाम कुमार मदिरोमा वखतो वखत काम करता शिक्षकोनु मतदार मडळ रचवामा आवशे आ मतदारो ओछामा ओछा पाच वर्षथी शिक्षक तरीके काम करनारा होवा जोइए आ मतदार मडळमा नोंधेल कोई पण शिक्षक कोई पण कुमार मदिरमा न होय तो तेमनु नाम मतदार मडळमांथी काढी नाखवामां आवशे

(झ) विशिष्ट-मदिरना शिक्षकोनु मतदार मडळ :—

विद्यापीठे मान्य राखेला मदिरो पैकी अमुक प्रकारना अथवा अमुक मदिरो विशिष्ट मदिरो तरीके नियामक सभा वखतो वखत ठरावे ते मदिरोना वखतो वखतना तमाम शिक्षकोनु एक मतदार मडळ रचवामा आवशे

खुलासो:—पाच वर्ष सुधी शिक्षक तरीके काम करेलु न होय तेमनाथी नियामक सभामा सभ्य तरीके आवी शकाशे नहि

होद्दो राखवा अने छोडवाना नियमो

(५) दरेक नियामक पोतानो होद्दो नीचेना नियमोने अनुसरी अने बाध न आवे तेवी रीते चार वर्ष सुधी भोगवशे

(१) गूजरात प्रातिक समितिनी ज्यारे ज्यारे नवेसर चुटणी थाय त्यारे त्यारे समिति १० नियामको चुटशे एवी रीते १० नियामको चुटाएथी प्रातिक समितिए प्रथम चुटेला जे १० नियामको हशे ते पोतानो होद्दो छोडशे अने तेमनी जग्याए नवा चुटाएल १० नियामको आवशे

(२) बाकाना ४० नियामको पैकी दर वर्ष १० नियामको वाराफरती पोतानो होद्दो छोडशे प्रथमना त्रण वर्ष आ बधारणनी रूए प्रथम चुटवामा आवेल नियामको पैकी कया दश नियामकोए होद्दो छोडवो ते नियामक सभानी बेठकमा चीट्ठीओ नाखी नक्की करवामा आवशे अने चोथे वर्ष बाकीना दश नियामको होद्दो छोडशे जे मतदार मडळ तरफथी चुटेला नियामको ए रीते होद्दो छोडशे ते मतदार मडळो होद्दो छोडनार नियामकोनी जग्याए बीजा नियामको चुटशे ए रीते नवा चुटाई आवेला नियामको चार वर्ष सुधी पोतानो होद्दो धरावशे अने प्रथमना चार वर्षमा होद्दो छोडवानो जे अनुक्रम चीट्ठीओ नांखी नक्की थयो होय ते मुजब चार वर्ष पछीथी पण नियामकोनी नवी चुटणा मतदार मडळो दर वर्षे करशे होद्दो छोडनार नियामको फरी चुटणा माटे लायक गणाशे

कुलपति-कुलनायकनी मुदत

(६) कुलपति अने कुलनायक दर वर्षनी आखरे पोतानो होद्दो छोडशे ने नवा वर्षमा मळती प्रथमनी नियामक सभामा कुलपति अने कुलनायकनी नवेसर चुटणी थता सुधा तेओ कुलपति अने कुलनायक तरीके रहेशे होद्दो छोडनार कुलपति अने कुलनायक फरी चुटावा लायक गणाशे

फरी चुटावानो अधिकार

(७) नियम ४ मा जणावेल मतदार मडळोमा जे जे कोई दाखल थई शके ते तमाम स्त्री के पुरुष पोताना मतदार मडळ तरफथी नियामक चुटावाने लायक छे

अपवाद :—नियामक सभाए वखतो वखत नियामकोनी अयोग्यता सबधी जे नियमो कर्या होय ते नियमो मुजब जे अयोग्य होय ते नियामक थई शकशे नहि †

खुलासो :—कोई पण सगीर, दाताओना मतदार मडळमा नोधाई शके, परतु तेना सगीरपणामा तेना वालीने तेनी अवेजीमा मत आपवानो तेमज नियामक तरीके चुटावानो हक रहेशे

अनेक मडळमा सभ्यता

(८) एक ज व्यक्ति एकथी वधु मतदार मडळोमा मतदार होई शके अने एकी वखते दरेक मतदार मडळमा मत आपवानो हक धरावी शके

अपवाद :—दाताओना मतदार मडळमा कोई पण मतदार जे वर्गमा नोधाया होय त सिवाय ते मडळना बीजा वर्गमा मतदार तरीके मत आपी शकशे नहि अने ओछी रकमवाळा वर्गमा नोंधाएल मतदार वधु रकम आपी वधु रकमवाळा मतदार वर्गमा नाम नोधावे तो तेम थवाथी ओछी रकमवाळा मतदार वर्गमा मत आपवानो तेमने हक रहेश नहि परतु वधुमा वधु रकमवाळा मतदार वर्गमा नाम नोधाववामा आव्यु होय ते एक ज मतदार वर्गमा ते मत दार तरीके मत आपी शकशे

खुलासो :—दाताओना मतदार मडळनो मतदार बीजा कोई पण मतदार मडळनो मतदार थई शकशे

महामात्र अने निरीक्षकोना अधिकार-अनधिकार

(९) महामात्र अने निरीक्षको नियामक सभाना सभ्यो होइ शक नहि परतु महामात्र नियामक सभाना बेठकमा हाजरी आपी शकशे, वाद विवादमा भाग लई शकशे दरखास्तो रजु करी शकशे परतु कोइ पण बाबतमा नियामक सभामा मत लेवामा आवे त्यारे ते मत आपवा हक्दार नथी

‡ ९ अ ‡ गेरहाजरीथी बरतरफी

जे नियामक लागलागट चार सभामा, अगर बे महिना सुधी नियामक सभानी मजुरी मेळव्या सिवाय हाजरी न आपे, तेने नियामको पैकी रुमा थयेला समजवा आ बे पैकी जे मुदत लाबी हशे ते गणवामा आवशे

---

† सरकारी नोकरी करनार तथा जेने १८ वर्ष पूरा थया न होय, ते नियामक सभाना सभ्य थई शके नहि

‡ स १९७७ ना फागण वद ३ नी नि स नु कार्य २ जु

६ नियामक सभा नियामकोनी जुदी जुदी विद्याना वेत्ताओ तरीके वहेंचणी करी देशे ए सर्वे वेत्ताओ पोताना कार्यमा आ बाबतमा घडेला नियमानुसार नियामक

विद्यासमिति सभानी बहारना जनोने पण वेत्ता तरीके मेळवी शकशे एवी रीते बनेला मडळने आ कार्यमा ते ते विद्यानी विद्यासमिति गणवामा आवशे दरेक विद्यासमिति पोतपोताना विद्यानिधिने चुटशे पण नियामक सभानो सभ्य न होय एवो कोई वेत्ता विद्यानिधि थई शकशे नहि *

७ नियामक सभा पोतामाथी ओछामा ओछा त्रण अने वधारेमा वधारे सात निधिपो चूटशे विद्यापीठनी सर्व स्थावर मिलकत तथा तेने लगता हको ए निधिपोने

निधिपमडळ नामे रहेशे विद्यापीठना सर्वे जगम मिलकत, बॅकना खातां, सरकारी नोट के बाजा मुडा भागना खतपत्रो निधिपो पैकी कोई पण बे अथवा त्रणने नामे राखवानी निधिपो गोठवण करशे +

८. कुलपति, अथवा कुलनायक, अथवा बन्ने तथा महामात्र अने निधिपो मळीने एक कोषाध्यक्ष नीमशे§ ए कोषाध्यक्षना कबजामा विद्यापीठना स्थावर तथा जगम

कोषाध्यक्ष मिलकतना सव खत पत्रो, रोकड नाणु तथा सभाळीने राखवानी वस्तुओ रहेशे

९. नियामक सभा एक अथवा वधारे योग्य पुरुषोने विद्यापीठना हिसाबो तपासवाने अन्वेषको नीमशे अने हीसाबनी चोखवट करवा माटे तेमने योग्य

अन्वेषको अधिकार आपशे

---

* विद्या समिति अने विद्यानिधि मडळनु बधारण स्वतत्र ठरावोथी आ कलम करतां काईक जुदी रीते थयुं छे ए बधारण पाछळ योग्य स्थळे आपवामा आव्यु छे. ए बधारण नियमसर लेखाय ए रीते उपर्ली कलम राखी होय तो ते नीचे प्रमाणे वचाय—

"प्रति वर्षे नियामक सभा जुदी जुदी विद्याना विषयमा विद्यासमितिओ नीमशे अने तेमनो कार्यप्रदेश नक्की करशे दरेक विद्यासमिति पोतपोताना विद्यानिधिने चुटशे, पण नियामक सभानो सभ्य न होय एवो कोई वेत्ता विद्यानिधि थई शकशे नहिं."

+ चालु पद्धति प्रमाणे गुजरात प्रांतिक समिति विद्यापीठना निधिप मडळनुं कार्य सारे छे

§ चालु पद्धति प्रमाणे नियामक सभा कोषाध्यक्षनी नीमणुक करे छे

पूरवणी.

सिद्धान्तो — विद्यापीठना सिद्धान्तो नीच मुजब छे ए सिद्धान्तोने अनुसराने ज विद्यापीठ पोतानु कार्य करे.

राज्यसत्तानोअंकुश — (१) शिक्षण विषे धोरण ठरावबामा, तेमज मदिरोना व्यवस्थामा विद्यापीठ सरकारथा सपूण राते स्वतन्त्र रहे

जे ठेकाणे मान्यता न होय — (२) सरकार साथनो पण पोताना सबध कायम राखे अने विद्यापीठ साथ पण जोडावा इच्छे, तवा कोई मदिरने विद्यापीठ मान्य करे नहि परतु कोई पण सस्थाना विद्यार्थीओने योग्य शरते परीक्षा माटे खानगी विद्यार्थी तरीके दाखल करवाने हरकत नथी

विविधता — (३) विद्यापीठना दरेक मादरमा शिक्षणना एक ज पद्धति रखाववानो आग्रह न होय

परीक्षानी मर्यादा — (४) परीक्षाना सगवड माटे ज शिक्षणक्रममा फेरफार करावतो नहि.

केळवणीनु ध्येय — (५) धार्मिक वर्तन पाववा ए केळवणीनु ध्येय छे

जनहित — (६) सर्व सामान्य जनताने ऊंच चढाववा छे ए बधा शिक्षणनु दृष्टिबिन्दु होवु जोईए

अभेद — (७) कोई पण व्यक्तिना धर्म, जाति, के मत एना शिक्षणमा बाधरूप न गणाय *

केळवणीनु वाहन — (८) शरुथी आखर सुधी केळवणीनु वाहन गूजराती ज होवु जोईए

खुलासो—आ सिद्धान्त १४ मा सिधान्तने बाधक गणवामा न आवे

अपवाद—भाषा शिक्षण ते ते भाषामा आपवाने हरकत नथी

शारिरीक-श्रम — (९) विद्यापीठना दरेक मंदिरमा औद्योगिक केळवणी अथवा शारिरीक महेनत फरज्यात गणवामां आवे

निष्ठा-क्रम — (१०) विद्यापीठमा काम करता अध्यापको वगेरे कामदारोनी निष्ठा के कदर ठराववामा तेमना पगार उपर ध्यान न अपाय.

प्रतिनिधित्व — (११) विद्यापीठना दरेक मदिरने विद्यापीठना काममा पोतानो मत दर्शाववानी योग्य रीते तक मळे

---

* आ सिद्धान्तना एक अर्थ एवो छे के विद्यापीठे मान्य करेलु कोई पण मदिर केवल अन्त्यजोनो बहिष्कार न करी शके (२ जी नियामक सभा, आसो वद ५/७८ कार्य ४ थु.)

१२२३

लोकमत — (१२) विद्यापीठना कार्यो विषे विद्यापीठना मंदिरोमा भणता विद्यार्थीओना वडिलोनो अभिप्राय जाणवाने योग्य व्यवस्था होय

गूजरात बहारना गूजरातीओ — (१३) गूजरात बहार जई वसेला गूजरातीओना हित तरफ पण विद्यापीठ योग्य ध्यान आपे

गूजरातमां बोलाती अन्य भाषाओ — (१४) गूजरातमां रहेता मराठी, हिन्दी, उर्दु वगेरे भाषा बोलनारा विद्यार्थीओ माटे जो ते ते भाषामां केळवणी आपवानी संस्था स्थपाय तो विद्यापीठ तेमने पण मान्यता अने आश्रय आपी शके; पण तेवा मंदिरोमा गूजराती भाषा फरजियात भणाववामां आवे.

दानस्वीकार — (१५) आ सिद्धान्तोने बाध आवे एवी कोई शरते अथवा स्थितिमा विद्यापीठ कोईना दान के सेवा स्वीकारे नहि

---

(२) समितिओनां बंधारणो

(क) कार्यवाहक सभा

१ कार्यवाहक सभा ११ सभ्योनी बनशे

२ कार्यवाहक सभाने नीचेनां कार्यो करवानी सत्ता छे —

(क) विद्यापीठना दरेक खातामा मंजुर करेला खर्चनी हदमां रही तथा जे नियमो ठराववामा आव्या होय तेने अनुसरी ते माटे योग्य लागे तेवो खर्च करवानी

(ख) जे खाता माटे खर्च मंजुर करवामा न आव्यो होय अने कार्यवाहक सभाने ते खर्च उतावळे करवानी आवश्यकता लागती होय, तो ते काम माटे रु ५,००० सुधी खर्च मंजुरी मेळव्या पहेला करवानी अने पाछळथी मंजुरी मेळववानी

(ग) जे खाताओ माटे जुदी समितिओ निमाई न होय ते खाताओ माटे जरुरी माणसनी निमणुक करवानी, तेमने छूटा करवानी, रजा आपवानी, पगार वधारवा घटाडवानी अने दंड करवानी

(घ) विद्यापीठनी परीक्षाओ माटे फी ठराववानी, परीक्षको नीमवानी अने तेमनी फी ठराववानी

(च) मंदिरोने मान्य करवानी *

---

* सं १९७९ नी नियामक सभानी बीजी बेठकना कार्य १२ माना ठरावथी आ सत्ता कुमार अने विनय मंदिर समितिने सोंपवामां आवी छे मिति आषाढ सुद १/७९

(छ) जे मदिरो पोतानी मळे विद्यार्पीठना माथे मबध ताडवा इच्छे तेने अवमान्य करवानी तथा बीजा मदिरोने अवमान्य करवानी भलामण करवानी

(ज) जे खाताओ माटे जुदा समितिओ नामवामा न आवी होय ते सब खाताओना वहिवट करवानी अने तेने माटे नियमो घडवानी अने—

(झ) मात्र नियामक सभा करी शके एवा जे कामो होय तेमा नियामक सभा मळे ते पहेला कोई विषयमा काइ व्यवस्था करवानी के हुकम काढवानी के निर्णय आपवानी जरुर पडे, तो नियामक सभा ए विषे छेल्लो निर्णय आपे त्या सूधीने माटे तेने योग्य लागे तेवी व्यवस्था करवानी, हुकुम काढवानी तथा निर्णय आपवानी ×

३ कार्यवाहक सभा मधारण रीते दर महीने एक वखत मळश असाधारण बेठक कुलनायक पोते अथवा चार मभ्योनी अरजी उपरथी बोलावी शकशे बेठकनी खबर पाच दिवस पहेला आपवी †

कार्यवाहक सभाने सोपायेला कामो

(१) मादगी के एवा कोई बीजा सबळ कारणसर कोइ विद्यार्थी सत्रनी हाजरी भरी

गेरहाजरीनी दरगुजर — शक्यो न होय तेनी महाविद्यालयना आचार्यनी भलामण विचारी गेरहाजरी दरगुजर करवानी

(ख) कुमार अने विनयमंदिर समिति.

नाम — १ कुमार मदिरो, विनयमदिरो, अने अध्यापन मदिरो माटे एक समिति निमाशे तेनु नाम "कुमार अने विनयमदिर समिति" रहेशे

सख्या — २ आ समितिना सभ्योनी सख्या पाचथी ओछी अने बारथी वधारे नहि होय

मुदत — ३ आ समितिना चूटणी एक वर्षने आतरे नवेसरथी थशे जूना सभ्यो फरीथी चूटाइ शकाशे

प्रमुख — ४ समिति पोताना प्रमुख नामशे

कार्यप्रदेश — ५ कार्यप्रदेश — (१) कुमार मदिरो, विनय मदिरो अने अध्यापन मदिरोना अभ्यासक्रम सूचववा पाठ्य पुस्तको नामवा, विनीत परीक्षाना परीक्षको नीमवा, अने बीजु जे काम कार्यवाहक सभा आ समितिने सोपे ते करवा §

× ७६–७७/४ नी स १९ का वद ३–७७

† ७८–७९/१ नि स ९ का सुद १३–७८

* ७८–७९/२ नि स १७ महा सुद १५–७८ का वा सभाना ठराव ६३/८० थी दश दिवस सुधीनी गेरहाजरी दरगुजर करवानी सत्ता आचार्यने आपवामा आवी छे

§ स १९७८–७९ नी १ ली नि स नु कार्य ४ थु

मदिरोना अदाजपत्र (२) विद्यापीठ तरफथी चलाववामा आवता कुमार मदिरोना आवक-खचना अदाजपत्र तैयार करवा अने मजुर थयेला अदाजपत्र प्रमाणे कर-वाना खर्च उपर अकुश राखवो

शिक्षकोनी नीमणुक नु धोरण (३) मदिरोना शिक्षकोनी नीमणुको तथा पगारनु धोरण नियामक सभानी मजुरीथी नक्की करवु §

(४) मदिरोने मान्य करवां†

कार्यवाहक सभाए सोंपेलुं काम

(क) विद्यापीठ हस्तक चालती शाळाओना अदाजपत्र तैयार करवा

(ख) कार्यवाहक सभा पासे ते अदाजपत्रो मजुर करावी ते प्रमाणे शाळाओनो वहीवट करवो

(ग) शाळाओना निरीक्षण अने परीक्षा सबधी नियमो घडी, कार्यवाहक सभानी मजुरी मेळवी, ते सबधी गोठवण करवी

(घ) शाळाओने मान्य करवा अने मदद आपवा माटे तपास करी कार्यवाहक सभाने छेवटनी भलामण करवी

(च) विद्यापीठनी शाळाओमा शिक्षकोने माटे गोठवण करवी अने निरीक्षक अने अध्यापन मदिरना आचार्यनी निमणुक माटे भलामण करवी *

(ग) विद्यासमिति अने विद्यानिधि मंडळ

(१) नियामक सभा महाविद्यालयना दरेक मदिर माटे एक विद्यासमिति नीमशे सिवाय के भाषामदिर, जेमा नीचे प्रमाणे त्रण विद्यासमितिओ नीमवामा आवशे

(क) अरबी, फारसी अने उर्दु माटे 'इसलामी वाग्विद्या समिति'

(ख) हिंदी, गूजराती, मराठी बगाळी, अने सस्कृत माटे 'आर्य वाग्विद्या समिति'

(ग) यूरोपीय भाषाओ माटे 'यूरोपीय वाग्विद्या समिति

---

§ ७८-७९/ ३ नि स ११ (आसो वद ०-७८) उपरथी पेटाकलम (३) घडी छे सदरहु ठराव नीचे मुजब —

विद्यापीठ तरफथी चलाववामा आवता प्राथमिक शाळाओनु आवकखर्चनु अदाजपत्र विद्या-पीठनी शाळासमिति तैयार करे अने अदाजपत्र मजुर थया पछी पण जे काई खर्च तेने अगे करवानु होय ते आ समितिनी मजुरी पछी ज थई शके शाळाओना शिक्षक वर्गनी नीमणुको तेमज पगारनु धोरण पण नियामक सभानी मजुरी साथे शाळासमिति नक्की करे

† स १९७९नी १० मा नियामक सभानु कार्य १२ मु मिति अषाड सुद १-७९

* ७८-७९/१ का वा, सभा ० (का, वद १३-७८)

(२) दरेक विद्यासमिति एक वर्षने आतरे नवेसरथी चूटाशे, अने जुना सभ्यो फरीथी चूटाई शकाशे.

(३) दरेक समिति पोतानो विद्यानिधि नीमशे

(४) कार्यप्रदेश—पोतपोताना मदिरोने लगता विषयोमा अभ्यासक्रम सूचववो, पाठ्य पुस्तको नक्की करवां, अने परीक्षको नीमवा

(५) जो कोइ विद्यासमितिना वेत्ताओ कार्यमां भाग न ले तो ए समितिनो विद्यानिधि पोतानी समितिनु सर्व कार्य एकाकी करी शकशे

(६) सर्व विद्यानिधिओनु एक विद्यानिधि मडळ बनशे अने महाविद्यालयना आचार्यो विद्यानिधि मडळना सत्तानी रूए सभ्य गणाशे दरेक विद्यासमितिना ठरावोनो ए मडळ पहेला विचार करी नियामक सभानी मजुरी माटे पोतानी दरखास्तो अने भलामणो रजु करशे

(७) विद्यानिधि मडळ ज परीक्षा समिति तथा निबन्ध समितिना काम करशे.*

(८) विद्यानिधि मडळने परीक्षा समितिनु काम सोपायलु होवाथी भविष्यमा इनामी निबन्धोना परीक्षक नीमवानी सत्ता पण ए ज मडळने सोपवामा आवे छे †

(घ) पुस्तक समिति

विद्यापीठ तरफथी दरेक जातना पुस्तको प्रगट करवा, तैयार करवा अने कराववा, तथा बीजा लेखको विद्यापीठ पासे पुस्तको मजुर कराववा अगर प्रगट करावबा मागता होय तेवा पुस्तकोनी तपास करवा सारू एक समिति पोताना एक अलग मत्री साथे नीमवामा आवे छे

सदरहु समितिए पुस्तको प्रगट करवा सबधी तथा पाठ्य पुस्तको नक्की करवानी बाबतमा पोतानो अभिप्राय नियामक सभाने जाहेर करवो ×

(च) गुजरात पुरातत्त्व मंदिर प्रबंधसमिति

आ मदिरना सर्व प्रकारना चालु प्रबधना व्यवस्था करवा माटे नियामक सभा एक प्रबध समिति नीमशे जेमा आचार्य अने बीजा पाच सभासदो रहेशे, अने तेओ आ मदिरमांथी

---

* स १९७८–७९ना पहेला नियामक सभानु कार्य ७ मु मिति कारतक सुद १३-७८ तथा स १९७९ना पहेला तथा त्रीजा नियामक सभानु अनुक्रमे कार्य ७ अने १० मु मिति चैत्र सुद ३ तथा आसो सुद १२–७९ मेळवीने उपला नियमो माडया छे

हालमा नीचे मुजब विद्यासमिति नीमाय छे

आर्यविद्या, इस्लामी वाग्विद्या, यूरोपीय वाग्विद्या, समाज विद्या, गणितविद्या, वाणिज्यविद्या, ललितकला आर्यविद्या आर्यभाषा अने पाश्चात्य तत्त्वज्ञान माटे एक ज समिति नीमाय छे

† सं १९७९-ना १५मी का वा-सभानु कार्य ३जु मिति चैत्र वद ९-७९

× स, १९७८--७९नी छट्ठी नियामक सभानु कार्य ९ मु मिति आसो वदी २/७९

काम करनारामार्था हशे ए प्रबध समिति जरुर प्रमाणे पोतामाथी एक अथवा अनेक मत्रीओ पसद करशे आ मदिरनी जुदी जुदी प्रवृत्तिओने पहोचा वळवाने माटे प्रबध समिति जुदी जुदी उपसमितिओ अदरना के बहारना योग्य विद्वानोमांथी नीमी शकशे *

---

(३) जुदी जुदी समितिओए कार्य पद्धतिना अने पोताना क्षेत्रमां करेला नियमो

कार्यपद्धतिना सामान्य नियमो

१ कुलनायक विद्यापीठना दरेक समितिमा सत्तानी रुए सभ्य गणाशे

२ कुलनायक ए दरेक समितिनी बेठकमा प्रमुख तरीके काय करशे तमनी गेरहाजरीमा समिति पोतानो प्रमुख चुटी लेशे

३ महामात्र दरेक समितिना सामान्य मत्री लेखाशे जो कोइ समितिनो खास मत्री नीमवामां आव्यो होय तो ते महामात्रनी सामान्य देखरेख नीचे पोतानु कार्य करशे पण महामात्र अथवा तेवा मत्रीनो अधिकार धरावनार पुरुषनी ते समितिना सभ्य तरीके खासथी निमणुक करवामा आवी न होय तो ते ए समितिना विचार-निर्णयमां भाग लई शकशे नहि

४ जे समिति माटे कार्यसाधक सख्या ठरावबामा आवी न होय तेवी समितिना सभ्योनी चतुर्थांश सख्या कार्यसाधक गणाशे †

५ गूजरात विद्यापीठनी नियामक सभानी के बीजा समितिओनी बेठकमा हाजरी आपवा आवता बहारना सभ्योने आववा जवानु त्रीजा वर्गनु गाडीभाडु अने बीजु मुसाफरीने अगे थयेलु परचुरण खर्च मागे तेने आपवानु ठरावबामा आवे छे §

नियामक सभानी कार्य पद्धतिना नियमो

(स १९७६-७७नी पाचमी नियामक सभानु कार्य १ लु तथा सवत १९७८नी पहेली नियामक सभाना ९ मा कार्य प्रमाणे सुधारा सहित)

---

* स १९७६-७७नी छठ्ठी नियामक सभानु कार्य १ लु. मिति मागसर सुद १२/७७

† स १९७६-७७ नी पाचमी नियामक सभानु कार्य २ जु मिति कारतक वद १० स १९७७

§ - १९७६-७७ ना आठमा नियामक सभानु कार्य ५ मु-मिति पोष वद ३/७७

साधारण बेठको

१ नियामक सभा साधारण रीते वरसमां चार वखत नीचे मुजब मळशे

१ जुनना अंतमां २ सप्टेंबरना अंतमां
३ नवेंबरना अंतमां ४ फेब्रुआरीनी शरूआतमां

असाधारण बेठको

२ सभानी असाधारण बेठक कुलनायक पोते बोलावी शकशे

३ वळी पंदर नियामकोनी लेखी मागणी आव्याथी कुलनायक नियामक सभाने बोलावी शकशे

बेठकनी खबर अने कार्य निर्देश

४ नियामक सभा मळवाना ओछामां ओछा एक अठवाडीआ अगाउ महामात्र दरेक नियामकने ते सभामां रजु करवाना दरेक कामनो निर्देश करशे निर्देशपत्र मळ्या पछी अने नियामकोना वांधा ते अथवा त्यार पछीना नियामक सभामां रजु करी शकाशे पण त्यार सुधीमां वांधा न रजु थया होय, तो ते नियामक सभामां थयेलुं काम योग्य रीते थयेलुं मनाशे

अनिर्दिष्ट काम

५ उपर प्रमाणे निर्देश कर्या सिवायनी काइ हकीकत महामात्र प्रमुखनी संमतिथी रजु करी शकशे, पण आवी रीते पसार करेलो काइ पण ठराव सामे कोइ नियामकने वांधो होय, तो त्यार पछीनी बीजी ज नियामक सभामां ते विषे सुधारो लावी शकशे

प्रमुखपद

कुलपति, तेनी गेरहाजरीमां कुलनायक अने तेनी गेरहाजरीमां सभाए पसंद करेलो कोइ पण नियामक, नियामक सभानुं प्रमुख पद लेशे

कार्यसाधक संख्या

७ बार नियामकोनी हाजरी कार्यसाधक (quorum) गणाशे, पण कार्यसाधक संख्याने अभावे मुलतवी रहेला सभामां गमे तेटला हाजरीए पण काम थइ शकशे मुलतवी रहेली सभानी खबर एक दिवस अगाउ मळे तो पुरती गणाशे

दरखास्तो

८ कोइ पण दरखास्त लावनार नियामके सभामां थनारा कार्यक्रमनी खबर साथे ए दरखास्तनी खबर आपी शकाय एवी रीते महामात्रने आगळथी जणाववुं जोइशे कार्यक्रममां न जणावेला विषय उपर महामात्र सिवाय बीजा कोइथी दरखास्त लावी शकाशे नहि

प्रमुखनी सत्ता

९ नीचेनी बाबतनो निर्णय प्रमुख आपी शकशे

(१) कार्यक्रममां जेनो निर्देश थयो न होय, तेवी कोइ बाबत महामात्र रजु करे ते विषे

(२) कार्यवाहीना नियमसरपणा संबंधीना वांधाओ विषे (points of order)

(३) मत लेवानी पद्धति विषे

(४) नियामकोने बोलवाना हक तथा क्रम विषे

(५) सामान्यतः नियामक सभानुं काम बराबर चाले ते संभाळवा माटे

१० दरेक नियामक, सभामा आवता ज एक ठरावेला पुस्तकमां पोतानी सही अने
नियामकोनी फरज आववानो वखत नोंधशे जे क्रममा सही थई हशे, ते क्रममा नियामको आवेला गणाशे

११ बनता सुधी दरेक नियामके गूजराती अगर हिंदुस्तानीमा ज व्यवहार चलाववो
सभानु भाषावाहन महामात्रे कागळो गूजरातीमा ज रजु करवा *

१२ नियामक सभा जे कोइ बाबत उपर एक वखत निर्णय उपर आवी होय, ते
चाचल्यनिषेध बाबत उपर त्रण मास पहेला फरीथी विचार नहि करे, सिवाय के ते बाबत हाथ धरवाने माटे नियामक सभाना अर्ध उपरात सभ्योनी ते माटे अरजी आवे §

कुमार अने विनय मंदिर समितिना नियमो

१. रजा आपवानी सत्ता—विद्यापीठना कुमार अने विनय मदिरना आचार्यो तथा निरीक्षकोने जोईनी २० दिवस सुधीनी आवश्यक रजाओनी अरजीओनो नीकाल करवानी प्रमुखने सत्ता आपवामा आवे छे, अने मददनीश शिक्षकोने एवी रजा आपवानी सत्ता ते ते मदिरना आचार्यने आपवामा आवे छे

२. मदिरोमा शिक्षकोनी नीमणुक—विद्यापीठना मदिरोमा मासिक रु ३० सुधीना पगारना शिक्षको वगेरेनी नीमणुक करवानी सत्ता प्रमुखने आपवामा आवे छे तेवी नीमणुक थये तेनी नोध समितिनी बेठकमां लेवी +

विद्यानिधि मंडळ

विद्यानिधिनी गेरहाजरी माटे नियम—

विद्यानिधि मडळनी कोई बेठकमा कोइ विद्यानिधिन हाजरी आपवी अशक्य होय तो ते बेठक माटे ते पोताना विद्यासमितिना कोई वेतान विद्यानिधि तरीके नीमी शके †

पुस्तक समितिना नियमो

परिपत्रथी कार्यनी उकेल—

(१) जे विषय माटे महामात्रने एम लागे के पत्रथी अभिप्राय मागी शकाय, ते माटे समितिने बोलाववाने बदले अठवाडीआनी मुदत ठरावी परिपत्र (सरक्युलर)थी सभ्योना अभिप्राय मागी ले

(२) ठरावेल मुदतमां ओछामां ओछा त्रण अभिप्रायो आवे अने ते सर्वे एक सरखा होय तो ते प्रमाणे समितिए ठराव कर्यो छे एम समजी ए प्रमाणेनो ठराव

* स १९७६–७७/११ नि स कार्य १० मु मिति फागण वद ३/७७

§ १९७८–७९ १ नि स १० का सु १३/७८

+स १९७८–७९/११ कु वि म समिति कार्य १० मु मिति चैत्र वद १४/७९

† स १९७९नी नियामक सभानी त्रीजी बेठक कार्य १० मु मिति आसो सुद १२/७९

अहेवालना पुस्तकमां उतारी लई, ते उपर कुलनायकनी मंजुरी लई ते मुजब महामात्र अमल करे

(३) जो अभिप्रायोमां मतभेद होय, अथवा चर्चानी मागणी करवामां आवी होय, के तेनी जरुर लागी आवे तो समितिनी सभा बोलाववामां आवे §

(४) जे विषय माटे परिपत्र फेरववामां आव्युं होय तेज विषय माटे समितिनी बेठक भरवी पडे तो ए बेठकमां कायमाधक संख्या जरुरी न गणवी *

अवलोकनार्थे फेरवेला पुस्तको इ० ना अभिप्राय संबधी नियमो—

१ अन्यत्र प्रकाशित पुस्तकने, सो पान त्रण दिवस लेखे वाचवा राखी शकाय ए मुदतमा लेखी अभिप्राय साथे पाछु आपवु जोइए

२ नीचेनी कोइपण एक रीते अभिप्राय आपवो—

"पाठय पुस्तक तरीक——— धोरण माटे भलामण"

"बाळकोना / सामान्य पुस्तकालयमा राखवा / न राखवा जेवु

"शिक्षकोने उपयोगी"

" ने उपयोगी, पण नीचेनो भाग काढी नाखवामां आवे तो"

(भाग स्पष्टपणे जणाववा)

"ना पसंद"

३ लेखकने प्रकाशकने कांइ सूचना अथवा पुस्तक विषे काइ सामान्य टीका करवानी इच्छा होय, तो तेणे ते साथे जुदा लखी मोकलवी

४ विद्यापीठ द्वारा प्रसिद्ध कराववा माटे आवेल हस्तलेख के छेल्लु प्रूफ सो पाने पाच दिवस लेखे वाचवा राखी शकाय (ए विषे अभिप्राय आपवा माटे सभ्ये योग्य लागे ते भाषा वापरवी)

दाताओने आपवानी भेट संबधी नियम—

पहेला वर्गना दाताओने सर्व पुस्तको, बीजा वर्गना दाताओने रु १) नी किंमत सुधीना पुस्तको अने त्रीजा वर्गना तथा पहेला बे वर्गना दाताओने विद्यापीठना निवेदनो वगेरे भेट मोकलवा ×

विद्यापीठना मुख्य आडतीआ—

बाळगोविंद कुबेरदासनी कं० ने विद्यापीठना पुस्तको वेचवा माटे मुख्य आडतीआ नीमवामा आवे छे †

§ स १९७८-७९ नी ८ मी पुस्तक समितिनु कार्य ५ मु मिति चैत्र वद १/७९

* स १९७९ नो पुस्तक समितिनी पदरमी बेठक ठराव २ मिति आसो वद १/७९

× स १९८०/२ पु स ठराव ३ पोष वद ९

† स १९७९ नो पुस्तक समितिनी नवमी बेठकनु कार्य १ मिति द्वि जेठ सुद ३/७९

विद्यापीठनी नीति संबंधी ठरावो

१ कातण काम उपर भार—

आ नियामक सभानो एवो ठराव छे के राष्ट्रीय महासभाना असहकार उपरना ठरावने मान आपवाने खातर अने एक वर्षनी अदर स्वराज्य मेळववाना प्रयत्नमा साहाय्य आपवाने खातर गूजरात विद्यापीठे मान्य करेली बधी शाळामा व्यवस्थापको, अध्यापको वगेरेए विद्यार्थीओने कातवानु शिक्षण आपवु, अने स्वदेशीनो प्रचार पूरा वेगथी थाय तेने सारू अने देशमा सूतरनी जबरदस्त तूटी छे तेनी पूर्ति करवा सारू जे जे विद्यार्थीओ तैयार थाय तेओनी पासे सूतर उत्पन्न करावदु, अने आम करता वखतनो भोग आपवो पडे ते भोग आपवा शिक्षकोए विद्यार्थीओने समजपूर्वक तैयार करवा, अने ए अभिप्रायनो अमल करवा माटे जे व्यवहारु पगला भरवा जरुरी लागे ते प्रत्येक मदिरोने लेवा आ सभा भलामण करे छे †

२ हिंदुस्तानी उपर भार—

आ सभानो एवो अभिप्राय छे के राष्ट्रीय शिक्षणमां हिंदुस्तानीना ज्ञाननी खामी अत्यत जणाय छे, ते दूर करवाने सारू विद्यार्थीओने हिंदुस्तानी जलदी शीखववानो प्रयत्न विद्यापीठने लगती शाळाओए करवो घटे छे, के जेथी नवी शिक्षण पद्धति दाखल करवामां विद्यापीठने अनुकूळता मळे †

३ *पुरातत्त्व मदिर अने महाविद्यालय—

(१) गूजरात पुरातत्त्व मदिर अने गूजरात महाविद्यालय बन्ने सस्थाओ एकज उद्देशवाळी एकबीजाने सहाय करनारी सस्थाओ छे, अने तेथी ए बे वच्चे सहकार होवो जोइए

खुलासो—आ विधाननो इरादो नियामक सभाए स १९७७ ना मागसर सुद १२ नी बेठकमा, पुरातत्त्व मदिरनी योजना मजुर करती वखते जे सात उद्देशो नक्की करी आप्या छे, तेमा फेरफार करवानो नथी, पण विद्यानी वृद्धि (advancement of learning) ए बन्ने सस्थाओनो एक परम उद्देश छे, ए कहेवानो ज छे

(२) पुरातत्त्व मदिरनी अन्तर्गत व्यवस्था माटे नीचे प्रमाणे सगवड जोइए—

क—(१) पुरातत्त्व मदिरना पुस्तकालयनी पूर्ण व्यवस्था एमनी प्रबध समितिना हाथमा रहे एटले पुस्तको खरीदवा, बहार काढवां-न काढवा, अने पुस्तकोनी व्यवस्था राखवी (लाइब्रेरियननी फरजो) प्रबध समितिना निर्णय प्रमाणे थाय, पण पुस्तको नकामा बेवडाय नहि तेटला माटे बन्ने सस्थाओए पुस्तको खरीदता पहेलां ते पुस्तको बीजा पुस्तकालयमा छे के नहि तेनी परस्पर तपास करवी

(२) पुस्तकोनु अदाजपत्र पुरातत्त्वमदिर तरफथी सूचववामा आवे, अने कार्यवाहक सभा ते उपर विचार करी भलामण करे, अने नियामक सभा भलामणनो विचार करी रकम नक्की करे

---

† स १९७६-७७ नी सातमी नियामक सभानु पोष सुद ५/७७ नु कार्य १

* स १९७९ नी कार्यवाहक सभानी बावीसमी बेठकनु ६ ठु कार्य मिति आसो वद ९/७९

ख—महाविद्यालयना शिक्षण माटे पुरातत्त्व मंदिरना अध्यापकोए मदद करवी जोईए, ए नियामक सभानो ठराव ध्यानमां लई पुरातत्त्व मंदिरना आचार्य मारफते महाविद्यालयना आचार्य ए विषे गोठवण करे

ग—पुरातत्त्व मंदिरमां संशोधन, स्वाध्याय इत्यादि कार्यनी योजना पुरातत्त्व मंदिरनी प्रबंध समिति नक्की करे, अने तेनी नोंध नियामक सभा पासे वखतोवखत करावे

घ—पुस्तकोनां प्रकाशन संबंधी निर्णय प्रबंध समिति करे ए पुस्तको विद्यापीठना पुरातत्त्व मंदिर ग्रन्थावली रूपे प्रसिद्ध थाय एना प्रूफ वगेरेना संशोधन माटे प्रबंध समितिना मंत्री जवाबदार गणाय, पुस्तकोनी नकलोना मूल्य भेट वगेरे आपवाना नियमो विषे प्रबंध समिति निर्णय करे, पण एने छपाववा वगेरेनी व्यवस्था विद्यापीठ कार्यालय द्वारा थाय

च—पुरातत्त्व मंदिरना अध्यापकोने पुस्तकालयमां बेसीने शांतपणे ज्यारे गमे त्यारे कार्य करवानी सगवड जोईए

(३) महाविद्यालय पुस्तकालय अने पुरातत्त्व मंदिर पुस्तकालयनी व्यवस्था हालमां भिन्न राखवी ज योग्य छे पण बन्ने पुस्तकालयो भिन्न छतां एक ज मकानमां गोठवाय ए इष्ट छे एटले आ प्रश्न केवळ योग्य मकान मळवा उपर रहे छे

४ वेतनो—

विद्यापीठना सेवको विषे वेतन विचारिणी समितिना निवेदनने विचारी नीचे मुजब कार्यवाहक सभाए ठराव कर्यो छे —१

(क) विद्यापीठना जवाबदार सेवकोना वेतनो विषे नीचे प्रमाण धोरण स्वीकारवामां आवे छे, अने भविष्यमां थनारा दरेक नीमणूक समये नीमावा इच्छता सेवकोने ए धोरणनी जाण छे एम मानवामां आवशे

खुलासो—जवाबदार सेवकोमां नीचेना प्रकारना सेवकोनो समावेश करवो कुलनायक, महामात्र, गूजरात महाविद्यालयना आचार्य अने अध्यापको, पुरातत्त्वमंदिरना आचार्य अने अध्यापको तथा सामान्यतः जेमने कार्यवाहक सभा जवाबदार सेवकनी श्रेणीमां मूकवा ठरावे ते

(१) विद्यापीठमां कोइने पोतानी आर्थिक स्थिति सुधारवाने माटे क्षेत्र नथी

(२) विद्यापीठ एवी आशा राखे छे के दरेक सेवक पोताना सशक्त आयुष्यनो मोटो भाग पोतानी शक्ति प्रमाणे गूजरातनी प्रजानी सेवा करवानी वृत्तिथी प्रेराईने आवेलो छे अने ए सेवा करवाने माटे एने निश्चिंतता मळे तथा एनी शक्ति जळवाइ रहे तेटला माटे ज एने विद्यापीठमांथी जरुर होय त्यारे अने तेटली निर्वाहवृत्ति स्वीकारवानी फरज पडे छे आथी विद्यापीठना सेवकोने आर्थिक नुकसान सहन करवुं पडे ए स्वाभाविक गणाय

---

१ सं १९७९ नी कार्यवाहक सभानी बावीसमी बेठकनुं ५ मुं कार्य मिति आसो वद ९/७९

(३) सेवकोनी प्रतिष्ठा के कदर करवामा तेमना पगारनो कशो सबध नथी ए विद्यापीठनो एक सिद्धान्त छे

(४) आथी करीने दरेक सेवक जोडाय त्यारे पोतानी बधाइ गयेली रहेणीनी टेवो, कौटुबिक परिस्थिति अने अनिवार्यपणे देखाता प्रसगोने लीधे जे जरुरीआतो पोते ओछी करी शके एम न होय तेने तथा तेने पहोंची वळवाना बीजा साधनो होय तेने ध्यानमा लइ जे पगार ठरावी ते तेमा कदी वधारो थवानी एणे आशा राखवी न जोइए

(५) ज्या एवी रीते पगार ठरावती वखते शरुआतमां गणत्रीमा काइक भूल थई हती एम मालम पडे त्यारे ज एकाद प्रसग एवो सभवित गणाय के जेमा पगारमां वधारो करवानी मागणी करी शकाय गणत्रीमा एथी उलटी भूल थई होय तो पगार घटाडवानी मागणी पण आवे, अने विद्यापीठ एवी आशा राखे के कोइ पण सेवक एम करवामा सकोच न माने

(६) विद्यापीठ सामान्य रीते कोईने एवो पगार न आपी शके के जे सामान्य रीते एने अदा करवानी फरजो माटे मळता पगारथी वधारे पडतो होय, उलटु विद्यापीठ एने बहार मळी शके तेना करता ओछा पगारे एनी सेवा मेळववा उमेद राखे बधा सेवकोना पगारो सरखा करवानु धोरण विद्यापीठ राखी शके एम नथी

(७) भविष्यमा नीमवाना जवाबदार सेवको माटे सामान्यत मासिक रू १००) नो पगार पूरतो गणाशे, अने हालना के भविष्यना कोइ पण सेवकनो पगार मासिक रू २००)थी वधु राखवामा आवशे नहि

अपवाद—श्री धर्मानद कोसम्बीनी नीमणुक अपवाद रूप गणवामा आवे

(८) पगार ठरावतामा सेवकन प्रामाणिकपणे बीजी रीते उपजती अथवा उपजी शके एवी आवकनो ख्याल करवामा आवे अने तेने माटे योग्य परवानगी तेमज ते उपर अकुश विद्यापीठ मूकी शकशे

(९) विद्यापीठ कोइ पण सेवकने एक मास पहेलां खबर आपी छूटा करी शके

(ख) आ सिवायना बीजा दफतरखाताओना, कुमारमदिरना अने बीजा सेवको विषे नीचे प्रमाणे धोरण राखवामा आवे छे—

१ उपर जणावेला नियम १ थी ५ ने ए स्वीकारे एवो प्रयत्न करवामां आवे, पण ए स्वीकार्या छे एम मानी लेवामा न आवे

२ एने अदा करवानी फरज माटे जगद्दृष्टि अने एनी लायकात करतां वधारे पगार ठराववामा न आवे

३ कोई पण सेवकने राख्या बाद छ महिना पहेलां पगारमां वधारो करवामां न आवे

४ वर्षमा एकथी वधारे वखत पगारमा वधारो करवामा न आवे

५ एकी सामटो मासिक रू ५ थी वधारे वधारो करवामा न आवे

६ पगारनी आखरी हद दरेक सेवक माटे एनी लायकात मुजब जुदी जुदी होइ शके तेमा एणे करेली सेवानी मुदत विचारवा जेवी एक बाबत गणाय, पण ए निर्णयकारी बाबत न गणाय ए आखरी हद नीमणुक वखते अथवा भविष्यमा कोइ पण समये ठरावी शकाय

७ छ महिना बाद अथवा वर्षमां एक वार पगार वधवो ज जोइए एम हक न गणाय

(ग) नवी गूजराती शाळाना शिक्षकोना वेतनना विषे नीचे मुजब धोरण राखवामा आव्यु छे —

(१) सिनियर ट्रेन्ड— ४५–२॥–६०–१–७५—वार्षिक
बीजु वर्ष पास— ३०–३–५०–१–६०— ,,
पहेलु वर्ष पास अथवा अध्यापन मंदिरमा पास— ३०–३–४०–१–५०

(२) सदरहु शिक्षकोने अनुक्रमे रू ५०, ४० अने ३५ नु वेतन मळतु थाय त्या सुधी एक कलाक खानगी शिक्षण आपवाना छूट आपवामा आवशे उपलो पगार मळतो थाय त्यारे शिक्षकोए खानगी शिक्षण बंध करवु पडशे §

सेवको माटे नियमो

१. सेवकोनी बीजी प्रवृत्ति—

विद्यापीठना सेवकोए पोताना विद्यापीठना साधारण काममा विक्षेप थाय एवी कोइ पण बीजी प्रवृत्ति उपाडया पहेलां कार्यवाहक सभानी परवानगी मेळववी जोइए *

२. संचालकोनुं महेनताणु -

(परीक्षाना) नियामको तथा संचालकोने महेनताणु आपवानी पद्धति न बेसाडवी ए आ सभाने इष्ट लागे छे परीक्षाओनु काय करेलवामा गुजरात महाविद्यालयना अध्यापकोए सहाय आपवानी सभा फरज समजे छे ते उपरांत जेटला नियामको-संचालकोनी जरुर जणाय तेटला स्वयंसेवको-विद्यार्थीओ मित्रो तथा मान्य मंदिरोमाथी मेळववा प्रयत्न करवामा आवे †

३. निरीक्षकनी नोंध—

विद्यापीठना निरीक्षको दर अठवाडीए पोताना कामनी नित्यनोंध शाळा समिति उपर मोकलावे, अने ते समितिना सभ्योने जोवा माटे प्रांतिक समिति कार्यालय जेवा मध्यस्थ अने अनुकूळ स्थळे राखवामा आवे अथवा सभ्योमा फेरववामा आवे ×

४ नीमणुको करवा संबंधी नियमो-रू ३०) उपरनी नीमणुंक—

सर्व खाताओमा मासिक रू ३०) के तथा ओछा पगारनी नीमणुको ते खाताना अधिकारी करी शके पण ते नीमणुकनी कार्यवाहक सभामा नोंध लेवडावी जोइए ते उपरनी सर्वे नीमणुको कार्यवाहक सभानी मंजुरी लईने पछीज करवी +

§ स १९८०/८ कु वि. म स ठराव ५३–आषाढ व. १०

*स १९८०नी कार्यवाहक सभानी त्रीजी बेठकनु कार्य १ लु ठराव २४ मिति पोष सुद १५/८०

† स १९७९ नी १५ मी का वा सभानु कार्य १२ मु मिति चैत्र वद ९/७९

× स १९७८–७९ नी छठ्ठी नियामक सभानु कार्य १२ मु मिति आसो वदी २/७८

+स १९७९ नी कार्यवाहक सभानी १८ मी बेठकनु कार्य ४ थु ठराव १ मिति श्रावण वद १/७९

५. रजाना नियमो—

(क) महाविद्यालयना अध्यापको माटे

१ कोइ पण रजा मेळववानो हक मनाशे नहि

२ वर्षमा १० दिवस सुधी आवश्यक कारणोने माटे रजा आपवानो अधिकार आचार्य-ने आपवामा आवे छे सदरहु रजा गेरहाजर रह्या पहेला मेळववी जोईए अने ते एक साथे छ दिवसथी वधु अथवा तहेवारोनी लाबी रजाना अनुसधानमा भोगवी शकाशे नहि

३ खास कारणो माटे कार्यवाहक सभानी पहेलेथी मजुरी मेळवी एक वर्षे एक मासनी अर्धे पगारे रजा भोगवी शकाशे

४ उपरना नियमोनो भग करी राखेली गेरहाजरीनी सपूर्ण मुदतनो (एटले तहेवारोना दिवसो सुद्धानो) पगार कापी लेवामा आवशे +

(ख) पुरातत्त्व मंदिर माटे

महाविद्यालयमा मोटी रजाओ चालती होय त्यारे मदिरना अध्यापको तथा मन्त्रीओ परस्पर समतिथी रजा लई शकशे ×

बाकीना अधिकारीओने मदिरना वहीवटने वाधो न आवे ए रीते उनाळामा एक मास सुधीनी रजा आपवानी मन्त्री गोठवण करी शके *

(ग) विद्यापीठ द्वारा चालतां मदिरो माटे

१ विक्रम वर्षमा बे सक्रान्त रजाओ तथा तहेवारो उपरांत वधारेमां वधारे २० दिवसनी आवश्यक कारणो सारू रजा मळी शके

२ ए आवश्यक रजा एकी वखते एक अठवाडीयाथी वधु न होय रजा दरमियान साप्ताहिक छुट्टीनो दिवस न आवतो होय, तो ते मुदतथी जुदो गणाय

३ आवश्यक रजा मत्रनी तथा तहेवारोना रजाओना अनुसधानमा न मळी शके

४ आवश्यक रजाओ मेळववानो सेवकोनो अधिकार ज छे एम न गणाय.

५ पहेलेथी रजा मेळववी अशक्य अथवा लगभग अशक्य होय ते सिवाय बीजा प्रसगोमा सेवक रजा पहेला मेळवी पछी ज गेरहाजर रही शके जे प्रसगोमा एम न बन्यु होय ते वखते एमणे गेरहाजरीनी तुर्त ज खबर आपवी जोईए

६ मादगी के बीजा कोई अति आवश्यक कारणोने लीधे आवश्यक रजा करतां वधु रजानी कोई सेवकने जरूर पडे तो एक वर्ष सुधी नोकरी करेल सेवकने अर्धे पगारे एक महीना सुधीनी, अने कपाते पगार वधारे मुदतनी रजा मळी शकशे ए करता ओछी नोकरी बजावेल सेवकने एवी रजा मळी शकशे नहि आवी रजा मांगवा माटे दर्शावेलां कारणोनी योग्यायोग्यतानो निर्णय रजा आपनार अधिकारी करशे

+ सवत् १९७९ नी कार्यवाहक सभानी १६ मी बेठक कार्य १४ मु मिति बीजा जेठ सुद १०/७९

× गू पु प्रबध समिति २ जो ठराव मिति श्रावण सुद ५/७९

* गू पु प्रबध समिति २ जो ठराव मिति महा वद २/७९

७ योग्य कारणोने लीधे खास प्रसगोमा मादगीनी रजा विषेना नियमोमा आ (कुमार अने विनयमदिर) समिति फेरफार करी शकशे †

(घ) दफतरी काम करता सेवको माटे रजाना नियमो

१–(क) विद्यापीठनी जे ते सस्थामा पळाती तहेवारना रजाओ अने अठवाडीक रजा उपरात दफतरी काम करता दरेक सेवकने एकी साथ के छूटक छूटक वर्षमा एकदरे एक मासनी चढते पगारे 'हकना रजा' मळशे ते रजानो समय दरेक सेवक माटे दरेक सस्थाना अधिकारीए कामनी अनुकूळता प्रमाणे नक्की करवो

(ख) महाविद्यालयना कारकुनाने वर्षमा एकदरे आपवानी हकना रजानी मुदत नक्की करवानी सत्ता आचार्यश्रीने आपवामा आव छे

२ हकनी रजा उपरात आवश्यक प्रसगमा दरेक सेवकने वर्षमा वधारेमा वधारे २० दिवसनी 'आवश्यक रजा' मळी शकशे, पण ते भोगववानो कोईनो हक नहि गणाय एका साथे सामान्य रीते एक अठवाडीआ करता वधारे 'आवश्यक रजा' कोईने आपवामा नहि आवे, तेम ते लाबी रजाओना मधाणमा खास अनिवार्य सजोगो सिवाय कोईने मळी शकशे नहि आ रजाओ आपवानो अधिकार पण दरेक सस्थाना अधिकारीने आपवामा आवे छे

३ रजा दरम्यान अठवाडीक रजानो दिवस न आवतो होय तो ते ए मुदतथी जुदो गणाशे

४ दरेक सेवक सामान्य रीते पहेला रजा मेळवा पछी ज गेरहाजर रही शकशे खास अडचणने लीधे तेम न थइ शक्यु होय ते वखत तूत ज गेरहाजरीनी खबर आपी रजा मेळवा लेवी जोईए.

५ मादगी के बीजा अति आवश्यक कारणाने लीधे आवश्यक रजा करता वधारे रजानी कोईने जरूर पडे तो ते सबधी अरजानो निर्णय कार्यवाहक सभा करशे

६ उपरना नियमोनो भग करी राखेली गेरहाजरीनी मुदतनो पगार कापी लेवामा आवशे *

गूजरात पुरातत्त्व मंदिर

१ गूजरात पुरातत्त्व मदिरनी योजना—

(छट्ठी नियामक सभाए स १९७७ ना मागसर सुद १२ ने दिवसे मजूर करेली)

नाम १ आ सस्थानु नाम 'गूजरात पुरातत्त्व मदिर' एवु राखवामा आवे छे

उद्देशो २ (१) साधारण रीते तो आखा हिंदुस्थानना अने खास करीने गूजरातना प्राचीन इतिहास, साहित्य, स्थापत्य, भाषा, कळा, विज्ञान, धर्म, समाज अने तत्त्वज्ञान वगेरे विषयोनी शोधखोळ करवी अने तेना परिणामो प्रकाशित करवा

---

† स १९७८–७९ नी कु वि म नी १० मी बेठकनु कार्य ५ मु–माघ व ३–७९

*कार्यवाहक सभा ठराव ९६/८०

(२) हिंदुस्थानना प्राचीन इतिहास, साहित्य अने दर्शनशास्त्रोनु, तेमज सस्कृत, प्राकृत अने पाली आदि भाषाओनु शास्त्रीय अने तुलनात्मक पद्धतिए शिक्षण आपवु

(३) शोधखोळना विषयमा रस लेनारा शोधकोना उपयोग माटे एक सारामां सारु पुस्तकालय बनाववु, जेनी अदर प्राच्य विद्याने लगतु आज सुधीमा प्रकट थयेलु समग्र साहित्य सग्रहित करवामा आवे

(४) सस्कृत, प्राकृत, पाली, अपभ्रश, अने जुनी गूजराती, फारसी, अरब्बी, आदि भाषाओमा लखायेला अलभ्य-दुर्लभ्य ग्रन्थोने नवीन पद्धतिए सशोधित-मुद्रित करी प्रकट करवा-करावबा

(५) देश अने विदेशनी जुदी जुदी भाषाओमा लखायेला पुरातत्त्व विषयक साहित्यने गूजराती भाषामां उतारवु

(६) शोधखोळ विषयना अभ्यासीओने तेमना अभ्यासकार्यमां दरेक प्रकारना साहित्य सबधी सहायता आपवी

२ पुस्तकोनी भेटना नियमो

प्रबध समितिना सभ्योने अभिप्राय अर्थे पुरातत्त्व मदिर तरफथी प्रसिद्ध थता पुस्तकोनी एकेक नकल आपवी सभ्योमांथी कोई पोते ज ग्रथकार होय तो ग्रथकार तरीके तेने चोपडीओ मळती होवाथी एने सभ्य तरीके प्रत न आपवी

टीप —पुरातत्त्व मदिर तरफथी प्रसिद्ध थतां पुस्तको अवलोकनार्थे मासिकोने मोकलवामा आवे छे *

३ 'पुरातत्त्व' संबंधी नियम

त्रैमासिक कॉम्पलीमेन्टरी लिस्टमां प्रबन्ध समितिना सभ्योनां नाम राखवा, एवी मान्यताथी के प्रबन्ध समितिना सभ्यो त्रैमासिकमा हमेशा लखता रहेशे

टीप —पुरातत्त्व त्रैमासिकनी एक नकल दरेक लेखकने आपवामा आवे छे अने लेखकना कहेवाथी तेना पोताना लेखनी वधारेमा वधारे पचास नकल योग्य लागे तो वाढी आपवामां आवे छे लेखक पोते जो प्रबध समितिनो सभ्य होय तो पण तेने ते अकनी एकज नकल आपवामां आवे छे †

४. पुस्तकोनुं सपादन

पुरातत्त्व मदिर तरफथी जे पुस्तको तैयार करवामा, सपादन करवामां अथवा प्रसिद्ध करवामा आवे ते विषे दरेक वखते नीचे प्रमाणे व्यवस्था करवी

---

* गू. पु. प्र समितिनो ठराव ५ मो. मिति आसो वद १२/७८

† गू. पु प्रबध समिति ठराव ६ ठो. मिति आसो वद १२/७८

क—ग्रन्थ-लेखक अथवा-संपादक कया धोरणसर अने कई रीते चोपडी तैयार करवा मागे छे, अथवा तेने तैयार करवी जोइए, अने तेने माटे एने कई कई सगवड जोइए अने केटलो वखत आसरे तेमा एने रोकवो पडे ए विषयनी योजना प्रबंध समिति प्रथम मंजुर करे

ख—आ रीते चोपडी अथवा तेनो प्रथम नक्की करेलो खंड तैयार थया पछी अथवा लगभग तैयार थवा आवे एटले प्रबंध समिति फरी मळी ते ग्रन्थनु प्रकाशन कई रीते करवु अने तेना खर्चने माटे शी सगवड करवी ते विषे ठराव करे

ग—छापवा माटे चोपडी बराबर तैयार थया पछी ज ते छापवा माटे आपवामा आवे

घ—आ प्रणाली प्रमाणे काम करता जो चोपडी छपाता दरम्यान अमुक जातना फेरफारो अथवा सुधारा वधारा करवानी जरूर ज जणाय तो ते प्रमाणे छूट आपवानी सत्ता आचार्यश्रीने रहेशे मात्र तेम करवाना कारणो आचार्यश्री लखीने प्रबंध समिति आगळ रजु करशे †

पदवीदान समारंभ विधि*

१ नियामको, महामात्र तथा उमेदवारोए शुद्ध खादीना पोषाकमा हाजर थवु पोषाकमा मात्र धोतीउ (के पायजामो) पहेरण अने टोपी एटलु ज होय डगलो वगेरे वधारे पडतो पोषाक न होय गाधी टोपी सर्वे उमेदवारोए पहेरवी ज जोइए नियामकोए उपवीत प्रमाणे आसमानी रंगनो दुपट्टो राखवो

पोषाक

२ उमेदवारोए एक 'स्नातक स्थविका' राखवी, पण तेनी पर रंगीन पट्टानी जरूर नथी, पण सर्वे 'विशारद' पदवीना उमेदवारोए गुलाबी रंगनु विद्यापीठनु चिह्न स्थविका उपर राखवु नियामकोए ध्यान चिह्न बताववानी जरुर नथी

स्थविका अने चिह्न

३ महामात्रने मोखरे राखी कुलपति, कुलनायको, कार्यवाहको, नियामको, अने उमेदवारो, ए क्रममां बब्बेनी हारमा सरघस आवे

सरघस

४ महामात्र नीचे प्रमाणे कुलपतिने संबोधन करे —

क्रियाविधि स्नातक माटे

कुलपतिजी, आ विद्यार्थीओए (विद्यार्थीना नाम वाचवां) विद्यापीठना धाराधोरण प्रमाणे तालीम लीधी छे, तथा अभ्यास पूरो कर्यो छे, अने अध्यापको तथा परीक्षकोए तेमने पोतपोताना विषयमा '**विशारद**'नी पदवीने लायक जाहेर कर्या छे, तथा आ विद्यार्थीओ हवे स्नातक थइ जीवननी फरजो अदा करवा इच्छा धरावे छे, माटे तेमने '**विशारद**'नी पदवी एनायत करवा आपने विनति करु छु

कुलपतिजी आ विद्यार्थीओए (नाम वाचवा) '**विशारद**' पदवी माटे योग्य गणाय एटली तालीम लइ तथा अभ्यास करी राष्ट्रनी सारी रीते सेवा बजावी छे, अने

† गू पु प्रबंध समिति ठराव १ लो मिति माहा सुद १३–८०

* आसो सुद ५/७९ नी कार्यवाहक सभानु कार्य ३ जु

सेवार्थेपदवी लेनारा माटे — कार्यवाहक समाए एमने पोतपोताना विषयमा 'विशारद्'नी पदवी माटे लायक जाहेर कर्या छे, माटे तेमने 'विशारद'नी पदवी एनायत करवा आपने विनति करु छु

कुलपति—आ विनति सामे कोईनो विरोध छे ?

नियामको मौन राखे तो—

कुलपति—आपना मौनथी आप सर्वनी समति छे, एम हु मानु छु (उमेदवाराने)– गूजरात विद्यापीठनी प्रतिष्टा अने गौरवनु सरक्षण अने सवर्धन थाय, अने स्वधर्माचरणथी तमारी, स्वदेशनी अने स्वभाषानी उन्नति थाय, अने आ रीते तमारु जीवन अमोघ थाय,—ए तमारा कर्तव्य प्रति तमे जाग्रत रहेशो ?

उमेद्वारो—जी

कुलपति—विद्यार्थीगण, गूजरात विद्यापीठना नियामकोए आपेली समति अने सत्ताथी तथा तमे आपेला आश्वासनथी हु तमने पोतपोतना विषयमा 'विशारद्' नी पदवी अर्पण करी, स्नातक थई जगतमां जई पोताना जीवननी फरजो अदा करवा अनुमति आपु छु

५ कार्यक्रम

सरघस
प्रार्थना—सस्कृत तथा अरबी
महामात्रनु निवेदन
पदवीदान
कुलनायकनु व्याख्यान
कुलपतिनु व्याख्यान
राष्ट्रगीत

(ख) शाळाओ माटे नियमो

मदिरोने मान्य करवाना नियमो×

१ गूजरात अथवा बीजा कोई भागमा गूजराती लोकोना अने गूजराती भाषामा शिक्षण आपता मदिरोने आ विद्यापीठ मान्य करी शकशे

२ गूजरात विद्यापीठनी मान्यता मागनु होय तेवा मदिरना व्यवस्थापकोए महामात्रने अरजो करवाथी मदिरनी बाबतमा योग्य तपास करी तेने मान्य करवामा आवशे मान्य करती वखते नीचेनी शरतोनु पालन करवा उपर खास ध्यान आपवामां आवशे

(१) मदिरनी गाममां अगर लत्तामा जरुरीआत, विद्यार्थीओनी सख्या, गामना लोकोनो उत्साह, अने नीभाववा माटे करवामा आवती सगवड

× स. १९७९ नी नियामक सभानी बीजा बेठकनु १४ मु कार्य मिति अषाढ सुद १/७

(२) मदिरना मकाननी हवा अजवाळा अने तदुरस्तीना नियम प्रमाणे योग्यता

(३) मदिरमां तदुरस्ती अने व्यवस्थितताना नियमो उपर अपातु ध्यान

(४) शिक्षण माटे योग्य अने पुरता साधनोनी सामग्री

(५) अध्यापकवर्गनी लायकात अने पगार

(६) मदिरना पत्रको तथा हिसाब वगेरेनी चोखवट

(७) अत्यज विद्यार्थीओ प्रत्ये मदिरनी वृत्ति

(८) औद्योगिक शिक्षण अने कतामण उपर अपातु ध्यान

(९) मदिरनी विद्यार्थीओना चारित्र्य उपर थती असर

(१०) मदिरनी आर्थिक स्थिति

३ मान्यता मेळववा माटेनी अरजी परिशिष्ट १ मा जणावेला नमुना मुजब करवी अमलदारोए ते उपर परिशिष्ट २ मा सूचव्या मुजब सलाह आपवी मान्य करेला मदिरने परिशिष्ट ३ मा दर्शाव्या मुजब प्रमाणपत्र आपवामा आवशे *

४ जे मदिरने जेटले अशे मान्य करवामा आव्यु होय तेथी जुदा विषयोमा मान्य गणी शकाशे नहि ए विषयमा मान्यता मेळववा फरीथी अरजी करवी जोईशे

५ विद्यापीठ तरफथी मान्य राखेला सघळा मदिरोए नीचेना नियमो पाळवा पडशे —

(१) मदिरना सर्व दफतरो विद्यापीठ ठरावे ते प्रमाणे राखवा

(२) विद्यार्थी पहेलवहेलो दाखल थाय ते वखते मदिरना पत्रकमा विद्यार्थीना बाप अगर वालीनी सही करावी लेवी

(३) विद्यार्थीए पहेला कोई मान्य मदिरमा अभ्यास करेलो होय तो ते मदिरनु, उमर तथा धोरण वगेरेना दाखलानु प्रमाणपत्र मदिरना दफतरमा राखवु जो तेवु मदिर मान्य न होय तो विद्यार्थीना बाप अगर वाली पासे विद्यार्थीना उमरनी तथा अभ्यासना माहिती मगावी तेनी नोध राखवी

(४) एकज गाममा विद्यापीठे मान्य करेला एक करता वधारे विनय मदिर होय तो आवा एक मदिरमाथी बीजा मदिरमा विद्यार्थीने सत्रनी शरुआतना पदर दिवस सुधामा ज दाखल करी शकाय अने ते मुदत पछी विद्यार्थीने दाखल करवामा न आवे अने कोई जातनी गफलत के बीजा कारणथी दाखल थई गयो होय तो ते भूल नजरे आवता तेने तूतज तेना मूळ मदिरमा रवी वसुल थयेली फीनी रकम साथे मोकली देवो, अगर ते मदिरमा तेने रहेवा देवा माटे मजुरी मेळववी

(५) विद्यार्थीनो बाप अगर वाली मागे त्यारे तरतज विद्यार्थीना अभ्यास वगेरेनु प्रमाणपत्र मदिरे आपवु

---

* सदरहु परिशिष्टो भाग ३ मा आप्या छे

(७) विद्यापीठे मान्य करेलु कोई पण मदिर केवळ अत्यजोनो बहिष्कार करी नहि शके.

(८) विद्यापीठ तरफथी घडवामां आवे ते नियमोनु पालन करवु

(९) विद्यापीठना अमलदारोने मदिरोमा तपास करवानी सगवड करी आपवी पडशे

(१०) विद्यापीठ नक्की करे ते धोरण उपर लक्ष आपी मान्य करेला बधां मदिरोनो वहीवट चलाववामा आवशे

(११) महामात्र जे कांई खबर मागे ते मदिरना व्यवस्थापकोए वखतसर पूरी पाडवी पडशे

टीप --मान्य करवाना नियमो अने पत्रको विद्यापीठ कार्यालयमा लखवाथी मोकलवामां आवशे

विनयमंदिरोने मदद आपवाना नियमो.*

१ विद्यापीठनी पहेलेथी मजुरी मेळव्या सिवाय स १९७९ ना प्रथम जेठ सुद १ पछी कोई पण नवु विनयमदिर अथवा चालु मदिरोमा नवा वर्गो उघाडवामां आवशे तो ते मदिरो अने वर्गोने अगे थतो खर्च त्रण वर्ष सुधी विद्यापीठ आपशे नहि

नवा मदिरो अने वर्गोनो प्रतिबध

२ नीचे पैकी कोई पण वर्गमां आवता विनयमदिर पासे वधारेमां वधारे त्रीजा भाग जेटली मदद मेळववाथी चाली शके एटला साधन हशे, तेनो छेल्ला छ महिनानो वहिवट सतोषकारक जणाये विद्यापीठ तेने मदद आपवानो विचार करी शकशे —

मदद माटे लायकात

(क) सवत १९७९ ना प्र जेठ सुद १ पहेला मान्य थयेलां

(ख) ए मुदत पछी कलम १ मा जणाव्या मुजब मजुरी मेळवी उघडेलां अथवा मान्य थयेला, पण आ प्रमाणे उघडेलां मदिरोना पहेला छ महीनाना खर्च पेटे कांई मदद करी शकाशे नहि

३ (१) मदद माटेनु वर्ष वैशाख सुद १ थी चैत्र वदी ३० सुधीनु गणवामा आवशे, अने ते मुजब पहेलु वर्ष स १९७९ ना वैशाख सुदी १ थी स १९८० ना चैत्र वदी ३० सुधीनु गणवामां आवशे

वर्षनी गणत्री

(२) वर्षनी वच्चे मान्य थयेलां मदिरने वैशाख सुदी १ थी मान्यता माटे भलामण करवानी मिति सुधीना खर्च पेटे मदद मळी नहि शके

४ आगला वर्षनो खरो खर्च तथा चालु वर्षनो अदाज तथा चालु वर्षनी वीतेली मुदतमां थयेलो खर्च ध्यानमा लई विद्यापीठना अमलदारो मदद माटे कुल खर्चनो आंकडो नक्की करे ते योग्य गणवामा आवशे

खर्चनी गणत्री

५ मदद मेळववा इच्छता विनयमदिरमां कुल विद्यार्थीनी हाजर सख्या सरेराश ६० नी होवी जोइए

विद्यार्थीनी सख्या

---

*स १९७९ नी नियामक सभानी बीजी बेठकनु १५ मु कार्य. मिति अषाढ सुद १-७९

खुलासो — मदद माटे विनयमंदिरना ओछामा ओछा पाच धोरण शीखववानी व्यवस्था आवा मंदिरमा होवी जोइए

बे मंदिरनो खर्च — ६ सामान्य रीते एक स्थळमा बे विनयमंदिरोने विद्यापीठ मदद आपशे नहि

खर्चना नियमो — ७ नीचे जणावेला खर्चो माटे विद्यापीठ मदद करशे नहि

(१) मंदिर अने छात्रालयने लगता बाधकामो (२) एक औद्योगिक वर्गमा ओछामा ओछा १५ विद्यार्थी थाय ते पहेला बीजो औद्योगिक वर्ग शरु करवाना अने नीभाववानो खर्च (३) विद्यापीठने वधारे पडता लागे एवा साहित्या, साधनो, पुस्तको, सरसामान तथा बाजा खर्च (४) जे विनयमंदिरमा १०० करता ओछा विद्यार्थी होय, ते मंदिरमा वर्ग शिक्षको उपरातना शिक्षकोना पगार

खुलासो—उपर जणावेला काइ खर्चो माटे खास (ear-marked) दान हशे तो ते दानमांथी मदद आपवाने आ नियम बाधक थशे नहि

८ आ उपरात मदद आपती वखते कोई मंदिर साथे खास शरतो करवानी विद्यापीठ छूट राखे छे

९ मदद माटेना अरजी आवता विद्यापीठ घटती तपास करावी अने मंदिरना व्यवस्थापक

खास शरतो — जे विगतो रजु करे ते साभळी मददना रकम, प्रकार अने शरतो नक्की करशे

रकम नक्की करता विचारवा योग्य विगतो — १० मददनी रकम नक्की करती वखते नीचनी विगतो उपर ध्यान आपवमां आवशे

(क) मंदिरनी गाममा अगर लत्तामा जरुरियात

(ख) मंदिरना मकाननी हवा अजवाळा अने तदुरस्तीना नियमो प्रमाणे योग्यता,

(ग) तदुरस्तीना नियमो कसरत, खुल्लामा रमवानी रमतो तथा विद्यार्थीओना शारीरिक विकास उपर अपातु ध्यान

(घ) शिक्षण माटे योग्य अने पूरता साधनोनी सामग्री

(च) अध्यापक वर्गनी लायकात अने पगार

(छ) मालिकनो मंदिरमाथी पोताने खाते उपाड

(ज) कायमनु भडोळ, जील्ला अथवा तालुका समिति तरफथी मळेली रकम,

(झ) औद्योगिक शिक्षणनी सगवड

(ट) अत्यज विद्यार्थीओनी सख्या अने एमना प्रत्ये दर्शाववामा आवेली वृत्ति,

(ठ) मंदिरोना पत्रको तथा हिसाब वगेरेनी चोखवट

मान्यताना नियमोनो स्वीकार — ११ मदद मेळवता मंदिरोए मान्य मंदिरोने पाळवाना नियमो अवश्य पाळवा जोइशे

१२ मदिरोए मदद माटेनी अरजी बतावेला नियमो प्रमाणे करवी अने ते उपर सलाह आपनार अमलदारोए बतावेला नमुना प्रमाणे सलाह आपवी †

अरजीनो नमुनो

(ग) विद्यापीठने मळेली भेट

पुरातत्त्व मंदिरना पुस्तकालय माटे भेट—

१ शेठ पूजाभाइ हीराचदे लखेल पत्र मूजब श्रीमद् राजचद्रजीना स्मरणार्थे एकठा थयेल रू ३०००० नी रकम गूजरात पुरातत्त्व मदिरना पुस्तकालय माटे साभार स्वीकारवी अने पुस्तकालयनु नाम श्रीमद राजचद्र ज्ञानभडार राखवु *

चांदीनां कास्केटो—

२ मुबाइ श्री टिलक स्वराज फाळाना ट्रस्टीओ पासेथी भाइ अेन्डूसने मळेला दीनां आट कास्केटोनी भेट, कास्केटोने जाळवी राखवा अने वेचवा नहि ए शरत साथे साभार स्वीकारवामा आवे छे कास्केटोने गूजरात महाविद्यालयमा राखवा.†

तिजोरीनी भेट—

३ मेसर्स गोद्रेज अने बॉइसनी कु मुबई तरफथी एक तिजोरीनी भेट मळी छे.§

---

† पत्रको माटे भाग ३ जुओ

* स १९७६ ७७ नी अगीआरमी नियामक सभानु कार्य ५ मु, मिति फागण वदी ३

† स. १९७८–७९ नी नियामक सभानु कार्य ५ मु मिति श्रावण सुद १४–७८ आ कास्केटो हाल विद्यापीठ कार्यालयमा राखेला छे

§स. १९७९ नी नियामक सभानी त्रीजी बेठक महामात्रनु निवेदन. (९)

भाग २

अभ्यासक्रमो

कुमार मंदिरो माटे अभ्यासक्रम अने पाठय पुस्तको*

शिक्षकोने स्मरण

१ 'शिक्षक अने शिक्षण '-प्रकाशक, दक्षिणामूर्ति विद्यालय, भावनगर ए दरेक शिक्षके वांची जवु जोइये

२ भणतर परीक्षा माटे नथी पण बाळक ए माणस छे, अने वधारे माणसाई मेळववा आव्यो छे, ए भूलवु नहि

३ तबीयतने भोगे कांई पण भणाववु नहि

४ मारीने अथवा बीक बतावीने भणाववु नहि

५ भणतरथी ज माणसाई आवती नथी माटे मदबुद्धि विद्यार्थी तरफ दयाभाव राखवो, अने ते आपणु भणाव्यु न भणे तो चिंता न राखवी, पण एनामा शु भणवानी शक्ति छे, ते शोधी काढवु

६ विद्यार्थीनी नीति अने बुद्धिमा दोष देखाय, त्यारे माबाप साथे सहकार वधारवो, अने एमनी बाळको प्रत्ये सहानुभूति मेळववी

७ स्वदेशीना सवादो-सरघसो हद बहार काढवा नहि, पण स्वदेशीनो रस एमनी रगोमा उतारी देवो

८ फरवा जवा माटे जरुर समय राखवो

९ केळवणी ए ज राष्ट्रीय चळवळ छे, माटे आपत्काळ विना शिक्षकोए मंदिर सिवायनी चळवळोमा हाथ घालवो नहि, पण ए बधाथी वाकेफ रहेवु, अने विद्यार्थीओने ए विषे समजाववु

१० उदरनिर्वाहने माटे शिक्षक थवु नहि, राजकीय चळवळना कार्यक्रमनु केळवणी एक पेटा-अग छे एम समजी शिक्षक थवु नहि, पण बाळको प्रत्येना प्रेमथी, एमने अज्ञान-

---

* आ अभ्यासक्रम जुदो चार आननी किंमते मळी शकशे पोस्टेज जुदु

मांथी ज्ञान तरफ दोरवा, एमनी माणसाई वधारवा केळवणीने धर्म समजीने ज शिक्षक थवु अने तेथी जे मदिरनु सूत्र हाथमा लीधु होय, तेने बीजा प्रलोभनोने वश थई छोडी देवु नहि

११ जो बाळकोमा स्वाश्रय, स्वाभिमान, नीडरता, सत्याप्रयता, अने स्वार्पणनी वृत्ति न आवे तो शिक्षण मिथ्या गयु छे एम समजवु

अभ्यासक्रम *

सारांश

पूर्णकुमार मदिरनो नीचे प्रमाणे साडा आठ वर्षनो अभ्यासक्रम राख्यो छे—

वर्ष	धोरण	वय वर्ष
पहेला छ महीना	तालीम वर्ग	५–६
१ लु	बाळ वर्ग	६–७
२ जु	पहेलु	७–८
३ जु	बीजु	८–९
४ थु	त्रीजु	९–१०
५ मु	चोथु	१०–११
६ ठु	पाचमु	११–१२
७ मु	छट्ठु	१२–१३
८ मु	सातमु	१३–१४

धोरण छ, सात अने आठनो अभ्यासक्रम विनयमदिरना पहेला त्रण धोरणने मळतो छे, पण घणा विद्यार्थीओ १३–१४ वर्षनी उमरे पोतानो अभ्यास बध करता होवाथी विनीत परीक्षानी दृष्टिर्थी विनयमदिरमा दाखल करेला केटलाक विषयो टाळीने तेने बदले ए जीवनमा प्रवेश करवा योग्य बने एवु केटलुक ज्ञान आपवानो अभ्यासक्रम घडयो छे तोये पूर्ण कुमार मदिरमां अभ्याम करेला विद्यार्थीने विनयमदिरना ४ था धोरणमा प्रवेश थवामां मुश्केली नहि नडे, कारण के एने केटलाक विषय नवा लागशे, तो केटलाक उपयोगी विषयोमां ए आगळ वधेलो हशे

विनयमदिरना पहेला त्रण धोरणमाना टाळेला विषयोनु अधुरु ज्ञान, ए वय पछी अभ्यास छोडी देनार विद्यार्थीओने केवळ काळक्षेप करावनारु होवाथी, मदिरोना व्यवस्थापकोए ५ मा धोरण सुधीनु कुमारमदिर अने त्यार बादनु अपूर्ण विनयमदिर करवानी लालचमा पडवु इष्ट नथी

तालीम वर्ग—छ महीना.

विषयो—१ शारीरिक स्वच्छता २ वस्त्रनी व्यवस्था ३ कार्यव्यवस्थिति ४ नियम–पालन ५ रमत–पर्यटन ६ वार्ता–कथन ७ कविता–गान ८ वाचन–प्रयोग

---

* आ अभ्यासक्रम मार्गदर्शक अने सुचनारूपे छे.

१. शारीरिक स्वच्छता (दररोज ०॥ समय)

(१) दातण करता शीखववु, (२) नख, आंख, कान, नाक, वाळ, हाथ, पग, म्हो स्वच्छ राखाववां (वाळ होय तो होळवां शीखववु), (३) हाथ धोता अने कोगळा करता शीखववु

सामग्री—दातण, डोल के कुडु, लोटी, माटी, आरसी, कासको

२. वस्त्रनी व्यवस्था (दररोज ०॥ समय)

(१) कपडां काढता अने पहेरता शीखववु–मां बोरीआ बीडता, नाडी बांधता शीखववानु आवी जाय, (२) (बाळक धोतीउ के ओढणी पहेरीने आवतु होय तो) धोतीआने कमर आगळ ओटी देता,–काछडी पाटली वाळता, अने कच्छ करता–काम करती अने बेसती वखते धोतीउ सकेलता–दोडता धोतीउ पगमां भराय नहि–वारेवारे धोतीउ छूटी न जाय–एवी व्यवस्था बतावची, तेमज छोकरीने ओढणीनो छेडो खोसता अने पाटली वाळता–छूटो छेडो जमीन पर घसडाय नहि एवी रीते खभे राखता, वाळ वीखराय नहि एवी रीते माथे ओढतां, दोडता छूटो छेडो पग नळे आवे नहि एवी व्यवस्था राखता शीखववु, (३) कपडांने लगती कुटेवो दूर करवी–उदा० कपडा चाववा, कपडाथी नाक, हाथ लोवा वगेरे, (४) कपडांनी साचवण, घडी करवी वगेरे (५) (नदी के कोशनी अनुकूळता होय त्यां) नाना नानां कपडां धोतां अने सूकवता शीखववु

३ कार्य—व्यवस्थिति (दररोज ०॥ समय)

(१) खावापीवानी—खाता के पाणी पीता पहेला हाथ धोता, अने लो'ता–वेर्या विना चवाणु वगेरे खाता अने पीरसता–माटलामांथी ढोळ्या विना पाणी काढता, पीता, अने पाता–खाधा पछी हाथ धोता अने कोगळा करता–शीखववु, (२) हाथ पगनी—चालता, दोडता, वदन करता, वस्तुओ व्यवस्थित रीते शांतिथी लावता, लइ जता अने मूकता–शीखववु; (३) रीतभातनी—विनय विवेकथी बोलता, मेळावडा, भीड वगेरेमां वर्तता, त्यां बेसता, त्यांथी उठता–आसन गोठवता, सकेलता, मूकता, ते उपर बेसता, अने ते उपरथी ऊठता–शीखववु

सामग्री—आसन, पाणी काढवा माटे डोयो अथवा लोटा, पीवानो प्यालो

४. नियम-पालन (दररोज ०॥ समय)

(१) मळमूत्रना त्याग माटे, थुकवा माटे, पाणी ढोळवा माटे वगेरे जे स्थानको नक्की कर्यां होय त्यां ज ते क्रियाओ करवानी टेव (२) ते स्थानकोए क्रिया करी त्यां माटी वगेरे नाखवानी टेव, (३) हाथ स्वच्छ धोवानी टेव, (४) वर्गमां नियमित आववानी टेव–पाडवी, (५) विद्यार्थीने सवारे नियमित रीते शौच माटे जवानी टेव छे के नहि ते तपासवु, अने न होय तो ए टेव पाडवी

५ रमत-पर्यटन (दररोज १ समय)

(१) **रमतो**—दोडधामनी तेमज रमवानी देशी रमतो–हारजीत माटे अति रस के विषाद विना अने घोंघाट विना रमवी

(२) **पर्यटन**—फरवा जेवा स्थानकोए फरवा जवु त्यानी विशेषता के खामीओ, स्वच्छता के गदकी, पशु, पखी, झाड, पान वगेरेने जोवा चित्ताकर्षक वस्तुओ उपर ध्यान खेचवु.

(३) **पर्यटनमां धधो**—जातजातना फूल, पान, बीज, घास, काकरा, छीप भेगा करवा एनी रचना तपासवी उदा०—

एरडाना जेवा झाडो नवा उगता होय, त्यारे तेनां पानोनी अणीओ गणवी,

कोई जीवने दुभव्या विना एनी रचना तपासवी,

कोई झाड नीचे, डुगरा पर, नदी किनारे, खेतरमा के देवालयमां बेसी वार्ता कहेवी, के प्रार्थना करवी, के भजन गावा

६ **वार्ता-कथन** (पर्यटनना समयमां)

बाळ वार्ताओ कही सभळाववी (वार्ता बाळक पासे कहेवडाववी नहि, अने वार्तानो बोध कहेवो नहि पण बाळको पोतानी मेळे ज परस्पर वातो कहे अथवा कहेली वार्ता पर टीका करे तेमा रोकवानी जरूर नहि)

शिक्षकोने वांचवा योग्य पुस्तको—

' बाळ वार्ताओ ' विषे व्याख्यान—श्री गिजुभाई बधेका अने काका कालेलकर (गूजरात विद्यापीठ–कि ०–३–०)

बाळवार्तानी खुबीओ—श्री कालेलकर (दक्षिणामूर्तिभवन, भावनगर)

बाळवार्ता कहेनारने—श्री गिजुभाई बधेका (दक्षिणामूर्तिभवन, भावनगर)

वार्ताओ शोधवा माटे पुस्तको

इसप कथा भा १–२ (चित्रशाळा प्रेस, पूना)

बाळवार्ताओ भा १–२–३ (दक्षिणामूर्त्तिभवन, भावनगर)

हितोपदेश (प धीमतराम नवलराम)

पंचतंत्र (गूजराती प्रेस)

मूरखो (गूजराती प्रेस)

चतुरसींग (गूजराती प्रेस)

सीताहरण (नवजीवन प्रकाशन मदिर)

बाळवार्ता (गगाशकर वैष्णव)

अरेबियन नाइट्स

पुराणनी बाळबोधक वार्ताओ (सौ शारदा महेता)

७. कविता-गान (पयटनना समयमा-अथवा एकान्तरे एक समय)

चणीबोर (गूजरात विद्यापीठ)

सुंदर भेट (दक्षिणामूर्तिभवन, भावनगर)

—आमांथी बाळ-वगमा चलाववा जेवा कविताओ गावी अने गवराववी पण मोढे करावववानो आग्रह न राखवा

८ **वाचन-प्रयोग** (एकान्तरे अथवा रोज १ समय)

सहेली वार्ताओ अने जातजातना बालपाठ्योआमांथी सारी रीते वाचन करी समजाववु

बाळवर्ग वर्ष १ लुं

विषयो—१. भाषा २. लेखन ३ गणित ४ सामान्यज्ञान ५ कवायद-रमत

१. भाषा

(१) **वाचन**—मूळाक्षर अने बाराखडीनु (शुद्ध उच्चारण साथे) ज्ञान एक चोपडीनु वाचन (एटले अलामण करेलु कोइपण एक पुस्तक अथवा एवा वाक्यो वाचवानी शक्ति)

वापरी शकाय एवा पाठ्य पुस्तको

नानी अने मोटी चालणगाडी (गुजरात विद्यापीठ)

सरळ बाळपोथी (नवी गूजराती शाळा, अमदावाद)

नवी पहेली चोपडी (लक्ष्मी इलेक्ट्रिक प्रेस, वडोदरा)

(२) **अ-कविता**—मोढे आशरे २५ लीटी तथा बीजी आशरे १०० लीटी शिक्षक साथे गावी

पाठ्य-पुस्तको

वाचनमाळाना पुस्तकमाथी अथवा

चणीबोर (गूजरात विद्यापीठ) भाग १ माथी पसदगी

बालवाडी भाग १ लो (राष्ट्रीय प्रथमाळा कार्यालय, सुरत)

सुदर भेट (दक्षिणामूर्तिभवन भावनगर)माथी चणीबोरने धोरणे पसन्दगी

वीरपसली (वनिताविश्राम पाठशाळा अमदावाद)माथी ए ज धोरणे पसन्दगी

आ-ताळी साथ धून गावी

सहेली धूनो—१ राजा राम राम राम सीता राम राम राम

२ गोपाळ कृष्ण-राधे कृष्ण

३ राम कृष्ण गोविंद, जय जय गोविंद,
हरे राम गोविंद, जय जय गोविंद

४ श्री राम जय राम जय जय राम

(**सूचना**—दरेक धून साथे जातजातनी चालनी, ताळीनी, हाथ फेरववा वगेरेनी रमतो पण रमी शकाय उदा० पहेली बीजी अने त्रीजी धूनो बच्चे छोकरा अथवा टोळीओ बच्चे बोली शकाय, बीजी धून बे विद्यार्थी सामसामा बेसी आ रीते रमी शके-' गोपाळ ' बोलती वखते पोताना हाथोनी ताळी, ' कृष्ण ' बोलती वखते साथेना छोकराना बे हाथ पर ताळी, ' राधे ' बोलती वखते पोतानी साथळ पर ताळी, अने ' कृष्ण ' बोलती वखते पाछी सामे ताळी आपवी)

अवकाश अने आवडत होय तो—

इ-रास

(३) **चित्रवाचन**—एटले चित्र जोइ एनु वर्णन करवु, अने एनी वार्ता कहेवी वर्णनमां आखा चित्रनो ख्याल, अवयवो, रग, स्थिति, समय, परिस्थिति वगेरे अथवा चित्र द्वारा समजाती वार्ताओ

साधनो—चित्रशाळा प्रेस (पुना) ना चित्रो

प्युपिल्स पिक्चर कॉम्पोझिशन (के अने जे कूपर, मुबइ)

हिंदी पच (मुबाइ समाचार प्रेस, मुबइ)—ना कारटूनोनी चोपडी

फाधर टक (Tuck) नी छींट (Calico) सिरीझना चित्रनां पुस्तको जेवी चोपडीओ दुनीआनां पशु, पखी वगेरेना मोटा **नकशाओ**

सचित्र पुस्तको

पुष्प, झाड, छोडवा वगेरेनां माटीना प्लास्टरना के लाकडानां **रमकडां वगेरे**

बालमासिको

(**सूचना**—आ विषय माटे पुस्तको के चित्रो विद्यार्थी पासे वेचातां लेवडाववानी जरूर नथी कोई विद्यार्थीओ पासे आवा पुस्तको, चित्रो के रमकडां होय तो बीजा विद्यार्थीओने देखाडवा एने समजावी मगाववा)

(४) **वार्ता**—तालीम वर्गना अभ्यासक्रममा सूचवेली यादीमांनां पुस्तकोमांथी

२. लेखन

(१) **शब्द लेखन**—विद्यार्थीनी मरजीमा आवे ते लखे

(**सूचना**—विद्यार्थीनी पाटी पर चोरस खाना पडे एवी लीटीओ शिक्षके आंकी देवी, अने चोरसना बराबर अमुक भागमा ज अतरनु प्रमाण साचवी लखवानी टेव पाडवी, ए सलाह भर्यु छे चोरस अर्धा इचनो)

सामग्री अने अवकाश होय त्यां—

(२) **आलेखन**—अ जुदा जुदा आकारना नाना पाटीया वगेरेनी आसपास कांकरो फेरवी तेवो आकार पाटी पर उठाववो, अथवा तेवा आकारनां छिद्रोवाळां

पाटीयां पाटीपर गोठवी, अदर काकरो फेरवी तेवो आकार पाडवो
एवा आकारमा ,गनो स्वडीथी रग पूरवो

आ. विद्यार्थीनी इच्छामा आवे एवी आकृतिओ काढवी

(नाना बाळको काढी शके एवा योग्य चित्रो बनी शके तो वगमा राखवा)

३. गणीत.

(१) **आंक**—१०×१०=१०० सुधी जुनी पद्धतिथी, अथवा २०×५=१०० सुधी नवी पद्धतिथी

(२) **पलाखां**—सीधां (एटले पांच सत्ता ? छ अट्ठा ' चोगडेपाचडे ? वगेरे)

(३) **गणत्री**—एकथी सो सुधी पदर्थोनी गणत्री

(४) **उलटी गणत्री**—सोथी एक सुधी

(५) पदार्थोनी उमेरणी तथा बादबाकी

पुस्तको—देशी हिसाब

आंकनी चोपडी

नवा आंक (चरोतर एज्युकेशन सोमाईटी, आणद)

विद्यार्थी गणीत भा. १ लो (,,)

नवु सरल मुखगणित---प्रेमचद करमचद शाह

मुखगणित शिक्षक भा–१ लो (छगनलाल मोनीराम शाह, सुरत)

गणितमाळा बाळपोथी (न्यु हाई स्कूल, मुबई)

(**सूचना**---विद्यार्थीने देशी हिसाब के एकाद आकनी चोपडी सिवाय बीजा पुस्तकोनी जरूर नथी)

साहित्य---पदार्थ गणत्री माटे---चचुका, माळाना मणका, कोडी, लखोटा, काकरा, घास के धान्यना बीज वगेरे

४. सामान्य ज्ञान

(१) इन्द्रियोनी केळवणी—

मूळरगोनी ओळखाण आकारनी ओळखाण—गोळ, त्रिकोण, चतुष्कोण वगेरे बाजुओ वाळी आकृतिओ, परिचित माणसोना फोटा परथी तेमने ओळखवा इत्यादि अवाजनी ओळखाण, प्राणीओना अवाज, थाळी के बीजी वस्तुओ उपर वेलण, धातुनो सळीयो वगेरे वस्तुओ अफाळी शु अफाळ्यु छे ते ओळखवु वर्गना विद्यार्थीओना अवाज ओळखवा, (साधन होय त्यां, जुदां जुदां वाजींत्रोना अवाज ओळखवा), आख वींचीने अवाजनी दिशामा जवु वगेरे, गधनी ओळखाण—गधवाळा पांदडांने आगळीमा चोळी ए झाड के वेलाने ओळखवा उदा० तुळसी, मरवो, कपास, लींबडो, आंबो, कणजी, काकडी वगेरे ए ज प्रमाणे नवसार, गधक,

रब्बर, चुनो वगेरेने तपाववाथी नीकळता गंध ओळखाववा स्पर्श ज्ञान–आंख वींचीने सरखा आकारनी जुदी जुदी चीजो ओळखवी–माटीनो, लाकडानो अने धातुनो दडो, अडधो अने पैसो, ढब्बु अने रुपीओ, जुदी जुदी आकृतिओ, स्पर्शथी वर्गना विद्यार्थीओने ओळखवा, रमकडा ओळखवां वगेरे

(२) व्यवहार ज्ञान—

१ प्रदेशना सामान्य जीव, जंतु, पशु, पक्षीओनी ओळखाण—उदा० कोयल, होलो, बुलबुल, तेतर (काबर), लेला, माकडी (घासनो घोडो), नोळीओ, सरडो, घो, सापोळीउ, चाकळ, साप इ०

२ जुदा जुदा धान्यो, मसाला, झाडो, छोडो अने तेना पांदडा तथा फूलोनी ओळखाण

३ सामान्य धातुओनी ओळखाण—उदा० लोढु, तांबु, पित्तळ, रूपु, सोनु वगेरे

४ चलणी नाणानी ओळखाण

५ पोस्टनी टीकीटोनी ओळखाण (ए उपरथी रंग पण शीखवी शकाय)

६ रेंटीयाना मुख्य भागोनी ओळखाण—त्राक, साडी, चमरखा, माळ, पांखां, हाथो, फाळको, फाळकी, कोकडु, खोली

७ राष्ट्रध्वजनी तथा मोटा देशोनी धजाओनी ओळखाण, स्वदेशी अने विदेशीनो अर्थ.

(३) नियमोनु ज्ञान—

कइ बाजुथी वर्ग बहार नीकळवु, कइ बाजुथी जवु, कोइ आवे त्यारे एनो केवी रीते सत्कार करवो, प्रणाम केम करवो, क्यारे करवा, कोने करवा, जयकार केवी रीते बोलवो, आसन केम माडवु, पाटी क्या चोवी, शा वडे लूछवी, काकरो क्या घसवो, चोपडी केम उघाडवी, केम पकडवी, केटले छेटे राखवी, इ०

(**सूचना**—नियमोनु पालन कृत्रिम न थवु जोइए, नियमना पालन पाछळ उमंग, हेतु, स्वाभाविकता न होय, पण यान्त्रिकता होय, तो ते पालन नकामु छे).

५. कवायद–रमत

कवायद— " एक बोलता उभा थईए " वगेरे हारमा चालवु, सीधा उभा रहेवु, टटार बेसवु, शांति जाळववी, पडछायो हाले नहि तेवी रीते उभा रहेवु के बेसवु वगेरे. (कोईपण हुकम वधारेमा वधारे त्रण मीनीटे बदलवो)

पाणी भरेलु प्यालु के लोटी वगर ढोळे लई जवु, लोटामांथी प्यालामां पाणी वगर ढोळे रेडवु, लीटी, पाटा वगेरे उपर चालवु

रमतो—दोडवानी शरत

दोडधामनी रमतो–उदाहरणार्थ सातताळी (दान), डाहीनो घोडो, चलकचलाणुं, धूपछाव, मारदडी, लकडीयोदान, अगद (उंचो) कूदको, हनुमान (लांबे) कूदको, गजग्राह (दोरडु खेंचवु), वगेरे

બેટી રમતો-ચણચણ મોગરી (બગલી) ઇ૦, ટોપી સતાડવી, અડકો દડકો વગેરે શાંતિના રમતો—

રમતો વિષે પુસ્તકો

દેશી રમતો (છગનલાલ ઠા મોદી સુરત).
ઘરમાં રમવાના રમતો (ગોવિંદભાઈ હાથાભાઈ)
ઘરમાં રમવાની રમતો (વડોદરા સેન્ટ્રલ લાયબ્રરી)

પહેલું ધોરણ—વર્ષ ૨ જું

વિષયો— ૧ ભાષા ૨ લેખન ૩ આલેખન ૪ ગણિત ૫ સામાન્યજ્ઞાન ૬ કવાયદ-રમત ૭ ઉદ્યોગ

૧. ભાષા.

(૧) **વાચન**—મુખવાચન—શબ્દના અર્થ, જોડાક્ષરોના શુદ્ધ ઉચ્ચારણ સાથે

મૂકવાચન—ચીઠ્ઠીઓમા કે પાટીઆ ઉપર લખેલી આજ્ઞાઓ મનમા વાચી તેનો અમલ કરવો અવાજ કર્યા વિના મનમા પાઠ વાચવો

પુસ્તકો—વિદ્યાપીઠ વાચનમાળા-પહેલી ચોપડી (વિદ્યાપીઠ)
મોટી બ્હેન (દક્ષિણામૂર્તિભવન, ભાવનગર),
ત્રિવેદી વાચનમાળા પુસ્તક ૧ લુ (એમ. સી કોઠારા, કાપડીની પોળ, વડોદરા)
સરકારી વાચનમાળા પહેલી ચોપડી

(૨) **કવિતા—અ** મોઢે આશરે ૫૦ લીટી તથા બીજી આશરે ૧૦૦ લીટી શિક્ષક સાથે ગાવી

પુસ્તકો-વાચનમાળામાથી અથવા
બાલવાડી ભાગ ૧ લો, ખડ ૨ જો (રાષ્ટ્રીય ગ્રન્થમાળા કાર્યાલય, સુરત).
ચણીબોર (વિદ્યાપીઠ) ભાગ ૧ લો
સુંદર ભેટ [દક્ષિણામૂર્તિ, ભાવનગર] માથી પસદગી

આ તાળી સાથે ધૂન ગાવી—પહેલા વર્ષની અને તે ઉપરાત બીજી

પુસ્તકો- બાળભજન સગ્રહ ભા ૧ ૨ [ચદુલાલ કાશીરામ દવે, વનિતાવિશ્રામ પાઠશાળા અમદાવાદ] **આશ્રમ ભજનાવલિ** (સત્યાગ્રહાશ્રમ, સાબરમતી), **આદર્શભાવના** (લાલન નિકેતન, મઢડા)

अवकाश अने आवडत होय तो—

रास—अथवा संगीतड्रिल

पुस्तक—**संगीतड्रिल,** गांधर्वमहाविद्यालय [मुंबाई-४]

(३) **चित्रवाचन**—वधारे वीगतवाळु, एक ज विषयने लगता जुदा जुदा चित्रोने जोईने एनी वार्ता कहेवी, वगेरे

साधनो—पहेला वर्ष माटे जणावेला साधनो उपरात—

१ **संक्षिप्तरामायण**—इन्डियन प्रेस, अल्लाहाबाद

२ **चित्ररामायण**—पत प्रतिनिधि-औंधस्टेट

(४) **वार्ता**

पुस्तको—आगला वर्षमा सूचवेलां पुस्तको उपरात—

१ बादशाह अने बिरबल

२ सद्‌गुणी बाळको [सस्तु साहित्य, अमदावाद]

३ बाळ सद्‌बोध [सदर]

२. लेखन

(१) **लेखन**—विद्यार्थीनी ईच्छामा आवे तेनु

(२) **अनुलेखन**-सीसापेन अने काकराथी बे लीटी वच्च-मोटा अक्षरे वाक्योनु- पुस्तकमांथी के पाटीआपरथी जोईने

[**सूचना**—आगला वर्षना जेवी पाटी आकेली राखवी.]

(३) **श्रुत लेखन**-पाठोमाना शब्दोनु अथवा नाना वाक्योनु

साधन अने अवकाश होय त्यां—

३. आलेखन

(१) चोकडीवाळी पाटीपर सीधी लीटीना आकारो, जेवा के जूदी जूदी जातना साथीआ, आरसी, स्लेट वगेरे.

(२) अमुक भागोमां काकरा वडे के रगनी खडी वडे जग्या भरवी.

पुस्तको—[१] रागोळीना चित्रोना पुस्तकना बे भाग

[मुंबईना कोइपण मराठी पुस्तक वेचनाराने त्या मळी शके]

[२] चोरस खानाओनी आकृतिओनी आलेखनमाळाओ, वगेरे

[३] किन्टरगार्टन पद्धतिनां पुस्तको

(टीप—आ पुस्तको विद्यार्थीने लेवानी जरूर नथी, भींत पर पर टगाडी शकाय एवा चित्रो होय तो चाले, अथवा एक चोरस आकेला पाटीआ पर शिक्षक आलेखी आपे)

४. गणित

१ आंक—३०×१०=३०० सुधी अने अडधा-पलाखा साथे पलाखाना उपयोगना दाखला

२. संख्यानुं मडाण—नव हजार नवसो नव्वाणु सुधी

[सूचना—आंक नवी पद्धतिथी शरुआतमा शीखवाडवामा आवे तोये जुना पद्धतिथी पण आवडे ए सलाह भर्युं छे]

पुस्तको

१ १ ला धोरणमा जणावेला पुस्तकोनो आगलो भाग

२ बाळ अंकगणित—ले श्री जेठालाल चीमनलाल स्वामिनारायण

३ अंकगणित भाग १ लो—मगनलाल न लाकडावाळा, सुरत

५. सामान्य ज्ञान

बाळवर्गना सामान्य ज्ञानना दरेक विषय विषे विशेषत चार दिशाओ वजननी ओळख, ओजारोना उपयोग, बनी शके त्या धान्योना छोडनी ओळखाण, ढेफु, पत्थर अने रेती, मिश्र रंगो (लीलो, नारंगी, जांबुडो, गुलाबी, पोपटीयो, काळो, तपखीरी), पशु पक्षी वच्चे भेद, वेला, छोड अने झाडनी आळखाण, राम अने कृष्णनी वातो, शाळा स्वच्छ करावबी, फेरा आटावाळा सहेला कामो करावबा, शिक्षकनी गेरहाजरीमा व्यवस्था राखता शीखवबु

नियमपालन—

६. कवायद-रमतो—दोडधामनी रमतो, पहेला वर्ष उपरात-दोरी कुदाववी, झाड पर चढवु शांत रमतो, ताल साथे चालवु (१ ला वर्षना हुकमो वधारेमा वधारे ७ मिनिट पळाववा)

७ उद्योग—कातता शीखवबु, बागना क्यारा साफ करावबा, घास नींदावबु

बीजुं धोरण-वर्ष २ जुं

विषयो—१ भाषा २ लेखन ३ आलेखन ४ गणित ५ भूगोळ ६ सामान्यज्ञान ७ कवायद-रमतो ८ उद्योग

१. भाषा

(१) वाचन—

पुस्तक—विद्यापीठ वाचनमाळा, बीजी चोपडी [विद्यापीठ] सरकारी वाचनमाळा, बीजी चोपडी.

(२) कविता– अ गोटे ५० लीटी, भावार्थ साथे बीजी १२५ लीटी सार्थ

पुस्तको—१. चणीबोर—भाग २ जो

२. बालवाडी भाग २ जो, खंड १ लो

३. सुंदर भेट.

आ. सहेला भजन–धून, ताल साथे

आवडत अने अवकाश होय तो—

इ. रास अने ड्रील आगळ

(३) वार्ता—कहेवी अने कहेवडाववी

विशेष पुस्तको—१ बाळकोनो आनंद भा १–२ [गूजराती प्रेस]

२ मीठी मीठी वातो.

३ नीति शिक्षण.

४ जातक माळा.

५ शिशुसद्बोधमाळा

(सूचना—जे वातो विद्यार्थी समजी शकता नथी, अथवा एनो रस लइ शकता नथी एवु लागे, तो ते कहेवी नहि, अने एनो अनुभव कार्यालयमां लखी मोकलवो)

२. लेखन

(१) अनुलेखन—अनुलेखनमाला (जोशीनी कु ओड) मणको १ लो पाटी उपर अथवा बेवडी लीटीमा आंकेला कागळ पर पेनसिलथी जोइने लखवु

(२) श्रुतलेखन –वाक्यो–बे लीटी

साधन अने अवकाश होय त्या—

३. आलेखन

(१) चोरसना खूणा जोडी आकार बनाववा

(२) सीसोटी, आरसो, पाटी, कासकी, धजा, लोटी, खडीयो, तकीओ, डुगळी, काकडी, पीपळानु पान, सुरजमुखी फुल, बीजनो चंद्र, घटी वगेरेमांथी दश चित्रो

पुस्तक—उसमान बचलनी अने एवी बीजी चित्रपोथीओ.

४. गणित

(१) आंक—पाया, दोढा, अढीआ.

(२) पलाखां—अने आकना उपयोगना हिसाब

(३) मंडाण—लाख सख्या सुधीनु

(४) दाखला—लाग मुधीना जवाब आपे एवा मरवाळा गुणाकार, उतरती भाजणी बाद-
बाकी अने बे आकडाना भागाकार

[कोष्टको—देशी-नाणानु, तोलनु, लबाइनु विदेशी लबाइनु (इंच, फुट, अने वार सुधी)]

पुस्तक—आगळ सूचवेला पुस्तकोना आगला भाग

लालशंकरनु नानु गणित.

५. भूगोळ

दिशाओ, डुगर, नदी, तळाव, बाग, गामडु, शहेर, वावकुवा—एनी ओळखाण, शाळाना गामनी भूगोळ, आगगाडीना नकशा द्वारा गूजरातना जाणवा जेवा यात्रा वगेरेनां स्थळोना रस्ता बताववा

साधनो—हिंदुस्ताननो नकशो, जेमां गूजरातना भागो स्पष्ट हदमा बताव्या होय तेवो

गूजरातनो आगगाडीनो नकशो

६. सामान्य ज्ञान

(१) **इंद्रियोनी केळवणी**—नजरे जोइने नानी सीधी लीटीओ वगेरेना बे भाग करवा, चार भाग करवा, वजन ओळखवु, नानी नानी लबाइनो अदाज करवो, सीधी लीटी दोरवी, नीची ऊची जग्या पारखवी (साधन होय तो सम स्वर पारखवा) जुदा जुदा अक्षरोना उच्चार मुखना कया भागमांथी नीकळे छे ते पारखवु स्पर्शथी वजन ओळखवु, मोटा कोरेला अक्षरो ओळखवा गधथी बळती वस्तुओ पारखवी—इ० आछी गध पारखवानी टेव पाडवी, ओछो स्वाद पारखवानी टेव पाडवी

(२) **व्यवहारज्ञान**—

आपणा महीनानां नाम, पक्षना नाम अने ओळखाण तिथिओ, ऋतुओ नीचेना तहेवारो-शिवरात्री, होळी, रामनवमी, बळेव, जन्माष्टमी, दशेरा अने दीवाळी

तोलतां आवडवु (त्राजवानी दोरी दांडीपर वढवाथी तोलमा थतो फरक पर ध्यान जवु) वजन ओळखवा

गामनां झाडो, वेलाओ, छोडवा, शाक भाजी, धान्य, फळ, फुल, जात-जातना वासणो, पशु, पक्षी, पोशाक, अवयवो, पोताना पुस्तको, साहित्यो, कपडालत्तां वगेरेनी यादी कराववी घडीयाळ जोता आवडवु

(३) **नियमोनुं ज्ञान**—समय-पत्रक समजता अने ते प्रमाणे वर्तता आवडवु, शाळानो वाडो साफ कराववो अल्प महेनतना काम कराववा शौच, खावा-पीवा, दातण करवानी नियमितताना फायदा समजाववा

७. रमत-कवायद.

कवायद—'सघव्यायाम', पाठ १ लो (प्रो मणिकराव जुम्मादादा व्यायामशाळा, वडोदरा)

रमतो—ग्राह–गज (दोरडु खेंचवा) जेवी रमतोमा साथे बळ करवाथी अने अव्यवस्थित बळ करवाथी हारजीतमां थतो फरक समजाववो

शरतो—दोडवानी, कुदवानी, एक आसन ओछु राखी ते उपर बेसवानी वगेरे

८. उद्योग

कांतण—कातवानी झडप वधारवी, माळ करवी, साडी चढाववी, हाथो बेसाडवो ई०

शिवण—फाक भरवी, ओटवु

त्रीजुं धोरण–वर्ष ४ थुं.

विषयो—१ भाषा २ लेखन ३. आलेखन ४ गणित ५ भूगोळ ६. सामान्यज्ञान ७ कवायद–रमत ८. उद्योग.

१. भाषा

(१) **वाचन**—पहेला भाग जेटला पाठो

पुस्तक—सरकारी त्रीजी चोपडी

(२) **इतर वाचन**—आशरे ६० पानां

पुस्तको—१ **नीति वाचनमाळा**—भाग १–२.

२. **बाळवार्ता**—गगाशकर वैष्णव

३. जीवनदोरी, सत्य विना बीजु कशु नथी, माणस केटली जमीननो मालीक होइ शके, मूरखराज वगेरे वार्ताओ [गांडीव साहित्यमदिर, सुरत]

४ **बाळवार्ताओ**—(दक्षिणामूर्ति, भावनगर)

(३) **कविता**—मोढे १०० लीटी, सार्थ १५० लीटी

पुस्तको—

१ रायण भाग १

२. **सुंदर भेट**—आगळ थइ न होय ते भाग

३ **बालवाडी**—भा २ जो, खड २ जो

(४) **वार्ताओ**—महाभारत रामायणनी वातो, ऐतिहासिक वातो

पुस्तको—रासमाळा, रत्नमाळा, कौतुकमाळा अने बोधवचन (गणेशजी जेठाभाई), झाशीमानी वातो (सौराष्ट्र मुद्रणालय), कुरबानीनी कथाओ (सौराष्ट्र मुद्रणालय).

(५) **व्याकरण**—अक्षरविचार, शब्द अने वाक्य, नाम, सर्वनाम, सकर्मक अने अकर्मक क्रियापद.

पुस्तक–लघुव्याकरण भा–१ लो, पाठ १ थी ५ (कमळाशकर त्रिवेदी).

२. लेखन

(१) **अनुलेखन**—अनुलेखनमाळा, मणको २ जो
पेनसिल वडे बेवडी लीटीमां आकेला कागळ पर पुस्तकमां के पाटीओ पर जोइने लखवु

(२) **श्रुतलेखन**—वाक्यो ३ लीटी—मुख्य विरामचिह्नो साथीने

(३) **निबंधलेखन**— वार्तालेखन, जोएली वस्तुओ अथवा बनावोनु स्मृति—लेखन, नजर आगळना चित्रनु वर्णन

साधन अने आवकाश होय त्यां—

३. आलेखन

दृश्य चित्रो—पदार्थ, वनस्पति, प्राणीओ (वकलीटी).

साधनो—उसमान बचलनी ड्रॉईंगनी चोपडीओ, परिकार (कम्पास) अने अंकित आकणी (फुटपट्टी) नो वपराश, भीना रंगनो वपराश

४. गणित

(१) **आंक**—पोणा अने सवाया (२) **कोष्टको**—तोल-मापना (देशी तथा इंग्रेजी)—विलायती नाणां अने तोलना, (३) **पलाखां**—आंक अने कोष्टकोनो उपयोग थाय एवां (४) **गणित**—चढती भांजणी, विविध परिमाणना सरवाळा, गुणाकार, बादबाकी अने भागाकार, आणपाणना सरवाळा, बादबाकी

५. भूगोळ

गामनी आसपासनो प्रदेश अने गूजरात प्रान्त—हिन्दुस्थानना नकशामाथी

पुस्तको अजारीया, वखारीया के अमीश्वर देसाईनी भूगोळना योग्य भाग

६. सामान्यज्ञान

त्रीजी चोपडीना त्रीजा भागना पाठो

स्वच्छताना नियमोनु ज्ञान

फळीउ साफ राखवु कपडां धोवा सामान्य महेनतना काम करवा शाळानी कोई व्यवस्थामां भाग, इ०

७. कवायद—रमत

(१) **कवायद** – सघव्यायाम, पाठ २ जो

(२) **व्यायाम** – नानां मगदळ.

(३) **रमतो**—देशी-जेवी के आटापाटा, खोखो, हु तू तू

(४) **पर्यटन**—टुकी मुसाफरी

८. उद्योग

(१) **कांतण**—झडप वधारवी, पुणी बनाववी (पींजण नहि), सुतर ठरडवु

(२) **शिवण**—मोटा रुमालनी कोर ओटवी, थींगडु देवु, केस (क्यास, काच, गाज) करवा, जाळीवाळी कोर बाधवी.

चोथु धोरण—वर्ष ५ मुं

विषयो—१ भाषा २ लेखन ३. आलेखन ४ गणित ५ भूगोळ ६ इतिहास ७ सामान्यज्ञान ८ रमत-कवायद ९ उद्योग

१. भाषा

(१) **वाचन**—१०० पाना

पुस्तको—(१) सरकारी चोथी चोपडी, महात्माओना चरित्रो [दक्षिणामूर्तिभवन]

(२) **इतर वाचन**—आशरे ७५ पाना-आगला वर्षोमांथी वार्ता कहेवा माटे सूचवेला पुस्तकोमांथी पसदगी

(३) **कविता**—मोढे १२५ लीटी सार्थ, २०० लीटी

पुस्तको—(१) **रायण** (विद्यापीठ) माथी नीचेमांथी पसदगी

नागदमन, कृष्णसुदामानी भेट, चदा, फरियाद, भाई ने व्हेन, मानो गुण, देशभक्तनी याचना, स्वदेश प्रीति, वीर पुरुष, सवारनु वर्णन, एक प्रवास, खेडुत, मधमाखी, बळद, ईश्वरस्तुति, माबापना गुण, महेनत विषे, सपुत कोण, कपुत कोण, अदेखा विषे, करी देखाडवु, तारो, पोलु छे ते वागे छे, कुहाडी, पडघा विषे, टेकचद शाह, प्रार्थना, धाडम धूमे धूमे छे, लावडी

(२) **गूजराती कविता-प्रथम वर्ष माटे** (दक्षिणामूर्तिभवन-भावनगर,)

(३) **बालवाडी** भाग ३ जो, खड १ लो

(४) **मधुबिन्दु**माथी उपला धोरणे पसदगी

(५) **गोपकाव्यो.**

(६) **कवि-वाणी,** भाग १ लो (वीले-पार्ले साहित्य सभा).

(४) **इतर काव्यवाचन**—

पुस्तको—(१) बाळभजनसग्रह, भा—१—२.

(२) अजवाळी रात

(३) वीरपसली

(५) **व्याकरण**—कमळाशकर त्रिवेदीनु 'लघु व्याकरण' भा—१ ला जेटलु पुरु.

२. लेखन

(१) **अनुलेखन**—अनुलेखनमाळा मणको ३ जो अने ४ थो बेवडी लीटीमा शाहीथी लखवु

(२) **श्रुतलेखन**—५ लीटी गूजराती तथा देवनागरी लीपीमा

(३) **निबंधलेखन**—नानी चीट्ठीओ लखवी, वार्तालेखन, स्मृतिथी सहेला वर्णन

साधन अने अवकाश होय त्या—

३. आलेखन

(१) आगळना दशेक चित्रो (२) मितालेखन (प्रॅक्टिकल ज्योमेटि)—रग साथे

४. गणित

आणपाणना गुणाकार अने भागाकार (गुणक अने भाजकमा आना न आवे एवा), गुरुतम साधारण अवयव अने लघुतम साधारण अवयवी अपूर्णांकना सादा सरवाळा, बादबाकी, गुणाकार अने भागाकार गुणोत्तर अने प्रमाणनु प्राथमिक ज्ञान आपीने समत्रिराशि

५. भूगोळ

गूजरातनी सविस्तर, अने हिंदुस्थाननी रूपरेखा

पुस्तको—आगला वर्षोमां सूचव्यां छे, तेना आगला भाग

६. इतिहास

गूजरातना इतिहासनी वातो

पुस्तको—श्री छगनलाल ठा मोदी (सुरत), अथवा श्री वल्लभभाइ ल. पटेल, अथवा श्री नानचद वखारीया (जुनागढ) ना रचेला पुस्तको अथवा रासमाळा भा १–२ ने आधारे

७. सामान्य ज्ञान

(१) सरकारी ४ थी चोपडीमांना भाग त्रीजाना पाठो

तथा नीचेना पुस्तकोने आधारे—

[१] **सामान्यज्ञान प्रश्नमाळा अने तेना खुलासा** (छगनलाल ठाकोरदास मोदी, सुरत).

[२] **आरोग्य विषे सामान्य ज्ञान** (महात्मा गाधी, सस्तु साहित्य वर्धक कार्यालय)

[३] **सामान्य घरगथु उपायो**

८. कवायद--रमत

(१) **कवायद**—सघव्यायाम, पाठ ३ जो

(२) **व्यायाम**—मगदळ, बेठक (साधन अने जाणकार होय त्या एनी सूचना मुजब विशेष)

(३) **रमतो**—आगला वर्षनी पद्धतिसर

(४) **पर्यटन**—मुसाफरी

९. उद्योग

(१) **वणाट**—कपास लोढवो, नानी पींजणथी पींजवु, पुणीओ करवी

(२) **बागकाम**

(३) **शिवण**—बटन, थेली, टोपी करवी

पांचमुं धोरण--वर्ष ६ ठुं.

विषयो—१ गूजराती २ हिंदुस्तानी ३ गणित ४ भूगोळ ५ इतिहास ६ सामान्य-ज्ञान ७ उद्योग

१. गूजराती

(१) **गद्य**—वाचन, अर्थ अने श्रुतलेखन साथे पाठ ३०

पुस्तको—(१) सरकारी पाचमी चोपडी

(२) त्रिवेदी वाचनमाळा पाचमी चोपडी

(३) बाळ-मित्र

इतर वाचन माटे आगला वर्षोमा वार्ता कहेवा उपयोगमा लीधेली होय ते पकी योग्य चोपडी

(२) **कविता**—मुखपाठ २०० लीटी, सार्थ ४०० लीटी

पुस्तको—(१) सरकारी वाचनमाळा—मुखपाठ माटे नीचेमाथी पसदगी

(२) पाठ १२, २४, ४४, अनुवाद माटे-पाठ ७, १२, २४, ३०, ४४

पुस्तको—(१) **रायण**माथी (आगला वर्षमा न शीखवाई होय तेमाथी अथवा नीचेमाथी)-

बळामणु, थइ मरणीया धसवु, कुभकर्ण, सद्‌विद्या, मोगरो ने कौंच, सर्व सरखु नथी, टेव, नाठे न मूके, जुठु जगत, मूछ के पूछ, बोल, हलेसा, दशानन, बापानी पीपर, जोवा जोग जेवी गुजरात, सुदामा-चरित्र, कर्मी साप ने उद्यमी उदर, पस्तावो, बगलानी वार्ता, राजबीज, दरबारमा कण्बी, गोपीचदनो रासडो, हालरडु.

(२) **गूजराती कविता**—द्वितीय वर्ष माटे (दक्षिणामूर्ति विद्यालय, भावनगर)

(३) **व्याकरण**—त्रिवेदीकृत लघुव्याकरण भाग बीजाना पाठ १ थी ८ जेटलु.

(४) सुलेखन—अनुलेखनमाळा मणको ५ मो

बेवडी लीटीवाळी चोपडीमा सारा अक्षरे लखवु

(५) निबंधलेखन—कोइक वाचेला पाठनो सार, परिचित मनुष्यनु जीवन–जेवा के हरिश्चद्र, राम, गांधी वगेरे, पत्रलेखन

२. हिंदुस्तानी

वाचन—लेखन साथे

पुस्तको—(१) सुबोधिनी वाचनमाळा भा १ लो (प्रोप्रायटरी हाइस्कुल, अमदावाद), अथवा

(२) राष्ट्रीय शिक्षावली

३. गणित

अपूर्णांकनो महावरो, सम अने व्यस्त त्रिराशि, बहुराशि, सादु व्याज (मात्र व्याज काढवाना सहेला दाखला), नफो टोटो (सादा दाखला)

पुस्तको—आगळ सूचव्या छे ते उपरात —

लाकडावाळा, काटावाळा के लालशकर त्रवाडीनु अकगणित

४. भूगोळ

पुस्तको—आगळ सूचव्यां छे ते उपरात दिवानजीनी माध्यमिक भूगोळ भा १

५. इतिहास

पुस्तको–आपणा देशनो इतिहास भा. १ २ (दक्षिणामूर्ति विद्यालय, भावनगर)

६. सामान्य ज्ञान

राजकारण—आटलु तो जाणजो–भाग–१ माथी नीचेना प्रकरणो —

राज्यपद्धतिओ, नोकरशाही, महासभा (१), महासभा (२), असहकार, स्वदेशी, अस्पृश्यता, हिंदुमुसलमान एकता, गोरक्षा अने स्वराज्य

आरोग्यविज्ञान–पुस्तको—आगळ सूचवेला पुस्तको उपरात—

(१) पांचमी चोपडीना शरीर विज्ञानना पाठो

(२) 'मानव देहधर्म विद्या अने आरोग्यविज्ञान' लेखक—भानुसुखराम निर्गुणराम महेता तथा कल्याणराय नथुभाई जोशी, प्रकाशक—एम सि कोठारी, वडोदरा

(३) आरोग्यविज्ञान—ले रामचद्र महादेव जोशी (मॅकमिलन कु)

समाज शास्त्र—वर्णाश्रम व्यवस्था

७. उद्योग

पाना ५४ थी आगळ जुओ

छठ्ठुं धोरण–वर्ष ७ मुं

विषयो—१ गूजराती २ हिंदुस्तानी ३ गणित अने नामु ४ भूगोळ ५ इतिहास ६ सामान्य ज्ञान ७ उद्योग.

१. गूजराती

(१) **गद्य**—पाना ७५ थी ९० भावसह वाचन, अर्थ अने श्रुतलेखन सह

पुस्तको—१ नीति शिक्षण

२ सरकारी वाचनमाळा–छठ्ठी चोपडी.

३ त्रिवेदी वाचनमाळा–छठ्ठी चोपडी.

४ पाठ सचय भाग १ लो (विद्यापीठ)

इतरवाचन माटे आगला धोरणोमा वार्ता कहेवा माटे लीधेली होय ते पैकी कोइ योग्य चोपडी

(२) **गद्य**—मुख पाठ २०० लीटी, सार्थ ४०० लीटी

पुस्तको—(१) वाचनमाळा

(२) सामळ तथा दलपतसारमाथी पसदगी
(दलपतसार–गूजरात साहित्य सभा, अमदावाद तरफथी प्रकाशित)

(३) गुजराती कविता–तृतीय वर्ष माटे (दक्षिणामूर्ति विद्यालय, भावनगर)

(४) पद्यपाठ संग्रह भाग १ लो—सपादक–केशव ह ध्रुव तथा डाह्याभाई पि देरासरी (मॅकमिलन कुं)

(३) **व्याकरण**—त्रिवेदीकृत लघुव्याकरण भाग २ जो पूरो

(४) **लेखन**—अनुलेखनमाळा मणको छठ्ठो एकवडी लीटीवाळी चोपडीमा सारे अक्षरे लखवु

(५) **निबंध**—कोइक वाचेली वार्ता, के चोपडी के आख्याननो सार, पत्रलेखन, भाडा चिठ्ठी, गणोतपट्टा, हुडी वगेरे लखवा

२. हिंदुस्तानी

पुस्तको—(१) सुबोधिनी वाचनमाळा भा. २ जो

(२) राष्ट्रीय शिक्षावली भा. २ जो

३. गणित अने नामुं

(१) **गणित**—सादु व्याज पूरु, पाति, दशांश अपूर्णांक, चक्रवृद्धि व्याज (मात्र व्याज काढवु), शेर, लोन, हुडीयामण, वळतर, पतीआळु.

(२) **नामुं**—रोजमेळ (अथवा रोकडमेळ अने नोंध), खातावही.

पुस्तको—प्रेमचद करमचद शाहनु अथवा छगनलाल लल्लुभाईनु ‘ देशी नामा ’ विषेनु पुस्तक.

४. भूगोळ

दुनियानी प्राकृतिक भूगोळ अने खगोळ साथे

पुस्तको—आगळ प्रमाणे

५. इतिहास

रजपूतोनो इतिहास—' मेवाडनी जाहोजलाली ' अथवा एवु कोई बीजु पुस्तक

मराठा समय अने इ. स. १८१८ सुधीनो ब्रिटिश समय—मात्र मुख्य बीगतो

६. सामान्यज्ञान

राजकारण—आटलु तो जाणजो भा १ लो पूरो

आरोग्य-विज्ञान—छट्ठी चोपडी प्रमाणे, अथवा एटलु कोई बीजा पुस्तकने आधारे

समाज शास्त्र—वर्ण अने आश्रमना धर्मो, गृह प्रत्ये, गाम प्रत्ये अने समाज प्रत्येनां मनुष्यना कर्तव्यो, पुरुषार्थो

शिक्षण शास्त्र—श्री गिरजाशंकर बधेका कृत विद्यार्थीओने उपयोगी पुस्तको (ए प्रसिद्ध करशे)

७. उद्योग

पाना ५४ थी आगळ जुओ

सातमुं अथवा शालान्त धोरण-वर्ष ८ मुं

विषयो—१ गूजराती २ हिंदुस्तानी ३ गणित अने नामु ४ भगोळ ५ इतिहास ६ सामान्यज्ञान ७ उद्योग

१. गूजराती

(१) **गद्य**—वाचन, लेखन अने श्रुतलेखन विरामचिह्नो मूकवानी समजण साथे

भलामण करेला पुस्तको—

(१) **सातमी चोपडी**-सरकारी

(२) ,, -त्रिवेदी कृत

(३) **पाठसंचय भाग २ जो** (विद्यापीठ तरफथी बहार पडशे)

(४) **सीताहरण** (नवजीवन प्रकाशन मंदिर)

(५) **रामायण तथा महाभारतनो सार** (नर्मगद्य)

(६) **राम अने कृष्ण** (नवजीवन प्रकाशन मंदिर)

(७) **गद्यसंग्रह** (चरोतर ए सोसायटी, आणंद)

(२) **पद्य**—२०० लीटी मुख पाठ ५०० लीटी सार्थ

पुस्तको--(१) **वाचनमाळा** अथवा नीचेनामांथी पसंदगी

(२) शामळ

(३) दलपतसार

(४) कविवाणी (विलेपार्लें साहित्य सभा)

(५) पद्यसंग्रह (हिं. ग अजारीआ गु व सोसायटी)

(६) साहित्यरत्न

(३) **व्याकरण**—त्रिवेदी कृत लघुव्याकरणना बे भाग पूरा, अने ते उपरात त्रिवेदीना मध्य व्याकरणमाथी केटलीक पूरवणी

(४) **निबंधलेखन**—वर्णनात्मक परिचित अने सहेला विषयोपर चर्चात्मक, चरित्रात्मक वगेरे

(५) **लेखन**—पोतानी चोपडीमा सारे अक्षरे लखवुं,
झडपथी सारे अक्षरे लखवा टेव पाडवी,
वगर लीटीना पुस्तकमा लखवा टेव पाडवी

२. हिंदुस्तानी

(१) **वाचन** पाना ५०—(१) सुबोधिनी वाचनभाळा भाग ३ जो, अथवा
(२) रामदास गौड कृत दुसरी पोथी
काव्य परिचय साथे

(२) **इतरवाचन**—ईन्डियन प्रस, अलाहाबादनु ' बाल–सखा ' जेवु मासिक

(३) **व्याकरण**—हिंदी–गूजराती–शिक्षा–ले० श्रीराम रामप्रसाद शर्मा (बूदायूँ सिटि)–जेवु

३. गणित

(१) आगला वर्षोनु पुनरावर्तन, तथा वर्गमूळ, क्षेत्रमापन, क्षेत्रफळ, पृष्ठफळ, घनफळ, सरासरी, वीमा, कमीशन इ०

(२) **नामुं**—रोजमेळ, खातावही, कापी व्याज, हूडी लखवानी रीत, हवाला पाडवा, वर्ष आखरनो हिसाब काढवाना मूळतत्त्वो

४. भूगोळ

दूनियानी भूगोळ साथे विशेष परिचय

पुस्तको—आगळ प्रमाणे—

५. इतिहास

हिंदुस्ताननो इतिहास–सरळ

६. सामान्यज्ञान

राजकारण—आटलु तो जाणजो, तथा **हिंद केम पायमाल थयुं ?**

आरोग्यविज्ञान—

पुस्तको—१ आरोग्य विषे सामान्य ज्ञान—म० गांधी

२ गरीबोनो वैद

समाजशास्त्र—वेद धर्म, अने सम्प्रदायो, जैनधर्म, बौद्धधर्म, मुसलमान अने ख्रिस्ती धर्म विषे सामान्य माहिति, स्वदेशी धर्म, नागरिकता, गृहस्थधर्म आचारधर्म

आधार लेवा योग्य पुस्तको—

(१) **हिंदुधर्मनी बाळपोथी**—आनंदशंकर बा ध्रुव

(२) **धर्मवर्णन—** ,,

(३) **स्वदेशीधर्म**—दत्तात्रय बाळकृष्ण काळेलकर

(४) **मोहम्मद पयगम्बर**—दक्षिणामूर्ति विद्यालय

(५) **इशुख्रिस्त** (नवजीवन)

(६) **बुद्ध अने महावीर** (नवजीवन)

(७) **पाठसंचय** (विद्यापीठ)

विज्ञान—खगोळ-भरती-ओट, चंद्रकळा, चोमासु, पांचमी, छठ्ठी अने सातमी चोपडीना विज्ञानना पाठो

७. उद्योग

औद्योगिक अभ्यासक्रम

छेल्लां त्रण वर्षमा नीचेमांथी एक विषयनु व्यवहारु अने एक विषयनु शास्त्रीय ज्ञान विद्यार्थीने थवु जोइए

(१) खेती (२) वणाट (३) सुथारकाम (४) शिवणकाम (५) व्यायाम (६) अथवा ते उपरांत कोई बीजा उद्योग, स्थानिक अनुकूळता मुजब.

विद्यार्थीनो जे धंधो होय तेनु व्यवहारु ज्ञान एने घेर बेठा मळतु होय तो एनु शास्त्रीय ज्ञान मात्र शाळामा मळे तो चाले.

शास्त्रीय ज्ञान माटे उपयोगी थइ शके एवां पुस्तको—

खेती—अजारीया कृत पुस्तकोमांथी एक नानकडा पुस्तकनी पसदगी

वणाट—वणाटशास्त्र—सत्याग्रहाश्रम

,, —ताराचंद पोपटलाल अडाळजा

देशी रंग—सत्याग्रहाश्रम

शिवणकाम—(१) शिववा वेतरवानी कळा (२) शिवण गूथणकळा

अभ्यासक्रम

वर्ष १ लुं

जात महेनतना सर्वे धधादारीओने नीचे प्रमाणे सामान्य ज्ञान अवश्य होवु जोइये

(१) **यंत्रशास्त्र** (Mechanics)–शक्ति अथवा बळ, कार्य (Work), अश्वबळ (horse-power), यत्रोनी कार्यशीलता, शक्तिनु एकीकरण, पृथक्करण अने स्तभन (parallelograms and triangles of forces, and resultant and anti-resultant forces)

(२) **कारीगरी—सुथारी** ओजारोनो प्रयोग अने व्यवहार—चीरवु, रदो मारवो, जोडवु, खरादवु, सामान्य फर्मा बनाववा, फर्माने माटे उपयोगी लाकडु पसद करवु

लुहारी—ओजारोनो प्रयोग अने व्यवहार—भट्ठी करवी, टीपीने लांबु के पातळु करवु, अथवा टुकु ने जाडु करवु, ताव चढाववो, वाळवु, छिद्र पाडवु, पाणी देवु, नकामा टुकडाओमाथी गोळ के चोखुणी कडी बनाववी, छीद, शारडो, करशी, खीला, चावी जेवी सादी चीजो बनाववी

(३) धधाओमांथी कोइपण एकनी प्राथमिक शरुआत

वर्ष २ जुं–एक विषय

(१) खेती

१ जमीनना प्रकार–रेती, माटी, सेन्द्रिय पदार्थनु प्रमाण

२ जमीननी बनावट–पाणीना घसाराथी, कापथी, वहेता अने बधीयार पाणीथी, जुदा जुदा प्रकारनी वनस्पतिथी, अने जमीनना जीवडांथी थता फेरफार

३ जमीनना प्राकृतिक धर्म–हलकी के भारे, चीकाश, छिद्रालुपणु, पाणी राखवानी शक्ति, केशाकर्षण, उष्णता, शोषकपणु, भिनाश, रग, फुलवु अने संकोचावु, क्षार अने भेज शोषवापणु

४ उपला धर्मोनी पाक अने जमीन उपर थती असर, अने तेने अनुकूळ करवाना उपाय.

५ जमीननो कस–खेडाण, पाणीनी निकाश, विविध पाक, विविध जातनां खातर–लीलो पाक, छाण, खोळ, मेलु, विलायती खातर, दरेकनी पाक उपर असर, खातरने साचववानी रीत

६ छोड उपरना जीवडा–षटपदोनी रचना, एथी थतु पाकने नुकसान, तेना कुदरती दुश्मन, तेनो नाश करवानो अनुकूळ समय

७ प्राणीओ, पक्षीओ अने जतुओना लाभालाभ

८ पाक–स्थानिक पाक, फळ, झाड विषे सामान्य माहिति

९. क्रियात्मक ज्ञान–क्यारो करवो, वाववु, रोपवु (transplant), नींदवु, गोदवु, पाणी पावु, वाडभरवी, वेला चढाववा इत्यादि

त्रीजुं वर्ष

१ छोड-एने उपयोगी मुख्य घटको-नाइट्रोजन, फॉस्फरस, पोटेश्यम, कॅलश्यम-नो पाक साथे संबंध, एकदळ अने द्विदळ अंकुरमां तफावत, बीजना भाग, थड अने मूळनु वधवु तेनी दिशा, मूळ,-धोरीमूळ-नाना मूळ-तेना कार्यो, पांदडां, नसो, कुपळो वगेरे

२. छोडनु कार्य-छोडमांथी पाणीनु उडी जवु, श्वासोच्छ्वास, अजवाळानी असर, फूल, पराग, फळ, बीज, मडदां अने पांदडां, मडदां बनावतां छोडमांथी नीकळतो वायु.

३ छोडना रोग

४. ढोर, तेनी परीक्षा अने मावजत, तेना रोग अने खोराक

५ बीजनी साचवणी

६ ऋतुना फेरफार अने तेनी पाक पर असर

७ घर, कोठार अने मालनी व्यवस्था

८ बजार, वेपारी भूगोळ, आनावारी, सहकारी बॅंक

९ मजुरनी व्यवस्था, सूढल, पाक कापवानो, एकठो करवानो, लणवानो, वणवानो वखत, बार मासना कामनी वेंचणी

१०. क्रियात्मक ज्ञान—

(१) खेडवु-समारदेवो-घास काढवा-ओरवु-करबडी देवी-दंतार देवु-रापवु

(२) नींदवु-वाढवु-लणवु-मसळवु-फडकवु-धार करवी

(३) सळीया पाडवां-पाणी पावु वगेरे.

(४) गाडु जोडवु, कोश हाकवो, दोहवु

(५) साधनोनु समारकाम

(२) वणाट

बीजु वर्ष

१ कातण —६, ९, १२, १६, अने २० आंकनु सुतर प्रत्येकनो एक एक तोलो एक सरखी रीते वळदार अने रुछ वगरनु ओछामां ओछा कलाके १०० वारनी झडपे कातवु (उत्तम झडप कलाकनी २३३ वार) कातणमां सुतरनी सरसाई आंक अने समय ए त्रण वस्तु पर ध्यान आपवामां आवे

२ पींजण—ओछामां ओछु कलाके २॥ तोला प्रमाणे पींजी, पुणी बनाववी (उत्तम झडप कलाके ६॥ तोला)

(पींजणनी सफाई अने पुणीनी वणाई उपर ध्यान आपवामां आवे)

३ पीलाइ—कपास झुडवो अने पीलवो ओछामां ओछो कलाके ३० तोला (उत्तम झडपे कलाके बे शेर)

४ **वणाट**— कलाके ओछामा ओछी पोणो वार नाडी अने पोणो वार पाटी [सादी तथा चटापटा वाळी], सादा आसनो वणवा

५ **रंगकाम**—सूतर रगवु अने धोईने उजळु करवु

६ **समारकाम**—माळ बनाववा साडी चढाववी तात चढाववी, नाडी अने पाटी माटेनी नाणी गोठववी वगेरे

त्रीजुं वर्ष

१ **कांतण**—८, ९, १२ अने २० आकनु सुतर एक एक तोलो सरखी रीते बळदार अने रुछी वगरनु ओछामा ओछु कलाकना २०० वारनी झडपे कांतवु.

२ **पींजण**— ओछामा ओछु कलाकमा ५ तोला पींजी पुणी बनाववी

३ **पीलाइ**—कपास झुडवो अने पीलवो ओछामा ओछो कलाके ०।। शेर

४ **वणाट**—(१) ताणी पावी अने करवी, राच बाधवी, पावडी बांधवी, (२) ३० इच पनानु ओछामा ओछु कलाके ०। वार वणवु, (३) तराहनुं वणाट–जीन, बेवडुं जीन, लेहेर भात, मधपुडा भात, त्रण अने पाच राचनी (४) सादां आसनो के शेत्रजीओ, वणवां

५ **रंग**—देशी रग प्रमाणे

६ **समार काम**—माळ गोठववा नांत चढाववी, भाग्यु तूटयु समारी लेवु, दोरी वणवी वगेरे

(३) सुथारकाम

त्रीजुं वर्ष

विषयो—

जुदा जुदा कामो माटे वापरवा योग्य लाकडानु ज्ञान

सुथारी गणित–उदा० लाकडानु घनमाप किंमतना दाखला वगेरे

कारीगरीनी परीक्षा—

त्रण कलाकमा तैयार करी शकाय एवी कोई वस्तु जेवी के पेटी, बांकडो [स्टूल], कलमदान, घोडी वगेरे पॉलिश माटे तैयार थाय एवा बनाववां.

१. वांसलानु काम–लाकडाने दोरो मारीने वासलाथी सीधु करवु, सरखु गोळ करवु, चडतु उतरतु गोळ करवु इत्यादि

२ दोरो मारवो

३ रधावडे साफ अने सीधु करवु, खाचो पाडवो, बहारनी (Convex) गोळाइ करवी, अदरनी (Concave) गोळाइ करवी; जुदी जुदी जातना रधा चलावता आवडवा

४ करवत चलावतां आवडवी–केवा लाकडा माटे केवी करवत चलाववी एनुं ज्ञान, अमुक लाकडु कापता कई करवत पसद करवी तेनी समज सामटां लाकडां वेहेरवां

७. छिद्रकाम—बरमा अने सारडी वडे—सीधा छिद्र पाडवा बरमा पकडवाना कुशळता इ०

८ गुणीओ अने फरशानु काम—गुणाआना उपयाग फरशी वडे छिद्र अने चूळ पाडी लाकडा जोडवा अने चोकटा बेसाडवा

९ खीला मारवा-माथावाळा, माथा वगरना खीलाथी पाटीया जोडवा अने बेसाडवा, इ०

त्रीजु वर्ष

१ खरादवु अने लाम्बथी रगवु

२ गोलाकृतिओ बनाववा

३ आकृतिओ कोतरवी—जेवां के पुतळाओ बनाववा कळा इ०

४ त्रिकोणथी अष्टकोण सुधीना कामो

५ खाना पाडवा, बेसाडवा इ०

बध करी शकाय एवु लाकडानु काम—उदा० पाथी मूकवाना बेठक, खाटलो, बाजठ.

६ रटीना थाळा, गाडी, हळ वगेरेने लगता भागो तैयार करवा. ईमकानना पेटीओ बनाववी वगेरे.

७ सादी नकशी

(४) शिवणकाम—(बे वर्षनो अभ्यासक्रम)

१ कापड (कास अथवा गाज), बटन फाकवु, आटवु, अडको भरवो, प्लेट करवा, कपडु गोमवु, खापा उरफ करवा, चुण करवा, इस्त्री करवी

२ नीचेनो पोशाक शिवता आवडवो

पुरुषोना—रूमाल, कोथळी, दफतर, गलेफ, लगोट, मदरी, सादु पहेरण, कळीवाळु पहेरण, बंडी, पासाबंडी, डबल बंडी, कबजो, खमीस, बाईओना कबजो, माथा टोपी, अंग्रेजी टोपी, बगलथेलो

बाळकोना—झभलु, लघो, चड्डी, बालाटोपी, फ्राक

३ (१) माप लेवानु तथा वेतरवानु (२) कपडु केटलु जोइए तेनो हिसाब लेवानु (३) सचानु शिवण (४) हाथ शिवण (५) शिवेला पोशाक पूर्ण करवानु (६) बगडी गयेला कपडा सुधारी आपवानु

४ पोषाक पहेरवाना हेतु तने ध्यान लाववा माटे शिववामा कई बाबतो उपर लक्ष आपवु रंगित अने सफेद कपडा पहेरवाथी थता लाभालाभनु ज्ञान जुदा जुदा धंधादारोओ माटे कपडां शिववामा करवा जोइता फेरफार अने तेना कारणोनु ज्ञान हवामानने लीधे पहेरवेशमा फेरफार अने तेना कारणो शिवणकाम तरीके समाजमा प्रतिष्ठा अने स्वतंत्रता मेळववा माटे जोइता लक्षणोनु ज्ञान

५ सचाना सामान्य समार कामनो माहिती उदा० कया भाग नथी ते जाणवु तेने नवो लावी बेसाडता आवडवु

(५) व्यायाम—(बे वर्षनो अभ्यासक्रम)

शास्त्रीय विषयो— व्यायाम शास्त्र शरीर संरक्षण संबंधी तथा व्यायामना विषया संबंधी शास्त्रीय ज्ञान.

प्रत्यक्ष विषयो—

१ दंड बेठक	५ लाठी	९ कुस्ती
२ जोडी (मगदळ)	६ आटापाटा	१० पटा
३ लेजिम	७ खोखो	११ कवायद
४ मल्लखंब	८ हु तु तु	१२ तरवारनी कळा (साधन होय त्यां)

१ दंड बेठक- -नीचे लखेला प्रकारोना शांत अने पद्धतिसर आवर्तन—

(अ) सीधे, सीनाकसी, नमस्कार वजे, मयुरदंड, बजरंग दंड, जूट, बद जोर, वीर दंड अने साफसूफ

(आ) आगे पांव, पीछे पांव, बाजु पांव, पट गुठन, टांगनोल, खडी बेठक, कूदन, नीमखमली अने खडी खमली

२ जोडी (मगदळ)— नीचे लखेला प्रकारोनी सफाइथी एक बाजाने जोडीने करवानी आवर्त-झोले कलाइ, दूर-बगल, बगली, दुहरी-बगली, बगल-लपेट, कलाइ-शीरी, रुमाली एक, रुमाली दो, दुहरी शीरी, फेकन सीधी, फेकन उलटी, मौवा कबी, बदन फेर, वजेदार उलटी सीधी कलाइ मोच, वजेदार कलाइ मरोड अने बहार लपेट

३ लेझीम- नीचे लखेला प्रकार समूमा एका अवाजे करवानी आवर्तन—एक जगहे, आर्डी, पवित्रा, गोलचाल, चक गोल, गाल बेठक, अने मुह मिलाफ

४ मल्लखंब प्रकारो -

सलामी बे प्रकार, माथा बगली, केचा, सदा, एक हाती थाप, फिरकी उडी, घोडा बे प्रकार कानसळी खोपरी, मडक, सलामी चार प्रकार, साधी— आडी दोनो बाजु, उपकी सलामी, बगली आडी दोनो बाजु, केंची आडी दोनो बाजु उतरनी गर्दन आडी, सदा आडी, उलटी उडी, बगर पकड संपूर्ण

५ लाठी—

दोरुख, सलामी एक, सलामी दो, चोमुखी दो, बगलमा जगमा, चोमुखी बगल, चौकवा (आनी काट), चौमुखी जग, एकसे गोल, गोलसे दो कतार

६–८ - आटापाटा, खो खो, हुतुतु—पद्धतिसर रमत

९—कुस्ती--

सलामी सब प्रकारना हकल, सर्व प्रकारना चाल, झुब, हाथ छोडावावाना सर्वप्रकार, उखेड, पट काढवाना अने तेना बचावना सर्वप्रकार, सरावा, नौंदर खेंचवो, ते उपर बचाव.

१०—पटा—तडफथा बदन तोडीन–

सीधी सलामी, डुबेद सलामी द्विडुबेद, शेरभ्वज, डुबफेर, माथा गर्दन काट चीर आनी, पालट आनी, गर्दन काट, द्विचीर

११—कवायद

पोते करवा, बाजा पासे करावबी मघ व्यायाम पुस्तकमाथी प्रथम अर्धभागना हुकमो लेतां अने देतां आवडवा

१२—बालधर्म

१३—तरवुं—आसनो साथे—सिद्धासन, बद्ध पद्मासन, हलासन, वारासन, पश्चिम तानासन द्विपाद शिर्षासन

भलामण करेलां पुस्तको

१ सब–व्यायाम तथा बीजां जुम्मा–दादा व्यायाम मंदिर वडोदराना पुस्तको

२. व्यायाम–शास्त्र (हिंदी)–चित्रशाळा प्रेस पूना

३ आरोग्य और व्यायाम (हिंदी) „

४ ब्रह्मचर्य ही जीवन है, वीर्यनाश ही मृत्यु है–हिंदी–कर्ता स्वामी शिवानंद, प्रकाशक–बाबु केदारनाथ गुप्त, छात्र हितकारी पुस्तकमाळा, डकनगंज, मीरजापुर

५ शरीरसरक्षण संबधी शास्त्रोक्त शिक्षामण–वडोदरा राज्य

६ दवा वगरनो दाक्तर याने शरीरनी खीलवणी–बे पा मादन मुंबइ

७ व्यायाम मंदिर–डा वल्लभदास खेमराज आटावाळा, मुंबाई

स्व–विनयमंदिरो माटे अभ्यासक्रम अने पाठ्यपुस्तकां*

शिक्षकोने स्मरण

(१) विद्यापीठना नीचेना सिद्धान्तोनुं× विस्मरण थवुं न जोइए —

(५) धार्मिक वृत्तिने पोषवी ए केळवणीनुं ध्येय छे

(७) कोइ पण व्यक्तिना धर्म, जाति के मत एना शिक्षणमां बाधा रूप न गणाय

(८) शरूथी आखर सभी केळवणीनुं वाहन गूजराती ज होवुं जोइए

(९) विद्यापीठना दरेक मंदिरमां औद्योगिक केळवणी अथवा शारीरिक महेनत फरजियात गणवामां आवे

(२) भणतर परीक्षा माटे नथी पण बाळक ए माणस छे अने वधारे माणसाइ मेळववा आव्यो छे ए भुलवुं नहि

(३) तबीयतने भोगे अथवा मारनी बीक बतावीने भणाववुं नहि

---

* आ अभ्यासक्रम जुदो चार आनानी किंमते मळी शकशे पोस्टेज जुदु

× गूजरात विद्यापीठना बंधारणनी पूरवणीमां आपेला सिद्धान्तो

(४) भणतरथा ज माणसाइ आवती नथी, माटे मदबुद्धि विद्यार्थी तरफ दयाभाव राखवो, अने ते आपणु भणाव्यु न भणे तो चिंता न राखवी पण एनामा शु भणवानी शक्ति छे ने शोधी काढवु

(५) विद्यार्थीनी नीति अने बुद्धिमा दोष देखाय, त्यारे माबाप साथे सहकार वधारवो अने एमनी बाळको प्रत्ये सहानुभूति मेळववी

(६) जगतना वर्तमान बनावोथी वाकेफ रही, विद्यार्थीओने बराबर समजाववा

(७) उदर निर्वाह माटे शिक्षक थवु नहि, राजकीय चळवळना कार्यक्रमनु केळवणी एक पेटा-अग छे एम समजी शिक्षक थवु नहि, पण बाळको प्रत्येना प्रेमथी एमने अज्ञानमांथी ज्ञान तरफ दोरवा, एमनी माणसाई वधारवा केळवणीने धर्म समजीने ज शिक्षक थवु, अने तेथी जे मदिरनु सूत्र हाथमा लीधु होय, तेने बीजा प्रलोभनोने वश थइ छोडी देवु नहि

अभ्यासक्रम

सारांश

पूर्ण विनय मदिरना सात वर्षनो अभ्यासक्रम छे तमांथी छेल्ला वर्षनो अभ्यासक्रम विनीत परीक्षा माटे होवाथी, ते दरेक वर्षना विनीत परीक्षाना अभ्यासक्रम परथी समजवानो छे

पहेला त्रण धोरणनो अभ्यासक्रम कुमार मदिरनां छेल्ला त्रण धोरणने मळतो छे, पण घणा विद्यार्थीओ १३-१४ वर्षनी उमरे पोतानो अभ्यास बध करता होवाथी विनीत परीक्षानी दृष्टिथी विनय मंदिरमां दाखल करेला केटलाक विषयो टाळीने तेने बदले ए जीवनमा प्रवेश करवा योग्य बने एवु केटलुक ज्ञान आपवाने कुमारमदिरनो अभ्यासक्रम घड्यो छे पण तेथी पूर्ण कुमारमदिरमा अभ्यास करी आवेला विद्यार्थीने विनयमदिरना ४था धोरणमा बेसवा अडचण न आववी जोइए अने एना शीखी गयेला विषयोमांथी एने घटती रीते मुक्त करी नवा विषयो उपर विशेष समय आपवानी व्यवस्था होवी जोइए उदा० एने अकगणित अने उद्योगोमा भाग्ये ज नवु करवानु रहे एथी उलटु इतिहास अने भाषाना विषयोमा एने विशेष समय आपवो पडे

हालनी विनीत परीक्षाना अभ्यासक्रम प्रमाणे गणित अने प्राचीन भाषानी अवेजीमा उद्योग लइ शकाय छे आवो विकल्प राखवानो उद्देश ए नथी के विनयमदिरोए ए बे विषयो शीखववामां पहेलेथी ज प्रमाद राखवो, अने विद्यार्थीने पसदगी करवानो जे हक छे, ते करवी ज पडे एवी परिस्थिति उत्पन्न करवा

वर्ष १ लुं.§

विषयो— १ गूजराती २ हिंदुस्तानी ३ इतिहास ४ भूगोळ ५ अर्वाचीन भाषा— (इंग्रेजी,* मराठी, बगाळी के हिंदुस्तानी) ६. गणित

---

§ वर्ष १ थी ६ सुधीनो अभ्यासक्रम मार्गदर्शक अने सूचनारूपे छे

* इंग्रेजी भाषानो अभ्यासक्रम सूचव्यो छे बीजी भाषाना अभ्यासक्रम, मांगणी थयेथी सूचववामां आवशे

१. गूजराती.

(१) गद्य –पा ५० था ६० भावसहित वाचन, अर्थ अने श्रुतलेखन साथ

पाठ्य–पुस्तको

1 बाळमित्र

२ सरकारी वाचनमाळा पांचमी चोपडी

३ त्रिवेदी वाचनमाळा पांचमी चोपडी.

(२) पद्य –१०० लीटी अर्थ साथे तेमांथी ५० लीटी कंठ

पाठ्य–पुस्तको

१ वाचनमाळानी कविताओ

२ रायणमांथी नीचेनी कविताओनो भलामण —

बळामणु, थई मरणीया ध्रसवु, कुंभकर्ण मंदिरीया मोगरा ने कौंच, सर्व सरखु नथी देव बोल हलेसा, दशानन नाणाना पीयर, जोवा जोग जेवा गूजरात, महामाचरित्र कर्मी साप ने उंदरमां उदर, पस्तावो बगलानी वातो राजबीज, दरबारमां रणवी, हालरडु (न्हानालालजु)

३ गुजरातना कविनो द्वितीय वर्ष माटे (दक्षिणामूर्तिभवन, भावनगर)

(३) व्याकरण—त्रिवेदीनु लघुव्याकरण भा २ ना पाठ १ था ८ जेटलु

(४) सुलेखन—अनुलेखन तथा बेवडा लीटीओवाळी नोटबुकमां मोटा अक्षर लखवु
अनुलेखन माटे -- अनुलेखनमाळा (जोशीनी बुक डेपो) मणको २ जो

(५) निबंधलेखन—कांईक वांचेला पाठना के चोपडीना भाग लखवा परीचित माणसनु जीवन लखवु–जेवा के हरिश्चंद्र, राम गांधी वगेरे

२ हिंदुस्तानी

मंजुर करेला पाठ्यपुस्तको—

(१) सर्वोभिनी वाचनमाळा भा १ लो

अथवा

(२) राष्ट्रीय शिक्षावली

३. ईतिहास.

१ आपणा देशनो इतिहास—भा १ २ (दक्षिणामूर्ति विद्यालय, भावनगर)

४. भूगोळ

अभ्यासक्रम --हिंदुस्तान अने बृहदआर्यावर्तनी खास दुनियानी रुपरेखा

पाठ्यपुस्तक—दीवानजी कृत माध्यमिक भूगोळ भा १

५. अर्वाचीन भाषा.*

इंग्रेजी§

पाठ्यपुस्तको—नीचे पैकी कोई पण एक वाचनमाळानुं पहेलु पुस्तक अने प्राइमर

1 आणिमानदनी Boys Own Home Readers (कलकत्ता)
२ Yate's Reformed Readers
३ Tipping Readers
४ Palmerston Readers
५ Dutt's Bengal Readers
६ New Royal Readers
७ Nelson Readers
८ Literary & Scientific Readers

६. गणित

अभ्यासक्रम—गणितना चार सादा अने संयुक्त रीतो, भाजणी, सामान्य अपूर्णांक, हलभाजक लघुतम साधारण भाज्य, सम अने व्यस्त त्रिराशी, मात्र व्याज काढवाना सहेला दाखला, नफोटोटो (सादा दाखला)

पाठ्यपुस्तक—१ लाकडावाळानु अंकगणित
२ काटावाळानु अंकगणित
३ लालशंकर उ त्रवाडीनु अंकगणित
४ विद्यार्थी गणित [चरोतर एज्युकेशन सोसायटी, आणंद]

वर्ष २ जुं

विषयो—१ गूजराती २ हिंदुस्तानी ३ इतिहास ४ भूगोळ ५ अर्वाचीन भाषा—(इंग्रेजी, मराठी बंगाळी, हिंदुस्तानी), ६ गणित

२. गूजराती

(१)—गद्य—पा ७५ थी १०० भावसह वाचन, अर्थ, अने श्रुतलेखन साथे

पाठ्यपुस्तक—१ नीतिशिक्षण
२ सरकारी वाचनमाळा छठ्ठी चोपडी
३ त्रिवेदी वाचनमाळा छठ्ठी चोपडी

---

* इंग्रेजी भाषाना अभ्यासक्रम सूचव्या छे बीजी भाषाना अभ्यासक्रम मांगणी थयेथी सूचववामा आवशे

§ सवाद पद्धतिनी भणामण करवामा आवे छे

† जे वाचनमाळा पहेला वर्ष माटे पसंद करी होय, ते ज बनता सुधी त्यार पछीना वर्षो माटे चालु राखवी

(२) **पद्य**—अर्थ साथे ४०० थी ५०० लीटी तेमांथी २०० लीटी कंठे

पाठ्यपुस्तको—१ चोपडीमानी कविताओ

२ सामळ तथा दलपतसारमांथी पसंदगी
[दलपतसार, गुजरात साहित्य सभा तरफथी प्रकाशित]

३ पद्यपाठ संग्रह १ लो–कर्ता केशव ह ध्रुव तथा डाह्याभाई पी देरासरी–प्रकाशक मॅकमिलन कं॰ मुंबाई

४ गूजराती कविता–त्रीजा वर्ष माटे [दक्षिणामूर्ति विद्यालय भावनगर]

(३) **व्याकरण**—त्रिवेदी कृत लघुव्याकरण भा २ जो–पूरं

(४) **सुलेखन**—अनुलेखन तथा एक लीटीवाळी नोटबूकमा सारा अक्षर लखवा
राष्ट्रीय अनुलेखनमाळा मणको ६ ठो

(५) **निबंध**—पत्रलेखन, पाठनो सार लखवो, भाडाचिठ्ठी, गणोतपट्टो, हुंडी वगेरे लखवां

२. हिंदुस्तानी

मंजुर करेला पाठ्यपुस्तक—१ सुबोधिनी वाचनमाळा भा २ जो

अथवा

२ राष्ट्रीय शिक्षावली भा २ जो

३. ईतिहास

अभ्यासक्रम—रजपुतोनो ईतिहास

पाठ्यपुस्तक—मेवाडनी जाहोजलाली अथवा ए विषयनी बीजी जे कोई चोपडी मळी शके ते

४. भूगोळ

पाठ्यपुस्तक—दीवानजी कृत माध्यमिक भूगोळ भा. १–प्राकृतिक अने खगोळ उपर लक्षपूर्वक—पूरी

५. अर्वाचीन भाषा

इंग्रेजी—पहेला वर्षमा जणावेला कोई पण वाचनमाळानी बीजी चोपडी
पाठमाळा भा १ लो
अथवा
सादा गूजराती वाक्योना अंग्रेजीमा तरजुमो

व्याकरण—शब्दना प्रकार ओळखता शीखववु

कॉपीबुक—कोगी के बेवडी लीटीनी नोट अथवा आर्नोल्ड के मेकमिलननी कोपी

६. गणित

अभ्यासक्रम—सादु व्याज, दशांश, पाति, देशी रोकडमेळनी रीति
पाठ्यपुस्तको—पहेला वर्ष प्रमाणे

वर्ष ३ जुं

विषयो—१ गूजराती २ हिंदुस्तानी ३ इतिहास ४ भूगोळ ५ अर्वाचीन भाषा-(इग्रेजी,* मराठी, बगाळी के हिदुस्तानी) ६. गणित.

१. गूजराती

(१)—**गद्य**—पा १०० वाचन, अर्थ अने श्रुतलेखन साथे
मंजुर करेला पाठ्यपुस्तको—

१ सीताहरण—ले० चद्रशकर प्राणशकर शुक्र (नवजीवन प्रकाशन मदिर, अमदावाद)

२ रामायण तणा महाभारतनो सार—ले० नर्मदाशकर लालशकर [गुजराती प्रेस]

३ राम अने कृष्ण—[नवजीवन प्रकाशन मदिर, अमदावाद]

४ सातमी चोपडी—सरकारी

५ „ „ —त्रिवेदी

(२)—**पद्य-अभ्यासक्रम** ५०० लीटी अर्थ साथे, २०० लीटी कठे

पाठ्यपुस्तको—१ चोपडीमांनी कविताओ

२ **सामळमाथी** पसदगी

३ **दलपतसारमाथी** पसदगी

४ **कवि-वाणीमाथी** पसदगी [विले पार्ले साहित्य सभा]

(३) **व्याकरण**—प्र १ थी १०, १२ तथा २९

पाठ्यपुस्तक—त्रिवेदी कृत **मध्य व्याकरण.**

(४) **निबधलेखन**—वर्णनात्मक—उदा० मुसाफरी, जोवालायक स्थळ, इत्यादि उपर.

(५) **सुलेखन**—पोतानी नोटमा मारे अक्षरे लखवु

२. हिंदुस्तानी

१ **सुबोधिनी वाचनमाळा**—भा ३ जो

अथवा

२ **दुसरी पोथी**-रामदास गौड.

---

* इग्रेजी भाषानो अभ्यासक्रम सूचव्यो छे बीजी भाषाना अभ्यासक्रम मांगणी थयेथी सूचववामा आवशे.

३. इतिहास

पाठ्यपुस्तक-ऐतिहासिक वार्तामाळा-मोगलवंश—गूजरात विद्यापीठ

४. भूगोळ

अभ्यासक्रम—हिंदुस्ताननी वमाहतो अने एशिया खंड.

पाठ्यपुस्तक—भूगोळ भा २ जो-दिवानजी.

५. अर्वाचीनभाषा

इंग्रेजी.

१ पहेला वर्षमा जणावेली कोइ पण वाचनमाळानी ३ जी चोपडी

२ Oral Exercises अथवा पाठमाळा भा २

३ डिग्लोटनु इंग्रेजी गूजराती व्याकरण भा १ (मकमिलन एन्ड कु मुंबाई)

४ सुलेखन

६. गणित

अभ्यासक्रम—नफाटोटाना सादा हिसाब, चक्रवृद्धि व्याज, (मात्र व्याज काढवाना दाखला), दशांशनी रीते प्रमाणभाग अने पत्यारना सादा हिसाब, पाती, देशीनामु, रोजमेळ अने खातावही

पाठ्यपुस्तको—पहेला धोरणोमा सूचव्या छे ते तथा देशीनामा पद्धतिना बे पुस्तकोमाथी गमे ते एक

वर्ष ४ थुं

विषयो—१ गूजराती २ हिंदुस्तानी ३ इतिहास ४ भूगोळ ५ अर्वाचीन भाषा (इंग्रेजी, मराठी, बंगाळी के हिंदुस्तानी) ६ गणित ७ प्राचीन भाषा (संस्कृत, के फारसी)

१. गूजराती

(१) गद्य—पा १०० थी १२५ वाचन, श्रुतलेखन, अर्थ

मंजूर करेलां पाठ्यपुस्तको—

१ **वनराज चावडो.**

२ **प्रताप नाटक**

३ **इशुनु बलिदान**—नवजीवन प्रकाशन मंदिर

(२) पद्य—लीटी ६०० थी ७०० अर्थ साथे, २०० लीटी कंठे

पाठ्यपुस्तको—१ नर्मदाशंकरना **वीर काव्यो** तथा

२ प्रेमानंदना **प्रह्लादाख्याननु नवनीत** (हरिलाल माणेकलाल देसाई अने कल्याणराय नथुभाइ जोशी) अथवा **सुदामाचरित्र.**

(३) **व्याकरण**—त्रिवेदी कृत मध्य व्याकरणना प्र. ११, १३ थी २० अने २६ जेटलुं.

(४) **निबध लेखन**—सृष्टि वर्णन.

(५) **सुलेखन**—सारे अक्षरे खूब लखवानो म्हावरो

२. हिंदुस्तानी

पुस्तको–**सुबोधिनी वाचनमाला** भाग ३ जो, अथवा रामदास गौड कृत **तीसरी पोथी**

३. इतिहास

हिंदुस्ताननो मुसलमान समय (ई स ६४८ थी १४२६)

पुस्तक-हिंदी तवारीख़-पठाण अने तुर्क समय (विद्यापीठ)

४. भूगोळ

यूरोप खड-**भूगोळ भाग २ जो**-दिवानजी

५. अर्वाचीन भाषा

इग्रेजी—१ **वाचन**—पहेला वर्षमा जणावेली कोइपण वाचनमाळानी ४ थी चोपडी

२ **इतर वाचन**—नीचे पैकी माळामाथी एक नानु क्रमिक पुस्तक.

(क) A. L Bright Story Readers

(ख) Oxford Readers

(ग) Books for the Bairns

(घ) Stories Told to Children Series

नोंध—हिंदुस्तानना पाराणिक के दतकथाओ इग्रेजी द्वारा न शीखववी

३ Oral Exercises–अथवा पाठमाला भा ३

४ **व्याकरण**—टिग्लोटनु इग्रेजी–गूजरानी व्याकरण भा–२–जो (मॅकमिलन)

५. कविता मुखपाठ–१०० लीटी वाचनमाळामाथी अथवा नीचे पैकी क्रमबद्ध काव्य-माळाना एक पुस्तकमाथी

Types of English Poetry–By A C Mukerji–(Macmillan & Co , अथवा The Indian Press, Allahabad).

P C Wren नी काव्यमाळा (K &. J. Cooper, Bombay)

Gems of Poetry–Wadia.

६ Simple Composition

७ Handwriting.

६. गणित

अकगणित—चक्रवृद्धि व्याज पूरू, वर्ग अने वर्गमूळ, घन, व्याज गणवानी देशी रीत, वीमो–कमिशन, देश देशना नाणाना वदलाना हिसाबो (पौंड, फ्रेन अने डोलर), बीजगणितनो अकगणित साथेनो सबध, कौंस छोडवाना तथा बाधवाना

बीजगणित—सरवाळा, बादबाकी, गुणाकार अने भागाकार

भूमिति—उपकरणोनो उपयोग, ते वडे लीटी तथा खुणाना बे सरखा भाग करवा लीटीपर लब दोरवो, आपेली लीटान समान्तर लीटी दोरवी, आगला खुणा बराबर खुणो दोरव (साबीतीनी जरुर न होय), प्रमाण मापथी अतर, उचाई अने भूमितिनी आकृतिओ (जे के ओरडा मकान विगेरे) दोरवी

पाठ्यपुस्तको—बीजगणित—छगनलाल चुनीलाल महेता (मगळदास हरकीशनदार सुरत)

भूमितिना मूळतत्त्वो भाग १—भीखाभाई कुबेरभाई पटेल (चरोत एज्युकेशन सोसाइटी, आणद)

७. प्राचीन भाषा

१ **संस्कृत—१ गीर्वाणभाषाप्रवेश-पूर्वार्ध**—(पाडुरग विठ्ठल वळामे) पहेला १ पाठ, अथवा **मार्गोपदेशिका** (भाडारकर) पाठ १ थी २०

२. कथामुक्तावली पहेला श्रेणीमाथी पाच नानी वातो

३ सुभाषितरत्नसमुच्चय ३० श्लोक

२. **फारसी—गद्य** आरसीवाळानी पहेली चोपडीमांथी बार पाठ

पद्य—करीमामाथी दश टुको

व्याकरण—काळ बनाववा तथा एक वचन अने बहुवचनना रूप बनाववान नियम

वर्ष ५ मुं

विषयो—१ गूजराती २ हिन्दुस्तानी ३ इतहास ४ भूगोळ ५ अर्वाचीन भाषा (इग्रेजी-मराठी-बगाळी-हिदुस्तानी) ६ गणित ७ प्राचीन भाषा-(सस्कृत के फारसी)

१. गूजराती

(१) **गद्य** पाना १२५ थी १५० वाचन, अर्थ, श्रुतलेखन, भाषा शैली, पात्रनु चारित्र इ० नो विचार

पाठ्य पुस्तको—१ सक्षिप्त करणघेलो (गूजरात विद्यापीठ)

२. **मेवाड पतन**

३. **बुद्ध अने महावीर** (नवजीवन)

४ **बुद्धलीलासारसग्रह** (गूजरात विद्यापीठ)

पद्य ६०० थी ७०० लीटीओ अर्थ साथे, कठे २०० लीटी लघु-गुरु तथा गणनी समज सादी अने अलकारिक भाषानी समज, शब्दालकार तथा अर्थालकारनो भेद

पाठ्य पुस्तको—१ प्रेमानदनी प्रसादी

२ **रणयज्ञ**

३ नळाख्यान अथवा मामेरुं—(भानुसुखराम महेता)

४ श्राद्ध

व्याकरण—प्र २१ थी ३०-त्रिवेदीनु मध्य व्याकरण

निबध लेखन—जीवन चरित्र वर्णन

२. हिंदुस्तानी

पुस्तको—१ चौथी पुस्तक-रामदास गौड

२ हिंदी मिडल व्याकरण

३. इतिहास

१ हिन्दुस्ताननो-मुगल, शीख, मराठा अने यूरोपीय प्रजाओ-ई स १७६१ सुधी

२ इग्लाडनो इतिहास ७ मा हेन्रि सुधी (नवलरामनु ईंग्रेजी इतिहासनु पुस्तक अथवा एवु कोई बीजु पुस्तक)

४. भूगोळ

आफ्रिका अमेरिका अने एशिया

१ भूगोळ भा. २ जो-दिवानजी

५. अर्वाचीन भाषा

इंग्रेजी—१ वाचन—पहेला वर्षमा जणावेली वाचनमाळानी पाचमी चोपडी

२ **इतर वाचन**—४था वर्षमा वापरी होय तेना करता उचा क्रमनी

३ **कविता**—मुखपाठ अने अर्थ साथे लीटी १५०

(१) वाचनमाळामाथी अथवा ४था वर्षमा जणावेली कोई एक काव्यमाळामांथी अथवा

(२) Tennyson for the Young

(३) Children's Treasury of Songs

(४) Wadia's Gems of Poetry Book II

४ Oral exercises अथवा पाठमाळा भाग ४

५. Nesfield's Grammar Part II

६. Composition-Reproduction of Stories

1 Junior Composition by Nesfield

2 Short Stories-Chambers

६. गणित

अकगणित—काटखुण आकृतिओनु क्षेत्रफळ, कापीयु व्याज, मुद्दत कापवाना हिसाब, नफोटोटो

बीजगणित—सादा समीकरण अने तेना कूट दाखला, अनेकवर्ण समीकरण, सादा अवयव

पुस्तको—छगनलाल चु महेतानु **बीज गणित** अथवा **आथवलेनी** के एवी कोई बीजी बीजगणितनी चोपडी

भूमिति—एक बिंदु आगळना खुणा, समान्तर लीटीओपरना खुणा, एकरुप त्रिकोण, त्रिकोणनी बाजुओ अने खुणाओनी समानता अने असमानता

चोथा वर्षमा करेली भौमितिक रचनाओनु पुनरावर्तन–साबीती साथे

पुस्तक—भूमितिना मूळतत्त्वो (चरो त मा , आणंद)

७. प्राचीन भाषा

१ **संस्कृत—**

(१) गीर्वाणभाषाप्रवेश—पूर्वार्ध–ले पांडुरंग विठ्ठल वळामे–पूना

अथवा

मार्गोपदेशिका पूना अने भांडारकरनी बीजी चोपडी पहेला १२ पाठ

(२) कथामुक्तावली अथवा एवा ज बीजी कोई चोपडामाथी दशथी वार वाता

(३) सुभाषितरत्नसमुच्चय श्लोक ४०

२ **फारसी—गद्य**–आरमीवाळानी बीजी चोपडीमाथी १० पाठ

पद्य–करीमा–चोथा धोरणमा थयेल भागनी आगळ १० टुको

टुकोनो मुखपाठ

व्याकरण—कायानु–प्रकरण १–३–अथवा एवा बीजा व्याकरणमाथी एटलो विषय, गूजरातीमाथी फारसीमा तरजुमा–सीधा वाक्योनो

वर्ष ६ ठु

विषयो—१ गूजराती २ हिंदुस्तानी ३ इतिहास ४ भूगोळ ५ अर्वाचीन भाषा ६ गणित ७ प्राचीन भाषा–संस्कृत के फारसी ८ उद्योगकळा

१. गूजराती

गद्य—पा १५० थी २०० वाचन, अर्थ, श्रुतलेखन, सादी टीका, चर्चा

मंजुर करेला पाठ्य पुस्तको—

१ राईनो पर्वत (त्रीजो अंक बाद)
२ हिमालयनो प्रवास तथा उत्तराखंडनी यात्रा—नवजीवन प्रकाशन मंदिर
३ वीरमती नाटक–नवलराम
४ मुक्तधारा करसनदास माणेकनो अनुवाद
५ जोन ओफ आर्क—सस्तु साहित्य
६. बुकर टी वोशिंग्टन—,, ,,

पद्य—लीटी ६०० थी ७०० अर्थ साथे २०० लीटी कठे, प्रचलित छदो अने सादा अलकारनी पारख

पाठ्य पुस्तको—१ नळाख्यान २ काव्यमाधुर्य ३ कविता प्रवेश ४ साहित्य रत्न ५ पद्य सग्रह (अजारिया)

(आ पुस्तकोमाथी शाळाना आचार्यनी मजुरीथी शीखववानो भाग पसद करवो)

६ दलपतरामनु **पिंगळ**

व्याकरण—पुरु त्रिवेदी कृत **मध्यम व्याकरण**

साहित्य—इतिहास

१ काव्य माधुर्यनी प्रस्तावना

२ साहित्य रत्ननी प्रस्तावना

निबध लेखन—चर्चात्मक

२. हिंदुस्तानी

१ रामदास गैाड कृत पाचमुपुस्तक

२. हिन्दी मिडल व्याकरण

३. इतिहास

१ हिंदुस्तान—मराठा शीख अने अग्रेज

इ स १७६१ थी म० गाधीने जेलमा पूर्या त्या सुधी

२ इग्लाड-७ मा हेन्रिथी ॲन राणी सुधी (इ स १७२४)

४. भूगोळ

१ प्राकृतिक २ व्यापारी

नोध—शिक्षके ए विषयनी तैयारी करी लेवी

५. अर्वाचीन भाषा

इंग्रेजी.

१ **वाचन पुस्तक ६ ठु** अथवा

School Selections from Modern Prose–E Smith (K & J Cooper & Co., Bombay)

अथवा

Prose Selections from Scott (K. & J. Cooper & Co, Bombay)

२. **इतर वाचन**—पाचमा वर्षथी आगळ अथवा

Stories Retold to Indian Students

(Oxford University Press) माथी एक.

३. **कविता**—मुखपाठ १५० लीटी—अर्थ, तरजुमो—गद्यानुवाद (पॅराफ्रेझ) साथे

पुस्तको—Horatius—Macaulay-(बे आनावाळी)

Lake Regillus, Selections from Idylls of the King अथवा ५ मा धोरणथी आगळनी काव्यमाळा

४. Composition—Simple Description, Essays, Letter Writing.

६. गणित

अंकगणित—लोन-शेर, क्षेत्रफळ, पृष्ठफळ, घनफळ, देशी नामु पूरु

बीज गणित—आगळना अवयवो, दृढभाजक, लघुतम साधारण भाज्य, अपूर्णांक, अनेक वर्ण समीकरण-अने ते उपरना कूट दाखला, आलेख, बिंदुओ टपकाववानु, द्विवर्ण समीकरण छोडवानु

भूमिति—पहेलो स्कन्ध पुरो, बीजो स्कन्ध-वर्तुलना स्पर्शक अने सक्रिय चतुष्कोण सुधीना सिद्धान्तो, सिद्धान्त उपर सादा दाखलाओ तथा त्या सुधीमा आवती रचनाओ साथे

७. प्राचीन भाषा

१ **संस्कृत**—(१) **गीर्वाणभाषाप्रवेश-उत्तरार्ध**-ले पांडुरंग विठ्ठल वळामे अथवा **भांडारकर** बीजु पुस्तक पूरु

(२) **गद्यपद्य माळा** (जोगलेकर) अथवा **लेले वाचनमाळा भाग १.**

(३) श्लोको आसरे ४०

फारसी—गद्य आरसीवाळानी त्रीजी चोपडी-१५ वार्ता अथवा बीजी कोइ चोपडीमाथी १५ वार्ता

पद्य—बोस्तान

व्याकरण—कागा १-५ प्रकरण अथवा एवु बीजु कोइ व्याकरण, गूजरातीमाथी फारसीनो तरजुमो

८. उद्योगकळा

गणित अने प्राचीन भाषाने बदले **नीचेमांथी एक**

(१) वणाट, (२) सुथारकाम, (३) कृषि, (४) शीवणकाम, (५) वाणिज्य, (६) संगीत (७) आलेखन, (८) व्यायाम

अभ्यासक्रम—विनीत परीक्षानो उद्योगोने लगतो अभ्यासक्रम बे वर्षनो छे, तेमाथी घटतो भाग आ धोरणमा करवो

वर्ष ७ मुं

विनीत परीक्षानो अभ्यासक्रम†

विनीत परीक्षा नीचना विषयोमा लेवामा आवशे

१ गूजराती—भाषान्तर माटे हिन्दुस्तानी फकरा साथे (प्रश्नपत्र १०० गुणनु ३ कलाकनु)

२ अर्वाचीन भाषा–मराठी, बगाळी हिन्दुस्तानी अथवा इंग्रजी (,,)

३ इतिहास— (,,)

४ हिन्दनी राजव्यवस्था अने राष्ट्रीय महासभानु बधारण (१ प्रश्नपत्र ५० गुणनु २ कलाकनु)

५ गणित–अकगणित, बीजगणित, अने भूमिति दरेकनु १ प्रश्नपत्र ७५ गुणनु बे कलाकनु कूल गुण २२५)

६ प्राचीन भाषा—संस्कृत, अरबी अथवा फारसी (१ प्रश्नपत्र १०० गुणनु ३ कलाकनु)

अथवा

५ अने ६ ने बदले नीचेनामांथी गमे ते एक (दरेकमा ३२५ गुण)

(१) कातण, पीजण, वणाट अने रगाट
(२) सुथारकाम
(३) कृषि
(४) शीवणकाम
(५) व्यापार अने हिन्दी अने इंग्रेजी नामाना सिद्धान्तो–
(६) सगीत
(७) आलेखन
(८) व्यायाम

गूजराती तथा अर्वाचीन भाषा माटे प्रति वर्ष पाठ्य–पुस्तको नीमवामां आवशे

औद्योगिक परीक्षाओ लेखित अने प्रत्यक्ष लेवाशे, कदाच मौखिक पण लेवाय

परीक्षानी प्रावेशिक फी रु (१०) छे

परीक्षाओ दरेक विषयमा गुजरातीमा ज लेवाशे, सिवाय के गणित अने वाणिज्य जे इंग्रेजीमा पण आपवानी छूट रहेशे

विनीत परीक्षामा उत्तीर्ण थवा माटे भाषाना विषयोमा ३० टका अने बीजा विषयोमा २५ टका गुण मेळववा जोईए

वाणिज्य परीक्षामा 'व्यापारना मूळतत्त्वो'' ना (१०० गुणना) प्रश्नपत्रमा ३० टका अने बीजा त्रण (२२५ गुणना) प्रश्न पत्रोमा २५ टका गुण मेळववा जोईए आ विषय पसद करनारे अर्वाचीन भाषा तरीके इंग्रेजी ज लेवी जोइए

बीजा उद्योगोमा लेखी (अथवा मौखीक मळीने) १०० गुणनो प्रश्नपत्र राखवामां आवशे अने तेमा ३० टका गुण मेळववा जोईशे प्रत्यक्ष अथवा प्रयोगात्मक परीक्षा २२५ गुणनी थशे, अने तेमा २५ टका गुण मेळववा जोइशे

वाणिज्यमा अने उद्योगोनी प्रयोगात्मक परीक्षामा सारी रीते कसोटी करीने गुण मुकवा परीक्षकोने सूचववामा आवशे

---

† आ अभ्यासक्रम जुदो त्रण आनानी किमते मळी शकशे

अभ्यासक्रम अने पाठ्य पुस्तको

विषय १ लो गुजराती

म १९८०-८१ माटे पाठ्य-पुस्तको.

गूजराती—दि बा. अबालाल साकरलालना भाषणो (श्री ब क ठाकोरनी प्रस्तावना छोडाने)

मध्यम नाटक—श्री के ह ध्रुव

रणयज्ञ—प्रेमानद

काव्य समुच्चय भाग १ लो—सपादक श्री पाठक-माथी नीचेना काव्योनी पसदगी —

(भोळानाथ साराभाइ) स्तुति, (दलपतराम) गूजरातीनो वकील, साबेलु बजावे तो हु जाणु, अन्यनु ना एक वाकु, जुना रीत, धीरे धीरे सुधारानो सार, (नर्मदाशकर) सौ चला जीतवा जग, ना हठवु, (भीमराव) भारत दर्शन, (ह ह ध्रुव) रौद्र वर्षावर्णन, युद्धना लावणा, कसरीओ (नवलराम) वसतवर्णन, (कान्त) म्हेमानोने, व्हालाने उपदेश, (मणिलाल) पाछली रात, रणभूमि, (कलापी) बाजमुरने, ग्राम्य माता, वनमा एक प्रभात, वीणानो मृग, (मलबारी) बाल्यु पाळा, गूजरातनु भावी गौरव (अनवर) जागो जागो प्रेमी स्नेही, काया तारा साथी बदलाणा (केशवलाल भट्ट) तारनु तूटवु, (सौ. सुमति) सिंधुने, (नरसिंहराव) सहस्त्रलिंग तळाव, चदा (न्हानालाल) कवि दलपतरामने, वारनी विदाय, (खबरदार) गुणवती गुजरात, गुजरातना यज्ञकुड, कवि नर्मदनु मदिर, रम्य रजनी, दमणगगामा विहार, (बोटादकर) सौराष्ट्र, ग्राम्य जीवन, उषा (ब क ठाकोर) खेता, असलनेरना नूर, (दोलतराम) समुद्रवर्णन, (ललित) जन्मभूमिनु जय मगल (मगनभाई) काळ, (करीम महम्मद) अज्ञान, (आवसत्थी) शिखरिन्, सरिता अने (अज्ञात) प्रार्थना

व्याकरण—श्री त्रिवेदीना मध्य व्याकरण जेटलु.

विषय २ जो अर्वाचीन भाषा

म १९८०-८१ माटे पाठ्य-पुस्तको

(१) **इग्रेजी पद्य**—The Coming of Arthur,
The Passing of Arthur,
Poetical Selections for the Vinita Examination
माथी नीचेना काव्यो क्रमाक ५, ९, १३, १४, १७, १८, १९, २३, २४, २५, २६, २९, ३२, ३४, ३६ अने ३८

गद्य—१ Fables and Legends of Tolstoy (Ganesh and Co.)
माथी नीचेनी वार्ताओ —

How much land does a man need,
The Story of Ivan the Fool,
Where Love is there God is,
If you neglect the little Fire.

२ Irving's Sketch-Book माथा नीचेना निबंधो —

Author's account of himself, the Voyage, Roscoe, the Wife, Rip Van Winkle, English Writers, Rural life in England, the Broken-heart, the Art of Book-making, a Royal Poet, the Country Church the Widow and her Son, अने a Study in London

(२) **बंगाळी** गद्य (१) पाठ सचय श्री रवीन्द्रनाथ ठाकुर

पद्य (१) वाल्मीकीर प्रतिभा श्री रवीन्द्रनाथ ठाकुर

व्याकरण सरल बाला व्याकरण-इडीअन पब्लीशींग हाउस, कलकत्ता

( ) **हिंदुस्तानी—**

हिंदी-गद्य (१) **गुरु गोविंदसिंह**—ले वेणीप्रसाद (मनोरजन पुस्तकमाला, काशी-नागरी प्रचारिणी सभा)

(२) **हिंदी की पाँचवी पोथी**—रामदास गौड-(हिंदी पुस्तक एजन्सी, २०६ हॅरिसन रोड, कलकत्ता)

पद्य—(१) मौर्य विजय—ले० सियारामशरण गुप्त (साहित्य सदन, चिरगाँव जि झासी)

(२) **संक्षिप्त रामायण**—(इन्डिया प्रेस, अल्लाहाबाद) मे से अयोध्या काण्ड दो १७४ से काण्ड के अन्त तक (पंक्ति १६४, पृ १३८ से १४५) तथा प्रस्तावना मे से तुलसीदासजी के जीवनचरित्र की मुख्य घटनायें (पृ. १२ से ५१) कालनिर्णय आदि की क्लिष्ट चर्चा छोडकर के ।

(सर्वे हिन्दी पुस्तको गाधी पुस्तक भडार, कालबादेवी, मुबईमाथी घणु करीने मळशे)

व्याकरण—हिंदी मिडल व्याकरण

उर्दु—मुन्तखबे बाते उर्दु (गूजरात विद्यापीठ)

व्याकरण—सरळ

मराठी—गद्य १ गोविन्दाची गोष्ट (शि म परांजपे)

२ टेरेन्स मॅक्स्वीनी (ना सि. फडके)

पद्य बाल नवनीत (राष्ट्रीय शाळा, खामगाव-विरार)

व्याकरण—जोशीकृत लघु व्याकरण

(आ पुस्तको परचुरे पुराणिकनी कं, सि पि टॅन्क रोड, मुबईमाथी मळशे)

विषय ३ जो इतिहास

१ हिंदुस्ताननो—मोगल, मराठा अने ब्रिटिश समयनो ई स १९२० सुधीनो

२. इग्लांडनो—ई स १४८५थी १९१४ सुधीनो.

विषय ४ थो

हिन्दमा ब्रिटिश सरकारनु राजतंत्र अने हिंदी महासभानु बधारण.

(१) ऐतिहासिक दर्शन — कंपनीनी शरुआत, व्यापारमांथी राज्य, अने राज्यने लीधे राज्यबंधारणने लगता कायदा—१७७३, १७८४, १७९०, १८१०, १८३३, १८५३, १८५८, १८६१ १८९१, १९०९, १९२०ना मोटा फेरफारो नोंधी टुंकमा दर्शन कराववु

(२) हिंदी वजीर अने तेनी सभानो टुंक इतिहास अने हालनु बधारण (व्यावहारिक दृष्टिए)

(३) बडी सरकार अने तेनी कायवाही सभानो टुंक इतिहास हालनी स्थिति, सत्ता तथा फरजो साथे

(४) प्रान्तिक सरकारनो टुंक इतिहास हालनी स्थिति तथा फरजो साथे

(५) जिल्ला सरकार—सत्ता तथा फरजो—तालुको अने ग्राम्य स्वराज

(६) स्थानिक स्वराज —टुंक अहेवाल तथा हालनी स्थिति

(७) जमीन महेसुल

(८) जाहेर सहीसलामती (लश्कर, पोलीस, छुपी पोलीस तथा जेल)

(९) न्याय अने अन्य प्रजोन्नतिकारक कामो (केळवणी, वैद्यक अने आरोग्य, दुकाळ-शमन, रेल्वे इरीगेशन, जाहेर बांधकाम)

(१०) नाणाखातु—टुंक इतिहास—हालनी वगणी अने बजेट

(११) धारासभा—टुंक इतिहास—हालनु बधारण (व्यावहारिक दृष्टिए)

(१२) हिंदी महासभानु हालनु बधारण टुंक इतिहास साथे

(१३) देशी राज्यो

(१४) ब्रीटीश संस्थानोमा भारतवासीओ अने तेमना हक

विषय ५ मो गणित

अंकगणित

एक प्रश्नपत्र-(२ कलाक)-७५ गुण

त्रिराशि, बहुराशि, साधारण अने दशांश अपूर्णांक (आवर्त द अ सिवायना) अने तेमना गुणाकार भागाकारनी टुंकी रीत, प्रमाण मापर पद्धति, सादु, व्याज, तुर्तकिंमत, लोन, शेर, नफोतोटो काटखण, चतुष्कोण, वर्तुळ, तथा नळाकार पदार्थोना पृष्ठफळ, घनफळ

बैजिक चिह्न अने पद्धतिओ वापरवा देवामा आवशे

क्लिष्ट अने लबाणवाळी रीतोना दाखला आपवामा आवशे नहि

बीजगणित

एक प्रश्नपत्र (२ कलाक)—७५ गुण

प्राथमिक रीतो, सहेला अवयवो, गुरुतम साधारण अवयव अने लघुतम साधारण अवयवी (बने महेला अवयवीकरण द्वारा काढी शकाय तेवा), सादा अपूर्णांको, शुद्ध एकवर्ण अने द्विवर्ण समीकरणो (वार्णिक उपगुण विनाना×), अवयवीकरण द्वारा सहेलां आंकिक † वर्गसमीकरणो, उपरोक्त समीकरणो उपर कूट दाखलाओ, वर्गमूळ, बिंदुओना अने सुरेखाओना आलेखन माटे आलेखपत्रनो उपयोग, आलेख द्वारा शुद्ध अनेकवर्ण समीकरणोनो उकेल, आकडाशास्त्रना आलेख*

भूमिति

एक प्रश्नपत्र—(२ कलाक)— ७५गुण

प्रायोगिक भूमितिः—क विभागमा बतावेली रचनाओ तथा जरुर होय त्यां दाखलाना स्वरूपमा तेमना सादा विकास उपर प्रश्नो पूछवामा आवशे विद्यार्थी पासे नीचेनां साहित्यो होवा जोईये—इंच, दशांशइंच, सेन्टीमीटर अने मीलामीटरना मापनी पट्टी, काटखुणियु, कोणमापक, परिकर (कम्पास) अने सखत पेन्सील बधी आकृतिओ मापसर दोरवी जोईए

तात्त्विक भूमितिः—ख विभागमा बतावेला सिद्धान्तो ते पर प्रश्नो सहेला दाखलाओ अने आंकिकां उदाहरणो उपर प्रश्नो पूछवामा आवशे विषयना व्यवस्थित निरुपणना अंगरूप होय एवी कोईपण उपपत्ति स्वीकारवामा आवशे ख विभागमा बतावेलो क्रम ए ज विषयना निरुपणनो क्रम होय एवो आग्रह नथी

सहेलाइथी समजी शकाय तेवा सक्षेप चिह्नो वापरवानी भलामण करवामा आवे छे.

क विभाग

कोण, सुरेखा अने वर्तुलना चाप (arc)नु द्विभाजन

सुरेखा पर लबनी रचना

आपेला कोण बराबर कोणनी रचना

आपेली सुरेखाने समातर सुरेखानी रचना

पुरता पक्ष (data) परथी सहेली त्रिकोणरचना

सुरेखाना गमे तेटला सरखा भाग पाडवानी रचना

वर्तुळना स्पर्शक (tangent) नी रचना

आपेला वर्तुळने अतरगत अथवा परिगत ३, ४, ६, ८ बाजुनी नियमित आकृतिओनी रचना

त्रिकोण अने चोरसने अतर्गत अथवा परिगत वर्तुळनी रचना

आपेली सुरेखा उपर आपेलो खुणो आतराय एवा वर्तुळ खडनी रचना.

× Not involving literal coefficients † Arithmetical

* आ विषय नवीन छे,

ख विभाग

बिंदु आगळनो कोण

जो एक सुरेखा पर बीजा सुरेखा पडे तो तेथी थता बे कोणना सरवाळो बे मूलकोणनी बराबर छे अने तेनो प्रतिसिद्धांत

जो बे सुरेखाओ परस्पर छेदे तो अभिकोण सरखा थाय

समांतर सुरेखाओ

जो एक सुरेखा बीजी बे सुरेखाने छेदे अने जो (१) युग्मकोण सरखा होय, अथवा जो (२) अनुकोण सरखा होय, अथवा जो (३) छेदक रेखानी एक बाजुना अंतकोणनो सरवाळो बे मूलकोणनी बराबर होय तो ते बे सुरेखा समांतर होवी जोईए अने तेनो प्रतिसिद्धांत

एक ज सुरेखाने समांतर एवी सुरेखाओ परस्पर समांतर होय

त्रिकोण अने सुरेख आकृतिओ

त्रिकोणना कोणोनो सरवाळो बे मूलकोणना बराबर छे

जो उन्नतोदर बहुकोणना भुज क्रमश लंबावीए तो तेथी एने उपजेला कोणोनो सरवाळो चार मूलकोण बराबर छे

जो एक त्रिकोणना बे भुज अनुक्रम बीजा त्रिकोणना बे भुजनी बराबर होय, अने जो आ भुजना अंतर्गत कोण पण सरखा होय, तो ते बे त्रिकोण एकरूप छे

जो एक त्रिकोणना बे कोण अनुक्रमे बीजा त्रिकोणना बे कोणनी बराबर होय अने जो एक त्रिकोणनो एक भुज बीजा त्रिकोणना अनुवर्ती भुजनी बराबर होय, तो ते बे त्रिकोण एकरूप छे

जो त्रिकोणना बे भुज समान होय तो समान भुजनी सामेना कोण पण समान होय, अने तेनो प्रतिसिद्धांत

जो एक त्रिकोणना भुज अनुक्रमे बीजा त्रिकोणना भुज बराबर होय, तो ते बे त्रिकोण एकरूप छे

जो बे मूलकोण त्रिकोणना कर्ण सरखा होय, अने एक त्रिकोणनो एक भुज बीजा त्रिकोणना एक भुजनी बराबर होय, तो ते बे त्रिकोण एकरूप थशे

जो त्रिकोणना बे भुज असमान होय तो मोटा भुजना सामेनो कोण मोटो होय अने तेनो प्रतिसिद्धांत

आपेला बिंदुथी आपेली सुरेखा सुधी दोरेला सव सुरेखाओमा लंब सौथी टुकी छे

समांतर चतुष्कोणना सामसामेना भुज अने कोण समान छे प्रत्येक विकर्ण चतुष्कोणने दुभागे छे अने बने विकर्ण परस्पर दुभागे छे

जो कोई सुरेखा त्रण अथवा वधारे समातर सुरेखाओने छेदे अने जो तेथी उपजता अतराल समान होय तो ते समातर सुरेखाओने छेदनार बीजी कोईपण सुरेखाथी उपजता अतरालो पण समान थशे.

क्षेत्रफळ

एक ज अथवा समान आधार अने समान उचाईवाळा समातर चतुष्कोणोनु क्षेत्रफळ समान छे

एक ज अथवा समान आधार अने समान उचाईवाळा त्रिकोणनु क्षेत्रफळ समान छे

एक ज अथवा समान आधार परना समक्षेत्र त्रिकोणनी उचाई समान छे

त्रिकोणना बे भुज वच्चेनो कोण लघु मूल अथवा गुरु होय, ते प्रमाणे अनुक्रमे ते बे भुज परना वर्गोनो सरवाळो त्रीजा भुज परना वर्ग करता मोटो, समान अथवा न्हानो होय ज्या असमानता होय त्या बे भुजमाथी एक, अने तेना उपर बीजा भुजनो प्रक्षेप-आ बे वडे थता आयात जेटलु असमानतानु अतर होय

कोईपण त्रिकोणनी बे बाजु परना वर्गोनो सरवाळो अर्धो आधार अने आधारने छेदती मध्यगा ए बे वर्गोना सरवाळाथी बमणो छे

निधान

बे अचल बिदुओने समातर एवा कोई त्रीजा बिंदुनु निधान अचल बिदुओने जोडनार सुरेखानी लब द्विभाजक छे

बे परस्पर छेदती सुरेखाथी समातर एवा कोई बिंदुनु निधान ते बे सुरेखाथी थता चार कोणने दुभागनार बे सुरेखाओ छे

वर्तुळ

व्यास नहि एवा कोई पण जीवानी द्विभाजक सुरेखा केन्द्रमाथी दोरी होय तो ते जीवाने लब थाय, प्रतिसिद्धाते, केन्द्रमाथी दोरेली जीवा परनो लब जीवाने दुभागे

एक सुरेखा पर न आवे एवा त्रण बिंदुमाथी पसार थनार एक, अने एक ज वर्तुळ दोरी शकाय.

समान (अथवा एक ज) वर्तुळमा—(१) जो बे चाप केन्द्र आगळ सरखा कोण आतरे तो ते बे चाप समान छे,

(२) प्रतिसिद्धाते जो बे चाप समान होय तो ते केन्द्र आगळ सरखा कोण आंतरे

समान (अथवा एक ज) वर्तुळमा—(१) जो बे जीवा समान होय तो तेना चाप पण समान होय

(२) प्रतिसिद्धाते जो बे चाप समान होय तो तेमनी जीवा पण समान होय

समान जीवाओ केन्द्रथी समांतरे होय अने, अने तेनो प्रतिसिद्धात.

वर्तुळना कोई पण बिदु आगळनो स्पर्शक अने ते बिंदुमाथी जती त्रिज्या परस्पर लब होय

जो कोई बहारना बिंदुथी वर्तुळने बे स्पर्शको दोरवामा आवे, तो

(१) ते बे स्पर्शको समान थाय.

(२) तेओ केन्द्र आगळ समान कोण आतरे,

(३) आपेला बिंदुने केन्द्र साथे जोडनार सुरेखा साथे तेओ समान कोण करे,

जो बे वर्तुळो स्पर्शे तो स्पर्शबिंदु केन्द्रमाथी जती सुरेखा पर होय

वर्तुळनां चाप शेष परिधिना कोई पण बिंदु आगळ जे कोण आतरे तेना करता बमणो कोण केन्द्र आगळ आंतरे

एक ज वृत्तखंड परना कोण समान छे अने जो बे बिंदुने जोडनार सुरेखा पोतानी एक ज बाजु परना कोई बे बिंदु आगळ सरखा कोण आतरे तो ते चार बिंदुओ चक्रीय छे

वृत्तार्ध परना कोण मूळकोण छे वृत्तार्ध करता मोटा चाप परना कोण गुरुकोण अने वृत्तार्ध करता न्हाना चाप परना कोण लघुकोण छे

चक्रीय चतुष्कोण सामसामेना कोणोनो सरवाळो मूळकोण छे, अने तेनो प्रतिसिद्धात

जो कोई सुरेखा वर्तुळने स्पर्शे अने जो स्पर्श बिंदुमाथी कोई पण जीवा दोरवामा आवे, तो ते जीवा अने स्पर्शक वच्चेना कोण ते जीवाथी एकातरवृत्तखंडमा आतरायेला कोणनी बराबर छे

जो वर्तुळनी बे जीवा वर्तुळनी बहार अथवा अंदर परस्पर छेदे तो एक जीवाना खंडनो आयत बीजी जीवाना खंडोना आयात बराबर छे अने तेनो प्रतिसिद्धात

विषय ६ ठो प्राचीन भाषा

संस्कृत—(प्रचलित धोरण प्रमाणे—एटले) भाण्डारकरना बे पुस्तको जटलो नाचनो भाग बाद करीने—परोक्ष भूतकाळ (लिट् Perfect Tense) ना पहेला (उत्तम) अने बीजा (मध्यम) पुरुषोना रूपो

नीचेनां रूपो मात्र ओळखता आवडवा जोइए अद्यतन भूतकाळ (लृ) Aorist आशीर्लिंग (Benedictive), सनन्त (Desiderative), यङन्त (Frequentative) सहेला वाक्यो अने श्लोकोनो अनुवाद

फारसी अने अरबी—व्याकरण तथा अनुवाद

५मा अने ६ठ्ठाने बदले उद्योग कळाओ

परीक्षा लेखी (अथवा लेखी अने मौखिक)	१००
प्रत्यक्ष अथवा प्रयोगात्मक	२२५

१ वणाट

वणाट माटे स १९८०-८१ मा नीचेना अभ्यासक्रम प्रमाणे परीक्षा लेवामा आवशे—
१ प्रश्नपत्र—१०० गुणनु ३ कलाकनु

पाठ्य-पुस्तको—१ वणाटशास्त्र भा. १ लो कर्त्ता मगनलाल खु गांधी, (नवजीवन अमदावाद) २ देशी रंग कर्त्ता प्रफुलचन्द्र रॉय अनुवादक मगनलाल गांधी, (नवजीवन अमदावाद)

प्रत्यक्ष क्रिया—२२५ गुण

१ **कातण**— ६, ९, १२, १६ अने २० आंकनु सूतर एक एक तोलो सरखी रीते वळदार अने रुछी वगरनु ओछामां ओछु कलाकना २०० वारनी झडपे कातवु (उत्तम झडप कलाकनी ३५० वार)

२ **पींजण**—ओछामा ओछु कलाकना ५ तोला पींजी पूणी बनाववी (उत्तम झडप कलाके १० तोला) (मध्यम पींजण)

३ **पीलाई**—कपास जुडवो तथा पीलवो-ओछामा ओछु कलाको ०॥ शेर (उत्तम झडप कलाके २ शेर)

४ **वणाट**—(१) ३० इंच पनानु ओछामा ओछु कलाके ०। वार (सारी झडप कलाके ०॥ वार) (*गुण आपवामा झडप करता सुघडता पर विशेष ध्यान आपवामां आवे*)

(२) तराहनु वणाट—जिन, बेवडु जिन लहेरभात, हीराभात, मधपुडाभात (त्रण अने पांच रावनी)

(३) रंग—'देशी रंग'ना पुस्तक प्रमाणे,

५ **समारकाम**—माळ बनाववी, माटी पहेराववा, तार चढाववा राछ करवी, ताण करवी, त्राक सुधारवी इत्यादि

(५) सुथारकाम

विषयो। -जुदा जुदां कामो माटे वापरवा योग्य लाकडानु ज्ञान
सुथारी गणित-उदा लाकडानु घनमाप, किमतना दाखला वगेरे

कारीगरीनी परीक्षा

त्रण कलाकमा तैयार करी शकाय एवी कोइ वस्तु जेवी के पेटी बाकडो (स्टूल), कलमदान, घोडा वगेरे पॉलिश माटे तैयार थाय एवु बनाववा आपवामां आवशे अने एनी परीक्षामा नीचेना वाबतो उपर ध्यान आपवामा आवशे —

१ वासलानु काम—लाकडाने वासलाथी दोरे मारीने सीधु करवु, सरखु गोळ करवु, चडतु उतरतु गोळ करवु इत्यादि

२. दोरो मारवो—

३ रंधानु काम—रावड साफ अने सादु करवु, खाचो पाडवो, बहारनी (Convex) गोळाई करवी, अन्दरनी (Concave) गोळाई करवी। जुदी जुदी जातना रंधा वसावता आवडवा

४. करवत चलावता आवडवी —कया लाकडा माटे केवी करवत चलाववी तेनु ज्ञान, अमुक लाकडु कापता कई करवत पसन्द करवी तेनी समज, सामटा लाकडां व्हेरवा

५ छिद्रकाम—बरमा अने शारडी वडे—सीधा छिद्र पाडवा, बरमो पकडवानी कुशलता इ०

६ गुणीओ अने फरसीनु काम—गुणीआनो उपयोग, फरशी वडे छिद्र अने चूल पाडी लाकडा जोडवा अने चोकठा बेसाडवा

७ खीला मारवा—माथावाळा अने माथा वगरना माथा वगरना खीलाथी पाटीआ जोडवा स्क्रू बेसाडवा, इ०

(३) कृषि

जमीन

१ जमीनना प्रकार (प्रयोगसह)

२. जमीननी बनावट गरमी, ठडा, अने विजळी–पर्वतोनु फुलवु अने चीरावु पाणी—(१) वहेतु पाणी, (२) थीजीआर पाणी–बरफ, बरफना डुगर हवा, झाकळ, धुमस, लुणो, झाड वगेरे जुदा जुदा प्रकारनी वनस्पति जमीनना जीवडा

३ जमीनना प्राकृतिक धर्म रूलनी के मारे चारण (structure) कुमाश अथवा बरछटपणु (texture) छिद्रालुपणु पाणी राखवानी शक्ति—(saturation) केशाकर्षण—(सप्रयोग) उष्णताशोषकपणु– रानाश रग फुलवु अने सकोचावु क्षार शोषकता हवामांनी भीनाश चूसवाना गुण

४ उपला धर्मोनी पाक अने जमीन उपर थता असर अने तेमा पाकने अनुकूळ घटता फेरफार करवाना उपाय

५ छोडने उपयोगी मुख्य घटको—नाइट्रोजन, फास्फरस पोटाश्यम अने कॅल्श्यम, पाकना सबध पाणीमा तथा तेजाबमा द्रावक अने अद्रावक पदार्थ (सप्रयोग) सेन्द्रिय पदार्थोनु क्षो वायु, तेजाबोनु छूटा पडवु, अने अद्रावक पदार्थोनु द्रावक थवु फॉस्फरस अने पोटेश्यम–खातर नाइट्रोजन, बॅक्टरीआ अने लग्यु ग लाइमींग—पोटाश अने फास्फरिक ॲसिडन छूटा पाडवा

६ जमीननो कस—खेडाण पाणीनी नाकाश (draining) विविध पाक खातर–विविध जात–छाण, लीलो पाक, खोळ, मेलु विलायती खातर, वगेरे–दरेकनी पाक उपर असर, खातरने साचववानी रीत

छोड

छोडना भाग—अकुरोद्भव–एक दळ अने द्विदळना अकुरमा तफावत बीजना भाग (सप्रयोग) थड अने मूळनु वधवु अने तेनी दिशा मूळ–धोरीमूळ, नाना मूळ अने तेना कार्यो पादडा नसो कुपळो वगेरे

छोडनु कार्य—१ पाणीनो उपयोग अने कलल बिंदु (ce'ls) (सप्रयोग) छोडनु टटार रहेवु क्षारनी द्रावण अने छोडवा उपर असर (सप्रयोग) खारी जमीन अने पाक (सप्रयोग)

२ पाणीनु मूळ वाटे उचे चडवु

३ छोडवामाथी पाणीनु बाष्पीभवन

४ मडज (starch) अने पादडा—लीला पादडा अने ताप मडजनो ने छोडनो उपयोग-मडज बनावता छोडमाथी नीकळतो वायु (सप्रयोग)

५ श्वासोच्छ्वास (सप्रयोग)

६ छोडवा अने अजवाळु (सप्रयोग)

७ वेलाओ

८ फूल, फळ, बीज परागसक्रमण, बाजनु फेलावु, वेरावु, जीवन कलह विगेरे

छोडना रोग

छोड उपरना जीवडा—(१) पतंगनु बाह्य शरीरनी रचना, शरीरना भाग अने विकास, तेनाथी थतु पाकने नुकसान

(२) तेना कुदरती दुश्मन, तेनो नाश करवाने अनुकूळ वखत.

(३) प्राणीओ, पक्षीओ, अने जतुओथी थता लाभालाभ

पाक—१ स्थानिक पाक

२ फळ, झाड विषे सामान्य माहिती

३ कलम करवी छाटवु (pruning) वगेरे

सामान्य ज्ञान

१ खेतमा वपराता ओजार, तेना भाग, तेनी किंमत, तेनाथी थतु काम, तेनी काळजी वगेरे

२ ढोर, तेनी परीक्षा अने मावजत

३ ऋतुना फेरफार अने तेनी पाक उपर थती असर-वळना पाणी (monsoon currents), भेजमापक यंत्र (barometer).

४ काम, दरियानी सपाटी (sea-level) काठो, नदी, पर्वत, झाड, हीम, ताप, धूमस, झाकळ वगेरेनी पाक अने वरसाद उपर असर

५ खेडूतना घर, कोठार अने मालनी व्यवस्था अने हिसाब, बीजनी साचवणी.

६ मजुरनी व्यवस्था, सूडल, पाक कापवानो, एकठो करवानो, लाववानो वखत अने मोसमनु ज्ञान, खेडूतनी जरुरीआतो अने बार मासना कामनी वहेंचणी

७ डेरी, दूधनु वेचाण

८ पाक, फळ अने बजार

खेतीने अगे बीजु उपयोगी ज्ञान

वेपारी भूगोळ पाकना नकशानु ज्ञान, जमीनना नकशानु ज्ञान सप्रमाण नकशो: (scale drawing) महेसुली आनावारी सामान्य सुथारीकाम बैंक · अर्थशास्त्रनु सामान्यज्ञान पप-पाणीनु माप, कोसनी पद्धति-लाभालाभ गणवतपट्टानु ज्ञान अने व्याजनु ज्ञान,

क्रियात्मक ज्ञान

खेडवु-समार करवा-चास काढवा-ओरवु-कग्वडी करवी-दंताळ देवु-रापवु-नींदवु-वाढवु-लणवु-मसळवु-फडकवु धार करवी मळीया पाडवा-पाणा पावु वगेरे गाडु जोडवु, टोरनी मावजत, दोहवानी क्रिया टोरना ओळखाण साधनोनु समार काम

(४) शिवणकाम

अ काच (काम अथवा गाज) बटन टांकवु, ओटवु, हुंडका भरवो, प्लेट करवा कपडु सांधवु, खाना उपर करवो, चुण करवा, दखा करवी

आ नीचेना पोशाक माफा पर नवा हाथ शीवता आवडवो—
पुरुषोना—रुमाल, ककडा, दफतर, गलेफ, लंगोट, सदरा, सादु पहेरण, कळीवाळु पहेरण, बंडी, पायजामो, डबल वटा, कबजो, खमीश, बांडीओ कबजो, गाधा टोपी, झबला टोपी, बगलथेलो
बाळकोना—झभलु, हेंघी, चड्डा, बालाटोपी, फ्रॉक

इ (१) माप लेवानु तथा वेतरवानु (२) कपडु केटलु जोइशे तेनो हिसाब लेवानु, (३) संचानु शिवण (४) हाथ शिवण (५) शिवेला पोषाक पूर्ण करवानु (६) बगडेला सिवेला पर सुधारा आपवानु.

ई पोशाक पहेरवाना हेतु तथा वर्ग प्रमाणे माटे शिववामां पड बाबतो उपर लक्ष आपवु, ऋतु तथा प्रसंग कपडा पहेरवाना थता लाभालाभनु ज्ञान जुदा जुदा प्रदेशोमां बाट कपडा शिववामां करवा जोइता फेरफार अने तेना कारणोनु ज्ञान, जमाना प्रमाणे पहेरवेशमां फेरफार अने तेना कारणोनु ज्ञान, शिवणकाम करनार समाजमां प्रामाणिक अने स्वतंत्रता जाळववा माटे जोइता नियमोनु ज्ञान

उ संचाना सामान्य भाग तथा तेनी माहिती उदा० कया भाग क्यां छे ते जाणवु तेने नवा लावी बेसाडता आवडवु

परीक्षा—१ प्रश्नपत्र
२ हाथशिवण
३ संचानु शिवण
४ समार काम

(५) वाणिज्य

१ व्यापारनां मूळतत्त्वो—व्यापार एटले वस्तुओनो विनिमय तेमां मुख्यत्वे खरीदवा अने वेचवानी बे क्रियाओनो समावेश थइ शके —

(१) खरीद केम करवी

(क) जथाबंध वेपारीओने माटे — वस्तुओना बनावनाराओ पासेथी तेमना कॅटलॉगो, यादीओ, नमुनाओ वि मगावीने ते क्रिया माटे कागळो लखवा, भरतीया तपासवा, मालनो ऑर्डर आपवो, मालनी तपासणी, कोठार व्यवस्था (warehousing),

माल लाववाना वाहनो, नूर विषे जाणवा जेवी माहिती, रेल्वे, स्टीमर, बील ऑफ लेडींग, मालनो वीमो वगेरे

(ख) छूटक वेपारी माटे—जथाबध वेपारीओ पासेथी माल केवी रीते लेवो, ते बनावनार पासेथी केम न लइ शके माल आवे त्यारे तेने केम गोठववो

(२) वेचाण केम करवु

(क) जथाबध वेपारी माटे—गामेगाम फरनारा सेल्समेनो तथा कमीशन उपर काम करनारा आडतीयाओ तथा सरक्युलर कागळो, भरतीया (invoices) तैयार करवा, मालने पॅक करवो अने बहारगाम मोकलवो.

(ख) छूटक वेपारी माटे—स्टोरनी शाखाओ काढीने, अथवा मल्टीपल शॉप काढीने अथवा एक ज किंमते दरेक वस्तु वेचवानी दुकान काढीने, ते रीतोनु सामान्य ज्ञान तथा व्यवस्था, नामानी पद्धति, मालने तपासी लेवानी पद्धति, सेल्समेनोने आपवानी सूचनाओ वि

(ग) मालनु वेचाण केम वधारवु—सेल्समेनना धधा बाबत टूक माहिती

(घ) भरतीया, हिसाब आपवो–लेवो (stataement of accounts), पहोंचनो नमुनो, वेचाण माटेनो नमुनो वि

(३) वेपारने अगे लेवडदेवड—रोकड, वटाव कापवो, हुडीओ, चेको, तथा प्रॉमीसरी नोटो, आ वस्तुओना चलण तथा लखवानी रीत विषे टूक माहिती

(४) शाख (credit) एटले शु? घराकोनी शाख विषे माहिती केम मेळववी, लहेणां केम पताववां अने तेनो हिसाब केम राखवो

(५) शराफी—बन्क एटले शु? बॅन्कनी साथे बांधी मुदतनो, टूक मुदतनो, चालु के सेवींग्स खातानो व्यवहार शरु करवा बाबत अने पैसा उपाडवा बाबत, बॅन्कमांथी पैसा केम उछीना लइ शकाय, 'बॅन्क-रेट' एटले शु?

(६) शेर बजार—शेर बजारनी जरुर, गुण तथा दुर्गुण, तेजी, मदी, वायदा वि. क्रियाओनो व्यवहार, शेर बजारनी कार्यपद्धति, शेर दलालो, बॅन्कोनो शेर बजार साथेनो संबध.

(७) कार्यालय (office)नु काम—पत्रोनी फाइलो तथा नोंध राखवानु तथा हाल वपराती कार्यालयने लगती नवी रीतो

(८) तार केम करवा—तारना देश तथा परदेशना दर, तार केम लखवा.

(९) व्यापारी पत्रव्यवहार, व्यापारने अगे लखाता दरेक जातना कागळोनुं खास ज्ञान. आ विषय उपर वधारे ध्यान आपवानी जरुर छे

भलामण करेला पुस्तको—

Pitman– Manual of Business Training for Indian Students (खास भलामण)

Mairet– Principles and Practice of Business.

Grebby– Modern Business Training

Pitman– Theory and Practice of Commerce.

Stephenson– Principles and Practice of Commercial Correspondence

Pitman– Commercial Correspondence

२. नामु—

(१)—गुजराती पाकु नामु

(२)—इंग्रेजी—Book Keeping by Aiyar—all chapters except those on Single Entry, Interest, Ledger Method, and Exchange Operations

३. **व्यापारी भूगोळ**—हिन्दनु दुनियापर स्थान, सरहदो, व्यापारनो अर्थ, तेने माटेनी हिन्दमां अनुकूळताओ, हिन्दनो अमलनो व्यापार, जमीनमार्गो अने जळमार्गो, कुदरती प्रतिकूळताओ, ते दूर करवाना आपणी महेनत, तेमां सफळता केटले अंशे, राज्यनी असर, हिन्दनी स्थिति, माल लाववा लइ जवाना साधनो, हिन्दनी नदीओ, रेल्वे, नहेरो, रस्ताओ, विगेरे

हिन्दना राजकीय विभाग अने राजवधारणनो टुंक इतिहास तथा रूपरेखा, हिन्दना कुदरती विभाग (regions) छतां हिन्दना नकशा, हिन्दनी आबोहवा, वरसाद अने भेज, तेना पर खेतीवाडीनो आधार

व्यापारना वस्तुओ—डांगर, घउं, चणा, तुवेर, बीजुं कठोळ, रू, सुतराउ कापड, पाट, लोखंड, पेट्रोलियम, कोलसो, सोनु, लाकडुं, विगेरे विगेरे—अनुकूळ पडती बीजी चीजोनो पण समावेश करवो (तेनो आधार शिक्षको उपर राखवो जोइए)

हिन्दनां बंदरो, शहेरो रेल्वेना मथको, हिन्दना प्रान्तो प्रान्तो वच्चेनो वेपार, तथा ते वेपारनी चीजो विषेनो ख्याल

व्यापारना आपणा अमलनी स्थिति अने हालनी स्थिति वच्चेनी सरखामणी अने फेर होवाना कारणो विद्यार्थीओने समजाववा

पुस्तको—

१—व्यापारी भूगोळ (गूजरात विद्यापीठ)

२—व्यापार शिक्षक

३—हिंदुस्तानना वेपारनो वीगत– वा. क. छाणीवाळा (वडोदरा)

४—Cottons' Handbook of Commercial Information

५—वर्नाक्युलरनो फाईनल शिक्षक

६—Indian Year Book

७ World & India by Herbertson & Wren

ते सिवाय शिक्षके पोताने माटे बीजी केटलीक मोटी चोपडीओ वांची लेवी जोइए

४. **व्यवहारु गणित**—व्याज-सादु अने चक्रवृद्धि वळतर, हुंडीआमण, शेर, मालनी पडतर अने नफो-टोटो काढवानी रीत, नफा-टोटाना हीसाब

(६) संगीत

शास्त्रीय ज्ञान

१. स्वर, ताल, लय, आरोहावरोह, राग, नियम

२ खमाज, काफी, आसा, माड (माढ), झिंझोटी, देश, सारग, भैरवी, आसावरी, गौडमलार, कल्याण, बिहाग, केदार, तिलग, भूपाली—आ रागोना सादा आरोहावरोहना प्राथमिक नियमो

३ दश देशी ढाळो

४ ताल—धुमाली, केरवा, दादरा, त्रिताल, झपताल, एकताल, तेवरा

५ अलकार—भद्र, नद, जित, सोम, ग्रीव, भाल, प्रकाश

प्रत्यक्ष ज्ञान—गायन अथवा वाद्य

१ गायनना विद्यार्थीए तबला अथवा मृदग जाणवां जोईए.

२ वाद्यमा सतार, वायोलिन अथवा दिलरुबा

पाठ्य पुस्तको—गायन वायोलिन तथा दीलरुबा माटे —

१ सगीत तत्त्व दर्शक—प विष्णु दिगबर कृत (गांधर्व महाविद्यालय, मुबाई)

२ अकित अलकार ,,

३ बालप्रकाश—भा १-२ ,,

४ गूजराती ढाळो भा १ प नारायण मोरेश्वर खरे प्रसिद्ध करशे

५ तबला मृदगवादन पद्धति—प विष्णु दिगबर

सतार माटे—

सतार की पहिली पुस्तक प विष्णु दिगबर कृत

परीक्षा—लेखी १०० गुण, प्रत्यक्ष २२५ गुण (लय, ताल ३० विचार ५०, राग १००, देशी ढाल ७५)

(७) आलेखन

	विषय	विगतो	परीक्षा	समय	गुण
१	अनुस्मरणालेखन (memory drawing)	प्राणीओ अने निर्जीव स्थूल वस्तुओनु	प्रत्यक्ष क्रिया	अर्धो कलाक	७५
२	हस्तालेखन अने पल्लवालेखन (freehand and foliage)—रगक्रिया साथे	समसव्यापसव्य (बन्ने बाजुए सम) तेमज अनियमित आकृतिओनु	,,	त्रण कलाक	७५

३	प्रतिमालेखन (model drawing) रंगक्रिया साथे	सहेला आकारवाळी वस्तुओनु दर्शनचित्र	,,	,,	७५
४.	मितालेखन (Geometry) रंगक्रिया साथे	प्रॅक्टिकल ज्योमेट्रि नामना पुस्तकना सर्वे कृत्यो	प्रश्न पत्र सहित	,,	७५
५	छेल्ला वर्षमां करेला कामनी तपासणी				२५
				कुल गुण	३२५

(८) व्यायाम

लेखी एक प्रश्न पत्र

विषयो—व्यायाम शास्त्र, शरीर संरक्षण संबंधी तथा व्यायामना विषयो संबंधी शास्त्रीय ज्ञान

प्रत्यक्ष—विषयो		
	१ दंड बेठक	७ खोखो
	२ जोडी (मगदळ)	८ हु तु तु
	३ लेझिम	९ कुस्ती
	४ मल्लखंब	१० पटा
	५ लाठी	११ कवायत
	६ आटापाटा	१२ तरवानी कळा (मरजीयात)

१ **दंडबेठक**—नीचे लखेला प्रकारोनी शांत अने पद्धतिसर आवडत—

(अ) सीधे, सीनाकसी नमस्कार वजे, मयुरदंड, बजरंग दंड, जुट, दंड जोर, वीर दंड अने साफसूफ

(आ) आगे पांव, पीछे पांव, बाजू पांव, पेट गुठन, टागतोल, खडी बैठक, नीम बैठक, कूदन, नीमखमली अने खडीखमली

२ **जोडी मगदळ**—नीचे लखेला प्रकारोना सफाईथी एक बीजाने जोडीने करवानी आवडत—
झोले, कलाई, दुर-बगल, बगली, दुहरा बगली, बगल-लपेट, कलाई-शीरी, शीरी, रुमाली एक, रुमाली दो, दुहरी शीगा, फेकन मीरी, फेकन उलटी, मोढा कसी, बदन फेर, वजेदार उलटी, सीधी कलाइ मोच, वजेदार कलाई मरोड अने बहार लपेट

३ **लेझीम**—नीचे लखेला प्रकार सघमा एकी अवाजे करवानी आवडत—
एक जगहे, आढी, पवित्रा गोलचाल, चक्र गोल, गोल बैठक, अने मुह मिलाफ

४ **मल्लखंब**—प्रकारो—

सलामी बे प्रकार, सीधी, बगली, कैची, खदा, एक हाती, धाप, फिरकी उडी, घोडा बे प्रकार, कानसळी खोपरी, मश्क, सलामी चार प्रकार, साधी—आडी दोनो बाजु, उपेकी सलामी, बगली आडी दोनो बाजु, कैची आडी दोनो बाजु, उतरती, गर्दन आडी, खदा आडी, उलटी उडी, बंदर पकड संपूर्ण

५ लाठी—

दोरूख, सलामी एक, सलामी दो, चोमुखी एक, चोमुखी दो, बगलमो, जंगमो, चौमुखी बगल, चंकम्रा (आनी काट), चौमुखी जग, एकसे गोल, गोलसे दो कतार

६-८—आटापाटा, खो खो, हुतुतु पद्धतिसर रमत

९—कुस्ती—

सलामी सर्व प्रकारनी ढकेल, सर्व प्रकारनी चाल, डुब, हाथ छोडाववाना सर्वप्रकार, उखेड, पट काढवाना अने तेना बचावना सर्व प्रकार, तरावा, नोंदर खेंचवो ते उपर बचाव

१०—पटा—तडफथी बदन तोडीने—

सीधी सलामी, डुबेद सलामी, पालट सलामी, द्विडुबेद, शेरध्वज, डुबफेर, सीधी गर्दन काट, चीर आनी, पालट आनी, गर्दन काट, द्विचीर.

११—कवायद

पोते करवी, बीजा पासे करावची, सघ व्यायाम पुस्तकमाथी प्रथम अर्धभागना हुकमो लेता अने दता आवडवा

१२—बालचमू—

१३—तरवुं—आसनो साथे—सिद्धासन, बद्ध पद्मासन, दृढासन, वीरासन, पश्चिम तानासन, द्विपाद शिषासन

(आ विषयनी परीक्षा नहि लेवाय, अने एनु शिक्षण भलामण रुपे समजवु)

भलामण करेला पुस्तको

१. सघ–व्यायाम तथा बीजा जुम्मा–दादा व्यायाम मदिर (वडोदरा)नां पुस्तको
२. व्यायाम–शास्त्र (हिंदी)–चित्रशाळा प्रेस पूना
३ आरोग्य और व्यायाम (हिंदी)—'
४ ब्रह्मचर्य ही जीवन है वीर्यनाश ही मृत्यु है—(हिन्दी)- कर्ता स्वामी शिवानंद प्रकाशक बाबु केदारनाथ गुप्त, छात्र हितकारी पुस्तकमाळा, दकन गज, मिरजापुर
५ शरीर सरक्षण सबधी शास्त्रोक्त शिखामण- सरकारी बूक डीपो–वडोदरा राज. वडोदरा
६ दवा वगरनो डाक्टर याने शरीरनी खीलवणी–जे पी माढन, ३७१ लोअर कोलाबा, मुबाई
७ व्यायाम–मदिर–ठक्कर वल्लभदास खेमराज आटावाळा, डकन रोड, बे टांकी मुबाई

जूदा जूदा उद्योगो विषे तज्ज्ञोनी केटलीक सूचनाओ :—

१. व्यायाम—

१ १५–१६ वर्षथी नाना विद्यार्थीओने 'दड–बेठक'नी वधारे पडती कसरत करावची इष्ट नथी एनु प्रमाण बहु ज माफकसर होवु जोइए ए विद्यार्थीओने तडफदार (smart and brisk) रमतो अने व्यायामोमां विशेष रोकवा जोइए.

तरवानो विषय परीक्षाना विषय तरीके समजवानो नथी, पण ज्या सगवड होय त्यां शीखववु सलाह भर्यु छे

२ व्यायामना समय हमेशा सवारे के सांजे ६ थी ८ नो ज राखवो जोइए बपोरे व्यायाम करावबाथी नुकसान थवानो संभव छे

३ व्यायामना विद्यार्थी पूरेपूरी वीर्यरक्षा करे छे, तेने बीडी पान वगेरेनु कोई पण जातनु व्यसन नथी, ए एना शिक्षके बराबर जावु जोइए ए विद्यार्थीना शरीर, वस्त्र अने हृदय स्वच्छ रहे ए विषे खूब काळजी राखवी जोइए

एने माटे शिक्षकनु निष्कलंक चारित्र अने प्रमाळ स्वभाव अनिवार्य छे

४ व्यायाम-मंदिर माटेनो नकशो अने मगदळ वगेरे साधनो संबधी सुचना कोईने जोवा हशे तो कार्यालयमा जाई शकशे, अथवा प्रा० माणिकराव (जुम्मादादा व्यायाम मंदिर, वडोदरा) के श्री० छोटालाल बालकृष्ण पुराणी (न्यु इग्लीश स्कूल, भरुच) एमने लखवाथी मळी शकशे

वणाट

१ वणाटना जुदा जुदा अंशोना वहेचणानु समय पत्रक ५०० कलाकमा नीचे प्रमाणे गोठवी शकाय नेमायी रोज बे कलाक लेखे ५५ दिवसनो महीनो अने ८ महीनानु वर्ष एम समजी ४०० कलाक शाळामा आपी शकाय अने १०० कलाक विद्यार्थीए खानगी समयमाथी काढवा जोइए

पण कोइ शाळा नियमितपणे रोज बे कलाकनो समय आपवाने बदले केटलाक महीना सुधी औद्योगिक विषय पाछळ विशेष समय आपी थोडा महीनामा एने पूरो करी शके ओछामा ओछा वर्षना ४०० कलाक जोइए एटलो ज आ गणतरीनो अर्थ छे

कातण.		**कलाक.**
१	जाडा आक पर कातवु	३६
२	झीणी आक पर कातवु (अ) सार्डी चडावी जाणवु (आ) माळ बनावी जाणवु (इ) रेंटीओ तैयार करी जाणवु	५०
३	६, ९ १२ सुधीना आक अदाजथी कातता आवडवा (अ आंक काढवानो हिसाब जाणवो (आ) पोतानु कातेलु सुतर १ मीनीटमा १०० वार जेटलु फाळकीपर लपेटी शकाय तेवु काकडु भरी जाणवु	५०
४	१० थी २० आक अदाजथी कातवा	२०
५.	(अ) आक प्रमाणे मजुरीनो दर नक्की करवो (आ) काचु पाकु सुतर ओळखता शीख	

	(इ) कातवानी झडप केळववी	३०
६.	६ थी २० सुधीना आको माग्या होय ते प्रमाणे बराबर अदाजथी काती जाणवु	२०
		२०६

पींजण.

		कलाक
१	कपास झुडवो	८
२	कपास पीलवो	१६
३	जुदी जुदी जातनु रु सरखावना शीखवु, बीजवाळा कपासथी तेनी परीक्षा करवा	१०
४	कामठा पर पींजवु	१०
५	जुदी जुदी पींजण पर हाथ कळववो	३०
६	कलाके १० तोला पींजी तेनी पुणी बनावी लेवी	१०
		८४

वणाट.

७	सुतरनी माध जाणवी	१६
८	फाळकी खोली जाणवी ने कोकडा भरता शाखवु	१२
९	सुतरना दडा करवा	८
१०	सुतर ठरडवु	१६
११	नाडी बनाववी.	
	(अ) ताणी करता शीखवु	
	(आ) राच बाधी जाणवा	५०
१२	चट्टापट्टावाळी नाडी बनाववी	३०
१३	सुतर देशी रगो वडे रगवु	२०
१४.	पाटी वणता आवडवी.	३०
		१८२
	शास्त्रीय ज्ञान	२८
	कुल कलाक	५००

२ कातवानो समय वनता सुधी चोमासामा आवे एवी गोठवण करवी, वणाट उनाळामा राखवु

३. एक साथे वणवानु के एक साथे कातवानु अथवा एक साथे बौद्धिक माहितीनो क्रम राखवो उचित नथी, कारण के एथी विद्यार्थीओने कटाळो चढे छे

४, वणाटनो उद्योग जो शीखववोज होय तो ते गमे तेवा साधनोथी शीखवी नहि शकाय रेंटीयो, साळ, त्राक, चमरखा, हाथा वगेरे सर्वे साधनो परिपूर्ण अने सुघड होवां जोइए. ओजारोनी आकृति न होवी जोइए पण ओजारज (एटले सारी रीते चाली शके एवां)

होवा जोइए साधन मारा हशे तो छोकराओ होंशे होंश शाखशे अने प्रगति पण करशे

दरेक मंदिरे वणाट विभाग माटे सुथारना ओजारोना एक सेट सज्ज राखवो जोइए

५ हथीआरोनी यादी —

हथोडा, गरण, लाकडु घसवाना कानस, लोढु घसवानी कानस, पकड, करवत, चोरसा, वासला आक घसती वखत पकडवा माटे चकलीओ, लेवल, काटखुणा, फुटपट्टी, परचुरण-कातर, चप्पु, नानु आजवु

६ विशेष माहितीवाळी एक यादी कार्यालयमा छे, जेने इच्छा होय तेने जोवा मळी शकशे

अभ्यासक्रममा जणावेला पुस्तको उपरात नवजीवनमा प्रसिद्ध थती खादी विभागनी पत्रिकाओ साथे सुपरिचित रहेवु इष्ट छे.

खेती

नीचेनु पुस्तक उपयोगी थवाना संभव छे —

१ खेतर, वाडी अने बगीचानी उपज वधारनारा खातर—ले० दुलेराय छोटालाल अजारिया प्रकाशक—गुजरात वर्नाक्युलर सोसाइटी, अमदावाद किंमत ०-५-०

२ एज लेखकना बीजा उपयोगी बीजा पुस्तको पण छे

राजबंधारण.

१ ब्रिटीश राजतंत्र अने आपणी महासभा (गूजरात विद्यापीठ)

२ Indian Administration to Dawn—B K Thakore Published by D B Taraporewala & Sons Rs 4 nett

३. हिंदुस्तानु राजबंधारण—हरिलाल माधवजी भट्ट

४ Montague-Chelmsford Report Government of India, Printing, Calcutta.

५ Government of India Ilbert

६ Indian Constitution Mukherji

महासभाबंधारण

६ Indian National Congress—Ambika Charan Mazumdar—G A Natesan & Co., Madras (एनु गुजराती भाषांतर श्री ज न वर्मा, लुहाणा प्रेस वडोदरा)

७ How India Wrought for Freedom—Mrs. Annie Besant—Theosophical Publication House, Adyar, Madras

महासभा गुजरात प्रांतिक समिति इ० ना बंधारण, रोलॅट एक्ट विषे समजुती इ० मंत्री गुजरात प्रान्तिक समिति, अमदावाद

"युगधर्म"नी डायरी

हिंदुस्तानी.

हिंदी-गूजराती व्याकरण माटे नीचेना पुस्तको उपयोगी थाय एवा छे—

१ हिंदी-गुजराती शिक्षा—कर्त्ता—श्रीराम रामप्रसाद शर्मा, प्रकाशक, भगवद्दत्त बंधु मंडली—बदायूं सिटी. (R K. Ry)

२ हिंदीसिक्षिका–कर्त्ता विजयशकर त्रिभुवन त्रिवेदी, राजकोट मूल्य ०–१४–०

३ हिंदी भाषा प्रबोधिनी–भाग १ कर्त्ता–आशाभाई काशीभाई पटेल, नडियाद मूल्य ०–६–०

४ उर्दु माटे ' उर्दुका कायदा ' शीख्या पछी नीचेना पुस्तको वांची शकाय—

१ सीपाही और दरवेश
२ तीन बहनोंका कहानी
३ अलीबाबा व चालीस चोर
४ बच्चोंकी बहादरी
५ अबुलहसन
६ पेटोनौजवानका किस्सा
७ सिपाही शादाह

ग. महाविद्यालयोना अभ्यासक्रम, पाठ्य पुस्तको वगेरे×

सामान्य नियमो

१. मान्य महाविद्यालयो—

विद्यापीठने मान्य एवा बे महाविद्यालयो* छे, गूजरात महाविद्यालय (अमदावाद) अने *राष्ट्रीय महाविद्यालय (मुबाई)*

२. गूजरात महाविद्यालय—

गूजरात महाविद्यालय विद्यापीठ स्थापित छे, एनो निर्वाह, देखरेख, आचार्य, अध्यापको वगेरेनी नीमणुक विद्यापीठ तरफथी सीधी रीते थाय छे एमां स्नातक थवा सुधी पूरो अभ्यास करवानी गोठवण छे

३ राष्ट्रीय महाविद्यालय—

राष्ट्रीय महाविद्यालय, मुबाई, स्वतत्र सस्था छे, एनो निर्वाह, देखरेख, आचार्य, अध्यापको वगेरेनी नीमणुक मुबइनी प्रातिक सभा तरफथी थाय छे. एमा पण स्नातक थवा सुधी पूरो अभ्यास करवानी गोठवण छे एने नीचेनी शरते मान्य करवामा आव्यु छे—

" गूजराती विद्यार्थीओने गूजरात विद्यापीठ तरफथी निर्णीत करेला अभ्यासक्रम, अने बीजा विद्यार्थीओने हिंदुस्ताननी कोई पण प्रान्तिक भाषानो अभ्यासक्रम फरजीयात शीखवे, हाल तुर्त केळवणीनु वाहन पोते नक्की करे, पण भविष्यमा केळवणीना वाहन तरीके हिंदुस्थाननी कोई पण प्रान्तिक भाषा राखे एवी शरतथी मुबई राष्ट्रीय महाविद्यालयने मान्य करवामां आवे छे † "

४. महाविद्यालयोमां प्रवेशविधि—

गूजरात विद्यापीठनी विनीत परीक्षामा, अथवा कोइ पण राष्ट्रीय विद्यापीठनी एने मळती परीक्षामा, अथवा सरकारी युनीवर्सिटीओनी मॅट्रिक्युलेशन परीक्षामां, उत्तीर्ण थयेल विद्यार्थी महाविद्यालयमा अभ्यास करवाने लायक गणाशे

अपवाद—गूजरात महाविद्यालयना सगीत मदिरमां दाखल थवा इच्छनार विद्यार्थीए उपली परीक्षा पसार न करी होय, पण ते धोरण सुधीनो अभ्यास कर्यो होय तो चालशे.

× आ भाग जुदो आठ आनानी किंमते मळी शकशे. नाम 'स १९८१ नुं बोधपत्र'

* **महाविद्यालय** एटले विद्यापीठे स्वीकारेला कोइ पण विषयोमां विद्यार्थीने निष्णात करवाना इरादाथी योजायलु मदिर

† सं. १९७८–७९ नी बीजी नियामक सभानु कार्य २ शु. महा सुद १५/७८

५ अभ्यासकाळ—

एवा विद्यार्थीने स्नातक* थवा माटे ओछामा ओछा चार वर्ष सुधी अभ्यास करवो जोईशे

६. परीक्षाओ—

अभ्यास पूरा थता सुधीमां बे परीक्षाओ उत्तीर्ण करवी जोईशे

पहेली (प्रथमा) परीक्षा पहेला वर्षने अन्ते, अने बीजी (स्नातक) परीक्षा चोथा वर्षने अन्ते

७. परीक्षाना समयो—

दरेक परीक्षा वर्षमा बे वार लेवामा आवशे पहेली (वासन्तिक) परीक्षा सामान्यत मीन संक्रान्ति पछी त्रीजा (मार्च मासना छेल्ला) अठवाडीआमा शरु थशे, अने बीजी (शरत्) परीक्षा कन्या संक्रान्ति पछीना बीजा (सप्टेंबरना त्रीजा) अठवाडियामा शरु थशे

८. शरत् परीक्षा वासन्तिक परीक्षाने धोरणे लेवाशे, एटले सर्व पाठ्य–पुस्तको अभ्यासक्रमो वगेरेनी पसदगी तथा महाविद्यालयामा चलाववाना अभ्यासो वासन्तिक परीक्षाने दृष्टिमा राखी करवामां आवशे

९. विभागीय स्नातक परीक्षा-

स्नातक थवा माटेना परीक्षाओमा बधा प्रश्नपत्रोनी एकी साथे परीक्षा आपवाने बदले विद्यार्थीओने तेमनी इच्छा प्रमाणे महाविद्यालयना आचार्य पासेथी लायकातनु प्रमाणपत्र मळ्येथी वर्षमां थती बे पैकी गमे ते परीक्षामा गमे ते प्रश्नपत्रोनी परीक्षा आपवानी छूट छे

साधारण रीते विद्यार्थीए कोई अध्यापक साथे अमुक विषयना अभ्यास कर्यो छे, एवी खात्री थये आचार्य आवा लायकातनु प्रमाणपत्र आपशे

अपवाद (१)—जे प्रश्नपत्रो विद्यानिधिमडळ एवा नक्की कर्यां होय के तेमा सव सत्रो पूरा थया सिवाय विद्यार्थी परीक्षा आपी शके नहि, ते प्रश्नपत्रोमा उपर प्रमाणे गमे त्यारे परीक्षा आपी शकाशे नहि

अपवाद (२) राष्ट्रीय मंदिरोमा के अन्त्यज संस्थाओमा शिक्षक तरीके काम करी स्नातक परीक्षामा बेसवा इच्छता विद्यार्थीओने अध्यापक साथे अभ्यास करवाना नियममाथी छूट आपवामा आवे छे

खुलासो (१)—प्रथमा परीक्षाना सर्व विषयोमा उत्तीर्ण थया सिवाय कोई विद्यार्थीने आ नियमनो लाभ मळी शकशे नहि

खुलासो (२)—बधा प्रश्नपत्रोना परीक्षा खलास थया पहेला विद्यार्थीए ३ वर्षनी पूरी हाजरी आपवी जोईए

१० विभागीय प्रथमा परीक्षा—

प्रथमा परीक्षामा निष्फळ नीवडेल अथवा कोई सबळ कारणसर नहि बेठेल विद्यार्थीनी परीक्षा ते निष्फळ गयो होय ते विषयमा फरीथी शरत्मा लेवाशे शरत परीक्षामा आगली वासन्तिक परीक्षाना अभ्यासक्रम राखवामा आवशे

* स्नातक एटले विद्यापीठ तरफथी कोई पदवी मेळवनार.

आवो विद्यार्थी प्रथमा परीक्षा पसार कर्या सिवाय स्नातक परीक्षाना व्याख्यानोमां हाजरी भरी शकशे, पण प्रथमा परीक्षा पसार कर्या पछी ओछामा ओछु एक शिक्षण वर्ष पुरुं थयेज स्नातक परीक्षामा बेसी शकशे

खुलासो—

१ जे विद्यार्थी प्रथमा परीक्षामा एक वखत निष्फळ गयो होय तेने फरी पसार थाय त्यारे वर्ग मळी शकशे नहि

२ जे विद्यार्थीना शरत् परीक्षा वखते सत्रो पुरा थया होय ते प्रथमा परीक्षाना बधा विषयमा ते वखते परीक्षा आपी शकशे

११. **लवाजमो—**

(क) लवाजमोना दर नीचे प्रमाणे छे—

१ महाविद्यालयमा हाजरी आपवा माटे सत्र दीठ रु ३०

२ संगीत अथवा चित्रकलाना मंदिरमा ज मात्र शिक्षण लेवा माटे सत्र दीठ रु. १५

३. प्रथमा परीक्षामा बेसवा माटे रु १०

४ विभागीय स्नातक परीक्षामा बेसवा माटे प्रश्नपत्र दीठ रु ३ पण वधारेमां वधारे रु २०

५ फरी वखते आखी स्नातक परीक्षामा बेसवा माटे रु २०

६ निष्फळ थयेल विद्यार्थीओने गुण जाणवा माटे रु १

७ विभागीय परीक्षानु प्रमाणपत्र गुम थाय तो नकल माटे रु १

८ उपाधिपत्र के परीक्षामा पसार थयानु प्रमाणपत्र गुम थाय तो नकल माटे रु ५

९ प्रमाणपत्र के उपाधिपत्रना इंग्रेजी भाषांतर माटे रु. ५

१० नाम बदलामणा माटे रु २

११ राष्ट्रीय मंदिरमा काम करी परीक्षामा बेसवा इच्छता विद्यार्थीओनी नाम नोंधामणी माटे रु १

१२ बीजां विद्यापीठना स्नातकोने स्नातक मतदार मंडळमां नाम नोंधाववा माटे वार्षिक रु ५, अथवा एकी वखते रु २५

१३ पदवीदान समारंभ वखते पदवी लेवा हाजरी न आपी शकवा माटे रु. १०

१४, सेवार्थे पदवी मेळवनारने माटे रु २०

१५ मुंबाईना राष्ट्रीय महाविद्यालयना लवाजमो—
प्रवेश फी रु ५. बे सत्रोनी प्रत्येकनी फी रु ५०. प्रयोगशाळानी सत्रदीठ फी रु १० जीमखानानी फी सत्रदीठ रु ४

(ख) परीक्षामा बेसवानी अरजी मंजुर थया पछी सामान्य रीते विद्यार्थी पाछळथी कोइ पण प्रश्नपत्रमा बेसवानु माडी वाळे तो तेने माटे भरेलु लवाजम पाछु न मळी शके

अपवाद—ओचीती मांदगी के एवा कोई आकस्मिक कारणथी विद्यार्थी परीक्षा आपी न शके, तो तेनु लवाजम जमे राखवा बाबत जो परीक्षा पूरी थया पछी एक मासमां अरजी करवामां आवशे, तो ते उपर कार्यवाहक सभा विचार करी शकशे

१२. इष्ट गुण—

कोई पण परीक्षामां पसार थवा माटे नीचे प्रमाणे इष्ट गुण छे —

प्रथम वर्ग ६० टका, बीजो वर्ग ४५ टका, सामान्य वर्ग ३० टका.

१३. सरळ अभ्यासक्रम—

स्नातक परीक्षामां पहेला के बीजा वर्गमा उत्तीर्ण थवा न इच्छनार विद्यार्थीओने जुदां जुदां मदिरोनी परीक्षाओमांथी केटलांक प्रश्नपत्रो अथवा पुस्तकोनी परीक्षामाथी मुक्ति मळशे

१४. सत्रो—

गूजरात महाविद्यालयमां वर्षमा त्रण सत्रो राखवामा आवे छे तेनो विभाग वखतोवखत नक्की करवामां आवे छे

दरेक सत्रमां विद्यार्थीने सैकडे ८० दिवस हाजरी भरवी आवश्यक छे

१५ हाजरीमांथी मुक्ति —

(क) सामान्य रीते महाविद्यालयोमां हाजरी भर्या विना खानगी रीते कोई विद्यार्थीने परीक्षा आपवानी छूट आपवामां नहि आवे पण खास सजोगोमा दस दिवस सुधीनी गेरहाजरी दरगुजर करवानी आचार्यने सत्ता आपवामा आवी छे तेथी वधारे छूट आपवानी कार्यवाहक सभा सत्ता राखे छे

अपवाद—विद्यापीठे मान्य करेल महाविद्यालयमा ओछामां ओछु एक वर्ष गाळ्यु होय, जो कोई मान्य राष्ट्रीय मदिरमां शिक्षक तरीके काम करता होय, तो तेओ बाकीनी मुदत माटे स्नातक परीक्षाना विद्यार्थी तरीके महाविद्यालयना कोई मदिरमा ठरावेली फी आपी पोतानु नाम नोंधावी शके पण एवा विद्यार्थीओ एकी वखते ब करता वधारे प्रश्नपत्रो माटे उमेदवारी करी शके नहि

(ख) अन्य राष्ट्रीय विद्यापीठना विद्यार्थीओ गूजरात विद्यापीठनी कोई परीक्षामां बेसवा इच्छा धरावता होय, तो ते विषेनी अरजीओ ते विद्यापीठना महामात्र के बीजा कोई मुख्य अधिकारीनी मारफते अने भलामण साथे आवशे तो कार्यवाहक सभा तेनो विचार करशे

(ग) कोई परीक्षा माटे तैयार न थता होय तेवा विद्यार्थीओ गूजरात महाविद्यालयमा लवाजम भरी व्याख्यानोमां हाजरी आपी शकशे

१६ ईनामो इ०

महाविद्यालयना विद्यार्थीओने माटे नीचे मूजब ईनामो वगेरे नक्की थयां छे

(१) **विद्यार्थी परिषद्नु ईनाम**—द्वितीय भारतीय महाविद्यालय विद्यार्थी परिषद् पासेथी मळेली रु १३५५-८-० नी रकमना व्याजमाथी स्नातक परीक्षामा जे विद्यार्थी गूजराती भाषाना प्रश्नपत्रमा पहेलो आवे तेने ते समय सुधीमा मळेला व्याजनु ईनाम पुस्तक रूपे आपवामां आवशे

(२) **तारागौरी चन्द्रक**—श्री रणछोडलाल छगुभाई देसाई तरफथी तेमनी पुत्री बेन तारागौरीनी यादगीरीमां मळेली रु २५०) नी रकमना व्याजमाथी दरवर्षे 'साबरमती' पत्रमा

उत्तम लेख लखनार विद्यार्थीने 'तारागौरी चन्द्रक' नामे एक सुवर्णनो चांद अर्पण करवामां आवशे.

(३) उपाध्याय वृत्ति—गूजरात महाविद्यालयना अध्यापक मंडळनी सलाह लई स्नातक थया पछी वधु अभ्यास करवा वधारेमां वधारे रु ६०)ना वेतनथी त्रण उपाध्याय नीमवानी गूजरात महाविद्यालयना आचार्यने सत्ता आपवामां आवी छे

१७. खास सगवडो—

(१) ट्रेनिंग कॉलेजना विद्यार्थीओ—ट्रेनिंग कॉलेजना त्रीजा वर्षमां पसार थयेल विद्यार्थीने महाविद्यालयमां दाखल करवामां आवशे, पण विनीत परीक्षाना जे विषयोमां तेओ ट्रेनिंग कॉलेजमां पास न थया होय, ते विषयमां तेओने पास थवु पडशे.

(२) अ-गूजराती विद्यार्थीओ—जेमनी मातृभाषा गूजराती न होय, तेमने माटे गूजरात महाविद्यालयमां गूजरातीनी सरळ परीक्षा राखवामां आवशे

(३) गरीब विद्यार्थीओ—गरीब विद्यार्थीओने फीनी बाबतमां नीचे मुजब राहत आपवा गूजरात महाविद्यालयना आचार्यने सत्ता आपवामां आवी छे —

(क) दर वर्षे १५ टका जेटला लायक गरीब विद्यार्थीओने फीनी रकम धर्म-ऋण तरीके आप्या समान गणी एमने दाखल करवानी विद्यार्थीओए पोताना जीवनमां सगवडे रकम भरी देवानु धर्म-ऋणपत्र लखी आपवु जोईशे

(ख) उपरना नियमो योग्य करवामां जो १५ टका करता वधारे विद्यार्थीओने राहत आपवानी जरूर पडे, तो बीजा ५ टका जेटला विद्यार्थीओ माटे एज प्रमाणे करवानी आचार्यने विशेष सत्ता आपवामां आवी छे

(४) स्नातक मतदार मंडळ (क) गूजरात विद्यापीठनो तेमज बीजी कोई पण विद्यापीठनो स्नातक जे आ विद्यापीठना उद्देशो स्वीकारतो होय, अने कार्य विषे सहानुभूति धरावतो होय तेमज कोईपण सरकारी विद्यापीठ साथे प्रत्यक्ष संबंध न राखतो होय, तेणे कोई पण वखते विद्यापीठना महामात्रने पोतानु नाम "नोंधायेल स्नातक मतदार मंडळ"मां नोंधवाने अरजी कर्याथी तेनु नाम आ मतदार मंडळमां नोंधवामां आवशे ते एवी शरते के आ नोंधणी बाबत वखतोवखत नियामक सभाए जे फी ठरावेल हशे ते, ते स्नातक ज्यां सुधी आपे त्यां सुधीज ते मतदार रही शकशे *

(ख) स्नातक मतदार मंडळ तरफथी नीचे प्रमाणे प्रतिनिधिओ चुंटी शकाशे—

मतदारोनी संख्या	प्रतिनिधिनी संख्या
१ थी २०	२
२१ थी ३०	३
३१ थी ५०	४
५१ थी १००	६
१०१ थी १३०	१०
१३० थी वधु	१२

* गूजरात विद्यापीठना स्नातको पासेथी पहेलां पांच वर्ष सुधी कांई पण लवाजम लेवामां नहि आवे.

२ प्रथमा परीक्षा

सामान्य अभ्यासक्रम

१. प्रथमा परीक्षानी रचना नीचे मुजब छेः—

विषयो, प्रश्नपत्रो ६०

विषय	प्रश्नपत्रो	समय कलाक	गुण	टीप
१ स्वभाषा[1]	२	- -	१०० ५०	नियत पाठ्य-पुस्तको परथी निबंध
२ राष्ट्रीय भाषा[2]	१	-	१००	नियत पाठ्य-पुस्तको परथी
३. अर्वाचीन भाषा[3]	१	-	१००	,,
४. ऐच्छिक विषय[4]	२	३ दरेकना	५० दरेकना कुल १००	भाषाओ माटे नियत पाठ्य पुस्तको परथी, बीजा विषयो माटे आगळ जणावेला धोरणो मुजब
५ संपत्तिशास्त्र	१	३	१००	आगळ जणावेली धोरणो मुजब
६. हिंदनी आधुनिक राज्य व्यवस्था अने महासभानो इतिहास	१	-	१००	,,
कुल	८		८००	

१. गुजरात महाविद्यालयमां मात्र गूजरातीने स्वभाषा स्वीकारवामां आवी छे एटले सर्वे विद्यार्थीओने गूजरातीनुं ज्ञान आवश्यक छे. पण जेनी स्वभाषा गूजराती न होय, तमने माटे जुदो अभ्यासक्रम सूचव्यो छे. राष्ट्रीय महाविद्यालय (मुंबाई)मां गूजराती तथा मराठी बे स्वभाषा तरीके राखी छे.

२. हिंदी अथवा उर्दु. पण आ भेद लिपाज्ञान पूरतो ज छे. हिंदी एटले संस्कृत प्रचुर अने उर्दु एटले फारसी प्रचुर एम समजवानुं नथी.

३. बंगाळी, मराठी, इंग्रेजी के अन्य.

४. (क) प्रमाणशास्त्र, (ख) गणित, (ग) संस्कृत, (घ) अरबी (च) फारसी, (छ) संगीत, (ज) चित्रकळा, के (झ) वाणिज्य.

२. (१) विषय १ थी ३

स्व–, राष्ट्रीय–, अने अर्वाचीन भाषाओना अभ्यासनी वीगतो माटे वखतो वखत पुस्तक ठरावबामा आवे छे.

खुलासो—गूजराती स्वभाषा नथी एवा विद्यार्थीओनी मौखिक तेमज लेखी परीक्षा लेवामा आवशे लेखी परीक्षामा एक आपेला विषय उपर निबंध लखवो पडशे.

(२) विषय ४—ऐच्छिक विषयो

(क) प्रमाणशास्त्र

प्राचीन न्यायशास्त्रना आधारे आ विषयनु निरूपण करवामा आवशे. योग्य स्थळे युरोपीय लॉजिकनी उपयोगी बाबत जणाववामा आवशे एमा नीचे जणावेला विषयोनो समावेश करवामां आव्यो छे —

प्रमाणशास्त्रनो विषय-निर्देश (प्रमाणशास्त्र एटले यथार्थ ज्ञानना साधनोनु शास्त्र); विचार अने भाषा, लक्षण, विभाग प्रमाणना प्रकारो प्रत्यक्ष (आधुनिक मानसशास्त्रनी दृष्टिए पण), अनुमान, व्याप्ति व्याप्तिनी सिद्धि; दोष, शास्त्र पद्धति, उद्देश, लक्षण अने परीक्षा; तात्पर्य निर्णय वादनीति

(ख) गणित

१ लु प्रश्नपत्र :—

(क) बीजगणित—शेष-सिद्धान्त (Remainder Theorem), घात चिह्नो (Indices), करणी (Surds), वर्गसमीकरणनो सिद्धान्त (Theory of Quadratic Equations), श्रेढीओ (Progressions), सादी श्रेणीओ (Simple Series), मान (Logarithms), व्याज अने वर्षासनो (Interests and Annuities)

(ख) बीजभूमिति (Algebraic Geometry)—सुरेखा अने वृत्त-समीकरणो (Equations of a line and a circle)

२ जुं प्रश्नपत्र .—

(क) भूमिति—सजातीय के अनुपाती त्रिकोणो (Similar Triangles) टॉलेमि (Ptolemy) सेवा (Ceva) अने मेनालॉ (Menalau)ना सिद्धान्तो, त्रिकोणना अन्तर्वृत्त अने परिवृत्त (In-circle and Circum-circle of a Triangle)

(ख) त्रिकोणमिति—०, ३०, ४५, ६०, ९० अंशना अने अनुवर्ती (corresponding) गुरुकोणो(obtuse angles)ना त्रिकोणमैतिक फळो (Trigonometrical Functions), त्रिकोण धर्मो (Properties of Triangles), त्रिकोण पूर्तिकरण (Solution), उचाई अने अतरने लगता सहेला प्रश्नो.

(ग थी ञ) जुओ आगळ

(ख) वाणिज्य—

१ लु प्रश्नपत्र—इग्रेजी नामानां मूळतत्त्वो-सिंगल अने डबल एन्ट्रि, बूक-कीपिंग, भागीदारोना हीसाब, नफाटोटाना हीसाब, लिमिटेड कपनीना सहेला हीसाब, भरतीओ, कन्साइनमट, व्याज गणवाना रीतो वगेरे

२ जु प्रश्नपत्र—हिंदना आर्थिक जीवननो इतिहास.

सूचना—वाणिज्यनो विषय लेनार विद्यार्थीए अर्वाचीन भाषा तरीके 'इंग्रेजी' ज लेवी जोइए.

(३) विषय ५-सपत्तिशास्त्र

टूको इतिहास—आ शास्त्रनो बीजा शास्त्र साथे सबध

सपत्ति एटले शु? सपत्तिशास्त्रना विभागो—(क) उत्पत्ति (ख) वहेंचणी (ग) विनिमय (घ) उपभोग

(क) उत्पत्ति सपत्तिना उत्पत्तिना कारणो—मन अने अमूर्त मूर्त—नैसर्गिक शक्ति, मानवी शक्ति, मडोळ अथवा मुडी, व्यवस्था, अमूर्त जानमालनी सरक्षितता, वासनानी वृद्धि छ कारणोना छ स्वामी (१) नैसर्गिक शक्तिनो जमीनदार, (२) मानवी शक्तिना मजुर, (३) मुडीवाळा, (४) कारखानदार, (५) सरकार, (६) समाज

उत्पत्तिना नियमो — मोटा प्रमाण उपर उत्पत्ति अने नाना प्रमाण उपर उत्पत्ति—वधतु प्रमाण अने घटतु प्रमाण-श्रमविभाग अने श्रमसयोग सामाजिक श्रमविभाग आतरराष्ट्रीय श्रमविभाग निग्रहानुग्रही नीति-निराग्रह नीति-राष्ट्रीय स्वाश्रय.

(ख) वहेंचणी —छ वच्चे वहेंचणी शी रीते करवी जोइए तेमा न्याय अने समता सहकार, रूढि अने हरिफाइ, अनियत्रित वहेंचणी अने राज्य नियत्रित वहेंचणी समाज सत्तावाद, मजुर सघ, हडताळ, गामिव्यवस्था

(ग) विनिमय —मूल्य अने किम्मत, विनिमय सामान्य अने तेना गुणो, परदेश साथेना व्यापार.

(घ) उपभोग —कर अने तेना तत्त्वो, अनुपार्जित आवक, युद्धनु साम्प्रतिक स्थिति अने परिणाम

(४) विषय ६-हिंदुस्ताननी राजव्यवस्था अने हिंदी राष्ट्रीय जागृति.

विद्यार्थीने नीचना विषयोमा छेल्लामा छेल्ली माहिती होवी जोइए राष्ट्रीय चळवळनां जुदा जुदा अगो, राजव्यवस्था पाछळ रहेली वृत्ति (spirit), अने ए बेनु परस्पर परिणाम (interaction)

३ स्नातक परीक्षा.

१. मंदिरो—

छेला त्रण वर्षनो अभ्यास गूजरात महाविद्यालय (अमदावाद) अथवा राष्ट्रीय महाविद्यालय (मुंबई) ना नीचेनां कोईपण मंदिरमां दाखल थइ विद्यार्थी पूरो करशे अने स्नातक परीक्षा आपशे, तेने ते विषयना 'विशारद' थयानी पदवी आपवामां आवशे—

मंदिर	पदवी	अन्तर्गत विषयो	जे महाविद्यालयमां शीखवानी व्यवस्था छे तेनुं नाम.
१ आर्य विद्या-मंदिर	आर्यविद्याविशारद (आ. वि) (खास विभागना नाम साथे)	(१) पुरातत्त्व अने आर्यसंस्कृति	प्रबंध नथी
		(२) धर्म अने तत्त्व-ज्ञान	अमदावाद
		(३) साहित्य अने कला (४) समाज शास्त्र	प्रबंध नथी
२ समाज विद्या-मंदिर	समाजविद्या विशारद (स. वि) (खास विषयना नाम साथे)	(१) राजकारण	अमदावाद अने मुंबई
		(२) इतिहास	मुंबई
		(३) संपत्तिशास्त्र	अमदावाद अने मुंबई
३ वाग्विद्या— (अथवा भाषा) मंदिर	भाषा विशारद (भा. वि.) (खास विषयना नामो साथे)	संस्कृत, पाळी, मागधी हिंदुस्तानी, (हिंदी अने उर्दु), बंगाळी, मराठी, गूजराती, अरबी, फारसी, इंग्रेजी, फ्रेन्च.	सर्व (अमदावाद) हिंदी, मराठी, गूजराती, इंग्रेजी (मुंबई)
४. गणित विद्या-मंदिर	गणित विशारद (ग. वि)	... ...	अमदावाद
५ वाणिज्यविद्या (अथवा व्यापार) मंदिर	वाणिज्य विशारद (वा. वि)	...	अमदावाद
६ तत्त्वज्ञान मंदिर	तत्त्वज्ञान विशारद (त वि.)		अमदावाद

७ औद्योगिक रसायन मंदिर	औद्योगिक रसायन विशारद (औ. र. वि.)	.. ...	मुंबई
८ ललित कला मंदिर	ललितकला विशारद (ल. वि.) (विषयना निर्देश साथे)	१ संगीत २ चित्रकला*	अमदावाद

२ प्रवेश माटे लायकात—

स्नातक परीक्षामां बेसवा माटे कोईपण हिंदी विद्यापीठनी प्रथमा परीक्षा पसार करेल विद्यार्थीने त्रण शिक्षण वर्षनी हाजरी, मध्यमा परीक्षा पसार करेल विद्यार्थीने बे वर्षनी हाजरी अने स्नातक थयेल विद्यार्थीने एक शिक्षण वर्षनी हाजरी भरवी पडशे. अने परीक्षा वखते हाजरी भर्यानुं प्रमाणपत्र महाविद्यालयना आचार्य पासेथी रजु करवुं पडशे

३. फरजियात विषयो

दरेक मंदिरमां स्वभाषा अने राष्ट्रीय भाषानो अभ्यास फरजियात छे (जुओ पा. १८ मे पृष्ठान्त नोंध १ अने २)

४. परीक्षा विधि

७ मा अने ८ मा मंदिर सिवाय बाकी मंदिरोनी स्नातक परीक्षा बार प्रश्नपत्रोथी लेवाशे दरेक प्रश्नपत्र सो गुणनुं अने त्रण कलाकनुं रहेशे बार पैकी बे प्रश्नपत्रो बे फरजियात विषयोना थशे अने मंदिरगत विषयो माटे दश प्रश्नपत्रो आपवामां आवशे

आर्य विद्यामंदिर.

१ प्रथम वर्ष

प्रथम (सामान्य) वर्षमां चार प्रश्नपत्रो नीचे प्रमाणे राखवामां आव्या छे—

१ प्राचीन भारतवर्षनो इतिहास

२ धर्म अने तत्त्वज्ञान

३ साहित्य अने कला

४ समाज व्यवस्था

२ वाग्विद्या मंदिरमां जवानी छूट

आ मंदिरनो प्रथम वर्षनो अभ्यास कर्या पछी कोईपण विद्यार्थीने संस्कृत, प्राकृत अथवा पाली लईने वाग्विद्या मंदिरमां जवुं हशे तो तेने जवा देवामां आवशे

---

* चित्रकलाने स्नातक परीक्षानो विषय बनावी 'विशारद' पदवी आपवानी योजना नथी पण एक वधाराना विषय तरीके एने शीखववानी योजना छे

३. छेल्लां बे वर्षना विषयो

पछीनां बे वर्षोमा नीचेमांथी एक विषयनो विशिष्ट अभ्यास करवानो छे

१ पुरातत्त्व अने आर्य संस्कृतिनो इतिहास

२ धर्म अने तत्त्वज्ञान

३ साहित्य अने कला

४ समाजशास्त्र

४. विशिष्ट विभागना विषयो

दरेक विभागनी वहेंचणी नीचे मुजब छे—

१ पुरातत्त्व अने आर्य संस्कृतिनो इतिहास

नीचे प्रमाणे बाकीनां छ प्रश्नपत्रो राखवामा आव्यां छे:—

५ संशोधन पद्धति अने अत्यार सुधीना भारतवर्षीय संशोधननी रूपरेखा

६ प्राचीन लिपि, शिलालेखो, अने निष्कविद्या

७ शासनतंत्र

८ (क) महाभारतनु अध्ययन, अथवा (ख) मौर्यवंश अने गुप्तवंशनो, अथवा (ग) हर्षना समयनो, अथवा (घ) प्राचीन गूजरातनो इतिहास.

९ (क) पश्चिमनो जूनो इतिहास (रोम, ग्रीस, मीसर, खालडीआ, एसीरीआ, इरान वगेरे). (ख) पूर्वनो जूनो इतिहास (ब्रह्मदेश, जावा, चीन, जापान वगेरे).

१० युरोपनो अर्वाचीन इतिहास

२ धर्म अने तत्त्वज्ञान

नीचे प्रमाणे बाकीना छ प्रश्नपत्रो राखवामा आव्यां छे

५ न्याय, वैशेषिक अने पूर्वमीमांसा दर्शन तथा पाश्चात्य प्रमाणशास्त्र

६ योगदर्शन तथा मानसशास्त्र

७–८ सांख्य, वेदान्त अने तत्त्वमीमांसा

९ जैन अने बौद्ध दर्शन

१० धर्म चर्चा

सरळ अभ्यासक्रम—

नोंध —सरळ अभ्यासक्रममा प्रश्नपत्र सात अने आठ काढी नाखवामां आव्या छे.

साहित्य अने कला

नीचे प्रमाणे बाकीना छ प्रश्नपत्रो राखवामा आव्यां छे —

५ काव्य

६ पुराण

७–८ अलंकार शास्त्र

९–१० आनन्दमीमांसा (Aesthetics) कलानुं निरूपण (चित्र, शिल्प, स्थापत्य, संगीत–गीत, वाद्य अने नृत्य)

सरळ अभ्यासक्रम—

नोंध :—सरळ अभ्यासक्रममां प्रश्नपत्रो नवमो अने दशमो काढी नाखवामां आव्या छे.

४. समाजशास्त्र

नीचे प्रमाणे बाकीना छ प्रश्नपत्रो राखवामां आव्या छे —

५ भारतवर्षीय लोकव्यवस्था अने राजव्यवस्था

६ लौकिक साहित्य संग्रह

७ सामाजिक–विप्लव विचार

८ इस्लाम अने पाश्चात्य विचारोनी हिंदुस्थान उपर असर

९ भात बधारणनो इतिहास

१० पाश्चात्य लोकव्यवस्था अने राजव्यवस्था.

समाज विद्यामंदिर

१ विभागो.

समाज विद्यामंदिरमां नीचेमांथी एक विभागमां विद्यार्थी अभ्यास करशे (१) राजकारण, (२) इतिहास, (३) संपत्तिशास्त्र

समाज विद्यामंदिरमां गमे ते प्रश्नपत्रमां ओछामां ओछा एक सत्रनी हाजरी पछी बेसी शकाशे.

१. राजकारण विभाग

राजकारण विभागमां—नीचे प्रमाणे दश प्रश्नपत्रो राखवामां आव्या छे —

१ [illegible]

२ [illegible]

३ हिंदु अने मुसल्मान [illegible]

४ प्राचीन अने मध्यकालीन राजनीति विषयक मतमतांतरो, अने Plato's Republic, Aristotle's Politics, Gierke's Theories of Middle Ages, Figgi's Gerson to Grotius

५ अर्वाचीन राज्यबंधारण

६ दण्डनीति अने प्राचीन भारतीय इतिहास

७ संपत्तिशास्त्रना मूळतत्त्वो

८ युरोपना इतिहासनुं दिग्दर्शन

१० आन्तर राष्ट्रीय कायदानी रूपरेखा

सरळ अभ्यासक्रम—

नोंध—सरळ अभ्यासक्रममां त्रीजा अने दसमा प्रश्नपत्रो काढी नाखवामां आव्या छे

२. इतिहास विभाग

नीचे प्रमाणे दश प्रश्नपत्रो राखवामा आव्या छे

१ हिंदुस्थानना इतिहास सपूर्ण

२ महान सीकदरना मरणपर्यंत ग्रीसनो इतिहास अने प्रजासत्ताक रोमनो इतिहास

३ इस्लामी साम्राज्यनो इतिहास

४ चीन अने जापाननो इतिहास

५ (क) प्राचीन हिंदुस्थान

के

(ख) हिंदुस्थानमा मुसलमानोनो समय, मराठा अने शीखोना इतिहास साथे

के

(ग) हिंदुस्तानमा यूरोपायनो अने ब्रिटिश राज्य अने ए समयनो इग्लाडनो इतिहास.

६ यूरोपनो इतिहास सने ४७६ थी १४९३ इस्तबुलना पतन सूधी

७ यूरोपनो इतिहास सने १४९३ थी १९२० सूधी

८ राजनीतिना मूळतत्त्वो

९ सपत्तिशास्त्रना मूळतत्त्वो

१० भारतीय सपत्तिशास्त्र

सरळ अभ्यासक्रम—

नोंध—सरळ अभ्यासक्रममा बीजा अने छठ्ठा प्रश्नपत्रो काढी नाखवामा आव्या छे.

३. सपत्तिशास्त्र विभाग

नीचे प्रमाणे दश प्रश्नपत्रो राखवामां आव्या छे

१–२ सपत्तिशास्त्र मीमासा अने तेनो तात्त्विक इतिहास

३ भारतीय सपत्तिशास्त्र

४ सामाजीक जमाखर्च के आकडाशास्त्र

५ समाज सत्तावाद अने मजुरसघवाद

६ भारतीय नाणा चलण, विनिमय अने शराफी

७ राज्यनीतिना मूळतत्त्वो

८ यूरोपना इतिहासनु दिग्दर्शन

९ व्यापारी भूगोळ

१० हिंदनी अने बहारनी सहकारी चळवळ

सरळ अभ्यासक्रम—

नोंध—सरळ अभ्यासक्रममा छठ्ठा अने नवमा प्रश्नपत्रो काढी नाखवामा आव्या छे.

वाग्विद्या मंदिर

१. विषय निरूपण

वाग्विद्या मंदिरमा अभ्यास करवा इच्छनार विद्यार्थीए नीचेमाथी बे भाषाओ पसंद करवी पडशे—

संस्कृत, प्राकृत, पाली, बंगाळी, मराठी, हिंदुस्तानी, गूजराती, अरबी फारसी, इंग्रजी अने प्रत्येक दरेक भाषा माटे पांच प्रश्नपत्रो राखवामां आव्यां छे

संस्कृत

२ संस्कृत

(क) नीचे प्रमाणे पांच प्रश्नपत्रो राखेला छे—

१ वेद-मन्त्र, ब्राह्मण अने भाषा

२ उपनिषद तथा स्मृति

३ रामायण, महाभारत महाकाव्य अने नाटक

४ गद्य, चंपू अने अलंकार

५ दार्शनिक ग्रंथो

(ख) सरळ अभ्यासक्रम माटे पहेलु प्रश्नपत्र बाद

(ग) परा हाजरी भर्या सिवाय १ ला अने ४ था प्रश्नपत्रोमां परीक्षा आपी शकाशे नहि

३ अर्वाचीन हिन्दी भाषाओ

गूजराती, हिंदुस्थानी मराठी बंगाली वगेरे भाषाओना अभ्यासमा "भाषाशास्त्र" अथवा "साहित्यनो इतिहास" ए प्रश्नपत्रमा ते शास्त्रना मूळतत्त्व संबंधी अर्धु प्रश्नपत्र बधी भाषाओमा सामान्य रहेशे

गूजराती

४ गूजराती

(क) नीचे प्रमाणे पांच प्रश्नपत्रो राखेला छे—

१ भाषाशास्त्र अने जूनु गूजराती

२ प्राचीन काव्यो

३ अर्वाचीन पद्य अने साहित्य चर्चा

४ अर्वाचीन गद्य

५ साहित्यनो इतिहास

(ख) सरळ अभ्यासक्रममा प्रश्नपत्रोनी सख्या घटाडवामां आवती नथी, पण वांच-वानां पुस्तकोनी सख्या ओछी राखवामां आवे छे

(ग) पूरी हाजरी सिवाय १ ला अने ५मा प्रश्नपत्रोनी परीक्षा आपी शकाशे नहि

(घ) उपरना फेरफारो स १९८१ नी वासन्तिक परीक्षाथी अमलमा आवशे

(च) जूना अभ्यासक्रम प्रमाणे 'अर्वाचीन साहित्य'ना (३जा) प्रश्नपत्रमा जे विद्यार्थी पसार थयो होय, तेणे स १९८० नी शरत् परीक्षा वखते निबधनी परीक्षा आपी देवी

(छ) जूना अभ्यासक्रम प्रमाणे 'निबध नी परीक्षा जेणे पसार करी होय तेने 'अर्वाचीन गद्य' अने 'अर्वाचीन पद्य'माथी कोई एक प्रश्नपत्र पसद करवा देवामां आवशे, पण तेने वर्ग नहि मळी शके तेने वर्ग मेळववो होय तो ते 'निबध'ना गुण जता करी 'अर्वाचीन गद्य' तथा 'अर्वाचीन पद्य' ए बन्ने प्रश्नपत्रोमां बेसी वर्ग मेळवी शकशे

मराठी

५ मराठी

(क) नीचे प्रमाणे पाच प्रश्नपत्रो राखेला छे —

१ काव्य

२ नाटक अने कादबरी

३ इतिहास अने चरित्र

४ निबध अने साहित्य चर्चा

५ भाषाशास्त्र

(ख) सरळ अभ्यासक्रममा पाचमा प्रश्नपत्र कर्मी छ

(ग) गमे ते समये गमे ते प्रश्नपत्रनी परीक्षा आपी शकाशे

हिंदी

६ हिंदी

(क) नाचे प्रमाणे पाच प्रश्नपत्रो राखेला छ

१ पद्य

२ गद्य

३ नाटक

४ व्याकरण अने काव्य

५ समालोचना अने साहित्यनो इतिहास

(ख) सरळ अभ्यासक्रममा पांचमो प्रश्नपत्र कमी छे

(ग) गमे ते समये गमे ते प्रश्नपत्रनी परीक्षा आपी शकाशे.

बंगाळी

७ बंगाळी

(क) नीचे प्रमाणे पाच प्रश्नपत्रो राखेला छे—

१ काव्य

२ गद्य

३ नवलकथा

४ नाटक

५ प्राचीन बंगाळी काव्यो अने बंगाळी साहित्यनो इतिहास

(ख) सरळ अभ्यासक्रममा पाचमो प्रश्नपत्र कमी छे.

(ग) पूरी हाजरी भर्या सिवाय गमे ते प्रश्नपत्रनी गमे ते समये परीक्षा आपी शकाशे.

इंग्रेजी

८ इंग्रेजी

(क) नीचे प्रमाणे पाच प्रश्नपत्रो राखेला छे—

1 English Language and Literature

2. Prose including Essays and Novels

3. Poetry including Dramas

4 A Special Author, or Translation of a foreign classic in Gujarati or Marathi

5 Composition An Essay on a given subject.

(ख) पहेला प्रश्नपत्रमां समालोचना पर सवालो पूछवामा आवशे

(ग) चोथा प्रश्नपत्र माटे भाषान्तर करनार विद्यार्थीए एक विदेशी शिष्ट पुस्तकनुं नाम अनुमति माटे जणावी रजा मेळववी पडशे, अने भाषांतर विद्यार्थीए पोते करेलु छे एवा महाविद्यालयना आचार्यना प्रमाणपत्र साथे ते विद्यापीठ कार्यालयमा पहोंचाडवु जोईशे भाषांतर मळ्या पछी त्रण महीनामा विद्यापीठ भाषांतरनी योग्यता संबंधी निर्णय जाहेर करशे, अने भाषांतर अयोग्य जणाये विद्यार्थीने कोइ एक साक्षरना ग्रंथोनो अभ्यास करी परीक्षामा बेसवानी छूट रहेश

(घ) सरळ अभ्यासक्रम माटे चोथो प्रश्नपत्र कमी करवामा आव्यो छे

(च) पहेला प्रश्नपत्रनी परीक्षा संपूर्ण हाजरी भर्या पछीज आपी शकाशे.

फारसी

९ फारसी

नीचे प्रमाणे पाच प्रश्नपत्रो राखेला छे—

१ गद्य २. पद्य.

३ प्राचीन अने अर्वाचीन फारसी साहित्यनो इतिहास

४ इराननो इतिहास अने साहित्य उपर तेनी थयेली असर

५ निबंध, अनुवाद तथा मौखिक

अरबी

१० अरबी

नीचे प्रमाणे पाच प्रश्नपत्रो राखेला छे—

१ गद्य २ पद्य ३. व्याकरण

४. अरबस्ताननो इतिहास ५ अनुवाद

फ्रेंच

११ फ्रेंच

नीचे प्रमाणे पाच प्रश्नपत्रो राखेलां छे—

(१) गद्य (२) पद्य (३) अनुवाद फ्रेंचमांथी इंग्रेजी अथवा गूजरातीमां, अने इंग्रेजी अथवा गूजरातीमांथी फ्रेंचमां (४) इ. स. १७८८ थी फ्रेंच साहित्यनो इतिहास (५) नीचेमांथी कोईपण एक साक्षरनो खास अभ्यास: Molıere, Anatole France, Balzac, Victor Hugo

(ख) सरळ अभ्यासक्रम माटे ५ मो प्रश्नपत्र कमी.

(ग) गमे ते वखते गमे ते प्रश्नपत्रमां बेसी शकाशे.

प्राकृत

१२. प्राकृत

नीचे प्रमाणे पाच प्रश्नपत्रो राखेला छे—

१. व्याकरण, भाषा शास्त्र, नाटक अने शिलालेखोनुं प्राकृत

२. काव्य अने छंद–अपभ्रंश साथे

३. गद्य–अपभ्रंश साथे, अने प्राकृत साहित्यनी ऐतिहासिक रूपरेखा.

४–५. जैन आगमो, निर्युक्ति, भाष्य अने चूर्णि

पालि

१३ पालि

नीचे प्रमाण पाच प्रश्नपत्रो राखेलां छे—

१ सुत्त-अने विनयपिटक

२ अभिधम्म

३ व्याकरण अने भाषाशास्त्र

४ इतिहास

५. अट्ठकथा

गणित मंदिर

१ अभ्यासक्रमः

नीचे प्रमाणे दश प्रश्नपत्रो राखवामां आव्या छे—

(१) बीज गणित अने त्रिकोणमिति—

Algebra-Complex Quantities, Logarithmic and Exponential Theorems, Convergency and Divergency of Series Theory of Equations and Determinants.

Trigonometry-Properties of Triangles, Inverse Trigonometrical Functions, Demoivre's Theorem, Summation of Simple Trigonometrical Series, Exponential Values of Circular Functions Expressions of Circular Functions as Infinite Products

(२) **बैजक-भूमिति—पृष्ठ अने घननी** (*Analytical Geometry of two and three dimensions*)-Equations of a General Conic in the Rectangular and Polar Co-ordinates, Plane, Sphere and Ellipsoid with their Elementary Properties.

३ **शून्य लब्धि** (*Differential Calculus*)—

Elementary Calculus-Differentiation, Tangents, Normals, Maxima and Minima Values, Integration of Standard Forms Integration by Parts, Method of Partial Fractions for Integration, Application to Area

Differential Calculus-Expansion Partial Differentiation, Asymptotes, Singular Points, Curvature, Curve Tracing.

(४) **शून्ययुति** (*Integral Calculus*)-Definite Integrals, 'Gamma' Functions, Applications to Rectifications and Quadrature and Volumes.

(५) शून्यसमीकरण अने फलसिद्धान्त (*Differential Equations and Theory of Functions*)–

Differential Equations–Standard Forms of Differential Equations, Linear Equations of the First and Second Degree, General Equations with Constant Co-efficients, Applications to Geometry and Physics

Theory of Functions–Contour Integration, Theory of Residue, Fourier's Series, 'Gamma' and 'Beta' Functions

(६) स्थितिशास्त्र (*Statics*)

Elementary Mechanics–Parallelogram of Forces, Couples, Equilibrium of Forces in one Plane, Centre of Gravity, Machines, Friction

Higher Mechanics–General Conditions of Equilibrium, Centres of Gravity Eqbilibrium of Heavy Strings.

(७) गतिशास्त्र (*Dynamics*)

Elementary–Rectangular Motion, Projectiles, Circular Motion, Simple Harmonic Motion

Higher–Motion under the Law of Direct Distances and Inverse Square of Distance, Central Forces, Moments of Inertia, D'Alemberts' Principle, Motion of a Rigid Body about a Fixed Axis.

(८) द्रवयन्त्रशास्त्र (*Hydrostatics*)–

Resultant Thrusts of Fluids on Bodies, Centre of Pressure, Floating Bodies, Specific Gravity of Liquids and Solids, Properties of Gases, Hydrostatic Machines and Rotating Fluids.

(९) गोळीय त्रिकोणमिति अने खगोळविद्या (*Spherical Trigonometry and Astronomy.*)

Spherical Trigonometry–Fundamental Formula, Solution of Triangles, Properties of Tringles.

Astronomy–Refraction, Aberration, Paralax, Earth, Moon, Eclipses, Transits, Planets, Direct and Retrograde Motion

(१०) कूट प्रश्नो (Problems)

२. सरळ अभ्यासक्रम माटे प्रश्नपत्रोनी संख्या घटाडवामां नथी आवी, पण दरेक प्रश्नपत्रमां पूरता प्रमाणमा सरळ प्रश्नो पूछवामां आवशे.

३. कूट प्रश्नोनो पत्र संपूर्ण हाजरी पूरी थये ज आपी शकाशे.

वाणिज्य विद्यामंदिर

१ नीचे प्रमाणे दश प्रश्नपत्रो राखेलां छे —

(१) **लघु लेखन अने इंग्रेजी ***

आ प्रश्नपत्रमां सरखामणना बे विभाग रहेशे, इंग्रेजी विभागमा भाग दोहनना, व्याकरणना, अने नियत करेला पाठ्य पुस्तकोमांथी निबंधना सवालो पुछवामा आवश

लघुलेखनमां उत्तीर्ण थवा माटे १०० शब्दनी झडप होवी जोइए.

(२–३) नाचेना चार विषयामांथी कोइपण एक–विद्यार्थीनी पसंदगी मुजब, दरेक उपर बे प्रश्नपत्रो

(क) **अंग्रेजी नामु अने नीमतानो** (Auditing)

(२) नामु, रॅायल्टि, आवक अने खर्च, कॉन्ट्रेक्ट वगेरेना हिसाब, डबल एकाउन्टस, शराफीनामु, शाळाओना हीसाब, बीमाना हीसाब, नादारीना हासाब, लिमिटेड कपनीना अघरा हीसाब वगेरे टूकामां, बधी जातना हीसाब

(३) नामनानो

अथवा

(ख) **शराफी अने शराफी कायदो—**

(२) शराफी–धातुअनु नाणाचलण, नाणानु उपयोगीपणु, जूदी जूदी जातनु नाणु, नाणा चलण अने सिक्का, विलायतनी टंकशाळ, तेनी जाणवा जेवी बाबता अने कायदा, कायदेसर नाणाचलण, जूदा जूदा देशोनु नाणाचलण, नाणानी क्रयशक्तिमा थता फेरफार कारणो, क्रयशक्ति टकावा राखवाना उपायो, आतरराष्ट्रीय नाणाचलणना प्रश्न, ए विषेनी माहिती, हिंदी नाणाचलण हिंदी टंकशाळ, नियमो, हिंदने लगता सवालो वगेरे

शराफी अने शराफी बजार, तेनी जरूरियात अने फायदा, विलायतनी शराफी पेढीओ, एक पद्धति, बॅन्क, क्लियरिंग–हाउस, शराफी, पेढीओना नाणानु रोकाण, पैसा धीरवानी पद्धति, पेढीओ तरफथी छापेला भाव (Quotations) वगेरे

चलणी नोटोनो प्रतिबंध परदेशनी शराफी पेढीओ साथे सरखामणी हिंदनी शराफी पेढीओ इतिहास, सामान्यज्ञान, शराफी पढीओने लगतु आकडाशास्त्र, परदेशना नाणामां आपणा नाणांनो बदलानो भाव, वधघटनां कारणो वगेरे.

३ शराफी कायदो

अथवा

(ग) **रु अने रुनो उद्योग—**

(२) रुनु उत्पादन तेने अंगेनी सयोगो, जूदी जूदी जातोनु निरीक्षण, सुधारवाना उपायो परख, रुनी आयात अने निकास.

---

* स १९८१ नी वासन्तिक परीक्षा पछी वाणिज्य मंदिरमां दाखल थनार विद्यार्थीओ माटे ते पूर्वे दाखल थयेला विद्यार्थीओने माटे पहेलुं प्रश्नपत्र 'इंग्रेजी आमानां मूकतरो' रहेशे.

(३) रु तु हाथे तथा सचामां कतामण अने वणाट, सूतरनी जाती, सूतर तथा कापडनी आयात तथा निकास, मिलोमां मजूरोनी स्थिति, राज्य तरफथी मिलोने लगता कायदा, अने तेमनुं पालन, मजूर मडळो वगेरे

अथवा

(घ) वीमा पेढीओनुं शास्त्र.

(४–५) व्यापारी कायदा–बे प्रश्नपत्रो—

(४) कपनीनो कायदो, आवकवेरा अने ज्यादा आवकवेरानो कायदा, मुदतनो कायदो अने स्टॅम्पनो कायदो, रेल्वेनो कायदो.

(५) शराफी अथवा हुडीओ वगेरेने लगता कायदा (Negotiable Instruments Act), करारनो कायदो (Contract Act) तथा बीजा कायदा

(६) संपत्तिशास्त्र, नाणांचलण अने शराफीनां मूळतत्त्वोना खास अभ्यास साथे.

संपत्तिशास्त्र, द्रव्य अने मजूरी, फळदायक अने निष्फळ महेनत, श्रमविभाग अने हालनी औद्योगिक प्रवृत्ति, म्होटा पायापर उत्पादन, मुडी, उद्योगोनी व्यवस्था, उत्पादनमां फेरफार थवानां कारणो, वस्तुओनी आपले (Exchange), उपयोगिता (Utlity), जरूरियात (Value) अने किम्मत (Price), मालना जथ्था अने उठाव वच्चेनो संबंध; सट्टो, उत्पादननु खर्च अने तेनी जरूरियात, घटतु जतु फळ, वधतुं जतुं फळ, इजारो, संयुक्त उत्पादननुं खर्च, संयुक्त मालनो उठाव, सिक्का, नाणुं, किम्मत, जूदी जूदी जातनुं नाणां चलण, किम्मतमां फेरफार, चळणी नोटो, शराफी, परदेशनां नाणां अने आपणा नाणां वच्चेनो संबंध, व्यापार समता (Balance of Trade), आंतर राष्ट्रीय व्यापार, प्रतिबाधित अने अबाधित व्यापार, मुडीनो जथ्थो अने उठाव, भाडु, खेती, विघोटी पद्धति, ईजारानो नफो, म्हेनताणुं, अने जरूरियात, नफो, वस्ती, मजूरमडळी, मजूर कायदाओ, सहकारी प्रवृत्ति, रेल्वे विषेना सवालो वगेरे मुख्यत्वे हिंदी दृष्टिबिंदुथी.

(७) भारतीय संपत्तिशास्त्र.

(८) आंकडाशास्त्र अने सामाजिक जमाखर्च.†

(क) सामाजिक जमाखर्चनां मूळतत्त्वो अने सामाजिक जमाखर्च, सरकारी म्हेसुल पद्धति, आवक अने खर्चनु वर्गीकरण, कर, राज्यनुं देवुं, तेनो इतिहास अने टाळवाना अने भरी देवाना उपायो.

(ख) आंकडाशास्त्रनां मूळतत्त्वो अने हिंदी आंकडाशास्त्र.

आंकडाशास्त्रनो अर्थ, तेना विभाग, तपास केम शरु करवी, पत्रक योजना, पत्रकपरीक्षा, कोष्टक योजना, सरेरास, विचलन, चेडोल्मणुं, आलेख अने आलेखकृतिओ, ऐतिहासिक श्रेणीओ, संबंध सूचक संख्याओ वगेरे.

---

† सं. १९८० नी साळनी बन्ने परीक्षाओमां त्रीजा वर्षना विद्यार्थीओने जुना अभ्यासक्रम प्रमाणे प्र. प. ६–संपत्तिशास्त्र अने प्र. प. ८ (संपत्तिशास्त्रना विभागोमां) बेसवानी अने बधा विद्यार्थीओने जुना अभ्यासक्रम प्रमाणे प्र. प. ७ माटे राजबंधारण, अथवा आर्थिक जीवननो इतिहास ए विषय पसंद करवानी छूट हती.

हिंदी आंकडाशास्त्र—जन्ममरणने लगतुं, वस्तीगणत्रीने लगतुं, हिंदना अंदरना अने परदेशना जमीन अने जळमार्गना वेपारने लगतुं, खेतीने लगतुं, रेल्वेने लगतुं, पगार अने किम्मतने लगतुं वगेरे

(९) व्यापार व्यवस्था

व्यापार व्यवस्था, संक्षिप्तलेखन, जाहेरखबर, शेरबजार, भागीदारी पेढीओ, लिमिटेड कंपनीना पत्रव्यवहार, मंत्री तरीकेनी फरजो, कार्यपद्धति, व्यापारी पेढीओनी कार्यपद्धति, भरतीयां, तार, व्यापारी पत्रव्यवहार, अने तेमना जवाबोनी गोठवणी—औद्योगिक व्यवस्था अने मजूरोनी काम करवानी शक्ति, विमा विषे, जळमार्गे माल मोकलवा विषे वगेरे माहिती

(१०) भूगोळ

(१) व्यापारी भूगोळ—मनुष्य प्रवृत्ति तथा आधार, हुन्नर उद्योग अने व्यापारने अनुकूळ संयोगो, उत्तेजन वगेरे उत्पत्ति—खेतीनी नीपज, खनीज पदार्थो, जंगलनी नीपज, प्राणी नीपज, हुन्नर उद्योग, जुदी जुदी वस्तुओ—खास करीने हिंदने लगती, तेनी जरूरीयातो परदेश साथेना व्यापार वगेरेनी माहिती, जुदा जुदा देशोनी उपज, उद्योग, व्यापार, कुदरती अने मानुषी अनुकूळ संयोगो वगेरे

(२) प्राकृतिक भूगोळ—पृथ्वीना उत्पत्ति, आकार, कद, रातदिवसना अने ऋतु बदलाणना कारणो, स्थळ, जळ, जमीनना स्वरूपो, तेनो घसारो, आबोहवा, उष्णतानुं प्रमाण, पवनना प्रवाह, महासागरना जळप्रवाह, कुदरती प्रदेशो, तेमनी मुख्य नीपजो, नकशा अने तेमना पाठ, वगेरे

२ सरळ अभ्यासक्रम अने परीक्षामां बेसवानो क्रम

सरळ अभ्यासक्रम राखवामां आवेल नथी. प्रश्नपत्र पहेलानी परीक्षा प्रश्नपत्र बे अने त्रणनी साथे आपवी पडशे के ते पहेलां आपवी पडशे. बाकीना प्रश्नपत्रोनी परीक्षा गमे ते समये आपी शकाशे

तत्त्वज्ञान मंदिर

१ छ पाश्चात्य फिलसुफिना, त्रण आर्य फिलसुफिना, अने एक इस्लामी फिलसुफिनुं, एम नीचे प्रमाणे दश प्रश्नपत्रो राखवामां आव्यां छे·

(१) पाश्चात्य तत्त्वज्ञाननो इतिहास अने एक पाश्चात्य तत्त्वज्ञानीनो अभ्यास.

पाश्चात्य तत्त्वज्ञानीना अभ्यासक्रम माटे प्लेटो, ॲरिस्टोटल, कान्ट, बर्गसन पैकी एकने दर ३ वर्ष आगळथी ठराववामां आवशे.

(२) चित्तशास्त्र (Psychology)

(३) चारित्र्यमीमांसा (Ethics)

(४) प्रमाणशास्त्र (Logic) अने तत्त्वमीमांसा (Metaphysics)

(५) ईश्वरवाद (Theology)

(६) आनन्दमीमांसा (Aesthetics) अने काममीमांसा (Sex-psychology)

(७) बौद्ध अने जैनधर्मो

(८–९) वैदिक धर्म

(१०) इस्लाम धर्म

(आ मंदिरनी योजना अमलमां आवी नथी ए विषय काढेला विद्यार्थीओ शीखतां थनी योजना विशेष पूर्ण करवामां आवशे.)

औद्योगिक रसायन मंदिर

१. आ मंदिरमां अभ्यास करवानी गोठवण मुंबाईना राष्ट्रीय महाविद्यालयमां छे.

२. अभ्यासक्रम त्रण वर्षनो छे, अने ते अरसामां विद्यार्थीने (खास करीने हिंदुस्तानना केटलाक*) उद्योगोने लगतु रासायनिक ज्ञान एटले दरजे आपवा उमेद छे के तेथी एटलो अभ्यास कर्या बाद विद्यार्थी सरलताथी आज मंदिरनो चोथा वर्षनो अनुस्नातक (Post-graduate) अभ्यास करी शके, अथवा कोई कारखानामा रही शके, अथवा विशेष अभ्यास माटे विदेश जई शके

३. प्रथम वर्षने अन्ते प्रथमा वैज्ञानिक परीक्षा प्रथम वर्षना बधा विषयोमां लेवाशे: ते परीक्षा माटे नीचे प्रमाणे विषयो ठरावेला छे.

(१) निरिन्द्रिय रसायननां मूळतत्त्वो

(२) पदार्थविज्ञान (Physics) ना मूळतत्त्वो

(३) गणित

(४) यंत्रशास्त्रनी व्यावहृति (Applied Mechanics)

(५) यंत्रालेखन (Machine Drawing)

रसायनमां प्रयोगशाळामां विद्यार्थीए जाते काम करवुं पडशे, अने बीजा विषयोमां सप्रयोग साबीतीओ शीखवाशे.

विद्यार्थीनी इच्छा हशे तो इंग्रेजी अने समाजशास्त्रना विषयोमां ए हाजरी आपी शकशे.

४. बीजा वर्षना विषयो नीचे मुजब छे.—

(१) निरिन्द्रिय रसायननो विशेष अभ्यास

(२) सेन्द्रिय रसायननां मूळतत्त्वो

(३) निरिन्द्रिय औद्योगिक रसायन

(४) शारीर (Physical) रसायननां मूळतत्त्वो

(५) पदार्थ विज्ञान (Physics)

(६) गणित.

---

*जेवा के वनस्पतिजन्य तेलो, क्षार रसायन, धातुरसायन इत्यादि.

निरिन्द्रिय रसायनना महत्वना प्रयोगो अने तात्विक (Qualitative) पृथक्करण विद्यार्थी जाते करशे.

बीजा वर्षने अंते पदार्थ विज्ञान अने गणितना विषयो पुरा थशे अने तेमां परीक्षा थशे.

कारखानां अने यन्त्रालयोनी मुलाकात

७ त्रीजा वर्षना विषयो नीचे मुजब छे —

(१) सेन्द्रिय रसायननो विशेष अभ्यास

(२) शारीर रसायन (Physical Chemistry)

(३) औद्योगिक रसायन शास्त्र-रासायनिक उद्योगोना खास उल्लेख सहित

त्रीजा वर्षने अंते परीक्षा थशे तेमां जे बाकीना बधा विषयोमा उत्तीर्ण थशे तेने सपूर्ण पणे उत्तीर्ण गणवामां आवशे

आ विषयोमां विशेष माहिती राष्ट्रीय महाविद्यालय (मुंबाई)माथी मळी शकशे

पारंगत परीक्षा

१ गूजराती भाषामां कोईपण विषयपर स्वतंत्र निबंध (thesis) लखनार स्नातकने 'पारगत' पदवी आपी शकाय

२ निबध माटे पसद करेल विषय माटे विद्यानिधि मंडळनी अनुमति उमेदवारे मेळववी जोइए एवो निबध तैयार थये, विद्यानिधि मडळ ते पर अभिप्राय करवा परीक्षको नीमशे

अनुस्नातक अभ्यास

गणित

गणितविशारद ने माटे नीचे प्रमाणे अनुस्नातक (post-graduate) अभ्यास करवानी गोठवण थई शकशे

(१) बीजगणित, उन्मितिफलो (Determinants) अने समीकरण सिद्धान्त (Theory of Equations)

(२) शून्यलब्धि अने शून्ययुति, शून्यसमीकरण.

(३) पृष्ठ अने घननी शुद्ध अने पृथक् बैजिक भूमिति.

(४) फलसिद्धान्त, अने Quarternions.

(५) स्थितिशास्त्र, बैजिक आकर्षणनो सिद्धान्त (Theory of Potential Attractions).

(६) त्र्यसरेणु गतिशास्त्र (Dynamics of a Particle) अने अखड पदार्थेनु गतिशास्त्र (Rigid Dynamics)

(७) द्रवस्थितिशास्त्र (Hydrostatics) अने द्रवगतिशास्त्र (Hydrodynamics).

(८) विद्युत, लोहचुंबक अने खगोळ गणित.

तत्त्वज्ञान

तत्त्वज्ञान विशारद माटे नीचे प्रमाणे अनुस्नातक अभ्यासनी भलामण छे

१ इतिहास	१ एशियाई फीलसुफी
	२ युरोपीय फीलसुफी
२ नीचेमांथी एक विषय	
(१) प्रमाणशास्त्र	१ युरोपीयन
	२ प्राचीन (भारतीय)
(२) चित्तशास्त्र	१ उच्च प्रकारनु सामान्य (प्राचीन चित्तशास्त्र साथे)
	२ शारीर चित्तशास्त्र अथवा समाज-चित्तशास्त्र
(३) चारित्र्यमीमांसा (Ethics)	१ चारित्र्यमीमांसानो इतिहास (प्राचीन चारित्र्य-मीमांसा सहित)
	२ चारित्र्यमीमांसाना मूळतत्त्वो (प्राचीन चारित्र्य-मीमांसा सहित)
३ नीचे पैकी कोईपण एक विषय	
(१) राजनैतिक तत्त्वमीमांसा (Po itical Philosophy)	१ उचा प्रकारनु सामान्य प्रश्नपत्र
	२ एशिया अने युरोपना राजनैतिक सिद्धान्तो अने प्रवृत्तिओनो इतिहास
	३ आर्यनीति शास्त्रो
(२) समाजविद्या (Sociology)	१ एशिया अने युरोपना सामाजिक सिद्धान्तो अने सामाजिक जीवनना इतिहास
	२ सामाजिक संपत्तिशास्त्र
	३ सामाजिक चित्तशास्त्र
(३) तत्वमीमांसा (Metaphysics)	१ तत्त्वमीमांसानो इतिहास
	२ क्रिटीक ओफ प्योर रीझन
	३ शंकर अने रामानुज
(४) प्राचीन दर्शनो	१ प्राचीन दर्शननो इतिहास
	२ नीचे पैकी कोई पण एक दर्शन समूह (क) न्याय-वैशेषिक (ख) सांख्य-योग

(ग) पूर्व मीमांसा

(घ) वेदान्त

(च) जैन

(छ) बौद्ध

३ एक विशिष्ट दार्शनिक के धर्मप्रवर्तक

(५) धर्म अने ईश्वरवाद (Religion and Theology)

१ धर्म अने ईश्वर विषयक सिद्धान्तो

२ धर्मोनो इतिहास

३ भिन्न भिन्न धर्मोनो तुलनात्मक अभ्यास ब्राह्मण, जैन, बौद्ध अने जरथोस्ती धर्मनो विशेष

सूचना—विद्यार्थीओने २ जा अने ३ जा विषय समूहमांथी पसंद करवामां नीचेना विषयोनी जोडणी करवानी सलाह आपवामां आवे छे

२ जा मांथी	३ जा मांथी
(१) प्रमाण शास्त्र	तत्त्वमीमांसा अथवा प्राचीन दर्शनो
(२) चित्तशास्त्र अथवा चारित्र मीमांसा	राजनैतिक तत्त्व मीमांसा अथवा समाजविद्या अथवा दर्शनो, अथवा धर्म अने ईश्वरवाद

ललित कला मंदिर

संगीत

वाद्यवादननो अभ्यासक्रम

(१) सतार

१ लु वर्ष—आशरे २० सादी गत

२ जु वर्ष—तोडानी साथे आशरे १० गतो

३ जु वर्ष—गततोडा तथा मींड गमक

४ थु वर्ष—संपूर्ण ज्ञान

(२) फिडल

१ लु वर्ष—सादा गायनो तथा अभ्यास

२ जु वर्ष—आलाप साथे थोडां गायनो

३ जुं-४ थु वर्ष—अभ्यास तथा संपूर्ण ज्ञान

(२) दीलरुबा सतारना अभ्यासक्रम प्रमाणे

जो तबला अने अलंकार गायनना अभ्यासक्रमनी साथे लई शकाय.

रागविद्यानो अभ्यासक्रम :

१ लुं वर्ष

शास्त्र—(थियरी) सप्तस्वर, आरोह, अवरोह तथा सादा स्वरालंकार.

प्रत्यक्ष प्रदर्शन (प्रॅक्टिस) नीचेना रागोनी चीजो—सादी थोडा तान आलापनी साथे—

भूप, कल्याण, आसा, गौरी, कांलिंगडा, देश, सारंग, खमाज, झींझोटी, काफी, आसावरी, पीलु तथा भैरवी

२ जुं वर्ष

शास्त्र—बधा स्वरालंकार, ग्राम, श्रुति, मूर्च्छना वगेरेनु ज्ञान

प्रत्यक्ष प्रदर्शन—नीचेना ताल वगाडतां आवडवा जोइए —

दादरा, धुमाली, केरवा, एकताल, त्रिताल, चौताल, रुपक, तेवरा, झपताल, तथा सुरफाकताल

ध्रुपदो अने तराणा.

साथे नीचेना रागनी चीजो —हमीर, गौडसारंग, बागेश्री, शंकरा, सिंधुरा, सोहनी, कमोद, केदार, भीमपलास, बिलावल

३ जुं वर्ष

शास्त्र—चीजोनु स्वरलेखन (नोटेशन) अने उच्च तानालापनुं ज्ञान

प्रत्यक्ष प्रदर्शन—नीचेना ताल वगाडतां आवडवा जोईए—

दीपचंदी, धुमार, झुमरा, आडाचौताल, पंजाबी

नीचेना रागोनी चीजो —

कानडा, बिभास, तोडी, ललित, मुलतानी, हिंदोळ, गौडमल्हार, पुरवी, तथा कालिंगडो.

४ थुं वर्ष

शास्त्र—गावे ते चीजनु स्वरलेखन तथा सारीगम करतां आवडवुं जोइए. जुदा जुदा रागो वच्चेनो फरक पारखवो. संपूर्ण तानालाप साथे चीज गावी.

प्रत्यक्ष प्रदर्शनः—नीचेना रागो तान आलाप साथे गावा:—

भैरव, मालकंस, कल्याण, भीमपलास, भूप, बागेसरी, आसावरी, अने खमाज.

बधा प्रसिद्ध तालोनुं संपूर्ण ज्ञान—प्रयोग साथे

भलामण करेल पुस्तकः—भातखंडेनुं हिंदुस्थानी संगीत पद्धति भाग १ लो

सरळ अभ्यासक्रम माटे वादन अथवा गायन पैकी एक.

चित्रकला

गूजरात महाविद्यालयना चित्रकला मंदिरमां नीचेना विषयो शीखववामां आवे छे. ए पदवी संपादननो विषय नथी, पण एनुं नियमित शिक्षण अने परीक्षा लईने प्रमाणपत्र आपवामां आवशे. अपवाद रूपे, कोई बीजा विषयने बदले एने ऐच्छिक विषय तरीके लेवा देवामां आवे.

अभ्यासक्रम

१ लुं वर्ष—चित्रक्रिया

१. हस्तालेखन (Free-hand)—समसव्यापसव्य (Symmetrical) चित्रो अने पल्लवालेखनना नमुना परथी चित्रो दोरीने तेमां रंग पूरवा (लाल, पीळो अने वादळी ए त्रण रंगोनो ज उपयोग)

२ अनुस्मरणालेखन (Memory Drawing)—सामान्य जोवामां आवती सहेला आकारवाळी वस्तुओनुं यादगीरी परथी चित्र दोरवुं उदा० चप्पु, कातर, देगडो, टोपली, कलम वगेरे

३. प्रतिमालेखन (Model Drawing) अने यथादर्शन (Perspective)—सादा भौमितिक आकारना पदार्थो, जेवा के घनचोरस, त्रिकोण, चोरस, षटकोण, सूचि, पार्श्व, नलाकृति, शंकु वगेरे पदार्थोनी यथादर्शनना नियमोने अनुसरी आकृतिओ काढवी

२ जुं वर्ष चित्रक्रिया

१ मर्यादालेखन अने पल्लवालेखन—झाडना छोड परथी तेनुं चित्र रंग साथे करवुं वगेरे

२ अनुस्मरणालेखन—पशु, पक्षी, फळ, फुल वगेरेनुं यादगीरी उपरथी चित्र दोरवुं

३ प्रतिमालेखन अने यथादर्शन—सादा अने अघरा पदार्थोना समूहना यथार्थ चित्रो काढवां, अने तेमना रंग पूरवा अने मर्यादा बांधवी

४ भात (Designing)—पल्लवालेखनना नमुनाने आधारे वणाटकाम (textile), कीनारीओ (border), चोपडीना पूठा वगेरे

३ जुं वर्ष-रंगक्रिया वर्ष ? लुं

१ छाया लेखन—सादा भौतिक आकारना पदार्थो उपरथी छायाचित्र दोरवुं जेमके—चोरस, त्रिकोण, षट्कोण, सूची, पार्श्व, नलाकृति शंकु सादी प्लास्टर परथी वगेरे.

२ अनुकरण-चित्र—अजंटानी गुफाओ वगेरे स्थलोना चित्र उपरथी रंग साथे नकलो करवी

३ प्रकृतिदर्शनालेखन (Landscape)—झाड, नदी, किनारा वगेरेनुं सुंदर चित्र जोईने काढवुं, गूजरातना प्रसिद्ध चित्र काढवा

४ अप्रतिमालेखन—फळ, फूल, अथवा सारा आकारनां वासणो वगेरेना रंग अने छाया लेखन सहित चित्र दोरवुं.

४थुं वर्ष-रंगक्रिया वर्ष २जुं;

१. छायालेखन—पुतळाओ उपरथी काळी सळी (चारकोल) वडे छायाचित्र दोरवुं

२. रंगक्रिया—तेलनां, पाणीना के खडीना रंगथी प्रत्यक्ष देखावो चितरवा, तथा जनावरो वगेरे चितरवा.

३ सच्छायप्रतिमालेखन(Still—life) फळ-फूलनो समुह रंग साथे चितरवो

४ आदमे कदम—प्रत्यक्ष माणस उपरथी छायाचित्र काळी सळी वडे चितरवु तथा माणसनु आखु चित्र काढवु

५. हिन्दुस्ताननां भाव चित्र—प्राचीन चित्रकारोनां चित्रोनु अनुकरण तथा तेमणे दर्शावेला भावो उतारवानी दृष्टिए अभ्यास.

४ पाठ्य तथा भलामण करेलां पुस्तको

प्रथमा परीक्षा-सं. १९८०-८१

मातृभाषा

१ गूजराती-सामान्य अभ्यासक्रम

१. नवल ग्रंथावली भाग २ जो (शालोपयोगी आवृत्तिमांथी) नीचेना निबंधो (१) स्व. साक्षर नवलराम लक्ष्मीरामनु जीवन वृत्तांत-स्व गोवर्धनरामनु लखेलुं, (२) रघुवंश काव्य, (३) गूजरात तथा काठीयावाड देशनी वार्ता, (४) देशी कारीगरीने उत्तेजन, (५) हरिश्चंद्र नाटक, (६) गूजराती भाषानो मोटो कोष, (७) रामारत्न निरूपण, (८) करसनदास मूळजी चरित्र, (९) महेताजी दुर्गाराम मंछारामनु चरित्र, (१०) गूजराती शब्दमूलदर्शक कोष, (११) करण घेलो-एक वार्ता, (१२) कांता, (१३) सुबोध चिंतामणी विवेचन, (१४) विधवानो वकील, (१५) सद्गुणमय गूजराती, (१६) नाटकशाला ने गोपीचंद नाटक, (१७) बाळलग्न ने बलात्कार वैधव्य, (१८) नात सुधारो, (१९) गूजराती भाषानु ऐक्य, (२०) प्रेमानन्द (मामेरू), (२१) कवि नर्मदाशंकरनी कविता, (२२) नर्म कवितानी प्रस्तावना, (२३) कवीश्वर दलपतराम डाह्याभाई, (२४) हिन्दुस्तानमां एक भाषा, (२५) देशी पिंगळ, (२६) भाषाशास्त्र, (२७) अक्षर लिपिनी उत्पत्ति, (२८) स्वभाषाना अभ्यासनु अगत्य, (२९) जनावरने सस्कृत कर्यु

२. काव्य समुच्चय भाग १ लामा थी—नीचेना अंकनां काव्यो १, २, ३, ५, ७, १२अ, १४ थी १८, २१, २२, २४, २७, २९, ३०, ३६, ३७, ३९, ४०, ४३, ४४, ४६ थी ४९, ५२, ५५, ५७ थी ५९, ६१ थी ६६, ६८, ६९, ७१, ७३ थी ७५, ८० थी ८४, ९६

३. मामेरू अने सुदामाचरित्र-प्रेमानन्द

२. मराठी—(मुंबई राष्ट्रीय महाविद्यालय माटे ज)

१ महाराष्ट्र इतिहास मंजरी

२ विनायकाची कविता (वीणाकाव्य माळेचा द्वितीय ग्रन्थकार)

३ तोतयाचें बंड (केळकर) व त्या वरील टीकात्मक लेख (कोल्हटकर)

४ नवनीत [वेचे]

५ सुगम अलंकार [जोशी]

३ हिंदी (मुंबई राष्ट्रीय महाविद्यालय माटे ज.)

१ सौ अजान एक सुजान

२ कविता कौमुदी भाग १—२

प्राचीन—चंद, कबीर, नंददास, रहीम, केशवदास, रसखान, बिहारी और भूषण
अर्वाचीन—भारतेन्दु अम्बीका व्यास, श्रीधर, अयोध्यासिंह, रामदेवीप्रसाद, शंकर गुप्त, सत्यनारायण

३ मुद्राराक्षस नाटक—(भारतेन्दु)

व्याकरण, काव्य, अलंकार, छंद, पिंगल

सूचित पुस्तको

१ हिन्दी व्याकरण (अम्बिकाप्रसाद)

२ हिंदी पद्यरचना (रामनरेश त्रिपाठी)

३ छंद-पिंगल-छंद प्रभाकर

४ अलकार मंजुषा (भगवानदीन)

(निम्नलिखित अलकार—उपमा, रूपक, उत्प्रेक्षा, अतिशयोक्ति, अनुप्रास, यमक, अर्थान्तरन्यास, सभेद व्याज, विभावना, श्लेष, दीपक, अपन्हुति)

५ समालोचना-बिहारी सतसई भाग १—पद्मसिंह (डी. एल्. राव)

६ साहित्य का इतिहास-हिंदीभाषा की उत्पत्ति-द्विवेदी

सरळ अभ्यासक्रम

गूजराती (अथवा मुंबाई राष्ट्रीय महाविद्यालयमां मराठी के हिंदी) जेमनी स्वभाषा नथी, तेमने माटे सरळ अभ्यासक्रम—

१ नीति शिक्षण.

२ इलपतसार

भलामण—'नवजीवन'ना लेखो

नोंध—आ विद्यार्थीओनी परीक्षा मौखिक तेमज लेखी लेवामां आवशे. लेखी परीक्षामां आपेल विषयपर विद्यार्थीओने निबंध लखवो पडशे

'नवजीवन'ना लेखो समजवा पुरतुं ज्ञान विद्यार्थीने होवुं जोइए

राष्ट्रीय भाषा

हिंदी

१ किसान–मैथिलीशरण गुप्त
२ हिंदी रीडर–भाग ६–रामदास गौड
३ बाल व्याकरण–इन्डीयन प्रेस–अल्हाहाबाद

उर्दु

१ कायदाए उर्दु
२ अलीबाबा चालीस चोर
३ उर्दु व्याकरण

ऐच्छिक विषय

प्रमाणशास्त्रः

प्रमाणशास्त्रप्रवेशिका रामानारायण पाठक

संस्कृतः

१ स्वप्नवासवदत्तम्
२ कुमार संभवम् सर्ग १–५
३ उपनिषत्पाठावली

फारसीः

१ गुलिस्तान : बाब १ अने ८
२ बोस्तान . १ लो बाब
३ कवायद फारसी (व्याकरण)

अरबी

१ अरबीनी पहेली चोपडी
२ कवायद अरबी

अर्वाचीन भाषा–मरजियात

मराठीः

स्फुट गोष्टी–भाग १ ला· हरि नारायण आपटे
नवनीत–कर्ण पर्व: मोरोपंत
वनवासी फूल: टिळक
वाचन पाठमाळा: भाग १ ला—पहेलां १०० पानां

बंगाळी

१ वर्णपरिचय : चेटरजी

२ कथामाळा ओ शिशुशिक्षा : विद्यासागर

३ पद्यपाठ भट्टाचार्य

४ राजपूत काहिनी दासगुप्त

नीचेनां पुस्तको वांचवा भलामण करवामां आवे छे

१ शिशुरंजन रामायण

२ अरबोपन्यास चटरजी

इंग्रेजी

१ Readings in English Prose (विद्यापीठ तरफथी प्रकाशित)

२ Poetical Selections (विद्यापीठ तरफथी प्रकाशित)

३ Rime of the Ancient Mariner–Coleridge

फ्रेंच

१ Un Heritage–Sandeau

२ Auzas–Les poetes francais du XIXme siecle

संपत्तिशास्त्र

सपत्तिशास्त्र (विद्यापीठ तरफथी प्रकाशित)

हिंदुस्ताननी राजव्यवस्था अने हिंदी राष्ट्रीय जागृति–भलामण करेला पुस्तको—

Indian National Evolution—Ambika Charan Mazumdar

हिंदुस्ताननी राजव्यवस्था उपर कोई पण जाणीतुं अने सारु पुस्तक

स्नातक परीक्षा

मातृभाषा

गूजराती (फरजीयात)–सामान्य अभ्यासक्रम

सं १९७८–७९, १९७९–८०, १९८०–८१ माटे

१ सरस्वतीचन्द्र भा० १

२ नळाख्यान–प्रेमानंद

३ पहेली अने बीजी साहित्य परिषद्‌ना प्रमुखोना व्याख्यानो

४ गूजराती पद्यसंग्रह–काव्यांक १३६ थी १७९

स. १९७९–८०, १९८०–८१, १९८१-८२

१ सरस्वतीचंद्र भा० ३

२ गोविन्दगमन–नरसिंह महेता (विद्यापीठ प्रकाशित) मूल्य ०–५–६

३ वसन्तविलास

४ गूजराती पद्यसग्रह–काव्यांक १७९ थी अत सुधी

स १९८०–८१, ८१–८२, ८२–८३ माटे

१ सरस्वतीचद्र भा. ४ प्रकरण १ थी १४

२ भालणकृत कादबरी–पूर्व भाग कडवां १ थी १३

३ काव्यसमुच्चय–भाग २ जो–नीचेनां अकवाळां काव्यो—१, ४, ७, १०, १३, १५, १९, २२, २५, २८, ३१ ३४, ३७, ४०, ४१, ४४, ४७, ५०, ५३, ५७, ६०, ६३, ६८, ७१, ७४, ७७, ७८, ८१, ८३, ८४, ८७, ९०, ९२, ९६, ९९, १०२, १०६, १०९, ११०, ११२, ११७, १२०, १२२, १२४, १२५, १३०, १३२, १३८, १४१.

स १९८१–८२, ८२–८३, ८३–८४ माटे

१ सरस्वतीचद्र भा ४, प्रकरण १५ थी

२ भालणकृत कादबरी—पूर्व भाग कडवां १४ थी २५

३ काव्यसमुच्चय भाग २आमांथी नीचेनां अंकवाळां काव्यो—२, ५, ८, ११, १४, १७, २० २३, २६, २९, ३२, ३५, ३८, ४२, ४५, ४८, ५१, ५४, ५६, ५८, ६१, ६४, ६६, ६९, ७२, ७५, ७९, ८२, ८५, ८८, ९१, ९४, ९७, १००, १०३, १०५, १०७, १११, ११५, ११८, १२१, १२५, १२७, १३१, १३४, १३७, १३९, १४२

स. १९८२–८३, ८३–८४, ८४–८५ माटे

१ सरस्वतीचद्र भाग ४ प्रकरण थी पुरुं

२ नळाख्यान

३ काव्य समुच्चय भाग २ आमांथी नीचेना अकवाळां काव्यो:—३, ६, ९, १२, १६, १८, २१, २४, २७, ३०, ३३, ३६, ३९, ४३, ४६, ४९, ५२, ५५, ५९, ६२, ६५, ६७, ७०, ७३, ७६, ८०, ८६, ८९, ९३, ९५, ९८, १०१, १०४, १०८, ११३, ११४, ११६, ११९, १२३, १२८, १२९, १३३, १३५, १३६, १४०, १४३, १४४.

सर्वे वर्षो माटे वांचवा भलामण—

गूजराती साहित्यना मार्गसूचक स्तभो (कृ. मो. झवेरी. गूजरात वर्नाक्युलर सोसाइटी)

मराठी (फरजीयात)

म. १९७८-७९

१ नीतिशास्त्र प्रवेश-उत्तराध-वा म जोशी

२ गीतारहस्य-प्रकरण २, ४, १४, १५

३ नवनीत (नावडक वेचे)

४ मराठी वाङमय विवेचन-रा व जोशी

म १९७९-८०

१ नीतिशास्त्र प्रवेश-वा. म जोशी

२ मराठी गद्याचा इग्रजी अवतार-पोनदार

३ अभिनव काव्यमाला भाग ,

सरळ अभ्यासक्रम

गूजराती (अथवा मुबाई राष्ट्रीय महाविद्यालयमा मराठी) जेनी स्वभाषा नथी तेमने माटे सरळ अभ्यासक्रम—

१ गूजरातनो नाथ कनैयालाल मुनशी

२ काव्य समुच्चय भाग १ लो—प्रथमा परीक्षामा सामान्य विद्यार्थीओ माटे नियत करेलां काव्यो

३ साहित्य विलास—रतनलाल भट्ट.

अखबार—'नवजीवन' ना लेखो

नोंध—आ विद्यार्थीओनी परीक्षा मौखिक समज लेवा लेखामां आवशे लेखो परीक्षामा आपेल विषयपर विद्यार्थीओने निबध लखवो पडशे 'नवजीवन' ना लेखो समजवा पुरतु ज्ञान विद्यार्थीने होवु जोइए.

राष्ट्रीय भाषा

हिंदी

स. १९७८-७९, ७९-८०, ८०-८१

१ सत्य हरिश्चन्द्र-भारतेन्दु

२ जयद्रथवध-मैथिलीशरण गुप्त

३ सुदरकाण्ड-तुलसी रामायण-इन्डियन प्रेस, अलाहाबाद

४ नवनिधि-प्रेमचद

५ बाल-व्याकरण

उर्दु :

स १९७९-८०, १९८०-८१ अने १९८१-८२

१ मुन्तखबे बाते उर्दु (विद्यापीठ प्रकाशित)

२ गुलझारे नसीम

स. १९८०-८१, १९८१-८२, ८२-८३

१ स्वराज्य उर्दु

२ मस्नवी मीर हसन

स १९८१-८२, १९८२-८३, १९८३-८४

१ बागो बहार

२ मस्नवी सुभे उम्मीद

आर्य विद्यामंदिर

प्रथम वर्ष

१ आर्य संस्कृतिनो इतिहास—

मध्ययुगीन भारत–चिं वि वैद्य

Oxford History of India–V A Smith

Aryan Rule in India–E B Havell

२ धर्म अने तत्त्वज्ञान

वैदिकपाठावलि (विद्यापीठ प्रकाशित)

काठकोपनिषत्

भगवद्गीता अ० २, १२ १८

धम्मपद

तर्कभाषा

षड्दर्शनसमुच्चय (हरिभद्रसूरिकृत)

३ साहित्य अने कला

किरातार्जुनीय–सर्ग १, २, ८

काव्यादर्श–परिच्छेद १, २

पालिपाठावलि (विद्यापीठ प्रकाशित)

प्राकृत कथासंग्रह („)

शिशुपालवध–सर्ग १, २, ११

मालतीमाधव

Handbook of Indian Art–E. B. Havell

४ समाज व्यवस्था

मनुस्मृति अ० १–९

शान्तिपर्व (राजधर्मपर्व, आपद्धर्मपर्व)

बीजुं अने त्रीजुं वर्ष–विशिष्ट अभ्यास

१ पुरातत्त्व अने इतिहास विभाग

(५) संशोधन पद्धति अने भारतवर्षीय संशोधनना इतिहासनी रूपरेखा

Early History of India–V A. Smith (मुख्यत परिशिष्ट)

भलामण

पुरातत्त्वना पूर्व इतिहास–मुनिश्री जिनविजयजीनो आर्यविद्या व्याख्यानमाळामानो लेख

प्रथम प्राच्यविद्या परिषद (पूना) ना अध्यक्ष (डॅा भाडारकरनु व्याख्यान

(६) प्राचीन लिपि, शिलालेखो अने निष्कविद्या

प्राचीन लिपिमाला-गौरीशकर ओझा

Ancient Coins–Rapson

भलामण

प्राचीन शोध सग्रह–भावनगर राज्य प्रकाशित

Bombay Gazetteer Vol I

प्राचीन मुद्रा (र दा बानर्जी–बगाळीमा)

(७) शासनतत्र

शान्तिपर्व -(राजधर्मपर्व अने आपद्धर्मपर्व) नीतिसार–कामन्दक

अर्थशास्त्र–कौटिल्य मनुस्मृति–अध्याय ७–८

भलामण

Madras Epigraphy Annual Reports

Village Communities—Henry Mayne

Ancient Law–Henry Mayne

Carmichael Lectures on Ancient History and Administration of India–Devadatta Bhandarkar

Ancient Administration of India—PramathaNath Bannerjee

Political Theories and Institutions of Ancient Hindus—B K Sarkar

प्राचीन ग्राम सस्था

वैदिक स्वराज्य

चाणक्यकौटिल्य (श्री रा, वि पाठकनो आर्यविद्याव्याख्यानमाळामांनो लेख)

(८) (क) महाभारतनु अध्ययन

संक्षिप्त महाभारत- चिं वि वैद्य

भलामण—

महाभारत-उपसंहार-चिं वि वैद्य (मराठी अथवा हिंदी)
The Great Epic of India—Hopkins
A Prospectus of Mahabharat–Udgikar
भारतामृत-बळवंत त्र्यंबक द्रवीड

(ख) मौर्य अने गुप्तवंशनो समय

Ashoka-Smith
A Peep into the Early History of India–Bhandarkar

भलामण—

आर्य चाणक्य (मराठी)
'मेळनी मुद्रिका'नी प्रस्तावना-केशव हर्षद ध्रुव
'साचु स्वप्न'नी प्रस्तावना-केशव ह ध्रुव
Introduction to Mudra-Rakshasa P. K Telang
Early History of India–V A. Smith
Indica–Megasthenis
Corpus Inscriptionem Indicarum

(ग) हर्षना समयना इतिहास माटे

भलामण—

हर्षचरितम्-बाण
श्री हर्ष (मराठी)-सहस्रबुद्धे शास्त्री
बाण (मराठी) ,, ,,
'प्रियदर्शना'नी प्रस्तावना-केशव ह ध्रुव
Huentsang—Waters

(घ) गुजरातनो प्राचीन इतिहास

भलामण—

गुजरातनो प्राचीन इतिहास-दुर्गाशंकर शास्त्री
रासमाळा भाग १
Bombay Gazetteer–Gujarat

कुमारपाल चरित-हेमचन्द्र
द्व्याश्रय— ,,
हम्मिर मदमर्दन

(९) (क) पश्चिमनो जुनो इतिहास

भलामण—

Ancient and Modern Europe-2 Parts-Robinson and Beard
History of Greece J C Owen
History of Rome—Bury

(ख) पूर्वनो जुनो इतिहास

भलामण—

The Soul of a People—Fielding Hall
The Ancient East (Home University Library)
Civilisation of China (Home University Library)
Bactria-Rawlinson

(१०) यूरोपना अर्वाचीन इतिहास माटे

Re-making of Modern Europe-Marriot
Modern Europe-E Philip
Outlines of European History by Robinson and Beard-Vol. II

२. धर्म अने तत्त्वज्ञान विभाग

(५) न्याय, वैशेषिक अने पूर्वमीमांसा दर्शन, तथा पाश्चात्य प्रमाणशास्त्र

अर्थ संग्रह (लौगाक्षि भास्कर)
कारिकावलि
प्रमाणशास्त्र प्रवेशिका—रा वि पाठक (गूजरात विद्यापीठ)

(६) योग दर्शन तथा मानसशास्त्र

योगसूत्र—भोजवृत्तिसह—पाद १
योग विषयक व्याख्यान (प सुखलालजीकृत आर्यविद्या-व्याख्यानमाळा)
मानसशास्त्र (गूजरात वर्नाक्युलर सोसाइटि)

(७-८) सांख्य, वेदांत अने तत्त्वमीमांसा

ब्रह्मसूत्र-शांकरभाष्य सह-अध्याय २ (स्मृतिपाद अने तर्कपाद)
सांख्यकारिका

Phi osophy of Kaut-as exp'ained by Watson.
Prob em of Truth-H W Carr (People's Book Series)
Elements of Constructive Philosophy-Mackenzie

(९) जैन अने बौद्ध दर्शन

प्रवचनसार
अभिधम्मत्थसंगहो (विद्यापीठ)
Budhist Psychology-Rhys Davids

भलामण—
जैन दर्शन—प बेचरदास
बुद्धलीलासारसंग्रह-श्री धर्मानन्द कोसंबी

(१०) धर्मचर्चा

धर्मवर्णन
गीतारहस्य
धर्मपर व्याख्यान-भांडारकर

नीतिशास्त्र प्रवेश वा म जोशी
Shakti and Shakta-Woodroffe
Elements of Islamic Philosophy-Ameer Ali

३. साहित्य अने कला विभाग

(५) काव्य

भास, कालिदास, भवभूति, बाण, अश्वघोष, क्षेमेन्द्र, वगेरेमाथी एक कविना पुस्तको.

(६) पुराण

देवी भागवत
कथा सरित्सागर-लबक १, २
पचतन्त्रादिक कथा
Wilson's Introduction to Vishnu Purana

भलामण
Ancient Indian Historical Traditions-Pargiter
Introduction to Mythology.

(७-८) अलंकार शास्त्र

काव्यप्रकाश-मम्मट
ध्वन्यालोक-आनंदवर्धन

काव्यालंकारसूत्र-वामन
दशरूपक-धनंजय

Modern Study of Literature-Molten

(९-१०) आनंदमीमांसा अने कलानिरूपण

Lectures on Aesthetics - Bosanquet
Essay on the Sublime (Oxford Lectures on Poetry: A. C. Bradley)
Creative Unity-Tagore
What is Art-Tolstoy
An Essay towards a Theory of Art: Abercrombie
Theory of Indian Music-Clements
A Hand-book of Indian Art: Havell

Rupam माना नीचेना लेखो

	Name	Vol	No	Article	Page
1.	The Continuity of Pictorial Tradition in the Art of India	I	1	2	7
2.	A note on Kirtimukha	I	1	4	11
3	Continuation of 1.	I	2	3	5
4.	Indian Art and Iconography	I	2	7	19
5.	Problems of Indian Art	I	3	2	2
6	Some temples on Mt Abu	I	3	3	11
7.	Indian Art in Siam	I	3	4	21
8	Asiatic Art	I	4	2	3
9.	The History of Hindu Iconography	I	4	5	11
10.	The subject-matter of Art	II	1	8	26
11	Note on the History of Sikhara temples	III	10	2	42
12.	Indian Sculpture	III	12	3	120
13	The training of Architects in Ancient India	III	12	7	128
14.	Aims and methods of painting in ancient India	III	13-14	5	19

भाषा मंदिर

संस्कृत

(१) वेद, मंत्र, ब्राह्मण अने भाषाशास्त्र

Introduction to Philology–Gune
वैदिक पाठावलि (विद्यापीठ)
निरुक्त—यास्क, अ० १ (स १९८१ नी वासन्तिक परीक्षा सुधी त्यार पछी)
वैदिक साहित्यना इतिहासनी रूपरेखा–वेद, ब्राह्मण, उपनिषद अने वेदांग–मॅक्समूलरना प्राचीन संस्कृत साहित्यमांथी

(२) उपनिषत् अने स्मृति

अर्थसंग्रह–लौगाक्षी भास्कर
काठकोपनिषत्
भगवद्गीता अ० २, १२, १८
मनुस्मृति अ० १—३

(३) रामायण, महाभारत, काव्य, नाटक

वाल्मीकिरामायण–अयोध्याकाण्ड अने अरण्यकाण्ड
महाभारत–विराटपर्व
शाकुन्तल
उत्तररामचरित
मृच्छकटिक
रघुवंश सर्ग २, ५, ८, १३, १४
किरातार्जुनीय सर्ग १, २, ८
शिशुपालवध सर्ग १, २, ११
नैषधचरित सर्ग १९

(४) गद्य, चम्पू, अलङ्कार

कादम्बरी—अच्छोद सरोदर्शनथी पूर्वार्ध पूरो
भारतचम्पू–स्तवक १ थी ३
काव्यप्रकाश
दशरूपक

(५) दार्शनिक ग्रंथो

शांकरभाष्य–चतु सूत्री
वात्स्यायन न्याय भाष्य
पातंजल योगदर्शनपर व्यासभाष्यमांथी समाधिपाद

गूजराती

१ भाषाशास्त्र अने जूनु गूजराती:

*संक्षिप्त रामायण (संस्कृत) शब्दोना पदच्छेद समजवा पूरतु
*प्राकृत कथासंग्रह (विद्यापीठ) „
थूलिभद्र कथा—अपभ्रंश
गिरनार चैत्य परिपाटी (गूजरात पुरातत्त्व मंदिर)
पृथुराज चरित-प्राचीन गुर्जर काव्य संग्रह (गायकवाड ओरिएन्टल सीरीझ)
भालण कृत कादंबरी (पूर्व भाग)

*Introduction to comparative Philology P D Gune
बृहद् व्याकरण कमलाशंकर त्रिवेदी
*History of Gujarati Language and Literature–N B Divetia.

२ प्राचीन काव्यो :

नरसिंह महेतो—
शामळशाना विवाह
भक्ति ज्ञानना पद
अखो—
*अखे गीता
प्रेमानन्द—
नळाख्यान
नपन्याख्यान

शामळ—
पद्मावतीनी वारता
दयाराम—
*रसिक वल्लभ
विनयविजय—
श्रीपालनो रास

३ अर्वाचीन पद्य अने साहित्य चर्चा.

फार्बस विरह	दलपतराम
हरिप्रेम पंचदशी	बालाशंकर उल्लासराम
क्लान्त कवि	,, ,,
*अमेदाकि	मणिलाल नभुभाई द्विवेदी
कान्ता नाटक	,, ,, ,,
पूर्वालाप	मणिशंकर रत्नजी भट्ट
भणकार	बळवंतराय क ठाकोर
विभावरी स्वप्न	त्रिभुवन प्रेमशंकर
नूपुर झंकार	नरसिंहराव भोळानाथ दिवेटीआ
इन्दुकुमार	न्हानालाल दलपतराम कवि
राईनो पर्वत	रमणभाई
पिंगळ	दलपतराम
कविता अने साहित्य	रमणभाई

४ अर्वाचीन गद्य

*राज्य रंग	नर्मदाशंकर
नवलग्रंथावलि भाग २	नवलराम

***सरळ अभ्यासक्रम माटे** * आवी निशानीवाळां पुस्तक करता समजवां तथा श्री आनंदशंकर ध्रुवना 'आपणो धर्म मांथी नीचेना लेखो ज वांचवानी जरूर समजवी १ थी ३, ५ थी ८, १२ १६, १८ थी २०, ३०, ३१, ३३, ३७ ४४, अने ४९ थी ५७ (उभय अंक सह)

भाषणो अने लेखो — अबालाल साकरलाल
गुलाबसिंह — मणिलाल नभुभाई द्विवेदी
नारी प्रतिष्ठा — ,, ,
सरस्वतीचंद्र भाग ४ — गोवर्धनराम
भद्रंभद्र — रमणभाई
आपणो धर्म — आनंदशंकर

भलामण—

रणजीतरामना निबंधो, सन्यासी, उत्तरराम चरित्र, गूजरातनो नाथ अने जयाजयन्त उपरना नरसिंहरावना विवेचनो

५ साहित्यनो इतिहास

भलामण—

दयारामनो अक्षर देह — गोवर्धनराम
Classical Poets of Gujarat
गूजराती साहित्यना मार्गसूचक स्तंभो — कृ मो झवेरी
बृहत् काव्यदोहननी प्रस्तावनाओ — साठीनु साहित्य
गूजर साक्षर जयान्तिओ — लोकगीत
साहित्य परिषदना हेवालो — रासमाळा भाग १लो (नवी आवृत्ति)

मराठी

१ काव्य

तुकाराम—महाराष्ट्र वेद अभंग १–३००
एकनाथ— ,, पान १–५०
रामदास—दासबोध दशक १–२
मोरोपंत—केकावलि
वामन—भरतभाव
मुक्तेश्वर—शकुन्तलाख्यान
श्रीधर—श्रियालाख्यान
अनंतफंदी—'दो दिनमाची' ही लावणी
रामजोशी—'टट्टा तटाने' ही लावणी
सगनभाऊ (?) यमुनीश्वर—"तु माझा यजमान" हें पद
विठोबा अण्णा—'उत्तम जन्मा येऊनि रामा' हें पद
अफझुलखानाचा पावाडा
अभिनवकाव्यमाला भाग २ रा
टिळक—वनवासी फूल

२ नाटक व कादंबरी

शारदा, सत्वपरीक्षा, एक च प्याला, पण लक्षात कोण घेतो, रागिणी (पूर्वार्ध)

३ इतिहास व चरित्र

शिवाजीचें चरित्र—केळुस्कर
मराठे आणि इंग्रज—केळकर
नाना फडनवीस—खरे
झांशीची लक्ष्मीबाई
एकनाथ चरित्र—पांगारकर

(४) निबंध व साहित्य चर्चा

निबंध मालेतील 'इतिहास व भाषांतर' हा निबंध
भांडारकरांची 'धर्मपर व्याख्यानें व लेख'
नीतिशास्त्र—वा. म. जोशी
गीतारहस्य प्रकरण २, ८, १४, १५
भावे कृत 'महाराष्ट्र सारस्वत'

(५) भाषाशास्त्र

अध्ययन—

मराठी भाषेची घटना
मराठी भाषेतील संप्रदाय व म्हणी
मराठी छंद (वि. का. राजवाडे यांचा लेख)
अलंकार प्रकाश—लेले शास्त्री
ज्ञानेश्वरीची प्रस्तावना व ज्ञानेश्वरींचें व्याकरण—राजवाडे

Wilson Philological Lectures—Bhandarkar
Introduction to Philology—P. D. Gune

हिन्दी

१ पद्य

संक्षिप्त सुरसागर
संक्षिप्त रामायण—श्याम सुन्दरदास
प्राचीन पद्य कविता कौमुदी भाग १ मेंसे चंद, कबीर, नंददास, मीराबाई, रहीम, केशवदास, रसखान, बिहारी और भूषण के काव्य
अर्वाचीन काव्य—कविता कौमुदी भाग २ मेंसे—भारतेन्दु, अंबिकादत्त व्यास, श्रीधर पाठक, अयोध्यासिंह, रा. देवीप्रसाद, नथुराम शंकर शर्मा, मैथिलीशरण गुप्त, और सत्य नारायण के काव्य

२ गद्य—

मुद्राराक्षस—
सौ जान एक सुजान—बालकृष्ण भट्ट
प्राचीन पंडित और कवि—द्विवेदी

३ नाटक

शकुन्तला—राजा लक्ष्मणसिंह
राजस्थान केसरी—राधाकृष्णदास
उत्तररामचरित्र—सत्यनारायण

४ व्याकरण और काव्य

हिन्दी व्याकरण—अम्बिका प्रसाद बाजपेयी
अलंकार मञ्जूषा—लाला भगवानदीन

५ समालोचना और साहित्यका इतिहास

समालोचना—

नवरत्न मिश्रबन्धु

बिहारी सतसई—पद्मसिंघ

साहित्य का इतिहास—

संक्षिप्त इतिहास मिश्रबन्धु

हिन्दी भाषा की उत्पत्ति—द्विवेदी

नागरी अंक और अक्षर ओझा

बंगाली

१ पद्य—मेघनाद बोध, गीताजलि, पलासीर युद्ध

२ गद्य-निवृत्ति चिन्ता, प्रतिव, प्राचीन साहित्य

३ नवलकथा दुर्गेशनन्दिनी, गोरा, दत

४ नाटक-शाहजहान, डाक घर (टागोर) रिजियाबेगम

ENGLISH

1 **English Language and Literature**

Books recommended

An Introduction to the study of English Literature Pancoast

The Making of English H Bradley

2 **Prose including Essays and Novels—**

English Essays Lobban

Speeches on Taxation and Representation, and on Conciliation with America Burke

Essays on Goldsmith and Johnson Macaulay

Spanish Military Nun De Quincey

The English Mail Coach De Quincey

Heroes and Hero Worship Carlyle

Essays in Criticism-2nd Series M Arnold

Pride and Prejudice Jane Austen

Kenilworth · Scott

Pickwick Papers Dickens

The Ordeal of Richard Feverel George Meredith

A Modern Utopia H G Wells

Last Days of Pompeii Lytton

Unto This Last Ruskin

3 Poetry including Dramas-

Golden Treasury complete with additional Poems
Paradise Lost-Book I Milton
Absalom and Achitophel-Part I Dryden
Child Harold Canot IV Byron
In Memoriam Tennyson
Pippa Passes Browning
Othello Shakespeare
Julius Caesar Shakespeare
Merchant of Venice Shakespeare
Every Man in his Humour Ben Jonson
Doctor Faustus Marlowe
The Rivals Sheridan
The Doctor's Dilemma G Bernard Shaw
The Post Office Tagore

4 Special Author One of the following -Shakespeare, Tennyson Browning, Carlyle, Burke, Ruskin, Tagore

फारसी

स १९८१ ८२ माटे

गद्य- १ सफरनामा-[illegible] बेग १५० पाना

२ रुकाते अब्दुल [illegible]

पद्य- १ [illegible]

स. १९८१-८२ तथा १९८२-८३ माटे

गद्य- १ [illegible] (मात [illegible] शहेनशाहो)

२ सफरनामा-[illegible]

पद्य १ [illegible]

स १९८१-८२, १९८२ ८३ तथा १९८३-८४ माटे

गद्य १ मुन्तखबुत [illegible] पाना

२ रुका-आत आलमगीर

पद्य- १ कुलिआत [illegible] (पजाब युनिवर्सिटीए बी ए ना अभ्यासक्रम माटे प्रसिद्ध करेलु)

प्रश्नपत्र ३ माटे भल.मण — १ शेरल अजम
२ सल्तनाने फारस
३ निगरिस्ताने फारस आज्ञादकृत

प्रश्नपत्र ४ माटे भल.मण — 1 Literary History of Persia–Broun
2 History of Persia–John Malcolm

अरबी

सं १९८ –८२ माटे

१–२ गद्य–पद्य– अरबी २ जी अने त्रीजी चोपडी

स. १९८ –८० अने १९८२–८३ माटे

पजाब युनिवर्सिटीए प्रसिद्ध करेलो अरबीना मट्रिक्युलेशननो अभ्यासक्रम

शेख बन्नस सफा १००

अलिफ लयला -२०० पाना

दिवान अबुल अताहिया

३ व्याकरण - कवायद अरबी

४. इतिहास- १ अन्नुल कुरान–उर्दुमा -बे भाग

२ अलखुतबात अहमदीया–उर्दुमा

फ्रेन्च

१ गद्य–

Balzac–Pere Goriot
A France–Les opinions de Jerome Coignard
Ste Beuve–Trois Portraits Litteraires
Hugo–Preface de Cromwell
La Somaye–Abdallah

२. पद्य–

Moliere–Le Bourgeois gentilhomme Les Femmes Savantes-
Auzas–Les poetes francais du XIX me siecle.
Racine–Britannicus
Hugo–Hernane
Augier–Le gendre de M Poirier

४. साहित्यनो इतिहास–इ० स० १७८९ थी अत्यार सुधीना फ्रेंच साहित्यनो इतिहास
भलामण करेलां पुस्तको–

History of French Literature-Saintsbury
Histore de la litterature Francaise-Lanson.

प्राकृत

१. व्याकरण, भाषाशास्त्र इ०

प्राकृत व्याकरण–प बेचरदास (छपाय छे)
देशी नाममाला–हेमचन्द्र
Wilson Philological Lectures-Bhandarkar
प्राकृत शिलालेखो–अशोकना बधा शिलालेखो अने खारवेलनो लेख
अश्वघोष, भास अने कालिदासना नाटकोमा आवतु प्राकृत

२ काव्य, छंद–अपभ्रंश

गौडवहो–सर्ग १ थी ५
भविसयत्त कहा–संधि १ थी ११
प्राकृत पिंगळ
गाहासत्तसई
कुमारपाल चरिय–पहेला त्रण अने छेल्ला बे सर्ग
हेमचन्द्रना व्याकरणमाथी अपभ्रंशदुहा
वज्जा लग्ग

३. गद्य अने साहित्यनो इतिहास

वसुदेव हिंडी–अधिकार १ थी ३
समराइच्च कहा–भव १ थी ५
सामयिक आवश्यकमानी कथाओ
उत्तराध्ययन–१८ मा अध्ययननी कथाओ (टीका)
(प्राकृत साहित्यना इतिहास माटे अध्यापको वर्गमा व्याख्यानो आपशे)

४–५ जैन आगमो निर्युक्ति इ०

आयारंग सुत्त–प्रथम श्रुतस्कध पूरो, अने बीजा श्रुत स्कधनु पहेलु अने छेल्लु अध्ययन
सूयगड सुत्त–प्रथम श्रुत स्कध पूरो, अने बीजा श्रुत स्कधनु 'आर्द्रकीय' अध्ययन.
उत्तरज्झयण सुत्त–नीचेनां ११ अध्ययन–१,२,३, नमि, १०, १७, २३, २५, २८, २९ अने तप अध्ययन
सामाइय निज्जुत्ति–नु भाष्य अने चूर्णि

पालि

१. सुत्त अने विनयपिटक

मज्झिमनिकाय–भाग १ सूत्रो १ थी ५०
महावग्ग (विनयपिटकमाथी)
सुत्तनिपात

२. अभिधम्म

अभिधम्मत्थसगहो (विद्यापीठ) धम्मसगणि

३. व्याकरण अने भाषाशास्त्र

कातन्त्र व्याकरण—कच्चायन व्याकरण
Gune's Comparative Philology
Wilson's Philological Letrures–Bhandarkar
भक्तिशतक–ले रामचन्द्र कविभारती

४ इतिहास—

महावस–भाग १
अशोकना शिलालेखो—लिपिज्ञान साथे
Buddhist India–Rhys Davids

५ अट्ठकथा

भाग ३

निवेदन अने यादीओ

१ सं. १९८० ना पदवीदान समारंभ समये करेलुं निवेदन

(स. १९७९)

राष्ट्रीय शिक्षण मंडळ

१. अमदावाद खाते मळेली चोथी गूजरात राजकीय परिषदे ता १९ जुलाई १९२०ने दिने 'राष्ट्रीय केळवणीनी संस्थाओ रचवानी' तथा 'ते हेतु गूजरातमा सिद्ध करवा' माटे एक 'गूजराती विद्यापीठ स्थापवानी जरुर' छे एम स्वीकारी, 'राष्ट्रीय शिक्षणनो गूजरातमां प्रचार करवाने सारु योग्य उपायो योजवा' एक नानकडु मंडळ नीम्यु हतुं ए मंडळमांथी गूजरात विद्यापीठनी स्थापना थई

प्रारंभिक कार्य

२ मंडळनु शरुआतनु कार्य शिक्षणमां असहकार करवा शाळाना व्यवस्थापको, शिक्षको अने माबापोने समजाववानु, धनिकोने विद्यापीठनी स्थापनामां मदद करवा विनति करवानुं, गूजरात महाविद्यालयनी स्थापना माटे योजना करवानु अने गूजरात विद्यापीठनु बंधारण घडी करवानु हतु.

३. सदरहु मंडळे गूजरात विद्यापीठनु बंधारण [illegible] ने दिने एनी स्थापना करी, अने प्रथम नियामको तरीके ए मंडळना सभ्योनी नीमणुक करी. महात्मा

गांधीजीए विद्यापीठनु कुलपति पद स्वीकार्युं अने श्री गिदवाणीजी कुलनायक नीमाया. सा विद्या या विमुक्तये ए विद्यापीठनो ध्यान मंत्र थयो. एना साथे 'अल ईल्मतो श्राहृतुल मोमीने फहसा वजदहा अ .हा' (ईल्मन मुसलमानानी गुम थयेली चीज छे, ज्याथी ते मळी आवे त्याथी तेने लई लेवी ए तेमना हक छे) एवु इस्लामी हदिसनु सूत्र पण उमेरायु, अने आ रीते मुस्लीम अने हिन्दुनी उपासना ए विद्यापीठनु ध्येय थयु.

४ विद्यापीठनु पहेलु महत्वनु काम श्रावान कुलपतिजीने हाथे महाविद्यालयनी स्थापनानु थयुं. हमणाज एनी स्थापनाने त्रण वर्ष पूरा थया छे. स्थापनाने दिवसे ७९ विद्यार्थीओए असहकार करी महाविद्यालयमा नाम नोंधाव्या. आज आ संस्थामा ३०२ विद्यार्थीओ अभ्यास करे छे. थोडा वखत बाद सुरत अने [illegible] पण राष्ट्रीय महाविद्यालयोनी स्थापना थई, अने तेओ विद्यापीठ साथे जोडाया पण [illegible] मात्र प्रथमाना [illegible] गोठवण होवाथी हाल ए महाविद्यालयमा विद्यार्थी नथी. सुरतमा हाल ७२ विद्यार्थीओ छे.

७. महाविद्यालयानो उद्देश विद्यार्थीओने [illegible] निष्णात करवानो छे.*

दरेक मंदिरमा स्वभाषा अने राष्ट्रीय भाषानो अभ्यास फरजीयात छे.

औद्योगिक रसायन मंदिर अने [illegible] मंदिर सिवाय बीजा मंदिरोमा प्रथमा परीक्षा बाद त्रण वर्षना अभ्यास पछी बार प्रश्नपत्रोनी परीक्षा लेवानो नियम छे. ते पैकी बे प्रश्नपत्रो स्वभाषा अने राष्ट्रीय भाषाना फरजीयात [illegible] छे.

६ महाविद्यालयनी स्थापना साथेज विद्यापीठ उपर तात्कालिक अगत्यतानु काम परीक्षाओ लेवानु आवी पड्यु. अनेक विद्यार्थीओए [illegible] परीक्षानी तैयारी—केटलाके परीक्षा माटे अरजीओ पण करी चुक्या बाद असहकार कर्यो हतो. म. गांधीजीए अने कलकत्तानी महासभाए असहकारनु आव्हान आप्यु त्यारे आ तबकडाना विद्यार्थीओने थयु हतु. पण विद्यापीठनी नावडतोब स्थापना तो केवळ गूजरातमाज थई हती. गूजरात विद्यापीठनु कार्यक्षेत्र तो गूजरात अथवा गूजरातीओ पूरतुज अंकायेलु हतु. पण आखा हिंदमाथी अनेक विद्यार्थीओ पोते परीक्षा माटे करेली महेनत फोकट न जाय ए विषे इंतेजार हता. तेथी श्री कुलनायक गिदवाणीए हिंदुस्थानमा फरतां फरतां आ विद्यार्थीओ माटे परीक्षा लेवानी सगवड गूजरात विद्यापीठ द्वारा थवीज जोइए एम लाग्युं, अने एमनी सूचना स्वीकारी त्यार पछीना, एटले स. १९७७ना उन्हाळामा, आखा भारतवर्षना असहकारी विद्यार्थीओनी परीक्षा पोतपोताना विषयोमां तेमनी युनिवर्सिटीओना अभ्यासक्रम प्रमाणेज लेवानु ठरावबामा आव्यु. तुर्तना स्थपायेल विद्यापीठने आ बोजो उपाडवो अघरो पडत. पण बोजो उपाड्या पछी थोडा समयमाज पूनामा टिळक महाराष्ट्र विद्यापीठ अने पंजाबमां राष्ट्रीय केळवणी मंडळ स्थपाया अने तेमणे परीक्षानी सर्वे व्यवस्था विद्यापीठनी वती करी, तथा स्नातकोने पदवीदान आप्या. मद्रासना विद्यार्थीओने मात्र त्याथी पदवीदान अने प्रमाणपत्र आपनार कोई राष्ट्रीय संस्था अस्तित्वमा आवेली न होवाथी, ए विद्यार्थीओने गूजरात विद्यापीठमाथी प्रमाणपत्रो आपवामां आव्यां छे अने ९ स्नातकोने पदवीदान आपवानां रहेलां होवाथी आजे एमने माटे मलामण करवामा आवशे.

---

* मूळ निवेदनमां आ पछी महाविद्यालयोना मंदिरोनी वैंचणी आपेली छे. ते भा. २-मां आपी छे तेथी अहिंथी काढी नाखी छे.

स. १९७७मां गूजरात विद्यापीठ द्वारा लेवायेली भारतवर्षीय परीक्षामां नीचे मुजब विद्यार्थीओ बेठा हता

युनिवर्सिटी	विनीत परीक्षा	मध्यमा परीक्षा	स्नातकपरीक्षा
	उमेदवार	उमेदवार	उमेदवार
मुबाई	५४७	१०८	५०
अल्लाहाबाद	११२	४२	२५
मद्रास	६९	१६	१६
पजाब	२५	७	१४
बनारस हिंदु	३	•	•
कलकत्ता			३
पटना	१		२
कुल	७५७	१७३	११० जुमले १०४०

ते साथेज गूजरात विद्यापीठमां अभ्यास करनारा विद्यार्थीओनी स. १९७७ अने ७८मां परीक्षाओ थई आ परीक्षाओ लगभग मुबाई युनिवर्सिटीना अभ्यासक्रम मुजबज लेवाई हती, कारण के जे विद्यार्थीओ विद्यापीठना महाविद्यालयोमा जोडाया हता, तेमणे पोतानो घणोखरो अभ्यास ए युनिवर्सिटीनी पद्धति प्रमाणे कर्यो हतो वधारामां गूजराती अने हिंदुस्तानना फरजियात विषयो दाखल करवामा आव्या हता सदरहु विद्यार्थीओनो पदवीदान समारभ स १९७८ ना जेठ वद ३ ने रोज श्री वल्लभभाई झवेरभाई पटेलना प्रमुखपणाथी थयो हतो ते वखते ६६ उमेदवारोने पदवीदान आपवामां आव्यां हता. विद्यापीठना प्रथम उमेदवारोनी नामावली परिशिष्ट× १ परथी जणाशे उपरना कोष्ठकमां मुबाई युनिवर्सिटीना ५० स्नातक परीक्षाना उमेदवारो जणाव्या छे, तेमा गूजरात महाविद्यालय मारफते बेठेला विद्यार्थीओनो पण समावेश थाय छे

सवार्थे पदवीदान

७. परीक्षा लेवा माटेनी आटली व्यवस्था पूरती जणाई नहि. असहकारनो संदेशो आपवामां महात्मा गांधीजीनो उद्देश विद्यार्थीओने सरकारी संस्थाओनो त्याग कराववानो हतो असहकारना अंगे राष्ट्रीय शिक्षण सस्थाओ स्थापवीज अथवा असहकारी विद्यार्थीओने शिक्षण के पदवी प्राप्त करवानु साधन करी आपवु एवो प्रधान उद्देश न हतो जो के आ वस्तुने प्रजानो घणो ओछो भाग समजतो हतो, छतां केटलाक विद्यार्थीओ आ वस्तु बराबर समजी गया हता, अने तेथी छेक परीक्षानी घडीए असहकार करी, कोई पण महाविद्यालयनी के पदवीनी अपेक्षा राख्या विना तेमणे राष्ट्रीय कार्यमां झपलावी दीधुं हतु. आमांना केटलाकनी कॉलेजनी कारकीर्दी झळकती हती, राष्ट्रीय कार्यमां पण एमणे भारे भाग भजव्यो छे, केटलाकने तेने

× परिशिष्ट १ थी ४ अने ६ मां आपेली हकीकत, आ विज्ञापकमां बीजे स्थळे आपेली होवाथी, अहिं आपी नथी.

माटे वारवार सजाओ सहन करवी पडी छे, केटलाक माटे एमना प्रांतना कार्यकर्ताओए एवां प्रमाणपत्र आप्यां छे के एमने सोंपेला कार्यक्षेत्रमां एमनी उपरज कार्य टकी रहेलु छे ए विद्यार्थीओने कांई परीक्षाना निश्चिमाथी पसार थवा कहेवु एटले एमने राष्ट्रीय कार्य केटलोक समय सुधी बंध करवाज कहेवु पडे आ सर्व वस्तुओनो विचार करी तथा तेमनी सेवानी कदर करवानी इच्छाथी सं १९९० ना महा सुद १५ ने दिवसे नियामक सभाए नीचे प्रमाणे एक ठराव कर्यो "जे विद्यार्थीओए सीनीअर बी ए मांथी महासभाना आमंत्रणने लीधे चळवळना काममां पडवा अभ्यास मुलतवी राख्यो छे, तेमने परीक्षा लीधा सिवाय स्नातकनी पदवी आपवी" आ ठरावना रुए १६ विद्यार्थीओने छेल्ला पदवीदान समारंभ वखते विशारद पदवी आपवामां आवी हती. आजना समारंभमां १५ वधु विद्यार्थीओ माटे भलामण करवामां आवशे

८ एटले आ समारंभ वखते जे उमेदवारोने पदवी आपवा भलामण थशे, तेमनी वहेंचणी नीचे मुजब छे—

१ विद्यार्थी— गूजरात विद्यापीठनो, पण मुंबई युनिवर्सिटीने अनुसरता धोरणे उत्तीर्ण थयेला

९ विद्यार्थीओ —मद्रास युनिवर्सिटीने धोरणे परीक्षित

२५ विद्यार्थीओ – गूजरात विद्यापीठना स्वतंत्र अभ्यासक्रम प्रमाणे पूर्ण अभ्यास करी उत्तीर्ण थयेला

१५ विद्यार्थीओ—राष्ट्र सेवा करी पदवी मेळवनारा

कुल ५०

सदरहु ५० उमेदवारोने जे पदवीओ एनायत करवामां आवशे तेनु वर्गीकरण नीचे मुजब छे—

	१ लो वर्ग	२ जो वर्ग	सामान्य वर्ग	सेवार्थ
१ भाषा विशारद			७	
२ समाजशास्त्र विशारद	१	४	१५	५
३ गणित विशारद			२	२
४ वाणिज्य विशारद		३	२	
५ विज्ञान विशारद				५
६ तत्त्वज्ञान विशारद	१			३
कुल	२	७	२६	१५

जुमले ५०

स्नातकोनी नामावली परिशिष्ट २ मां आपी छे

९. स्नातकोनी मुख्य परीक्षा उपरांत तथा विद्यापीठ तरफथी, उपर जणावेली [illegible] [illegible] परीक्षाओ सिवाय बीजी गौण परीक्षाओ नीचे मुजब लेवामां आवी हतीः—

परीक्षा	म १९७६		म. १९७८		स. १९७९ चैत्र मास		स १९७९ माघ.	
	उमेदवार	उत्तीर्ण	उमेदवार	उत्तीण	उमेदवार	उत्तीर्ण	उमेदवार	उत्तीर्ण
विनीत	५४६	३७४	३९३	२९३	२८०	१४८	...	.
प्रथमा	१०८ (मध्यमा)	७४ (मध्यमा)	१३१	१११	११०	७९	१८	९
स्नातक	००	४०	८	७	...	०५	..	१
प्रथमा वैज्ञानिक					१३	६		
शालान्त		१८	...	८५	...	..	...	.

१० गूजरात महाविद्यालयनी स्थापना पछी थोडा ज वखतमां मागशर सुद १२ म १९७७ नें दिवसे गूजरात पुरातत्त्व मंदिरनी स्थापना थई

गूजरात पुरातत्त्व मंदिर नाम प्रमाणे आ मंदिरनो उद्देश प्राचीन हकीकतोनु सशोधन करवानो छे ए मंदिरने अंगे अत्यार सूधीमां आठ पुस्तको बहार पड्या छे, जे पैकी त्रण पुस्तको सामान्य वाचकोने उपयोगी छे[1] ए आठमांना चार नो प्रधान विषय वैदक सस्कृतिमांथी छे[2] त्रणनो बौद्ध सस्कृतिमांथी छे[3], अने एकनो जैन सस्कृतिनो छे[4] बीजा पाच पुस्तको छपाय छे, जेमांथी बे भाषाशास्त्रने लगतां छे, एक वैदिकपाठावली छे, एक बौद्ध ग्रथ छे, अने एक जैन ग्रथ छे आ उपरांत "पुरातत्त्व" माटे एक त्रिमासिक पत्र ए मंदिर तरफथी बहार पडे छे

११ त्यारबाद स १९७९ ना वैशाख वदी १० ने दिवसे शिक्षकोने तैयार करवा माटे एक अध्यापन मंदिर स्थापवामां आव्यु हतु ए मंदिरमां

अध्यापन मंदिर ४० शिक्षकोने एक एक सत्रमा तैयार करवानी योजना राखी हती, ते प्रमाणे चार समूह वडे ११४ शिक्षको तैयार थया परन्तु ए रीतनी योजना सन्तोषकारक न जणावाथी ए मंदिर म १९७९ना महा सुद १५ ने रोज बन्ध करवामा आव्यु

१२. आ उपरात विद्यापीठ द्वारा सीधी रीते अमदावादमा नवी गूजराती शाळा (कुमार मंदिर), नवा वाडजमा राष्ट्रीय कुमार मंदिर अने कोचरबमा रात्रिशाळा चाले छे, तथा मांगरोळना राष्ट्रीय कुमारमंदिरनी व्यवस्था तेना फडमांथी विद्यापीठनी देखरेख नीचे थाय छे.

१ प्राचीन साहित्य, बुद्धलीळा सार सग्रह अने आर्यना तहेवारोनो इतिहास

२ आर्यविद्या व्याख्यानमाळा, प्राचीन साहित्य, तहेवारनो इतिहास, अने उपनिषदें पाठावली

३ बुद्धलीळा सारसग्रह, पाली पाठावली अने अभिधम्मत्थसगहो

४ प्राकृत कथा सग्रह.

पुस्तक प्रकाशन

१३ विद्यापीठनी एक बीजी प्रवृत्ति पाठ्य पुस्तकनी प्रसिद्धि विष छे विद्यापीठनो उद्देश गूजराती भाषाद्वाराज सव शिक्षण आपवु एवो छे महाविद्यालयमा केटलाक मदिरोमा ए उद्देश फलीभूत थया छ, केटलाक मदिरोमा पुस्तकोने अभावे, अथवा गूजराता पर पूरा काबू धरावनार अध्यापकोने अभावे अथवा आ विषयमा हजु आपणामा रहेली केटलीक अश्रद्धाने लीधे तद्दन फलीभूत नथी थयो, परन्तु विनय मदिरोमा गुजरातीने केळवणीनु वाहन करवानी रीति सारी रीते अमलमां आवती जाय छे, अने तेन माटे पुस्तको प्रसिद्ध करवानु काम ठीक झपाटा बध चाले छे, तथा विद्यापीठे अत्यार सुधी परिशिष्ट ३ मा जणाव्या मुजब २५ पुस्तको छाप्या छे, तथा केटलांकनी योजना थई छे

शाळाओनो असहकार

१४ सरकार साथे पूर्वे सबध धरावता विनय मदिरो पैका चोथी गुजरात राजकीय परिषद अने त्यार बादना कलकत्ता तथा नागपुरनी हिंदी महासभाना ठरावोन मान आपी आशरे १० विनय मदिरो असहकार करी विद्यापीठ साथे जोडाई गया हता असहकार वखते ए शाळाओमा विद्यार्थीओनी कुल सख्या ३००० थी उपर हती

नवा मदिरो

१५. ते साथेज केटलांक राष्ट्रीय कुमार मदिरो अने विनय मदिरो नवा स्थपाया अने एमाथी केटलाक पैसाना अभाव अथवा आतरिक विग्रहने लीधे भागी पड्या त्रण जूनी शाळाओए पाछो सरकार साथे सबध जोड्या आज दिने मान्य मदिरोनी सख्या आदि नीचे प्रमाणे छे—

मदिरनो प्रकार	मदिरनी स	विद्यार्थीओनी आशरे सख्या	शिक्षकोना आशरे सख्या	आशरे वार्षिक आवक रु	आशरे वार्षिक खच रु	विद्यापीठनी मदद रु	प्रान्तिक समितिनी मदद रु	इतरफाळा वगेरे	शेरो
महाविद्यालयो	२	२७७*	३८	२७,०००	८९,८५०	४७,१००	२२,६००	.	.
पूर्णविनय मदिरो	१३	४५०२+	१९६	१,३८,०३६	१८६,३३०	१८,१००	३२,५००		चोक्कस आंकडा उपलब्ध नथी.
अपूर्ण विनय मदिरो	१५	१३८६§	८१	२७,९०५	३९,५९५	३,४००	५,५२५	८,१४५	...
कुमार मदिरो	४३	२७००†	१२०	२२,०००	२७,०००	६,८००	१,८००	१०,३००	आ केवळ अदाज छे पुष्कळ आंकडा उपलब्ध नथी
सरवाळा	७३	८,८६९	४३५	२,१३,८४१	३,४२,७७५	७३,४२०	५८,९६५		

सर्वे मान्य मदिरोनी यादी परिशिष्ट ४ मा आपी छे

*कन्याओ ६ +कन्याओ ४३ §कन्याओ १४ †कन्याओ आशरे ४५०

१६ आ उपरात अमदावाद, सुरत अने नडीआदनी म्युनिसीपालीटीओए सरकारनी ग्रान्ट न लेवानो ठराव करवाथी, अमदावाद अने सुरतनी म्युनीसीपालीटीओने बरतरफ करवामा आवी तेने लीधे अमदावादमां प्रजाकीय प्राथमिक केळवणी मडळ, अने सुरत तथा नडीआदनां राष्ट्रीय केळवणी मडळोए ए शहेरोनी प्राथमिक केळवणीनु कार्य पोताना हाथमा लइ लीधु ए त्रणे शहेरोनी प्राथमिक शाळाओ राष्ट्रीय होवाथी एनी हकीकत आ निवेदनमा सामेल करवामा आवी छे

शहेरोनी प्राथमीक शाळाओ

नाम	शाळाओनास	विद्यार्थीनी आसख्या	आशरे वार्षिक आवक रु	आशरे वार्षिक खर्च रु	प्रान्तिक वगेरे समितिनी मदद रु	इतर फाळा वगेरे रु
प्रजाकीय प्राथमिक केळवणी मडळ, अमदावाद	१८	१४५३	१५८,३५०	२,१०,४००	६५,६३०	१५६,०५०
राष्ट्रीय शिक्षण समिति, नडीआद	११	२७४८	६५०	३१,१००	१२,५००	१९,३५०×
राष्ट्रीय शिक्षण मडळ, सुरत	?	८७००	?	?	१६,०००	?

१७. आ उपरात विद्यापीठ पासे मान्यता न मेळवेली एवी पण केटलीक छूटी छवाई राष्ट्रीय शाळाओ छे गूजरात बहार वसता दूर दूरना गूजरातीओ पोत पोताना गामोमा राष्ट्रीय शाळाओ चलावे छे एनी चोक्स हकीकतो आपवी अशक्य छे, पण एवी समग्र शाळाओमां ओछामा ओछा ७००-८०० विद्यार्थीओ राष्ट्रीय केळवणी लेता हशे ज आवी शाळाओमां मुख्य वढवाण केळवणी मडळना मदिरो छे, एमा कुल आशरे ३०० विद्यार्थीओ शीखे छे.

बीजी राष्ट्रीय शाळाओ

१८ आ राते समग्र गूजरातमा राष्ट्रीय विद्यार्थीओना सख्या आसरे त्रीस हजारनी उपर थाय छे अने तेमने अगे जे आकडा मळ्या छे ते तपासता वार्षिक खर्चनो अंदाज रु ३,८२,७७५ नो थाय अने वार्षिक आवक तुलमां रु २,१९,४०५ नी थयेली छे आ आकडाओ अत्यन्त अचोक्स छे कारण के घणी शाळाओ तरफथी छेल्ली अथवा वीगतवार माहिती मळी शकी नथी आवकमा घणीखरी सस्थाओनो आधार दानो के स्वराजफाळा उपरज छे प्रोप्रायटरी हाइस्कूल सिवाय बीजी कोइ पण शाळा केवळ फीनी आवक पर पोतानो निर्वाह करी शकती नथी, अने आने लीधे स्वाभाविक रीते घणे खरे ठेकाणे शिक्षको अने कार्यवाहकोने पैसानी मुझवण रात्रिदिवस अनुभववी पडे छे

समग्र विद्यार्थीओनी सख्या अने आवक खर्च

×आमाथी ज राष्ट्रीय विनय मदिरनु खर्च नीकळे छे

शिक्षको

१९. आ सव नानी मोटी संस्थाओना शिक्षकोनी संख्यानो अंदाज ८०० नो छे आ पैकी जुज शिक्षकोना पगारनु धोरण संतोषकारक छे, केटलाकनो माड निर्वाह चाले छे, अने घणा खरानो तो निर्वाह केम थतो हशे ते कल्पनामा आवी शकतु नथी यद्यपि शिक्षणनी दृष्टिए लायक शिक्षकोनी उणप लाग्यां ज करे छे, छता जुदा जुदा ठेकाणे जे आपभोग शिक्षको आपी रह्या छे, तेनी कदर गूजराते करवी ज जोइए घणी जग्याए ता शिक्षकोना भोग उपर ज शाळाओ टकी रही छे एम कहेवु जोइए शिक्षकाने पेट दाबा बेसी रहेवा उपरात केटलीक वार अनेक बीजा प्रकारनी मुश्केलीओमा काम करवु पडे छे, कोइक ठकाणे गामना लोको एटला अज्ञान छे के शिक्षणमा रस ज लइ शकता नथी केटलीक जग्याए शहेर के गामना लोको शक्तिवाळा अने समजदार होवा छता शिक्षण अथवा राष्ट्रीय शिक्षण विषे एमनी भावना बंधायेली न होवाथी शाळाओ विषे बेपरवा छ, कोइ ठेकाणे जग्यानी तो कोइ ठेकाणे साधनोनी अगवड वेठवी पडे छे, कोइ जग्याए ए बधु सानुकूळ होय छ, त्यारे विद्यार्थीओना वालीओ टूकी दृष्टिवाळा होय छ आ बधामा कोइक जग्याए सुशिक्षण विषेना प्रजानी शक्ति उपरात राखेला घणा महत्वाकांक्षी आदर्शो पण मुश्केलीओ उत्पन्न करे छे ज

मदद

२० विद्यापीठ पासे मदद मेळववा दरेक मंदिर आशा राखी रह्यु छे छेल्ला वर्षमां विनय मंदिरोने रु ३००००) सुधी मदद आपवानु विद्यापीठे ठराव्यु छे पैकी रु २१,५००) नी जवाबदारी स्वीकाराई चुकी छ कुमार मंदिरोने मदद आपवानी अत्यंत जरूरियात होवा छतां विद्यापीठने खेदपूर्वक ए विषे लाचारी बताववी पडे छे, अने ज्या सुधी विद्यापीठ समृद्ध न थाय त्यां सुधी एवी लाचार स्थिति रहेशे ज

विद्यापीठ फाळो

२१ विद्यापीठना स्थापना समये दीवाळी नजीक आवेला हता म० गांधी छूटा हता ठकाणे ठकाणे फरी एमणे स्त्री, पुरुष, बाळक, तरुण, वृद्ध पासे दान माग्या अने बहेनोए पोताना शरीर परना दागीना काढी काढीने आप्या त्यारबाद ए कारावासमा चाल्या गया आथी गूजरात प्रान्तिक समिति उपर विद्यापीठना खर्चनो बोजा पड्यो केटलाक समय स्वराज फाळानी शिक्षण माटे अपायेली रकममाथी ए खर्च चलाव्या बाद स. १९७८ना जेठ मासमा कार्यवाहकोए विद्यापीठ माटे खास रुपिया उघरावबानु ठराव्यु गूजरातना प्रजाने रु १०) लाख आपवा विनंति करी गूजराती प्रजाए ए विनंति साभळी रा १०) लाखनी टीप भरी आ दाताओमां डॉ प्राणजीवनदास जगजीवनदास महेताए रु २॥ लाखनी रकम जाहेर करी फाळो उघराव-नाराओनी महेनत हलकी करी टीप भराया बाद नाणानी तगी देशमा सामान्य थई पडी, अने तेथी रुपिआ उघरावबानु काम मुश्केल थइ पड्यु गया वर्षनी आखर सुधीमा रुपीआ ५,१०,५२५-८-० प्रातिक समितिमा विद्यापीठ खाते जमा थया छे डॉ प्राणजीवनदास अने बीजा केटलाक गृहस्थो तरफथी एमना फाळा पेटे नियमित हपता आवे छे, अने बाकीना पैसा उघरावबानु कार्य चालु छ रु ५००) थी बधु दान आपनार दाताओनी यादी परिशिष्ट ५ मां आपी छे

खास दानो २२. खास दानोमा अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद् तरफथी स्नातक परीक्षामां फरजियात गूजरातीमां प्रथम आवनार विद्यार्थीने व्याजमांथी ईनाम आपवा रु १६५०),× गूजरात महाविद्यालयना विद्यार्थीओ तरफथी प्रसिद्ध थता 'साबरमती' पत्रमां श्रेष्ठ लेख लखनारने प्रतिवर्षे 'श्री तारागौरी चन्द्रक' आपवा माटे रु २५०), अने श्री अमुलख शाह निबंध ईनाम माटे मळेला रु ५० नी नोंध लेवी घटे छे. आ वर्षना ईनामो मेळवनारानां नाम वगेरेनी नोंध परिशिष्ट २ ने अंते मालूम पडशे

हिसाबो २३ स १९७८ ना आसो वद ३० सुधीना अन्वेषके तपासेला हिसाबो प्रसिद्ध थइ चुक्या छ स १९७९ नी आखर सुधीना आवक खर्चनो संक्षेप *परिशिष्ट ६ मा आप्यो छे ते मुजब विद्यापीठ खाते आ वर्षना* प्रारंभमां रु १,३४,८०१–१३–३* नी सीलक हती ते उपरांत बांधकाम खाते जुदी राखेली रु १,५०,००० नी रकममांथी रु ९०,६६७–१३–९ नी सीलक छे विद्यापीठना सर्व खाताओनो मळी सरेराश मासिक खर्च आ वर्षमा रुपीआ बार हजारथी उपर जवा संभव छ

जमीन अने मकानो २४ विद्यापीठने माटे आ समारंभना स्थानकथी आशरे एक माईल दूर रु ८७,७९८–६–० नी किंमतनी जमीन खरीदवामां आवी छे, अने तेनी उपर विद्यार्थीओने रहेवाने छात्रालय बांधवानु शरु कर्यु छे छात्रालयना पाया पुराई जई ओटला सुधी काम आव्यु छे, तथा *पाठशाळा अने स्नानगृहो अने कोठार बधाई गया छे बांधकाम खाते अत्यारसूधीमां* रु ७९,३८२–४–३ नो खर्च थयो छ

विशेष बनावो २५ *विशेष बनावोनी नोंधमा श्री प्रफुल्लचंद्र रायना हस्ते स १९७९ ना फागण वद* ७ ने रोज विद्यापीठना छात्रालयना खात मुहूर्तनी क्रिया ए महत्वनो प्रसंग थयो

उपसंहार २६ आवा गूजरात विद्यापीठनी त्रीजा वर्षने अंते तबीयत छे एना निर्वाह माटे जेमणे जेमणे सेवाथी के धनथी मदद करी छे, तेमनो आभार मानीए तेटलो ओछो छे, पण तोये हजु वधारे पोषणनी जरुर छे ज एने पोषण आपी हृष्टपुष्ट करवु के एने क्षीण करवु, एने लोको-*पयोगी करवु के भाररूप करवु, ए गूजरातना सेवको अने दाताओना हाथमां छे*

मागसर सुद ४ सं १९८० मंगळवार ता ११–१२–२३

× आ रकममाथी रु २९४–८–० पाछा आपवा पड्या छे

* आ आंकडाओ प्रान्तिक समितिना हिसाबो प्रमाणे आप्या छे. विद्यापीठना छेल्ला वर्षना हिसाबो मेळवी चोकस करवाना बाकी छे

परिशिष्ट–५

दाताओनी यादी

वर्ग पहेलो

१ श्री. यशवन्तप्रसाद हरिप्रसाद देसाई मुंबाई १०,०००
२ ,, शेठ जमनालाल बजाज ,, २१,०००
३ डॉ प्राणजीवनदास महेता रंगुन ७०,०००

वर्ग बीजो

१ शेठ रमणभाई मागाभाई अमदावाद १२५०
२ अमदावाद न्यु कॉटन मिल्स ,, १००१
३ श्री जीतेन्द्रलाल कनैयालाल पराख नडीआद १००१
४ ,, हरिलाल वल्लभदास महेमाणावाळा मुंबाई १५०१
५ शेठ दुर्गाप्रसाद शंभुप्रसाद अमदावाद १००१
६ श्रीमती लेडी सुलोचना चीनुभाई अमदावाद ५०००
७ श्री प्रेमचंद झवेरचंद मुंबाई १००१
८ ,, पुरुषोत्तमदास रामजी ,, १५००
९ ,, जीवणलाल एन्ड कु कलकत्ता २०००
१० ,, छगनलाल पीतांबर परीख मुंबाई १२०१
११ शेठ भवानजी करसनदास ,, १००१
१२ शेठ सोमनाथ रूपजी अमदावाद १२००
१३ एक पारसी बहेन मुंबाई २००१
१४ एक गृहस्थ ,, ३०००
१५ एस जे अमान, देसाई एन्ड कु मोलामाटस मुंबाई १०००
१६ तुलसीदास वा पटेल एन्ड कु ,, १०००
१७ एक गृहस्थ ,, १००१
१८ शेठ गागजी प्रेमजीना कु रंगुन १०००
१९ शेठ रतिलाल नाथालाल अमदावाद १००१
२० शेठ खीमजी आसर वीरजी मुंबई १०००
२१ खादी प्रिय सज्जन ,, ५०००
२२ श्री कानजी द्वारकादास ,, २५०१
२३ श्री गोरधनदास खेनसी मुंबाई १२०१
२४ श्री कल्याणजी उकाभाई मुंबई १००१
२५ ,, दामोदर आणंदजी ,, १२०१
२६ ,, रतनजी मुलजी ठक्कर ,, १०००
२७ ,, न्यापसी भारा ,, १५०१
२८ ,, केशवलाल रतनजी शाह ,, १००१
२९ ,, हीरालाल वकोरदास चोकसी ,, १२५१
३० ,, मेघजी जीवनदास ,, २५००
३१ ,, हीरजीभाई हीरमसजी बेलगामवाळा ,, १०००
३२ ,, केखुशरु मोराबजी नाकलसन ,, १०००
३३ शेठ मोराबजी कावसजी दीनशाजी ,, २००१
३४ सेक्रेटरी–बाम्बे क्लब, कलकत्ता २०००
३५ ,, ३०७०
३६ एक सखी गृहस्थ ,, २००१
३७ एक दानवीर ,, ५००१
३८ शेठ करमचंद लालचंद ,, २२०१
३९ शेठ उमरशी रायशीनी कु ,, २००१
४० शेठ केशवलाल भारसी ,, २००१
४१ शेठ शोभाचंद अनुपचंद ,, १५००
४२ परचुरण (द्वा रा करमचंद लालचंद) ,, १०२२
४३ शेठ डाह्यालाल मकनजी झवेरी मुंबई ४०००
४४ श्री पोपटलाल नेमचंदनी कु ,, १००१
४५ श्री वनमाळीदास वीरजी ,, २५०१
४६ शेठ एम वी भड्डुनी कु ,, ३८३०
४७ श्री जेठालाल रामजी दलाल ,, ३०००
४८ शेठ मानसींग कचराभाई भुज-कच्छ २५००
४९ सांताक्रुझ ग्रामसमितिना मंत्री मारफत १०८२
५० पी एस जोशी जोहानीसबर्ग १०१०
५१ श्री भीखालाल केशवलाल अमदावाद १०००

५२ श्री ग्रास मरचन्ट एसोशियेसन मुबाई १००१
५३ मोतीनो धरमनो काटो मुबाई ५०००
५४ श्री नहालचद लल्लुभाई पाटणवाळा ,, २५००
५५ श्री आर के मोदीनी कु ,, ५०००
५६ शेठ परभुभाई वल्लवदास पटेल मुबाई १०००
५७ ,, वसनजी खीमजी एन्ड सन्स ,, १५०१
५८ ,, खीमजी विश्रामनी कु. ,, १००१
५९ , जेठाभाई देवजीनी कु ,, १००१
६० ,, जमनादास नरसी जीनीग एन्ड प्रेसींग कु ली ,, १००१
६१ ,, अर्जुनलाल खीमजीनी कु. ,, १००१

त्रीजो वर्ग

१ श्री शामळदास बहेचरदास वडोदरा ५००
२ एक पारसी गृहस्थ अमदावाद ५०१
३ श्री डाह्याभाई मकनजी झवेरी मुबाई ५००
४ श्री मुबाई ५००
५ श्री गीरधरदास लीलाधर ,, ५००
६ सा रतनबेन ,, ५००
७ श्री. शिवजी पुजा कोठारी ,, ५००
८ श्रीमती हीराबाइ जमशेदजा पाटाट ५०१
९ ,, बचुबाई मेरवानजी मर जमशेदजी मुबाई ५०१
१० ,, ब्हेन मानबाई ,, ५०१
११ श्री माणजीभाई गोरधनदास ,, ५०१
१२ शेठ हीराचद मुलचदना कु ,, ५०१
१३ एक पारसी गृहस्थ ,, ५०१
१४ शेठ खीमजी दामजी ,, ५०१
१५ श्री वेस्ट एसोसियेशन ,, ५२६
१६ पाटीदार परिषद ,, ६०१
१७ गूजरानो मरचन्ट मडळ ,, ५०१
१८ शेठ करसनदास धरमशी ,, ५०१
१९ शेठ मगनभाई अमीननी कु. ,, ५०१
२० शेठ उमेदराम भगवानदास ,, ५०१
२१ शेठ उमेदराम जीवाभाई ,, ७५१
२२ श्री खडुभाई नरोत्तम सुरत ५०१
२३ ठक्कर मथुरादास ठाकरशीनी कु मुबाई ५०१
२४ एक गृहस्थ ,, ५००
२५ श्री मनमोहनदास अने अमरचद,, ५०१
२६ ,, हरिदास वल्लभदास ,, ५०१
२७ ,, करसनदास रणछोडदास ,, ७५१
२८ मुलेश्वर सी वॉर्ड कमिटिना मत्री ,, ८७१
२९ एक भाइ तरफथी मुंबाइ ५००
३० अकीआब (बरमा) गामना उघराणीना अकीआब ६०५
३१ शेठ मुलजी शीका गोंदीआ (मध्य प्रा) ५५१
३२ ,, चतुर्भुजदास हाथीभाई कलकत्ता ५०१
३३ शेठ कस्तुरचदभाई ,, ५०१
३४ ,, एम. ईलीयासनी कुं. ,, ५०१
३५ ,, लक्ष्मीचद श्रीभोवनदास झवेरी मुबाइ ५०१
३६ ,, मोतीलाल मुळजी ,, ५०१
३७ ,, द्वारकादास कानजी ,, ५०१
३८ ,, वसनजी जेतसी हुबलीवाळा,हुबली ५०१
३९ ,, बापुलाल भोगीलालनी कुं. मुंबाई ५०१
४० ,, फुलचद कस्तुरचद ,, ७०१
४१ ,, रायचद मोतीचद ,, ५०१
४२ ,, अमृतलाल रायचद ,, ५०१
४३ ,, परषोत्तमभाई कच्छ अजार ५००
४४ परचुरण उघराणाना हा गुलाबदास वि लालजी वेरावळ ९८५
४५ श्री नानालाल छगनलाल शाह मुबाई ५०१
४६ शेठ खडेराव विठुबा ,, ५०१
४७ ,, माधवजी घेलाभाइ ,, ५५१
४८ ब्हेन चद्रमणी अमदावाद ६००
४९ शेठ उमेदराम भगवानदास मुबाई ५०१
५० श्री गोरधनदास नाथाभाइ पटेल ,, ५०१
५१ ,, पूनमभाइ छनाभाइ पटेल ,, ५०१
५२ ,, गोविंदजी कानजीनी कु ,, ५०१
५३ , लालजी ठाकरशीनी कुं ,, ५०१
५४ ,, ओधवजी शीवजीनी कुं ,, ५०१

२ सं. १९७९-८० सुधी जुदां जुदां मंदिरोना अहेवाल

गूजरात महाविद्यालय

स्थापना—

गूजरात महाविद्यालय स १९७७ ना कारतक सुद ५, ता १५ नवेम्बर १९२० ने सोमवारना रोज महात्मा गांधीजीना हस्ते कोचरब पासेना शेठ डाह्याभाई वृजतरामना बंगलामां स्थापवामां आव्युं हतुं हाल ते सत्याग्रहाश्रमने रस्ते श्री. नरीमान कोठावाला अने श्री भूलाभाई प्रागजीभाई पटेलना मकानमां छे संस्थानो निभाव गूजरात विद्यापीठ तरफथी थाय छे

सत्रो—

वर्षमां त्रण सत्रो होय छे तेना विभागो वखतो वखत नक्की करवामा आवे छे दरेक सत्रनु लवाजम रु ३०) होय छे

स १९८०-८१ ना वर्ष माटे नीचे मुजब सत्रो गोठववामां आव्या छे —

पहेलु सत्र—जेठ सुद ७ स १९८० (ता ९-६-२४) थी श्रावण वद ७ स १९८० (ता २१-८-२४) सुधी (दिन ७४)

बीजुं सत्र—भादरवा वद ४ स १९८० (ता २२-९-२४) थी मागशर वद २ स १९८१ (ता १३-१२-२४) (दिन ८३)

त्रीजु सत्र—पोष वद २ स १९८१ (ता १२-१-२५) थी फागण वद ४ स १९८१ (ता १४-३-२५) सुधी (दिन ६२)

(कुल दिन २१९)

आचार्य—

स १९७७ ना कारतक सुद ५ थी स १९८० ना पोष सुद ७ सुधी श्री असुदमल टेकचंद गिदवाणी आचार्य तरीके हता ते पछी श्री जीवतराम भगवानदास कृपालानी आचार्य तरीके नीमाया छे

मंदिरो—

गया वर्षनी आखरे दरेक मंदिरनी हकीकत नीचे मुजब छे

मंदिर	अध्यापको	विद्यार्थीनी संख्या
आर्यविद्या मंदिर	अ हरिनारायण आचार्य अ रामचंद्र बळवंत आठवले अ इन्दुभूषण मजमुदार (पुरातत्त्व मंदिरना श्री धर्मानन्द कोसम्बी, श्री रसिकलाल परीख, पंडित बहेचरदास अने पंडित सुखलालजी पण वर्गो ले छे)	६

भाषामंदिर	अ हरिनारायण आचार्य—संस्कृत	३७
	अ रामचंद्र बळवंत आठवले—संस्कृत अने मराठी	
	अ बाबुराव गणपतराम ठाकोर—अंग्रेजी अने फ्रेंच	
	अ अबु झफर नद्वी—फारसी	
	अ बनारसीदास चतुर्वेदी—हिंदी, अरबी अने उर्दु	
	अ इन्दुभूषण मजमुदार—बंगाळी	
	अ रामनारायण विश्वनाथ पाठक—गूजराती	
	आचार्य जीवतराम कृपालानी—अंग्रेजी	
गणित मंदिर	अ जेठालाल चीमनलाल स्वामीनारायण	२
	अ त्रिकमलाल मनसुखलाल शाह	
समाज विद्यामंदिर		
(क) राजकारण	आचार्य जीवतराम कृपालानी	११
	अ. खानचंद पेसूमल सीपाहीमलानी	
(ख) संपत्तिशास्त्र	अ नारायण मलकानी	४
वाणिज्य विद्यामंदिर	अ चंदुलाल भगुभाई दलाल	६६
	अ श्यामलाल हरिलाल भगवती	
	अ होमी एदलजी महेता	
संगीतमंदिर	अ शंकर दत्तात्रेय पाठक	२
	अ श्रीपाद केशव पूजारी	
प्रथम वर्ग		४६
		कुल १६५*

विद्यार्थीओनी वर्षवार संख्या—

विद्यार्थीओनी वर्षवार यादी नीचे मुजब छे

		प्रथम वर्ग	मंदिरो	कुल
संवत १९७७ चैत्र वद ०)) सुधी		३८	३८	७६
१९७८	,,	१०४	९७	२०१
१९७९	,,	९१	१३७	२२८
१९८०	,,	४६	११९	१६५
१९८० ८१	,,	६५	१३५	२००

शिष्यवृत्ति अने इनामो—

सीमजी दयाळ स्मारक फंडमी व्यापार मंदिरना विद्यार्थीओ माटे मासीक रु. २०)नी आठ शिष्यवृत्ति छे जे अरजी मंजुर थया मुजब आपवामां आवे छे. ते शिष्यवृत्ति संवत १९७९–८० मां नीचेना विद्यार्थीओने मळती हती

* सं. १९८०–८१ना वर्षमां कुल २०० विद्यार्थीओ दाखल थया छे

१ पटेल छोटाभाई नारणभाई	५ महेता आनन्दलाल मगनलाल
२ पटेल उमेदभाई नारणभाई	६ जोषी चीमनलाल बालुभाई
३ शाह जीवराज हरिचंद	७ महेता रमणलाल मगनलाल
४ महेता भुरालाल आशाराम	८ पटेल चतुरभाई वल्लभभाई

'साबरमती' त्रिमासिकमां दरवर्षे उत्तम लेख लखनार विद्यार्थीने 'तारागौरी चंद्रक' नामनो एक रूपानो चांद आपवामां आवे छे. आ चांद सं. १९७९ ना वर्षमां विठ्ठभाई रतनजी देसाई अने गोपाळ रामचंद्र कुलकर्णीने आपवामां आव्यो हतो.

अध्यापक मंडळनी सलाह लई सं. १९७८ ना कारतक मासथी आज सुधीमां नीचे मुजब अध्येताओनी नीमणुक करवामां आवी छे.

वर्ष	नाम
१९७९ ना कारतक वद १	श्री रामस्वरूप शर्मा, श्री जीवणलाल कल्याणदास चापानेरीआ, श्री वी. वा. गोखले (मागसर सुद १ सुधी)
१९७९–८०	श्री मगनलाल प्रभुदास देसाई, श्री जीवणलाल कल्याणदास चापानेरीआ, श्री विठ्ठलदास मगनलाल कोठारी

माफी विद्यार्थीओनी वर्षवार संख्या —

सं. १९७७ थी सं. १९८० ना गाळा सुधीमां नीचे प्रमाणे विद्यार्थीओने माफी आपवामां आवी हती.

वर्ष	प्रथम वर्ष	मंदिरो	कुल
सं. १९७७ चैत्र वद ०))	१९		१९
,, आसो वद ०))	१९	२५॥	४४॥
१९७८ चैत्र वद ०))	१८	२६॥	४४॥
,, आसो वद ०))	१२।	१९॥	३२
१९७९ चैत्र वद ०))	१२॥	२०॥	३३
१९७९–८० पहेलुं सत्र	८	२९	३७
,, बीजुं सत्र	४	१८	२२
,, त्रीजुं सत्र	३	२३	२६

आवक तथा खर्च —

वर्षवार आवक तथा खर्चना आंकडा नीचे मुजब छे.

वर्ष	स[illegible] लवाजमनी आवक	खर्च
सं. १९७७ वैशाख वद ०))	रू. ३,७९४– ८–०	११,८९५– ०–०
,, आसो वद ०))	८,[illegible]– ८–०	३१,९७६–१२–०
१९७८ चैत्र वद ०))	६,९६५–१४–०	२८,०१५– १–८
,, आसो वद ०))	[illegible]– ०–०	२७,८०२– १–७

१९७९ चैत्र वद ०)	८,८२०- ८-०	२१,०२५- ०-३
१९७९ आसो वद ०)	९,५०२-१०-८	२१,२९१-११-४॥
†१९८० चैत्र वद ०)	४४१०- ०-४	२४,९८३- ४-३

महाविद्यालयनां छात्रालयो—

स १९७९-८० नी आखरे छात्रालयोमा विद्यार्थीओनी सख्या नीचे मुजब हती.

छात्रालयनु नाम	विद्यार्थीनी सख्या	देखरेख राखनारनु नाम
हिंद आश्रम	८	श्री रामनारायण वि पाठक
तिलक छात्रालय	२०	श्री श्यामलाल ह. भगवती
गुलिस्तान	१६	श्री इन्दुभूषण मजमुदार
आनदाश्रम	२७	श्री खानचद दीपाहीमलानी
कुल	७१	

महाविद्यालयनी बीजी प्रवृत्ति

महाविद्यालयने अगे एक पुस्तकालय छे जेमा अदर भाषावार अने दरेक जातना विषयवार रु २३५००) ना आशराना पुस्तको छे जेनो लाभ अध्यापको तथा विद्यार्थीओ ले छे. महाविद्यालयना जुना विद्यार्थीओ अने बहारना स्नातकोने पण नियमो प्रमाणे पुस्तकोनो उपयोग करवा देवामा आवे छे.

आ उपरात सवत् १९७७ ना वर्षमा विद्यार्थीओए तिलक स्वराज फडो उघराववानु, महासभाना सभासद नोंधवानु अने दारुना पीठा पर चोकीनु कार्य कर्यु हतु.

महाविद्यालयना बधा विद्यार्थीओ दर वर्षे पचायतनी नीमणुक करे छे जेना दरेक सभ्यने पचायतना जुदा जुदा कामो सोंपवामा आवे छे पचायतना प्रमुख तरीके आचार्य होय छे. पचायत मारफते महाविद्यालयनु कार्य चालु होय त्यारे विद्यार्थीओ अने अध्यापको शहेरमा फरीने महीनामा एकाद बे वार खादीनु वेचाण करे छे. ते उपरात पचायत व्यायामशाळा, वाचनालय अने चर्चा परिषद्नी पण व्यवस्था करे छे विद्यार्थीओ तरफथी एक द्विमासिक ‘साबरमती’ बहार पाडवामा आवे छे अने अठवाडिक ‘पचतत्र’ सायक्लोस्टाइलथी काढवामा आवे छे. ते बन्नेनी व्यवस्था पण पचायत तरफथी थाय छ

गया वर्षना त्रीजा सत्रमा प्रथम वर्षना विद्यार्थीओनी समतिथी दररोज एक समय कातवानु राखवामा आव्यु हतु बीजा विद्यार्थीओ पोताने वग न होय ते वखते कांतता हता. घणीओ पग विद्यार्थीओ पोतानी मेळे ज वणाटी लेता हता.

आ उपरात श्री दत्तात्रेय बाळकृष्ण मजुमदारनी देखरेख तळे चित्रकळा अने फोटोग्राफीना वर्गो चाले छे.

---

† वर्षना बे सत्रो हता तेना त्रण सत्रो करवामा आव्या छे अने दरेक सत्रनु लवाजम रु ४८) ने बदले रु ३०) राखवामा आव्यु छे तेथी लवाजमनी आवकमा घटाडो जणाय छे.

राष्ट्रीय महाविद्यालय, मुंबाई

स्थापना—

राष्ट्रीय महाविद्यालय मुबाईनी स्थापना ता. १ ली फेब्रुआरी १९२१ ना दिने आचार्य गिदवाणीना हस्ते करवामा आवी हती शरुआतमां आठ अध्यापको अने ११३ विद्यार्थीओ हता.

आचार्य—

आचार्य तरीके हमणा श्रीकृष्ण व्यकटेश पुणताम्बेकर काम करे छे.

अभ्यासनी व्यवस्था अने मंत्री—

महाविद्यालयना बे मुख्य शाखाओ छे—साहित्य अने विज्ञान—साहित्य शाखानु काम मराठी शाळाना मकानमा सवारने समये चाले छे गूजरात विद्यापीठना धोरण मुजब आ मंदिरोमां चार वर्षनो अभ्यासक्रम छे प्रथम वर्षनो सामान्य अने त्रण वर्षनो विशिष्ट विज्ञान मदिरनु मकान भायखाला आगळ विक्टोरीआ गार्डननी पूर्वे छे.

महाविद्यालयमा वर्षमां बे सत्रो होय छे अने सत्र दीठ लवाजम रु ५०) राख्यु छे विज्ञानना विद्यार्थीओने सत्र दीठ रु १०) प्रयोगशाळा माटे वधारे आपवा पडे छे. ते उपरात केटलीक खास फी पण छे.

मंदिरो—स १९७९ ना चैत्रनी आखरे दरेक मदिरनी हकीकत नीचे मुजब हती

मदिर	अध्यापको	सख्या.
भाषा मदिर	अ. विमलमोहन गगुली—अग्रेजी अने बगाळी	१२
	अ जन्मशकर महाशकर बुच (ललित)—गूजराती	
	अ विश्वनाथ गोपाळ शेट्ये—मराठी	
	अ दिनकर विष्णु गोखले—सस्कृत	
	पंडित काशीप्रसाद दुबे—हिंदी	
समाजविद्या मदिर		
(क) राजकारण	आचार्य श्रीकृष्ण व्यकटेश पुणताम्बेकर	१०
	अ शकर विष्णु फडर्नीस–प्रमाणशास्त्र अने समाजशास्त्र	
(ख) इतिहास	१ आ. श्रीकृष्ण व्यकटेश पुणतांबेकर	१
	२ अ रामराव सतापा पदवीद्री	
(ग) सपत्तिशास्त्र	अ छेदीलाल गुप्ता	८
विज्ञानमदिर	अ कृष्णाजी गोपाळ खरे	३७
	अ. महादेव गणेश काळे	
वाणिज्यविद्या मदिर	—	३
आर्यविद्या मदिर	—	१
प्रथम वर्ष		३
		कुल ६६

विद्यार्थीओनी वर्षवार संख्या—

विद्यार्थीओनी वर्षवार यादी नीचे मुजब छे

सने	विद्यार्थीओनी संख्या	सने	विद्यार्थीओनी संख्या
१९२१–२२ पहेलुं सत्र	८६	१९२२–२३ बीजु सत्र	८४
१९२१–२२ बीजु सत्र	७५	१९२३–२४	६६
१९२२–२३ पहेलु सत्र	९६	१९२४–२५	४०

शिष्यवृत्ति—

श्री रेवाशकर झवेरी, श्री डाह्यालाल मकनजी झवेरी अने मेसर्स छोटालाल मोतीचदनी इच्छा प्रमाणे मुबाई तिलक स्वराज फंडनी ट्रस्ट कमीटी तरफथी रु १२००नी रकम नीचे प्रमाणे मंजूर करवामां आवी छे.

रेवाशकर शिष्यवृत्ति

१ एक शिष्यवृत्ति	मासिक रु. १५)	कुल वार्षिक १८०
२ पाच शिष्यवृत्तिओ	,, रु १०)	,, ६००
डाह्यालाल झवेरी शिष्यवृत्ति		
३ एक शिष्यवृत्ति	मासिक रु १०	कुल वार्षिक १२०
४ बे शिष्यवृत्तिओ	,, रु १२॥	,, ३००
		रु. १२००)

आ प्रमाणे रु १५) नी एक रु १०) नी छ अने रु १२॥ नी बे शिष्यवृत्तिओ छे आ शिष्यवृत्तिओ दशाश्रीमाळी ज्ञातिना विद्यार्थीओने आपवानी छे ए ज्ञातिनो कोई विद्यार्थी न होय तो ते बीजा विद्यार्थीओने आपवामा आवे छे.

गये वर्षे शिष्यवृत्तिओ नीचेना विद्यार्थीओने आपवामां आवी हती

पहेलु सत्र

१ धनीन एम. तैयबजी
२ भट्ट नानुभाई हरिप्रसाद
३ मांवलकर शकर भीखाजी
४ कमोटिया वी वी
५ शिवकर विष्णु विनायक
६ नाडकर्णी रत्नाकर गणपत
७ महेता चपकलाल टी
८ लाडवाळा रमणिकलाल ठाकोरदास
९ नायक काशीनाथ पांडुरग
१० कानडे दिवाकर खडेराव
११ फडके नागेश पांडुरग
१२ शास्त्री वी शिवराम
१३ शाम्भाग नागप्पा मुकुद

बीजु सत्र

१ गोखले आत्माराम नारायण
२ लाडवाळा रमणिकलाल ठाकोरदास
३ पटेल नाथाभाई मोतीभाई
४ नेवटिया रामेश्वरप्रसाद
५ शास्त्री वी. शिवराम
६ वाटवे वासुदेव केशव
७ पुराणी जयकृष्ण हरिकृष्ण
८ नाडकर्णी रत्नाकर गणपत
९ मलारीआ नारायण उधोजी
१० फडके नागेश पांडुरग
११ शिवकर वी. वी
१२ शाम्भाग नागप्पा मुकुद
१३ पवबाघ मारुती मल्हार
१४ दातार मधुसूदन रामचद्र
१५ कानडे डी. आर.

संस्थानो निभाव—

संस्थाना निभाव माटे कायमनु फड नथी. बधु खर्च मुंबाई प्रांतिक समिति तरफथी आपवामा आवे छे जुन १९२३ थी मे १९२५ ना बे वर्षो माटे रु. ५००००) मजुर करवामा आव्या छे

माफी विद्यार्थीओ—

	माफीनी संख्या
१९२१–२२	१०
१९२२–२३	१०
१९२३–२४ पहेलु सत्र	६
,, बीजु सत्र	२

छात्रालयनी व्यवस्था—

संस्था तरफथी छात्रालय माटे कई व्यवस्था करवामा आवी नथी

बीजी प्रवृत्ति—

१९२१ ना जुनथी ओगस्ट सुधी अध्यापको अने विद्यार्थीओए परदेशी कापड एकठु करवामा मदद करी हती १९२१–२२ ना पहेला सत्रमा, १९२२–२३ ना बीजा सत्रमा अने १९२३–२४ मा खादी वचाणनु काम थयु हतु

विद्यार्थीओ पोतानी चर्चा परिषद चलावे छे तेनु नाम 'सरस्वती मदिर' राख्यु छे तेनी सभा दर शनिवारे थाय छे एक त्रिमासिक 'उदय' पण ग्रा वगथी छापीने बहार पाडवामा आवे छे

गूजरात पुरातत्त्व मंदिर

गूजरात विद्यापीठनी, कार्तिक वद ३ स १९७७नी, सभामा मुनिश्री जिनविजयजीनी पुरातत्त्व मदिरना आचार्य तरीके नीमणुक करी, कामचलाउ प्रबध समितिनी मददथी, तेमने आदाजपत्र [illegible] वगेरे नक्की करवा विनति करवामा आवी हती ते ठरावनी रूए, ते समितिए [illegible] नियामक सभा आगळ रजु करी अने नियामक सभाए ते मागशर सुदी १२ स १९७७ना [illegible] मजुर करी (आ योजना भाग १ला मा आपवामा आवी छे) ते योजना [illegible] नवी प्रबन्ध समितिना स १९७८ना फागण शुदमा मळेली सभामा [illegible] ठराव थया हता

ठराव १ — [illegible] पुंजाभाई हीराचद तरफथी आवेला कागळनी बाबत ध्यानमा लई आ पुस्तक [illegible] नाम 'श्रीमद राजचद्र ज्ञानभण्डार' राखवामा आवे छे, अने आ भडार माटे [illegible] आर्थिक सहाय्य आपी छे ते माटे तेमनो आ मदिर आभार माने छे. [illegible] उपर मोकलवा मन्त्रीओने सत्ता आपवामा आवे छे

ठराव २ — [illegible] हीरालाल त्रि पारेखे पोतानी वसत मासिकनी लगभग बधी फाइलो आ ज्ञानभडारने भेट आपी छे ते माटे तेमने आ मदिर धन्यवाद आपे छे

ठराव ३ — श्रीमद् राजचद्र ज्ञानभडारना पुस्तकोनो उपयोग गू पु मदिरनी अदर ज थशे कोई पण सख्शने ते बहार लई जवा देवामा आवशे नहि

आ त्रीजा ठरावनी बाबतमा नियामक सभानी बे बेठकोमा चर्चा थई हती; अने नियामक समानी बन्ने बेठकोमा ते ठराव मजुर रखवामा आव्यो हतो

प्रबंध समितिनी स १९८७ ना जेठ शुद १ ना रोज मळेली सभामां मदिरमां काम करता अभ्यासीओ पासे तथा अन्य विद्वानो पासे व्याख्यानो अपाववानु तथा व्याख्यानमाळानु नाम "आर्य विद्याख्यानमाळा" राखवानु नक्की करवामा आव्यु हतु

आ ठराव प्रमाणे आ व्याख्यानमाळानु पहेलु व्याख्यान श्रावण शुद १५ स १९७७ ना रोज मुनि जिनविजयजीए 'पुरातत्त्व सशोधननो पूर्व इतिहास' ए विषय उपर आप्यु हतु. त्यार पछी क्रमे क्रमे बीजा आठ व्याख्यानो आपवामा आव्या हता

आ व्याख्यानमाळा फरी पण शरु करवामा आवी हती तेमा अ धर्मानद कोसम्बीए "बुद्धकालीन राजकीय तथा सामाजिक परिस्थिति" ए विषय उपर बे व्याख्यानो आप्यां हतां बाहेर प्रजाने सुगम पडे ते माटे केटलाक गृहस्थोनी सूचनाथी आ व्याख्यानो प्रेमाभाई होलमां राखवामा आव्या हता.

प्रबन्ध समितिनी स १९७८ ना मागशर वद ७ नी बेठकना बीजा ठरावमां "प्राचीन साहित्यना जे जे पुस्तको प्रसिद्ध करवामा आवे ते ग्रन्थमाळानु नाम गूजरात पुरातत्त्वमदिर ग्रन्थावलि राखवु" एम नक्की करवामा आव्यु

प्रबन्ध समितिनी स १९७८ ना महा शुद ८ नी बेठकना बीजा ठराव प्रमाणे अने आसो वद १२ ना पहेला ठराव प्रमाणे "पुरातत्त्व" नामनु त्रैमासिक गूजराती भाषा अने गूजराती लिपिमा प्रसिद्ध करवानु नक्की करवामा आव्यु

अत्यार सुधीमा रॉयल साइझना पदर फर्मांना कदना आठ अको बहार पडी गया छे पहेलो अक महात्मा गाधीनी ५४मी जन्मतिथिने दिवसे बहार पाडवामा आव्यो हतो

पोताना उद्देशो पार पाडवा माटे आ सस्थानु प्रथम कार्य ज्ञानभडारमा योग्य ग्रथोनो सग्रह करवानु हतु सस्कृत, प्राकृत, अने पाली भाषाना छपाएला मळी शक्या तेटला बधा ग्रथोनो सग्रह करवामा आव्यो छे, तेमज केटलाक अरबी अने फारसी ग्रथोनो पण सग्रह करवामा आव्यो छे हिन्दुस्थानना धर्म, तत्त्व, इतिहास, पुरातत्त्व, भाषाशास्त्र, साहित्य, कळा इत्यादिने लगता-गूजराती, मराठी, बगाळी, हिन्दुस्थानी, इग्रेजी, फ्रेंच, अने जर्मन भाषामा लखाएला ग्रथो तथा सस्कृत, प्राकृत, पाली, अरबी, अने फारसी ग्रथोना ते ते भाषामा थएला अनुवादो पण राखवामा आव्या छे मण्डलाचार्य मुनिश्री कमलविजयजी तरफथी सत्याग्रह आश्रम द्वारा केटलाक जैन ग्रथो तथा हस्त लिखित प्रतो मदिरने भेट मळ्या छे तुलनानी दृष्टिए उपयोगी थाय एवा धर्म, तत्त्वज्ञान, साहित्य, कळा इत्यादिना केटलाक सामान्य ग्रथो पण राखवामा आव्या छे उपरना विषयोने लगता चोपानीआ पण मगाववामा आवे छे. (आमा घणा खरा पुरातत्त्वना बदलामा आवे छे थोडाकनु लवाजम भरवु पडे छे) टूकामा भारतवर्षनी प्राचीन सस्कृतिनु सर्वांग अध्ययन करवा माटे आवश्यक ग्रथ सामग्री भेगी करवानो प्रयत्न कर्यो छे अत्यार सुधीमा आ बाबतमां रु २९७३०-०-० आशरे खर्चाया

छे तथा वैशाख वद ०)) सं. १९८५ सुधीमां ४४८५ ग्रंथो श्रीमद् राजचंद्र ज्ञान भंडारमां एकठा थया छे

उपरना उद्देशो पार पाडवा माटे बीजुं कार्य ग्रंथो तैयार करवानुं छे. पुरातत्त्व मंदिर ग्रन्थावलीमां आज सुधीमां प्रगट थयेलां पुस्तकोनी माहिती आ विज्ञापकने छेवटे आपेली पुस्तकोनी यादीमांथी मळशे. ते उपरांत नीचेनां पुस्तको टूंक वखतमां बहार पडशे.

१ काव्य प्रकाशनो अनुवाद भा १ (उल्लास १–६)

२ धम्मपद-(मूळ तथा गूजराती अनुवाद)

३ सम्मति तर्क भाग १

४ बौद्ध मथनो परिचय (थोडा वखत पछी छापवा आपाशे)

५ वैदिक पाठावली (मूळ भाग छपाई रहेवा आव्यो छे अनुवाद साथे टूंक मुदतमां बहार पडशे)

६ प्राकृत भाषाओनुं तुलनात्मक व्याकरण.

पुस्तकोनुं संपादन वगेरे संबंधी नियमो भाग १ लामां आपवामां आव्या छे

त्रीजुं कार्य अध्यापननुं छे मंदिरना अध्यापको गूजरात महाविद्यालयमां अने खास अभ्यासीओ माटे वर्गो ले छे

आ वर्गोनो लाभ लई शके ते माटे तेनी जाहेर खबर स्थानिक वर्तमानपत्रोमां तथा पुरातत्त्वमां आपवामां आवे छे

श्रीमद् राजचंद्र ज्ञानभंडारनो उपयोग करवानी सुगमता पडे ते माटे सवारना आठथी ते सांजना पांच सुधी उघाडो राखवानी गोठवण करी छे मोटी रजाओमां पण ज्ञानभंडार उघाडो राखवामां आवे छे पत्रिकेथी खबर आपनार माटे खास सगवड करी आपवामां आवे छे.

नवी गूजराती शाळा, अमदावाद

स्थापना अने मान्यता

नवी गूजराती शाळा अमदावादनी शरुआत ता १–३–२० ना रोज थई हती. अने संवत् १९७८ना कारतक सुद १ ने दिने गूजरात विद्यापीठे मान्य करी हती

विद्यार्थीओनी संख्या—

वर्षवार विद्यार्थीओनी संख्या नीचे मुजब छे

	छोकराओ		कन्याओ		कुल
सं १९७८ कारतक सुद १	१४१	+	२९	=	१७०
आसो वद ०))	१९५	+	४३	=	२३८
१९७९ बीजा जेठ सुद १५	१९४	+	३६	=	२३०
१९८० फागण वद ०))	१५३	+	३८	=	१९१

वर्गवार विद्यार्थीओ—

कुल आठ वर्गो अने दश शिक्षको छे वर्गवार विद्यार्थीओनी संख्या नीचे मुजब छे.

वर्गो—	विद्यार्थीओनी सख्या
१ तालीम वर्ग	२२
२ बाळ वर्ग	१०
३ धोरण १ लु	२८
४ ,, २ जु	२५
५ ,, ३ जु	३१
६ ,, ४ थु	३३
७ ,, ५ मु	२९
८ ,, ६ ,,	१३
कुल	१९१

शाळानो निभाव—

शाळानु कायमी फड नथी. तेनो नीभाव गूजरात विद्यापीठ करे छे. सं १९८० ना वर्षना खर्च माटे रु ८३३०—०—० मजूर करवामां आव्या छे.

राष्ट्रीयशाळा (मांगरोळ)

स्थापना अने मान्यता—

श्री मागरोळ राष्ट्रीय शाळानी स्थापना स १९७८ ना कार्तिक शुद ३ ने रोज थई हती. अने तेज तारीखे गूजरात विद्यापीठे तेने मान्य करी हती

विद्यार्थीओनी सख्या—

वर्षवार विद्यार्थीओनी सख्या नीचे मुजब छे

	छोकराओ		कन्याओ		कुल
स १९७८ कारतक शुद ३	२	+	१	=	३
,, आसो वद ०))	१७२	+		=	१७२
१९७९ बीजा जेठ शुद १५	११६	+		=	११६
१९८० फागण वद ०))	९३	+	१	=	९४

वर्गवार विद्यार्थीओ—

कुल नव वर्गो अने नव शिक्षको छे वर्गवार विद्यार्थीओनी संख्या नीचे मुजब छे

वर्गो	विद्यार्थीओनी सख्या
१ तालीम वर्ग	१४
२ बाळ वर्ग	१३
३ धोरण १ लु	१०
४ ,, २ जु	९

५	,,	३ जु	१०
६	,,	४ थु	१२
७	,,	५ मु	१६
८	,,	६ ठु	७
९	,,	७ मु	५
			९६

शाळानो नीभाव—

शेठ हरीदास प्रमर्जी हस्ते ट्रस्टी शेठ जेठालाल रामजाग श्री म गरोळ कुमार मंदिर चलाववा माटे रु २००००) वीस हजार गूजरात प्रान्तिक समितिमा भर्या छे तेमाथी खर्च पेटे विद्यापीठ दरवर्षे अनुदान रकम आप्या करे छे स १९८०ना खर्च माटे रु ८२००-०-० मजुर करवामा आव्या छे

कुमार मंदिर (नवुं वाडज)

स्थापना अने मान्यता—

कुमार मंदिर नवु वाडजनी स्थापना संवत १९७७ ना वैशाग सुद ३ ने दिवसे थई हता, अने ते ज दिवसे गूजरात विद्यापीठे मान्य करी हती

विद्यार्थीओनी संख्या—

वर्षवार विद्यार्थीओनी संख्या नीचे प्रमाणे छे

	संख्या				
	छोकराओ		कन्याओ		कुल
स १९७८ कारतक सुद १	५७	+	८	=	६५
,, आसो वद ०)	७०	+	२१	=	९१
१९७९ वैशाख जेठ सुद १५	६५	+	१९	=	८६
१९८० फागण वद ०)	६३	+	८	=	७१

वर्गवार विद्यार्थीओ—

कुल बाळ वर्ग ३ [illegible] छे वर्गवार विद्यार्थीओनी संख्या नीचे मुजब छे

वर्ग	विद्यार्थीनी संख्या
१ बालवर्ग	२६
२ धोरण १ लु	८
३ ,, २ जु	१४
४ ,, ३ जु	१२
५ ,, ४ थु	५
६ ,, ५ मु	६
७ ,, ६ ठु	१
८ ,, ७ मु	१
	कुल ७१

शाळानो नीभाव—

शाळानु खर्च गूजरात विद्यापीठ आपे छे स १९८० ना वर्षना खर्च माटे रु १३५०–०–० मजुर करवामा आव्या छे

रात्रिशाळा (कोचरब)

स्थापना अने मान्यता—

रात्रिशाळा कोचरबनी शरुआत स १९७७ चैत्र सुद १५ ने रोज थइ हती अने ते ज दिवसे गूजरात विद्यापीठ तेने मान्य करी हती

विद्यार्थीओनी संख्या—

वर्षवार विद्यार्थीओनी संख्या नीचे प्रमाणे छे

		संख्या—				
		छोकराओ		कन्याओ		कुल
स १९७८	कार्तक सुद १	१६	+	३	=	१९
,,	आसो वद ०))	२८	+	३	=	३१
१९७९	बीज जेठ सुद १०	१४	+	५	=	१९
१९८०	फागण वद ०))	१६	+	४	=	२०

आ शाळामा बधा अंत्यज विद्यार्थीओ भणे छे कुल चार वर्ग छे अने त्रण शिक्षको छे. वर्गवार विद्यार्थीओनी संख्या नीचे मुजब छे.

वर्ग	संख्या
१ बाळ वर्ग	१६
२ धोरण १ लु	१०
३ ,, ३ जु	३
४ ,, ४ थु	१
	कुल ३०

शाळानो नीभाव—

शाळानु खर्च गूजरात विद्यापीठ आपे छे स १९८० ना वर्ष माटे रु ६९७–०–० मजुर करवामा आव्या छे

संवत १९८० नी सालनु निवेदन

श्रीमान कुलपतिजी,

कार्यवाहक सभानी आज्ञाथी गया वर्षनु नीचे प्रमाणे निवेदन रजु करवा रजा लउ छु.

कुलनायक

१. विद्यापीठनी प्रवृत्तिओना अहेवालमां उतरतां पहेलां पहेली नोंध कुलनायकनी लेवी घटे छे. गया वर्षना मार्च मासमां थएली कुलनायक गिदवाणीजीनी गिरफतारी बधाने जाणीती छे गिरफतार थया ते पहेलांनी नियामक सभामां १ वर्षना काय पछी एमणे कुलनायक पद छोडी दीधु हतु अने एमनी जग्याए श्री आचार्य नैयवजीने चुटवामां आव्या हता. परतु एमणे ए पद स्वीकारवा अशक्ति जणाव्याथी ए स्थान खाली रह्यु, ते हजु सुधी पूरी शकायु नथी

विनीत परीक्षा

२. गया वसतमां लेवाएली विनीत परीक्षामां २४२ माथी १४४ उमेदवारो उत्तीर्ण थया हता ते पैकी एक कन्या हती अने एक मुसलमान हतो. विद्यापीठनी शरुआतथी गया वर्ष सुधी आ परीक्षामा नीचे प्रमाणे परिणामो आव्यां हतां

	उमेदवार	उत्तीर्ण
सं १९७७*	५४७	३६०*
स. १९७८	३०३	२०३
स. १९७९	८०	१४८
स. १९८०	८२	१६४

गया वर्षमा विनीत परीक्षाना धोरणमां घणा फेरफार करवामां आव्या हतो विद्यापीठनी शरुआतमां सामान्य अभ्यासक्रमने बदले कातणकाम करनारा विद्यार्थीओने माटे एक जुदो अभ्यासक्रम राखवामा आव्यो हतो तेने बदले गया वर्षथी सामान्य अने औद्योगिक एवा बे अभ्यासक्रमोनी परीक्षा लेवामा आवे छे आ अभ्यासक्रम प्रमाणे हिंदुस्थानी अनुवाद सहित गूजराती, एक अर्वाचीन भाषा, इतिहास अने राजवधारण ए विषयो सव विद्यार्थीओने फरजियात होय छे अने तदुपरान सामान्य अभ्यासक्रमना गणित अने एक प्राचीन अथवा अन्य भाषा अने ते न लेवामा आवे तो वणाट, सुथारकाम, कृषि, शिवणकाम, सगीत, आलेखन, व्यायाम अथवा वाणिज्य पैकी एक उद्योग पसद करवानो होय छे उपरोक्त उमेदवारोनु विषयवार वर्गीकरण नीचे प्रमाणे छे—

* गया निवेदनमा आ आकडाओ आपवामा भूल थइ हती ते सुधारीने अहि आप्या छे

	उमेदवार	उत्तीर्ण
सामान्य अभ्यासक्रम	७७	४८
औद्योगिक अभ्यासक्रम	१६५	९६
	२४२	१४४
ते पैकी—		
वाणिज्य	११७	७८
वणाट	१४	८
शिवणकाम	१४	५
सुतारकाम	१३	१
संगीत	४	४
व्यायाम	२	०
आलेखन	१	०
	१६५	९६

प्रथमा परीक्षा

३. औद्योगिक रसायननी प्रथमा परीक्षा सह, गया वर्षना बे वखतनी प्रथमा परीक्षामां कुल ८४ उमेदवारो बेठा हता, तेमांथी ४३ विद्यार्थी सफळ थया हता, १७ द्वितीय वर्गमां अने २६ सामान्य वर्गमां. आगला वर्षोना आंकडा नीचे मुजब छे.—

	उमेदवार	उत्तीर्ण
सं १९७८	१३१	१११
स. १९७९	१२८	८८
स १९८०	८४	४३

गया वर्ष सुधी प्रथमा परीक्षामा विद्यार्थीओ पसंदगी प्रमाणे लेवाना विषयोनी यादीमां प्रमाणशास्त्र, गणित, संस्कृत, अरबी तथा फारसी एटला विषयो हता. विनीत परीक्षामां वाणिज्य, संगीत अने आलेखनना विषयो दाखल करवामां आव्या अने स्नातक परीक्षामां पण पहेला बे विषयो छे, तथा आलेखननो विषय प्रथमा परीक्षामां खास संजोगोमां लेवा देवानी परवानगी आपवामां आवी हती एटले स. १९८१ थी आ त्रणे विषयोने प्रथमा परीक्षामां ऐच्छिक विषयोनी यादीमां उमेरवामां आव्या छे ते उपरांत गई वासन्तिक परीक्षाथी हिंदनी आधुनिक राज्यव्यवस्था अने महासभानो इतिहास ए विषयो फरजियात दाखल करवामां आवेल छे.

४. छेल्ला वर्षनी बे स्नातक परीक्षाओन्‍ जुदा जुदा मंदिरोनी नीचे प्रमाणे परिणाम छे स्नातक परीक्षा विभागीय धोरणे लेवाना होवाथी कुल **स्नातक परीक्षा** उमेदवारो पैकी थोडा अ‍ंशे आखी परीक्षामा बेसनारा होय छे

आखी परीक्षामा उत्तीर्ण—

	उमेदवार	१ लो वर्ग	२ जो वर्ग	सामान्य वर्ग	कुल
आर्यविद्या मंदिर	११	..	.		...
भाषा मंदिर	६४	..	५	५	१०
समाजविद्या मंदिर	४९		१	४	५
वाणिज्यविद्या मंदिर	९७	..	५	१६	२१
गणित मंदिर	६	२	.	१	३
औद्योगिक रसायन	२२	२	९	३	१४
संगीत मंदिर	२	.	...	...	...
कुल ..	२५१	४	२०	२९	५३

छेल्ला त्रण वर्षना स्नातक उमेदवारोना आंकडा नीचे मुजब छे —

संवत १९७७* ..४१, सं १९७८ ..७, सं १९७९ ..२६

स्नातक परीक्षामा पसार थएला आ वर्षना ५३ विद्यार्थीओमाथी आजे ५१ विद्यार्थीओए पदवी मेळववा इच्छा दर्शावी छे गये वर्ष जाहेर थएल एक स्नातकनु पदवीपत्र बाकी रहेलु होवाथी एणे पण आजे ते मेळववा इच्छा दर्शावी छे ए रीते आजे ५२ स्नातको आपनी पासे पदवी मेळववा खाहेश राखे छे सं १९७८ मा सेवार्थ पदवी लेनार स्नातको सहित ६६ अने सं १९८० मा ७० (ओछो १) स्नातकोने पदवी आपवामा आवी हती, एटले आ वखना ५२ स्नातको मळी कुल १८७ स्नातको आज सुधीमा विद्यापीठनी पदवी मेळवशे. आ वर्षना पदवीना उमेदवारोनी नामावली परिशिष्ट १ मा आपी छे†

---

* गया निवेदनमा ८० आंकडो छपायो छे ते भूल छे.

† ए जुदे टेराने आ पुस्तकमा छपायेलु होवाथी अत्रे पुन छाप्यु नथी.

५. उच्च शिक्षण आपवा माटे विद्यापीठनी पासे बे महाविद्यालयो छे गूजरात महाविद्यालय अने मुंबाई राष्ट्रीय महाविद्यालय. गूजरात महाविद्यालयमां गया वर्षनी

महाविद्यालयो

शरूआतमां २०५ विद्यार्थीओ हता अने राष्ट्रीय महाविद्यालयमां ३७ हता ते ज वर्षनी आखरे अनुक्रमे १८० अने २३ विद्यार्थीओ हता. राष्ट्रीय महाविद्यालयमा साहित्य विभागना विद्यार्थीओनी संख्या बहु ओछी थवाथी एने आ वर्षना मार्च मासथी बंध करवानो मुंबाईनी राष्ट्रीय शिक्षण समितिए ठराव कर्यो छे.

६ गूजरात पुरातत्त्व मंदिरे गया वर्षमा ३ नवा पुस्तको प्रसिद्ध कर्यां छे ते मळी ए संस्थाना कुल ११ पुस्तको थाय छे नवा पुस्तकोनां नाम— अभिधानप्पदीपिका (संपादक मुनि जिनविजयजी) सम्मतितर्क भाग १ लो (संपादक पं० सुखलालजी तथा पं० बेचरदास), काव्यप्रकाश अनुवाद भाग १ लो (अनुवादक अ० रामनारायण

गूजरात पुरातत्त्व मंदिर

पाठक तथा अ० रसिकलाल परीख) अने धम्मपद अनुवाद सहित. ते सिवाय प्राकृत भाषाओनु व्याकरण, वैदिक पाठावली अने बौद्धसंघनो परिचय एटलां पुस्तको ए मंदिर तरफथी छपाय छे. ते उपरांत 'पुरातत्त्व' त्रैमासिक शिरस्ता प्रमाणे गये वर्षे प्रसिद्ध थयु हतु

७ विद्यापीठे स १९७९ सुधीमा २५ पुस्तको प्रसिद्ध कर्यां हतां. गया वर्षमां संपत्तिशास्त्र भा ५–६ तथा व्यापारी भूगोळ (लेखक अ० चंदुलाल दलाल) ए बे पुस्तको नवा उमेराया छे, ते उपरांत विद्यापीठ वाचनमाळानी पहेली तथा बीजी चोपडीओनी सुधारेली आवृत्तिओ काढवामां

पुस्तक प्रकाशन

आवी हती वाचनमाळानी त्रीजी चोपडी, चरोतरनी सुधारेली त्रीजी आवृत्ति, ऐतिहासिक वार्तामाळा–मोगलवंशनी सुधारेला त्रीजी आवृत्ति, प्राकृतिक भूगोळ (लेखक श्री छोटालाल पुराणी) एटला पुस्तको छपाय छे, तथा आंकडाशास्त्र (लेखक अ० चंदुलाल दलाल), अने रायणनी सुधारेली बीजी आवृत्ति, ए छपाववा निश्चय थयो छे विद्यापीठनु नमूनु (Calendar) पण छपाय छे

८. गये वर्षे विद्यापीठ तरफथी बधेली प्रवृत्तिनी नवजीवनना प्रसिद्धमांथे एक वधारो ह्तो एक खास केळवणी अंक काढवानु माथे लेवामां आव्यु छे. सदरहु

केळवणी अंक

वधाराना गये वर्षे ७ अंक बहार पडया हता.

९ मान्य मंदिरोमां गया वर्षना निवेदन करतां खास फरक नथी. अने सामेना कोठामा जणावेला आंकडाओ परथी कंइक सुधारो थएलो पण लागशे पण ए सुधारा उपर वजन आपवा जेवु नथी, कारण के गये वर्षे घणा आंकडा अंदाजथी मांडवा पडया हता अने घणा आंकडा मळी शक्या ज न हता.

मान्य मंदिरो

गये वर्षे एक पूर्ण विनयमंदिरे सरकार साथे पाछो संबंध जोडयो छे.

मंदिरोनो प्रकार	संख्या	विद्यार्थीओनी संख्या		शिक्षकोनी संख्या	आशरे वार्षिक खर्च
		वर्षनी शरूआतमां	आजे		
महाविद्यालया	३	२८२	२६७[1]	३२	३२,०५१– ३
पूर्ण विनयमंदिरो	१८	४,६२५	४,०४२[2]	२०१	१,५१,१३४– ५
अपूर्ण विनयमंदिरो	११	९२२	९८३[3]	६३	२६,३६६–१०
कुमार मंदिरो[4]	४७	२,८१८	३,०४६[5]	१४८	५१,०७४– १
सरवाळो	७५	८,६०७	८,२६६	४४२	३,२६,५२६–४

सत्र मान्य मंदिरोनी यादी परिशिष्ट २† मां आपी छे. मान्य मंदिरोमां बे क[न्या]शाळाओ अने चार अंत्यज शाळाओ पण छे तेनी खास नोंध लेवी जोईए. आ उपरांत केट[लीक] गूजरात बहार तेमज गूजरातमां एवी राष्ट्रीय गूजराती शाळाओ छे के जेमणे वि[द्यापीठनी] मान्यता मेळवी नथी, पण विद्यापीठ साथे पत्रव्यवहार अने मलाकात मसलतनो संबंध राखे

गये वर्षे भराएली राष्ट्रीय शिक्षण परिषदना ठरावोने परिणामे अंत्यजो बाबतना मंदिरोमां पुनः खळभळाट मचावी मूक्यो हतो. एने परिणामे ३ कुमार मंदिरोए अवमान[्यता] मेळवी हती अने विद्यापीठ तरफथी चालता नवुवाडजना कुमारमंदिरनु अस्तित्व जोखममां

मदद

१०. स. १९७९ मां स्वीकारेली विनय मंदिरोने मदद आपवानी पद्धति गये वर्षे चालु राखवामां आवी हती. मदद आपवानु वर्ष वैशाखथी मुधीनु गणवामां आवे छे. स. १९८०–८१ माटे रु. ३५०००) करवामां आव्या छे.

विद्यापीठनो आवक खर्च

११. विद्यापीठना अन्वेषके तपासेला हीसाबो परिशिष्ट ३† मां सामेल कर्या सदरहु हीसाबो उपरथी आप जोई शकशो के विद्यापीठ पासे दीव[ाळी] बाकी आशरे रुपीआ १,२९,०००* मालक हती अने आशरे ८०० नु चोख्खु लेणु हतु. विद्यापीठनी स्थावर–जंगम मिलकत

1. कन्याओ ५
2. कन्याओ ३६ अंत्यजो ८
3. कन्याओ १७
4. बे कन्याशाळा तथा चार अंत्यजशाळा
5. कन्याओ ७२ तथा अंत्यजो १४२

* निवेदनमां सरळताने खातर आखा आंकडा आप्या छे. नक्की हीसाबो परिशिष्ट ३ आपेला छे.

† ए सुरे ठराव्युं आ पुस्तकमां छपायेलो होवाथी पुनः अहीं छाप्या नथी.

किंमत ४ लाखनी कोईक ओछी आकारवामां आवी छे. आ मिल्कत सामे विद्यापीठ उपरनी जवाबदारीने अंगे रु ३६,६०० जेटला गणवाना छे, एटले विद्यापीठने खरचवा मळी शके एवी सीलक आशरे ९३,२०० रुपीआ दीवाळीने दिवसे हती.

विद्यापीठे गये वर्षे जुदी जुदी संस्थाओ पाछळ नीचे प्रमाणे खर्च कर्युं हतुं :—

	रु आ. पा.
शाळा मदद खाते	३३,५५०—०—०
गूजरात महाविद्यालय+	२६,०८३—३—७
गूजरात पुरातत्त्व मंदिर	१०,९७४—६—०
गूजरात विद्यापीठ कार्यालय	७,३९७—२—०
नवी गूजराती शाळा	३,९७२—३—५
नवु वाडज राष्ट्रीय शाळा	१,५०१—१४—९
काचरब रात्रीशाळा	६११—५—१०
बीजा खरचो	१,९४०—६—३
कुल	८६,०३०—९—१०

आ खर्च सामे विद्यापीठने उपली संस्थाओनी फी वगेरेनी आवक, उपरांत नीचे प्रमाणे आवक थई हती —

	रु आ पा
विद्यापीठ पुस्तक प्रकाशननो नफो	१,०१५—१०—३
परीक्षाना लवाजम खाते	४,६१८—१२—३
भेट	१,०९८—१—०
परचुरण आवक	३६७—६—०
कुल रु	७,०७९—१३—६
नक्की खर्च रु	७८,९५०—१२—४
	८६,०३०—९—१०

आ खर्च माटे रु ७,५११—७—०॥ आगला वर्षना जमे हता, अने रु ७१,३३९—५—३॥ विद्यापीठ फाळामांथी गये वर्षे ओछा थया छे

विद्यापीठ फाळो

१२ म १९७९ मा विद्यापीठ फाळामा रु ५,०९,२६५—३—३ वसुल आव्या हता, तेमा गये वर्षे रु ९१,४२४—९—० नो उमेरो थई कुल रुपीआ ६,००,६८९—१२—३ वसुल आव्या छ नवा दाताओनी यादी परिशिष्ट ४ मा आपी छे

+आ बधा खर्चो ते ते संस्थाओनी आवक रकम बाद कराने अहिं मूक्या छे

१३ गये वर्ष मळेला खास दानोमां श्री. हीरालाल आत्माराम पटेल (मुबाई) नरफथी महाविद्यालयमा दस दस रुपीआनी पाच छात्रवृत्तिओ आपवा

खास दानो

माटे रु. ६०० मळ्या हता. छात्रवृत्तिनु नाम दातानी इच्छाथी 'महात्मा छात्रवृत्ति' राखेलु छे अने ते महाविद्यालयना स्नातकवर्गना प्रत्येक वर्षमां भणता एक विद्यार्थीने अने प्रथमा वर्गमां भणता बे विद्यार्थीने आपवामां आवे छे. सदरहु छात्राने आने अगे प्रतिमासे ३००० तार सुतर कातवु फरजियात छे

आज रीत श्री रामचद्र डा. नाइक तरफथी गरीब विद्यार्थीने मदद तरीके आपवा रु. ५० मळ्या हता

१४. श्री तारागौरी चद्रक "साबरमती' मा उत्तम लेख लखवा माटे आपवामां

ईनामो ई०

आवत। आ चद्रक आ वपमा भाई नगीनदास नारणदास पारेखने आपवा टरावबामां आव्यु छे

फरजियात गूजराती ईनाम—अखिल भारतवर्षीय विद्यार्थी परिषदनु गई वासन्तिक परीक्षानु आ ईनाम भाई मणिलाल शकरलाल ठाकरने आपवा ठर्यु छे

आ बन्ने ईनामा आजे आपवामा आवशे

१५ विद्यापीठनो आजनो समारभ पोतानी जमीन अने मकानोमा थाय छे एने खुल्लु मुकवानी क्रिया पण आपे आजे करवानी छे आ जमीननी

जमीन अने मकानो

किंमत रु ८५,२६५–९-० पडी छे, अने आ मकानोनी पाछळ गई दीवाळी सुधीमा रु १,९७,३२२–११–५ खर्च थयो छे

१६. गया वर्षना विशेष बनावोमां ऑगस्ट महीनामां थयेली राष्ट्रीय शिक्षण परिषदनी

विशेष बनावो

नोंध लेवी घटे छे

१७ भविष्यमां विद्यापीठने जे रीते दोरवु घटे ते रीते सूचना करवा आपने विनति

उपसहार

करी निवेदन पुरु करु छु

परिशिष्ट ४

स १९८० मा उमेरायला दाताओनी यादी

वर्ग पहेलो

१	डा प्राणजीवनदास महेता, रंगुन	कुल रु १,२५,०००–०–०
२	एक गृहस्थ पुरातत्त्व मदिर माटे, अमदावाद	२५,०००–०–०
३	श्री ईश्वरदास इच्छाराम मशरुवाळा, मुबाई	११,०००–०–०
४	श्री जीवणलाल वल्लभदास तथा श्री परशोत्तम जीवणदास मुळजी, मुबाई	१०,०००–०–०

वर्ग बीजो

५	शेठ ठाकरसी रणसोनी कु मुबाई	१,००१–०–०

वर्ग त्रीजो

६	श्री हीरालाल आत्माराम पटेल	मुबाई	६००-०–०
७	,, रवजी नारणजी	,,	५०१–०–०
८	गोविंदलाल नरमेराम ठाकोर	,,	५००–०-०

संवत १९८१ नी जुदी जुदी समितिओ.

कुलपति

महात्मा मोहनदास करमचंद गांधी (विद्यापीठनी स्थापनाथी)

कुलनायक

१ श्री असुदमल टेकचंद गिदवाणी (स. १९७७ना कारतक वद ३ थी स. १९८०ना पोष वद ६ सुधी.)

२ श्री. अब्बास तैयबजी (अधिकार न स्वीकार्यो)

महामात्र

१ श्री. किशोरलाल घनश्यामलाल मशरूवाळा (स. १९७६ ना आसो सुद ७ थी स. १९७७ ना पोष सुद ३ सुधी)

२ श्री त्रिकमलाल मनसुखलाल शाह (स. १९७७ ना पोष सुद ३ थी सं. १९७९ ना चैत्र सुद ३ सुधी)

३ श्री. किशोरलाल घ. मशरूवाळा (स. १९७९ ना चैत्र सुद ३ थी)

नियामक सभा

[गूजरात प्रान्तिक समितिना प्रतिनिधिओ]

१ श्री वल्लभभाई झवेरभाई पटेल
२ ,, महादेव हरिभाई देसाई
३ ,, बळवंतराय परमोदराय ठाकोर
४ ,, मणिलाल वल्लभजी कोठारी
५ ,, इमाम अब्दुलकादर बावझीर
६ ,, फुलचंद बापुजी शाह
७ ,, दयालजी नानुभाई देसाई
८ ,, गोपालदास अंबाईदास देसाई
९ ,, अब्बास एस तैयबजी
१० ,, चंदुलाल मणिलाल देसाइ

सं. १९८०ना कारतक मासमां चुंटाइ आवेला प्रतिनिधिओ

(महाविद्यालय मतदार मंडळ)

११ सैयद अबु झफर नद्वी
१२ श्री श्रीकृष्ण व्यंकटेश पुणतांबेकर
१३ ,, शंकर विष्णु फडणीस

(आचार्य तथा निरीक्षक मंडळ)

१४ ,, मनसुखलाल का. पंड्या

(स्नातक मतदार मंडळ)

१५ श्री जीवणलाल क. चांपानेरीआ
१६ ,, शंकरलाल भा. त्रिवेदी

स. १९८१ना कारतक मासमां चुंटाइ आवेला प्रतिनिधिओ

(स्नातक मतदार मंडळ)

१७ श्री दिलखुश ब. दिवानजी
१८ ,, नटवरलाल गि. त्रिवेदी

(कुमार मंदिर मंडळ)

१९ ,, प्रेमशंकर वसनजी दवे

(आचार्य अने निरीक्षक मंडळ)

२० ,, जीवणलाल ह. दीवान

(विनय मंदिर मंडळ)

२१ ,, मोतीलाल मोहनलाल त्रिवेदी
२२ ,, नानालाल मोहनलाल त्रिवेदी

मेळवेला नियामको

२३ ,, बळवंतराय न. कानुगा
२४ ,, रमणकांत ध. देसाइ

२५ श्री. चुनीलाल वे भट्ट
२६ ,, दत्तात्रेय बा. कालेलकर
२७ ,, कृष्णलाल न देसाई
२८ ,, परीक्षितलाल ल. मजमुदार
२९ ,, प्राणशंकर ह भट्ट
३० ,, शंकरलाल घे बेंकर
३१ ,, पुंजाभाई हीराचंद
३२ ,, बबुलाल भ दलाल
३३ ,, जीवतराम कृपालानी
३४ ,, मोहनलाल बि गांधी
३५ ,, बाबुराव ग. ठाकोर
३६ ,, नरहरि द्वा परीख
३७ ,, त्रिकमलाल म. शाह
३८ ,, रामनारायण वि पाठक
३९ ,, श्यामलाल ह भगवती
४० ,, गोपाळलाल नदलाल अध्यारु
४१ ,, ज्ञानचंद वे सिपाहीमलानी
४२ ,, हरिशंकर दु त्रिवेदी
४३ ,, हरिप्रसाद व देसाई
४४ ,, भीखाभाई कु पटेल
४५ ,, छोटालाल बा. पुराणी

जुना नियामको (प्रतिनिधिओ)
(महाविद्यालय मतदार मडळ)

४६ श्री धर्मानंद कोसम्बी
४७ ,, नारायण मलकाणी
४८ ,, महादेव गणेश काळे
४९ ,, दिनकरराय वैष्णव (आचार्य अने निरीक्षक मडळ)
५० ,, पानाचंद झवेरचंद सागाणी (कुमार मदिर मडळ

कार्यवाहक सभा—

स १९८१ नी निमामक सभानी पहेली बेठक ठराव ९ मिति कारतक वद ५ ८१

१ श्री दत्तात्रेय बालकृष्ण कालेलकर
२ ,, शंकरलाल घेलाभाई बेंकर
३ ,, श्रीकृष्ण व्यंकटेश पुणतांबेकर
४ ,, छोटालाल बालकृष्ण पुराणी
५ ,, जीवतराम भ. कृपालानी
६ ,, बळवतराय परमोदराय ठाकोर
७ ,, रामनारायण विश्वनाथ पाठक
८ ,, भीखाभाई कुबेरभाइ पटेल
९ ,, जीवणलाल हरिप्रसाद दीवान
१० ,, वल्लभभाई झवेरभाई पटेल
११ ,, नारायण रामचद मलकाणी

कुमार अने विनय मंदिर समिति—

सं. १९८१ नी नियामक सभानी पहेली बेठक ठराव १० मिति कारतक वद ५/८१

१ श्री बळवतराय परमोदराय ठाकोर(प्रमुख)
२ ,, हरिशंकर दुर्लभजी त्रिवेदी
३ ,, भीखाभाई कुबेरभाई पटेल
४ ,, मनसुखराम का पंड्या
५ ,, दत्तात्रेय बालकृष्ण कालेलकर
६ ,, छोटालाल बालकृष्ण पुराणी
७ ,, पानाचंद झवेरचंद सांगाणी
८ ,, दिनकरराय जा वैष्णव
९ ,, रतिलाल मोहनलाल त्रिवेदी
१० ,, दिलखुश व दिवानजी*

विद्यानिधि मडळ

१ श्री जीवतराम भ कृपालानी (आचार्य तरीके तथा समाज विद्या समिति तरफथी)
२ ,, श्रीकृष्ण व्यकटेश पुणताबेकर (आचार्य तरीके)
३ ,, रामनारायण विश्वनाथ पाठक (आर्य वाग्-तथा विद्यासमिति)
४ ,, अबु झफर नदवी (इस्लाम् वाग् विद्यासमिति)
५ ,, बाबुराव गणपतराम ठाकोर (युरोपीय वाग् विद्यासमिति)

* नियामक सभा ७/८१ ठराव ३६

६ ,, त्रिकमलाल मनसुखलाल शाह
(गणित विद्यासमिति)
७ ,, हरिप्रसाद व्रजराय देसाई (ललित कला समिति)
८ ,, श्यामलाल हरीलाल अगवती
(वाणिज्य विद्यासमिति)
९ ,, बी जी. कोठारे (आचार्य तरीके)

आर्यविद्या अने भाषा समिति

(सं. १९८१ नी नियामक सभानी पहेली बेठक ठराव १३ मिति कारतक वद ५–८१

१ श्री दत्तात्रेय बालकृष्ण कालेलकर
२ ,, रामनारायण विश्वनाथ पाठक
३ ,, बनारसीदास चतुर्वेदी
४ ,, धर्मानन्द कोसम्बी
५ ,, रामचंद्र बळवंत आठवले
६ ,, इन्दुभूषण मजमुदार
७ ,, मुनि श्री जिनविजयजी
८ ,, रसिकलाल छोटालाल परीख
९ ,, हरिनारायण आचार्य

इस्लामी भाषा समिति

स १९८१ नी नियामक सभानी पहेली बेठक ठराव १४ मिति कारतक वद ५–८१

१ श्री सैयद अबु ज़फर नदवी

युरोपिय भाषा समितिः—

स १९८१ नी नियामक सभानी पहेली बेठक ठराव १५ मिति कारतक वद ५/८१

१ श्री बाबुराव ग. ठाकोर
२ ,, ज्ञानचंद सीपाहीमलानी

समाज विद्या समिति

स १९८१ ना नियामक सभानी पहेली बेठक ठराव १६ मिति कारतक वद ५/८१

१ श्री श्रीकृष्ण व्यंकटेश पुणतांबेकर
२ ,, जीवतराम भ कृपालानी
३ ,, नारायण मलकाणी
४ ,, ज्ञानचंद सीपाहीमलानी
५ ,, दत्तात्रेय बालकृष्ण कालेलकर

वाणिज्य विद्या समिति

स. १९८१ ना नियामक सभानी पहेली बेठक ठराव १७ मिति कारतक वद ५/८१

१ श्री बकुलाल मगनभाई दलाल
२ ,, श्यामलाल ह. अगवती
३ ,, नारायण मलकाणी

गणित विद्या समिति

सं १९८१ नी नियामक सभानी पहेली बेठक ठराव १८ मिति कारतक वद ५/८१

१ श्री त्रिकमलाल मनसुखलाल शाह
२ ,, नवलाल मणीलाल शाह

ललित कला समिति

स १९८१ नी नियामक सभानी पहेली बेठक ठराव १९ मिति कारतक वद ५/८१

१ श्री शंकरराव पाठक
२ ,, रामचंद्र बळवंत आठवले
३ ,, नारायण मोरेश्वर खरे
४ ,, बी जी कोठारे
५ ,, द बा महुलीकर
६ ,, हरिप्रसाद व्रजराय देसाई
७ ,, रविशंकर रावळ
८ ,, नारायण मलकाणी
९ ,, दत्तात्रेय बालकृष्ण कालेलकर

(पुस्तक समिति वधारे सभ्यो मेळववानी सत्ता सहित

स १९८१ नी नियामक सभानी पहेली ठराव ११ मिति कारत वद ५/८१

१ श्री जीवणलाल हरिप्रसाद दीवान
२ ,, छोटालाल बालकृष्ण पुराणी
३ ,, रामनारायण विश्वनाथ पाठक
४ ,, रसिकलाल छोटालाल परीख
५ ,, बाबुराव ग ठाकोर

६ ,, भीखाभाइ कुबेरभाइ पटेल
७ ,, कालिदास बसनजी दवे (मंत्री)

पुरातत्त्व प्रबंध समितिः—

सं १९८१नी नियामक समानी पहेली बेठक ठराव १२ मिति कारतक वद ५/८१

१ मुनि श्री जिनविजयजी—आचार्य
२ श्री रसिकलाल छोटालाल परीख (मंत्री)
३ श्री. धर्मानन्द कोसम्बी
४ ,, रामचन्द्र बळवंत आठवले
५ ,, रामनारायण विश्वनाथ पाठक (मंत्री)
६ ,, पंडित सुखलालजी संघवी
७ ,, दत्तात्रेय बाळकृष्ण कालेलकर

संवत १९७८ना प्रथम समारंभमां पदवी लेनारा स्नातकोनी नामावली

सं. १९७७ थी १९८० सुधीनी स्नातक परिक्षाओमां पसार थएला विद्यार्थीओ*

भाषा विशारद

प्रथम वर्ग

१ महेता कनैयालाल फकीरभाई

द्वितीय वर्ग

२ कोनकर नारायण केशवराय (गू म)
३ झाभी फुलसिंहजी भारतसिंहजी (गू म)
४ पण्ड्या करणलाल हिंमतलाल (गू म)
५ गांधी रणछोडदास काळीदास (मुं यु)
६ कामट पद्मनाभ सुबराव (मु यु)

सामान्य वर्ग

७ दवे चुनीलाल रघुराम (मु यु.)
८ देसाइ काळीप्रसाद धनेश्वर (मु यु)
९ लुहार जोइताराम मीरातराम (गू म)
१० त्रिवेदी शकरलाल भाईशकर (गू म)

दर्शनशास्त्र विशारद

द्वितीय वर्ग

११ पटेल मणिभाई बाबरभाई (गू म)
१२ देसाइ रमणकान्त शकरप्रसाद (मु यु)

सामान्य वर्ग

१३ पटेल चदुभाई रावजोभाई (गू म)
१४ पराजपे भालचद्र त्र्यबक (रा म)
१५ देसाइ दलपतभाई डाह्याभाई (मु यु)

अर्थशास्त्र विशारद

प्रथम वर्ग

१६ देसाई खंडुभाई कसनजी (मु यु)
१७ नीलकठ हेमन्तकुमार गुणाभाई (गू म)
१८ पटवर्धन श्रीपति पुरुषोत्तम (मु यु.)
१९ गोरे पुरुषोत्तम वासुदेव (मु यु)
२० तळपदे रामराव मोरेश्वर (मु यु)
२१ देसाई छोटुभाई रुघनाथजी (गू म)
२२ महेता बळवतराय गोपाळजी (मु यु)

सामान्य वर्ग

२३ देसाई अबेलाल भीखाभाई (गू म.)
२४ देसाई रतिलाल बापुभाई (गू म.)
२५ परीख माणेकलाल रणछोडदास (गू म)
२६ पटेल आदितभाइ खुशालभाइ (गू म)
२७ पाठक लाभशकर केशवलाल (मु यु)
२८ शाह हीमचद कपुरचद (मु यु.)
२९ वैद्य पद्मकान्त बाळाशकर (मु यु)
३० फोजदार रणछोडदास करसनदास (मु. यु.)
३१ चापानेरीआ जीवणलाल कल्याणदास (गू म.)
३२ देसाइ चतुरभाइ काशीभाई (गू म)
३३ पटेल लल्लुभाई गुलाबभाई (मु यु)
३४ पटेल पोपटलाल गुलाबदास (मु. यु)
३५ शाह दलसुखभाइ मझीजीभाई (मु यु)

गणित विशारद

प्रथम वर्ग

३६ देसाई मगन प्रभुदास (गू म)
३७ शर्मा व्यासदेव लक्ष्मणदास (गू म)

द्वितीय वर्ग

३८ गुम्बर हकीमराय मयादास (गू म)

---

*गू म = गूजरात महाविद्यालय रा. म. = राष्ट्रीय मु यु = मुंबाई युनिवर्सिटी

सामान्य वर्ग

३९ दाखु दामोदर राव (गू म)
४० भट्ट केशव गणेश (मु यु)

विज्ञान विशारद

प्रथम वर्ग

४१ कान्टेबेट शंकरराव (मु यु)

द्वितीय वर्ग

४२ वोरा हीरालाल मथुरदास (गू. म.)

सामान्य वर्ग

४३ महेता हरिवदनराय आणदराय (गू म)
४४ परीख वाडीलाल कुवराभाई (गू म)
४५ पटेल डाह्याभाई अरजुनभाई (मु यु)
४६ शाह जमनादास चुनीलाल (गू म)
४७ अमीन अंबालाल झवेरभाई (मु यु)
४८ कोठारी रमणलाल मणीलाल (गू म)
४९ पटेल रावजीभाई मथुरभाई (मु यु)
५० शुक्ल व्रजलाल मयाशंकर (मु यु

सेवार्थे पदवी प्रतिग्राहको

भाषा विशारद

१ शाह चीमनलाल जेसींगभाइ (मु. यु.)
२ मोदी अमृतलाल नाथाभाई (मु. यु)
३ महेता अमृतलाल गोकळदास (मु यु)
४ वळामे पांडुरंग विठ्ठल (मु यु)
५ व्यास अंबालाल पुरुषोत्तम (मु यु)
६ पटेल रामभाई चुनीभाई (मु यु)

अर्थशास्त्र विशारद

७ देसाई नानुभाई खंडुभाई (मु. यु)
८ पटेल ईश्वरभाई मोतीभाई (मु यु)
९ महेता प्रभुभाई विठ्ठलभाई (मु यु)
१० त्रिवेदी अंबालाल प्राणलाल (मु यु)
११ अमीन चीमनलाल त्रिभोवनदास (मु यु)
१२ देसाई बापुभाइ रणछोडजी (मु. यु)
१३ सरैया जगमोहन चेलाभाई (मु यु)
१४ दवे दोलतराम सुंदरजी (मु यु)

गणित विशारद

१५ महेता प्राणशंकर मणिशंकर (मु यु)

विज्ञान विशारद

१६ शाह नरसिंह मुळजीभाई (मु यु)

सं. १९८० ना द्वितीय समारंभमां पदवी लेनार स्नातकोनी नामावली.

भाषा विशारद

सामान्य वर्ग

१ नायक डाह्याभाई जीवणजी* (गू म)
२ देसाई छगनलाल हरगोविंद (गू म)
३ पटेल छोटाभाई उमेदभाई (गू म)
४ बारोट चुनीलाल पुरुषोत्तम (गू म)
५ भट्ट चीमनलाल पुरुषोत्तम (गू म.)
६ महेता जशभाई हीराभाई (गू म)
७ देसाई केशवलाल मथुरदास (गू. म)

समाज विद्या विशारद

राजकारण

द्वितीय वर्ग

८ पिंगळे त्रंबक गणेश (रा म)

सामान्य वर्ग

९ पटेल मणिलाल हरजीवनदास (गू म)
१० त्रिवेदी नटवर गिरिजाशंकर (रा म)
११ बगेरा नरेशवलया सदाशिव (रा म.)

संपत्तिशास्त्र

द्वितीय वर्ग

१२ कोठारी विठ्ठलदास मगनलाल (गू म)
१३ आचार्य ईश्वरलाल हिंमतराम (रा म.)
१४ वत्ते श्रीधर हरि (रा म.)

सामान्य वर्ग

१५ पटेल चुनीलाल धनजीभाइ (गू म.)

---

* मुंबाइ युनिवर्सिटीना अभ्यासक्रम प्रमाणे.

१६ परीख मणिलाल हरिलाल (गू. म.)
१७ मजमुदार परीक्षित लल्लुभाई (गू. म)
१८ धैर्यवान जयवंत कृष्णराव (रा. म.)
१९ महेता धीरजलाल रेवाशंकर (रा. म.)
२० चोकसी गोर्धनदास मणिलाल (रा म)

वाणिज्य विशारद

द्वितीय वर्ग

२१ त्रिवेदी नर्मदाशंकर जेठालाल (गू. म)

२२ मोहिले प्रभाकर नारायण (गू. म.)
२३ शाह उत्तमचंद दीपचंद (गू. म.)

सामान्य वर्ग

२४ परीख हीमतलाल वाडीलाल (गू. म)

गणित विशारद

सामान्य वर्ग

२५ पटेल छोटालाल शंकरलाल (गू. म)

मद्रास इलाकाना स्नातको

[संवत १९७७ मां पसार थयेला]

तत्त्वज्ञान विशारद

खास वर्ग

२६ टी. सुब्बायर

समाजविद्या विशारद

प्रथम वर्ग

२७ रामराव उकील

सामान्य वर्ग

२८ हेरीअक्का रामरायमल्या
२९ कट्रेगुल रामचंद्रराव
३० कळा व्यंकट राव
३१ देसराज रामचंद्रराव
३२ देसराज सत्य सुब्रह्मण्यम्
३३ मुडिगन्टी जगन्न

गणित विशारद

३४ कोन्डा संजीव राव

सेवार्थे पदवीप्रतिग्राहको

आर्यविद्या विशारद

(मु = मुंबाई म = मद्रास यु = युनिवर्सिटी)

१ हीराचंद करमचंद मलीजाणी (मु यु)
२ दीनवल्लु सत्यनारायणम् (म. यु)
३ एन. एम. हिंमतसिंघाणी (मु. यु)

समाजविद्या विशारद

४ हनमंत राघवेन्द्रराय मोहरे (मु. यु)
५ शंकर वामन देशपांडे (मु यु)
६ पाठक के एन (मु यु)
७ मानसिंग चूहरमल वालचंदाणी (मु यु.)
८ परसराम नारायणदास वालाणी (मु यु)

गणित विशारद

९ सवनिवीसु वेंकट सुब्रह्मण्य कृष्णराव (म. यु)

विज्ञान विशारद

१० राम भोजराज मोटवाणी (मु. यु)
११ सी. टी वखेडा (मु यु)
१२ कृष्ण हरि मनोहर (मुं. यु)
१३ शामराव भभाजी कामट (मु यु)
१४ पथुभाई ओघडभाई भाथी (मुं. यु.)
१५ हरिहरदिक्षीत रामनाथ अय्यर् (म. यु)

संवत १९८१ ना कुलाय समारंभमां पदवी लेनार स्नातकोनी नामावली

भाषा विशारद

द्वितीय वर्ग

संस्कृत-बंगाळी

१ तट्ट गजानन महादेवराम (गू. म.)*
२ महेता विठ्ठलदास मथुरदास (गू. म)

संस्कृत-मराठी

३ सोमण रामचंद्र जगन्नाथ (गू. म.)

इंग्रेजी-मराठी

४ गोखले आत्माराम नारायण (रा. म)
५ भाट सदाशिव विठ्ठल (रा. म.)

सामान्य वर्ग

गूजराती-इंग्रेजी

६ ठाकर मणिलाल शकरलाल (गू. म.)
७ देसाई हरिभाई डाह्याभाई (गू. म.)

संस्कृत-इंग्रेजी

८ शाह शंकरलाल रतिलाल (गू. म)

भाषा-जुनो अभ्यासक्रम

९ देसाई मणिभाई प्राणभाई (गू. म)

समाजविद्या विशारद

द्वितीय वर्ग

संपत्तिशास्त्र

१० भाट अजितराय हरिलाल (रा म.)

सामान्य वर्ग

संपत्तिशास्त्र

११ देसाई खंडुभाई रणछोडजी (गू. म)
१२ खाम्भाग नागप्पा मुकुंद (रा. म.)
१३ श्रोफ कचनलाल हरगोवनदास (रा म.)

राजकारण

१४ पटेल रामभाई शिवाभाई (गू. म)

वाणिज्य विशारद

द्वितीय वर्ग

नामुं-नीमतानो

१५ पटेल चतुरभाई वल्लभभाई (गू. म.)
१६ त्रिवेदी चीमनलाल हीरालाल (गू. म.)
१८ शाह छोटालाल हरिवल्लभदास (गू. म.)

शराफी

१९ महेता रमणलाल मगनलाल (गू. म.)

सामान्य वर्ग

नामुं-नीमतानो

२० अमीन नटवरलाल उमेदभाई (गू. म)
२१ देवडा मुळजीभाई नारणभाई (गू. म)
२२ देसाई छोटुभाई भीखाभाई (गू. म.)
२३ देसाई जीवणजी डाह्याभाई (गू. म.)
२४ पटेल नारणदास वल्लभदास (गू. म)
२५ पटेल भाईलालभाई नारणभाई (गू. म.)
२६ पटेल मगनभाइ वल्लभभाई (गू. म)
२७ पंड्या कमळाशंकर लल्लुभाई (गू. म)
२८ परीख मदनलाल कोदरलाल (गू. म)
२९ शाह कनैयालाल माणेकलाल (गू. म.)
३० शाह वाडीलाल मोतीलाल (गू. म)
३१ देसाई छोटुभाई खंडुभाई (गू. म.)

शराफी

३२ जोषी चीमनलाल बालुभाई (गू. म.)
३३ देसाइ वाघजीभाइ मगनभाई (गू. म)
३४ पटेल रमणलाल जेठालाल (गू. म)
३५ शाह जीवराज हरिचंद (गू. म)

गणित विशारद

प्रथम वर्ग

३६ कुलकर्णी गोपाळ रामचंद्र (गू. म)
३७ शेठ गिरधरलाल चतुरदास (गू. म)

---

* गूजरात महाविद्यालय अमदावाद × राष्ट्रीय महाविद्यालय मुंबाई

सामान्य वर्ग

३८ गोखले मंगेश वासुदेव (गू. म)

विज्ञान विशारद

प्रथम वर्ग

औद्योगिक रसायन

३९ सुले खंडेराव त्रिबक (रा म)
४० रॉले हरबन्स लाल (रा म)

द्वितीय वर्ग

४१ करंदीकर आत्माराम सदाशिव (रा म)
४२ कोप्पीकर गणेश मंगेश (रा. म)
४३ गणाळ अच्युत गजानन (रा. म)
४४ घाणेकर दत्तात्रेय गणेश (रा म)
४५ देशमुख श्रीपाद मोरेश्वर (रा म)
४६ परीख मगुलाल त्रिकमलाल (रा म)
४७ भिवलकर शंकर भीखाजी (रा म)
४८ भट्ट नानुभाई हरिप्रसाद (रा म)
४९ अमीन एम तैयबजी (रा म.)

सामान्य वर्ग

५० कोप्पीकर वेंकट भवानीशंकर (रा म)
५१ गडभीर मंगेश गणाबाराव (रा. म,)
५२ नाडकर्णी शंकर मारुतिराव (रा म)

५ मान्य मंदिरो

महाविद्यालयो (३)

क्रमांक संस्थानुं नाम अने स्थळ

१ गूजरात महाविद्यालय, अमदावाद
२ राष्ट्रीय महाविद्यालय, मुंबाई
३ कोलेज आफ फाइन आर्टस, मुंबाई

पूर्ण विनय मंदिरो (१०)

अमदावाद जील्लो

४ प्रोप्रायटरी हाईस्कूल, अमदावाद

खेडा जील्लो

५ लो तिलक विनय मंदिर, नडियाद
६ दादाभाइ नवरोजी विनय मंदिर, आणंद
७ एडवर्ड स्मारक विनय मंदिर, बोरसद

सुरत जील्लो

८ राष्ट्रीय विनय मंदिर सुरत
९ ,, ,, ,, अमलसाड

भरुच जील्लो

१० न्यु इंग्लिश स्कूल, भरुच
११ दक्षिणामूर्ति विनय मंदिर, भावनगर
१२ राष्ट्रीय शाळा, राजकोट
१३ ,, वढवाण शहेर

मुंबाई

१४ राष्ट्रीय शाळा मुंबाई

अपूर्ण विनय मंदिरो (१०)

खेडा जील्लो

१५ राष्ट्रीय विनय मंदिर करमसद
१६ ,, ओड
१७ ,, अडास
१८ ,, सुणाव
१९ ,, आकलाव

पंचमहाल जील्लो

२० राष्ट्रीय विनय मंदिर, कालोल

भरुच जील्लो

२१ संयुक्त राष्ट्रीय शिक्षण मंदिर, निकोरा
२२ एडवर्ड विनय मंदिर, आमोद
२३ राष्ट्रीय विनय मंदिर, अंकलेश्वर

गायकवाडी राज्य

२४ राष्ट्रीय विनय मंदिर बाकरोल

कुमार मंदिरो (३९)

अमदावाद जील्लो

२५ नवी गूजराती शाळा अमदावाद
२६ रात्री शाळा कोचरब

२७ राष्ट्रीय कुमार मंदिर नवुं वाडज
२८ श्री मोहन विद्या मंदिर मांडळ

खेडा जील्लो

२९ नवी गूजराती शाळा बोरसद
३० ,, आणंद
३१ अंत्यज शाळा नडियाद
३२ राष्ट्रीय कुमार मंदिर वासद
३३ ,, ओड
३४ ,, रास
३५ मद्रेसा ए हिदायतुल इस्लाम चिखोद्रा

पंचमहाल जील्लो

३६ अंत्यज शाळा गोधरा

भरुच जील्लो

३७ राष्ट्रीय शाळा वागरा

सुरत जील्लो

३८ राष्ट्रीय कुमार मंदिर वालोड (ता बारडोली)
३९ ,, साकळी ,,
४० ,, वराड ,,
४१ ,, हरिपुरा ,,
४२ ,, सींगोद ,,
४३ ,, आफवा ,,
४४ राष्ट्रीय कुमार मंदिर सिकेर (ता बारडोली)
४५ ,, स्यादला ,,
४६ ,, समथाण ,,
४७ ,, अमेटी ,,
४८ ,, पेरा ,,
४९ ,, अकोटी ,,
५० ,, रायेम ,,
५१ ,, सेगवा (स्यादला)(ता ओरपाड)
५२ ,, रांदेर (ता चोर्यासी)
५३ ,, सीसोदरा (ता जलालपुर)
५४ ,, मटवाड ,,
५५ ,, पारडी (सरपोर) ,,
५६ राष्ट्रीय कुमार मंदिर कराडी (ता जलालपुर)
५७ ,, नरथाण (ता ओरपाड)
५८ ,, एरथाण ,,

दिल्ही

५९ राष्ट्रीय शाळा दिल्ही

देशी राज्यो

६० अंत्यज शाळा बीदडा
६१ राष्ट्रीय शाळा मागरोळ

थाणा जील्लो

६२ राष्ट्रीय कुमारी मंदिर मलाड
६३ लक्ष्मी राष्ट्रीय शाळा बोरीवली

६. पुस्तक समितिए मंजुर करेलां पुस्तको

(क) पुस्तकालय माटे मंजुर

पुस्तकनुं नाम	प्रकाशक के लेखकनुं नाम
१ कविवाणी भा १, २, ३,	विलेपार्ले साहित्य सभा
२ नीति वाचनमाळा भाग १, २, ३, ४	
३ शीखोनुं बलिदान	
४ Poems from Tagore	
५ बाळक	
६ श्रीमद् भागवत संक्षिप्त	
७ A Selection from English Letters	के. एन्ड जे. कूपर, मुंबाई
८ School Selections from Modern Prose	,,

पुस्तकनुं नाम	प्रकाशक के लेखकनु नाम
९ Lotus Book of English Verse	के. एन्ड जे कूपर, मुंबाई
१० हिंदुस्तानी हितोपदेशमांनी वातो	मेकमीलन एन्ड कु. मुंबाई
११ अनवारे सुहेलीमांनी वातो	,,
१२ मुकुल	युगधर्म कार्यालय, अमदावाद
१३ बाळ भजन संग्रह भा १, २	गोविंदराम बाळाशंकर ठाकर
१४ कुमतु वहाण (टागोर)	कृष्णप्रसाद मणिशंकर शास्त्री
१५ सहकार प्रवृत्ति	गूजरात वर्नाक्युलर सोसायटी
१६ भीष्म चरित्र भाग १	वैद्यशास्त्री दामोदर कानजी
१७ एशियानुं कलंक	सौराष्ट्र मुद्रणालय
१८ Quentin Durward	ओक्सफर्ड युनिवर्सिटी प्रेस मुंबाई
१९ Kenilworth	,,
२० Story of Aeneas	,,
२१ The Prisoner of Zenda	,,
२२ A Legend of Montrose	,,
२३ West-Ward Ho !	,,
२४ स्वास्थ्य कुंजी	बाबुराव गर्ग मुजफ्फरनगर
२५ King Arthur	ओक्सफर्ड युनिवर्सिटी प्रेस
२६ हिंदनु संक्षिप्त राज्यबंधारण	भारत मंडळ वडोदरा
२७ Nagnatham at School	के एन्ड जे कूपर, मुंबाई
२८ पारसमणि याने हृदय तेज	साकरचंद माणेकचंद धडीयाळी
२९ विजय कळा	,,
३० Inductive Logic	मॅकमीलन एन्ड कुं मुंबाई
३१ The Man born to be King	लॉंगमन्स ग्रीन एन्ड कु. मुंबाई
३२ Heroes of Industry	,,
३३ The White Company	,,
३४ Stories from the Earthly Paradise	,,
३५ Stories from the Deccan History (उर्दू)	,,
३६ भारतीय इतिहास के नायक	,,
३७ भारत के उपाख्यान	,,
३८ रामकथा	,,
३९ पचतन्त्र की कहानियां	,,
४० सूरजबाई	,,
४१ श्री कृष्णचंद्र की बाललीला	,,
४२ सीताराम	,,
४३ The Laureate Poetry Books Pts. I to XII	,,

पुस्तकनुं नाम	प्रकाशक के लेखकनुं नाम
४४ Hindu India from Original Sources 2 Pts.	के. एन्ड जे. कूपर
४५ The Bride of Lammermoor	,,
४६ Letters to Boys	,,
४७ Cobbett's Advice to Young Men	,,
४८ प्राचीन काव्यसुधा भाग. १, २	,,
४९ वाचन	जीवणलाल क. ठाकर अमदावाद
५० पवियारनी जीवनकथा	,,
५१ भरत भक्ति	चीमनलाल जी. परीख कजरी
५२ श्री रुक्मिणीहरणम्	नागरदास अ. पंड्या वढवाण
५३ जय भारती	वर्धमान एन्ड सन्स मुंबाई
५४ Personality	मॅकमीलन एन्ड कु. मुंबाई
५५ Sacrifice	,,
५६ Mashi	,,
५७ The Fugitive	,,
५८ The King of the Dark Chamber	,,
५९ The Home and the World	,,
६० वीरसींहनी वीरता	नाथाभाइ म पटेल
६१ शरतबाबुनी त्रण वार्ताओ	नवजीवन कार्यालय
६२ मोटी बहेन	,,
६३ वाता कहेनारने	दक्षिणामूर्ति वियालय भावनगर
६४ बालवार्ता भा ३	,,
६५ दमयन्ती–चरित्र (सचित्र)	महाशकर पाठक
६६ केटलांएक स्तोत्रो	दक्षिणामूर्ति वियार्थीभवन
६७ अचलायतन	नवजीवन कार्यालय
६८ आश्रम भजनावली	,,
६९ अमदावाद शहेरनी भूगोळ	नारणदास मोतीलाल अमदावाद
७० ओखा हरण	,,
७१ श्रीमद् भागवत प्रवेशिका	मूळशकर केशवराम शास्त्री
७२ कुमार (मासिक)	रविशकर रावळ
७३ कलकत्तानो कारायुग	गाडीव साहित्य मदिर सुरत
७४ बोम्बयुगनु बगाळा	,,
७५ हाय ! आसाम ! ! !	,,
७६ नीति धर्म अने सर्वोदय	,,
७७ महात्मा गाधीने पुष्पाजलि	वर्धमान एन्ड सन्स मुंबाई
७८ बाळ विहार	गाडीव साहित्य

पुस्तकनु नाम			प्रकाशक के लेखकनु नाम
७९ रथयात्रा			युगधर्म कार्यालय
८० मोहनमाळा			छोटालाल नारणदास पटेल
८१ सस्कृत भाषा प्रदीप			ठाकोरदास जमनादास पजी
८२ गाधी–शिक्षण भा १ थी १३			नगीनदास अमुलखराय मुबाई–घाटकोपर
८३ वर्नाक्युलर स्कूल ज्योग्राफी हिंदी धो ५ माटे			लोंगमेन्स ग्रीन एन्ड कु
८४ ,,	,,	वि. २ जो	,,
८५ ,,	,, धो ६ माटे		,,
८६ ,,	,,	वि ३ जो	,,
८७ ,,	,, धो ७ माटे		,,
८८ ,,	,,	वि. ४ थो	,,
८९ ,,	,, धो. ८ माटे		,,
९० वर्नाक्युलर स्कूल ज्योग्राफी (उर्दु) धो ५ माटे			लोंगमेन्स ग्रीन एन्ड कु
९१ ,,	,,	वि २ जो	,,
९२ ,,	,, धो ६ माटे		,,
९३ ,,	,,	वि ३ जो	,,
९४ ,,	,, धो. ७ माटे		,,
९५ ,,	,,	वि ४ थो	,,
९६ ,,	,, धो ८ माटे		,,

(ख) पाठय पुस्तक तरीके मंजुर

९७ सरळ बाळपोथी	नवी गूजराती शाळा, अमदावाद
९८ हिंदी सुबोधिनी माळा भा १ थी ४	भीमाशकर शर्मा
९९ गीर्वाण भाषा प्रवेश	पाडुरग विठ्ठल वळामे
१०० बीज गणित	मगळदास हरकीशनदास सुरत
१०१ उतरता वर्गो माटे भूगोळ	मॅकमीलन एन्ड कु.
१०२ Types of English Poetry Pts I & II	,,
१०३ Matriculation and Intermediate Unseens	,,
१०४ राम अने कृष्ण	नवजीवन प्रकाशन मदिर
१०५ बुद्ध अने महावीर	,,
१०६ सीता हरण	,,
१०७ कुरबानीनी कथाओ	सौराष्ट्र मुद्रणालय राणपुर
१०८ Simple Poems Book III	के एन्ड जे कूपर
१०९ Prose Selections from Scott	,,
११० पद्य–पाठ सग्रह भाग १	केशवलाल ध्रुव अने देरासरी
१११ History of Gujarati Language &c. Vol. I	मेकमीलन एन्ड कु.

पुस्तकनुं नाम	प्रकाशक के लेखकनुं नाम
११२ गुजराती भाषानुं लघु व्याकरण भाग १, २	रा. ब. कमळाशंकर त्रिवेदी
११३ ,, ,, मध्य	,,
११४ Types of English Poetry Parts I & II	इन्डीयन प्रेस, अलाहाबाद
११५ राष्टीय अनुलेखनमाळा मणका १ थी ६	बी. ए. जोशीनी कु., ओड
११६ Tale of the Two Cities	ओक्सफर्ड युनीवरसीटी प्रेस-मुंबाई
११७ Don Quixote-Abridged	,,
११८ The Last Days of Pompeii	,,
११९ Stories from Scott	,,
१२० Scott's Ivanhoe	,,
१२१ Fort Amity	,,
१२२ Gulliver's Travels	,,
१२३ The Cloister and the Hearth	,,
१२४ आरोग्य विज्ञान	मेकमीलन एन्ड कु
१२५ Guinevere	,,
१२६ Hereward the wake	ओक्सफर्ड युनीवर्सिटि प्रेस
१२७ A First Book of English Verse	के एन्ड जे. कूपर मुंबाई
१२८ Poets for Schools	,,
१२९ The Golden Book of English Verse.	,,
१३० School Favourites IV & V	,,
१३१ Robinson Crusoe	,,
१३२ The Vicar of Wakefield	,,
१३३ आपणा देशनो इतिहास भा २	नृसिंहप्रसाद
१३४ बालवार्ता भा. ३	दक्षिणामूर्ति विनयमंदिर
१३५ हिंदनुं संक्षिप्त राज्य बंधारण	भारतमंडळ वडोदरा
१३६ रचनात्मक भूमिति	गणेश रामराव भोकरी
१३७ न्यु इंग्लीश प्रायमर ४ भाग	बंगाल लायब्रेरी ढाका
१३८ Stories of Love & Life	
१३९ Stories of the Teacher and the Taught	
१४० विद्यार्थी गणित भाग १ लो	चरोत्तर केळवणी मंडळ
१४१ Micah Clarke	लोंगमेन्स ग्रीन एन्ड कु
१४२ Tom Brown's School Days	,,
१४३ Tangle wood Tales	,,
१४४ Tales from Shakespeare	,,
१४४ Readings in Modern Prose	,,
१४५ Geography of the Indian Empire (उर्दु)	,,

पुस्तकनुं नाम	प्रकाशक के लेखकनुं नाम
१४६ Gould's Youth's Noble Path Parts I & II	लोंगमेन्स ग्रीन एन्ड कुं.
१४७ भूमितिनां मूळतत्त्वो	चरोतर केळवणी मंडळ
१४८ Story Poems	के. एन्ड जे. कूपर
१४९ Progressive English Composition	,,
१५० Swift's Gulliver's Travels	,,
१५१ A First Book of English Verses	,,
१५२ The Simple Parts of Speech	,,
१५३ वीरपसली	श्री जीवकोर वनिताविश्राम अमदावाद
१५५ कौटिल्य अर्थशास्त्र	मोतीलाल बनारसीदास, लाहोर
१५६ उर्दु की पहेली प्रायमर	बाबु गोपालचंद आग्रा
१५७ ,, दूसरी ,,	,,
१५८ गांधी गीरामृत	आपाभाई मोतीभाई पटेल
१५९ हिंदी सुभाषितो प्रथम वर्ष	दक्षिणामूर्ति विद्यार्थीभवन
१६० कैलास मानसरोवर दर्शन	,,
१६१ भूमितिनां मूळतत्त्वो भा २	चरोतर केळवणी मडळ आणद
१६२ गद्य सग्रह	,,
१६३ गीर्वाण भाषा प्रवेश	दक्षिणामूर्ति विद्यार्थीभवन
१६४ प्रेमानदनां काव्य	नारणदास मोतीलाल
१६५ नळाख्यान क. १थी ६४	,,
१६६ कुवरबाइनु मामेरु क १थी १६	,,
१६७ भूमितिना मूळतत्त्वो भा ३-४	चरोतर केळवणी मडळ
१६८ राष्ट्रीय गरबावली	गाडीव साहित्य मदिर सुरत
१६९ टॉलस्टोयनी त्रण वार्ताओ	,,
१७० बालनवनीत	टिलक राष्ट्रीय विद्यालय खामगांव
१७१ नरसैं महेतानु आख्यान	गूजरात वर्नाक्युलर सोसायटी
१७२ अनता	युगधर्म कार्यालय अमदावाद
१७३ सस्कृत साहित्यनो इतिहास	गुजरात साहित्य परिषद् भडार–मुबाई
१७४ Selections from the Valmikiya Ramayana	हिंदु युनिवरसिटी काशी
१७५ सस्कृत प्रातिपदिक रूपावलि	ठाकोरदास जमनादास पर्जी सुरत

(ग) शिक्षकोने उपयोगी

१७६ A Simple Algebra for Middle Schools	के एन्ड जे कूपर
१७७ A Modern Algebra Parts I to IV	,,
१७८ Map Studies for Schools in India	के एन्ड जे कूपर
१७९ Geography for Indian Schools	मेकमीलन एन्ड कु

पुस्तकनुं नाम	प्रकाशक के लेखकनुं नाम
१८० ब्रिटीश साम्राज्यनो इतिहास	मॅकमिलननी कु.
१८१ New Readings from Indian History	के एन्ड जे कूपर
१८२ A Short History of Hindu India	,,
१८३ Poetical Selections	,,
१८४ Picture Composition	,,
१८५ A Book of Verse	,,
१८६ Mughal Administration	एम सी सरकार एन्ड सन्स कलकत्ता
१८७ Hindu India from Original Sources Pts I & II	के एन्ड जे कूपर
१८८ इग्रेजी राज्य बधारण	गूजरात वर्नाक्युलर सोसाईटी अमदावाद
१८९ गुजराती भाषानु बृहद् व्याकरण	कमळाशकर प्रा त्रिवेदी
१९० The English People	मॅकमीलन एन्ड कु
१९१ डोशीनी वातो	सौराष्ट्र मुद्रणालय राणपुर
१९२ Easy stories from English History	के. एन्ड जे कूपर
१९३ A Simple History of England	,,
१९४ A First History of England	,,
१९५ केळवणीना अखतरा १९२१-२२	दक्षिणामूर्ति भवन भावनगर
१९६ परिचय पद्धति	,,
१९७ A First History of India	के एन्ड जे कूपर
१९८ Easy Stories from Indian History	,,
१९९ सस्कृत रूपकोष भाग १ अने २	
२०० शिक्षक अने शिक्षण	दक्षिणामूर्ति विद्यार्थीभवन

गूजरात विद्यापीठनुं सं. १९८० ना आसो वद ०)) ना रोज पुरा थता वर्षनुं सरवैयुं.

जे

२,७ ७-७-३ शिष्यवृत्ति, चद्रक, इनाम वि० खाते देवा

:००-०-० श्री महात्मा छात्रवृत्ति

५०-०-० ,, रामचद्र डी नायक छात्रवृत्ति

७८-०-३ ,, तारागौरी चद्रक

१,६९-७-० ,, विद्यार्थी परिषद इनाम

७ ७-७-३

३४,३८७-३-० खर्चे सस्था अने आसामीओना देवा

७६-१३-३ केळवणी अक

३१६००-०-० शाळामदद, यादी न १ मुजब

६००-०-० निरीक्षण मदद बारडोली

९-०-० परीक्षा अनामत

१०११-११-६ राष्ट्रीयशाळा, मागरोल

२४-३-९ श्री भीखाभाइ कु. पटेल

५-०-० श्री कुमार कार्यालय

४१४-११-९ ,, नवजीवन पुस्तक प्रकाशन

७७-९-० ,, ,, पुस्तक वेचाण

१२,-१-९ ,, कालीदास व दवे

उ

२,८२,५८८-४-० जमीन खरीदा तथा मकान बाधकाम खाते लेणा

८७२,५-९-० जमीन खरीदी

१९७३२२-११-५ मकान बाधकाम खच

२,८२,५८८-४-५

१,००,०५७-१०-७ सस्थाओ पासे लेणा

५५३१५-८-८ गूजरात महाविद्यालय-यादी न २

४४२९९-१५-६ गूजरात पुरातत्त्व मदिर-यादी न ३

१९८४-१३-० नवी गूजराती शाळा-यादी न ४

१४२९-१५-६ गूजरात विद्यापीठ कार्यालय-यादी न५

१२५५-९-८ अध्यापन मदिर-यादी न ६

६१४-८-३ राष्ट्रीयशाळा नवु वाडज-यादी न ७

५७-४-० कोचरब रात्रिशाळा-यादी न ८

१,०५,०५७-१०-७

४७,४२५-१३-२ खर्च, धर्मऋण, अदाजपत्र तथा पुस्तक प्रकाशन खाते लेणा

१०-०-० परचुरण रोजमेळ

१२५-०-० श्री रसिकलाल छो परीख

३२०-०-० ,, जमनादास व्रजलाल

———

३४,३८७-३-०

५,२१,२५०-६-११½ श्री विद्यापीठ स्वराजफाळानी आवक.

५०१२६५-३-३ वसुल आवी आसो व ०))/७९

११४२४-१-० ,, आसो व. ०))/८०

———

६,००,६८९-१२-३ कुले वसुल मळी.

———— आवक खर्च खाताना वधाराना

७१,४३९-५-३¾ खर्चनी बाकीना माडवाळना

———— बाद यादी न १ प्रमाणे

५,२१,२५०-६-११½

————

५,६५, १०५-१-२¾

उपरनु सरवैयु अमोए गूजरात विद्यापीठना स. १९८० नी सालना हिसाबना चोपडाओ साथे मेळव्यु छे, अने अमो खात्री आपीए छीए के ते अमारा सारामा सारा अभिप्राय तथा मत प्रमाणे बराबर छे

गूजरात महाविद्यालय खाते लेणा रु ५५,४१५-८-८ अने गूजरात पुरातत्त्व मदिर खाते लेणा रु ४४,२११-१५-६ छे, ते मध्ये ते दरेकनी पासे एक एक पुस्तकालय छे, जेमा अनुक्रमे रु ३८,०७८-५-११ अने रु १०,८५२-४-६ नी किंमतना पुस्तको छे

५०-०-० धर्मऋण

३६५५०-०-० अदावपत्र

१०७७५-१३-३ पुस्तकप्रकाशनना स्टॉकनी किंमत

———

४७,४२५-१३-३

१,२८,९९९-१३-१½ खास लेणा

१०६६०१-७-१० गूजरात प्रांतिक समिति

२२३९८-५-३½ शेठ नेमचद कचराभाई

———

१२८९९९-१३-१½

७९९-१४-३ परचुरण लेणा

७४५-१४-९ श्री बालगोविंद कुबेरदास

५३-१५-६ राष्ट्रीय महाविद्यालय, मुबाई

———

७९९-१४-३

१०००-०-० रोकाण:

आर्योदय स्पीनींग एन्ड वीवींग कु ली० ना शेर न ४ नी किंमत, आ शेरो गू० विद्यापीठना खजानची शेठ नेमचद कचराभाईना नाम उपरना तेमने त्या छे

३३-९-७ हाथपर रहेल सीलक

————

५,६५,१०५-१-२¾

ता. १७-१२-२४

नगीनदास एन्ड माणेकलाल,
अन्वेषको (ऑडीटर्स)

चीमनलाल द. शाह.
हिसाबनीस

किशोरलाल घ मशरुवाळा
महामात्र.

यादी न १

गूजरात विद्यापीठनां सं. १९८० ना आसो वद ०)) ना रोज पुरा थना वर्षनो आवक जावकनो हिसाब.

आवक

४,५११—३-०३ श्री मरवाइ बाकी देवा आसो व ०)) ७९

१५२-१२-० रेंटियानी लोनना आवक

बा. जबुसर राष्ट्रीयशाळाने रेंटियानी लोन आपेला, ते शाळा बंध थवाथी सं १९७८ मा माडी वाळेला ते रेंटियाना वेचाणनी उपजना

२,३४८— ७-० नवी गूजराती शाळानी आवक

३२५०-२-० बा विद्यार्थीओना मासिक लवाजमना

९८-४-० बा परचुरण खातानी माडवाळना

३३४८-७-०

१,०१५-१०-३ श्री गूजरात विद्यापीठ पुस्तक प्रकाशन आवकः

२०३०३-१२-३ वेचाण, स्टोक आसो व ०))/८०

९७२७-१५-०, १०,५७५-१३-३

११७८८-२-० स्टोक का सु १/८०, वार्षिक प्रसिद्धि खर्च

८,२३२-१३-२, ११,०५५-४-९

१,०१५-१०-३ नफाना

१७,३८९-७-१ श्री गूजरात महाविद्यालयनी आवक

१५१६९-७-१ विद्यार्थीओना सत्रलवाजमना

खर्च

३३०-१४-९ श्री अध्यापन मंदिर खाते खर्च

बा विद्यार्थीओने शरुआतमा आपेल लोन, ते पछी शिष्यवृत्तिनी पद्धति दाखल थवाथी पाछी वसुल आपवा संभव न होवाथी मांडवाळना

२८३—८-० श्री वणाटलोन खाते खर्च.

बा राष्ट्रीयशाळा, रादेर अने चीखलीने वणाट माटे आपेल लोन, ते शाळाओ पासेथी पाछी वसुल आववा संभव न होवाथी मांडवाळना

९४-१२-९ श्री राष्ट्रीय शिक्षण परिषद खर्च.

बा गू० वि० मारफत बोलावेल उपरोक्त परिषदनी बेठक अंगे थएल खर्चना

१,२२७—२-९ "साबरमती" त्रैमासिक खर्च

१३३४-१-९ वर्ष दरमीआन ६ अंकनु खर्च

१०७-०-० लवाजम वि०

१,१२७-२-९

३३,५५०—०-० शाळा मदद खाते खर्च

बा. सं १९७९-८० नी मंजुरी मुजब चूकवायेल रकम यादी न ९ मुजब

४३,८३२-१०-८ गूजरात महाविद्यालयनो खर्च

३२०५४—६-० पगार

६५३८-१२-९ मकान भाडु तथा वेरो

१,९७०-०-० बा. छात्रालय सत्र लवाजमना
२५०-०-० बा. चित्रकळाना वर्ग ,,

१७,३८९-७-१

१०४-२-६ श्री गूजरात पुरातत्त्व मंदिरनी आवक
१३६६४-७-३ वेचाण, स्टोक आ व. ०)||८०
६ २०७९-१३-९, ११,५८४-९-६
१३६४५-९-९ स्टोक का मु १/८०, वार्षिक प्रसिद्धि खर्च
९,७२७-३-९ ३९१८-६-०

१८-१३-६ चोख्खो नफो
४२-१४-३ त्रैमासिक खाते थयेल नफो
८२-६-९ परदेशनी हुंडीना वटावना

१०४-२-६

५,९११-७-३ श्री गूजरात विद्यापीठ हस्तकनी आवक
४,६१८-१२-३ परीक्षा खातानी आवक
१००-१४-९ पदवीदान खातानी आवक
३५-०-० स्नातक मतदार मंडळनी आवक
२-११-३ सत्याग्रहाश्रमना खातानी मांडवाळना
५०-०-० व्याजखातानी आवक
६-०-० उपलक खातानी मांडवाळना
१,०९८-१-० भेट खातानी आवक

५,९११-७-३

२७१२-१५-९ छात्रालय भाडु तथा वेरो
४२-४-० ,, सरसामान घसाराना
१७०-६-० सरसामान घसाराना
१०८-१२-० वाजींत्रशाळाना सामानना घसाराना
४३-१०-४ चित्रशाळा ,,
१३९-४-७ रेंटिया ,,
१०८-०-० टाइप राइटर ,,
३-६-० गणित साहित्य ,,
२७३-१०-९ पुस्तकालय, पॅकींग, पोस्टेज
२८३-०-० पुस्तक बंधामणी
८३-७-९ रेंटिया-चालु खर्च
१११-९-६ तार, टपाल, स्टेशनरी
३२-४-० टाइपराइटर खर्च
३९७-१-६ गाडीभाडु
२२७-१२-३ परचुरण खर्च
६१-१५-६ छात्रालय परचुरण खर्च

४३,४७२-१०-८

११,०७८-८-६ श्री गूजरात पुरातत्त्व मंदिरनो खर्च
९१०६-१-९ पगार
१२७०-०-० मकानभाडु
३४५-३-० पुस्तक बंधामणी

७१,८९९-५-३३ गूजरात विद्यापीठ स्वराजफाळाना आवक बा. खर्चना रु १,०८७०-१०-५ माथी आवकना रु ३०,८०३-०-१ जना खुटता खर्चनी रकमना माडवाळना

१,०१,८७०-१०-१

११७-७-० स्टेशनरी, तार, टपाल, परचुरण खर्च
८९-४-९ पुस्तकालय पेकींग, पोस्टेज
३७-८-० सरसामान घसाराना

११,०७८-८-६

७,२९७-२-० श्री गूजरात विद्यापीठ कार्यालयनो खर्च
३६६८—२-३ पगार
१४०४—७-३ निरीक्षण खर्च
७५—०-० मकानभाडु
८७१—१-० छपामणी
२६१-१०-६ तार, टपाल, गाडीभाडु
३४८-१२-६ सभासद लवाजम
१६६—१-६ स्टेशनरी
१४१—९-० परचुरण खर्च
२१-१३-० सरसामान घसाराना

७,२९७-२-०

७,३२०-१०-५ श्री नवी गूजराती शाळानो खर्च
५७३८-११-५ पगार
११९८—४-० मकानभाडु
१३०-१४-० परचुरण खर्च
१२०—०-० कटीजन्ट
६१—८-० छपामणी-ईनाम
७१—५-० मुसाफरी-पर्यटन

७,३२०-१०-५

१,५०१-१४-९ श्री राष्ट्रीयशाळा, नवु वाडजनो खच

१२३६—३-९ पगार

८८—८-० मकान भाडु

१३-१४-३ रेंटिया खाते खर्च

१३-१५-० कटीजट

१४९—५-९ रेंटियाखर्च, आगळनो नहीं माडी वाळेल

१,५०१-१४-९

६११-५-१० श्री कोचरब रात्रीशाळानो खच

५११-१५-१० पगार

३६—०—० मकान भाडु

३५—१—० ग्यासतेल

१७—१५-० ईनाम

९—६—० कन्टीजन्ट

१- ०—० परचुरण खच

६११—५-१०

१,०६,८३०-१०-५

तपास्यु अने बराबर छे

ता १७-१२-२८ नगीनदास एन्ड माणेकलाल

अन्वेषको (ओडीटर्स)

चीमनलाल द शाह
हिसाबनीस

किशोरलाल घ. मशरुवाळा
महामात्र.

यादी नं. २ थी ८ विस्तारभयथी छापी नथी.

यादी नं. ९
शाळा मददनी यादी

शाळानु नाम	मजुर–१९७९–८०	चूकवेल–१९८०	शेरो
राष्ट्रीय शाळा, अमलसाड	१०००–०–०	१०००–०–०	
राष्ट्रीय विनयमदिर, करमसद	२४००–०–०	२४००–०–०	
न्यू इग्लीश स्कूल, भरुच	५०००–०–०	५०००–०–०	
राष्ट्रीय शाळा, वलसाड	१०००–०–०	१०००–०–०	
राष्ट्राय विनयमदिर, उत्तरसडा	१२००–०–०	१२००–०–०	
राष्ट्रीय आदर्श विनयमदिर, अमदावाद	३२००–०–०	२७५०–०–०	अवमान्य थवाथी छेलो हप्तो चुकववानो नथी
दादाभाई न विनयमदिर, आणद	४७००–०–०	४७००–०–०	
राष्ट्राय विनयमदिर, मोडासा	२५००–०–०	२५००–०–०	
एडवर्ड स्मारक विनयमदिर, बोरसद	२५००–०–०	२५००–०–०	
राष्ट्राय विनयमदिर, आमोद	१०००–०–०	१०००–०–०	
,, सुणाव	१२००–०–०	१२००–०–०	
,, ओड	१३५०–०–०	१०००–०–०	रु ३५०–०–० चुकववा बाकी छे.
टिळक राष्ट्रीय विनयमादर, नडियाद	३५००–०–०	३५००–०–०	
राष्ट्रीय विनयमदिर, निकोरा	६००–०–०	६००–०–०	
,, आकलाव	५००–०–०	५००–०–०	
,, कालोल	७००–०–०	७००–०–०	
,, शाळा, उमरेठ	१६५०–०–०	१६५०–०–०	
मजुर—	३४०००–०–०	३३२००–०–०	चुकवेल
नहि चुकववाना	४५०–०–०	३५०–०–०	चुकववाना
	३३५५०–०–०	३३५५०–०–०	

शाळा मददनु सं १९८० ना आसा वद ०)) ना रोज पुरा थता वर्षनुं सरवैयुं.

जमा रकम

शाळामदद अनामत	२२४००–०–०	जुदी जुदी शाळाओ खाते मजुर करवा बाकी रहेली रकम
राष्ट्रीय विनयमदिर, ओड	३५०–०–०	
दादाभाई न वि म आणद	२५००–०–०	
न्यू इग्लीश स्कूल, भरुच	३७५०–०–०	
राष्ट्रीय विनयमदिर, करमसद	२६००–०–०	
	३१,६००–०–०	

भाग ४ पत्रकोना नमुना

(क) शाळाओने भरवानां पत्रको

१ शाळानी मान्यता मेळववा माटे भरवानां पत्रको

(१) अरजी

श्री० महामात्र,

गूजरात विद्यापीठ,

अमदावाद

वि ———————————————— मदिरने

मान्य करवा माटे अरजी करू छु मदिर सबधी सर्वे माहीती जोडेना पत्रकमा भरीने मोकलु छु

२ ली सेवक[1]

(२) मान्यता मेळववा माटे मोकलवानी विगतो

१	मदिरनु नाम अने ठेकाणु	
२	मदिरनी स्थापना थयानी मिति	
३.	मदिरना व्यवस्थापको अने मालीकोनु नाम अने ठेकाणु जो मदिर कोई पण मडळ तरफथी चालतु होय तो तेनी कार्यवाहक समितिना सभासदोना नाम अने ठेकाणा	
४.	केटलां धोरणो सुधी मदिरमां शीखववानी व्यवस्था छे, तेनी विगतवार म हिती	

१. आचार्य, व्यवस्थापक अथवा व्यवस्थापक मडळ होय तो तेना प्रमुखनी सही करवी अने होद्दो लखवो.

२ गामनु नाम, ठेकाणु अने मिति लखवा.

५ दरेक वगमा विद्यार्थीनी सख्या अने सरेराश हाजरी.

६ विद्यार्थीओनु जात अथवा धर्मवार वर्गीकरण

	छोकरा	छोकरीओ	कुल
हिंदु—अन्त्यज			
बीजी कोमना			
जैन			
पारसी			
मुसलमान			
खिस्ती			
याहुदी			

७ अध्यापकोना नाम, लायकात अने पगार

८ मदिरना दरेक धोरणना अभ्यासक्रम अने पाठ्य पुस्तको सबधी माहिति (जो मदिरे स्वतत्र अभ्यासक्रम राख्यो होय तो)

९ मदिरनी उपजना साधनो अने उपजनो आकडो

१० मदिरना खच खाताओ अने खर्चनो आकडो

११ दरेक धोरणनी फी, प्रवेश फी, बीजी फीओ

१२ मफत अने ओछी फीए भणता विद्यार्थीओनी सख्या

१३. मदिरमा केटला रेंटिया चाले छे ?	
१४. केटला विद्यार्थीओ काते छ ? दररोज सरेराश केटला कलाक ?	
१५. दररोजनु केटलु सुतर पेदा थाय छे ? (छेल्ला पखवाडियानी सरेराश लइने जणाववु)	
१६ सूतरनी शी व्यवस्था थाय छे ?	
१७ धार्मिक शिक्षण, हिन्दुस्तानीनु शिक्षण तथा औद्योगिक शिक्षण माटे काई प्रबध छे के केम ? होय तो केवा प्रकारनो छे ?	

मिति ________________

प्रमुख, मत्री अगर आचार्यनी सही

(३) निरीक्षकनुं निवेदन

श्री० महामात्र,

गूजरात विद्यापीठ

अमदावाद

वि ______________________________________ मदिरनी तपास में करी छे ए विषे मारो अहेवाल अने सलाह नीचे मुजब छे.

१ मदिरनी $\frac{\text{गाममा}}{\text{लतामा}}$ जरुरीआत $\frac{\text{छे}}{\text{नथी}}$, कारण के विद्यार्थीओनी सख्या छे गामना लोकोनो उत्साह $\frac{\text{सारो}}{\text{मद}}$ छे गामना लोकोए मदिरना निभाव माटे $\frac{\text{नीचे मुजब}}{\text{कशी}}$ सगवड करी $\frac{\text{छे}}{\text{नथी}}$

२ मदिरना मकाननी हवा, अजवालु अने तदुरस्तीना नियम प्रमाणे योग्यता सारी $\frac{\text{छे}}{\text{नथी}}$ विशेष्ता खामीओ

३. मदिरमा तदुरस्ती अने व्यवस्थितता उपर ध्यान सारु $\frac{\text{अपाय छ}}{\text{अपातु नथी}}$.

विशेषता खामीओ

४. मदिरमा शिक्षणने माटे योग्य अने पूरतां साधनोनी सामग्री छे / नथी

विशेषता .... खामीओ

५. मदिरना अध्यापक वर्ग अने तेमना पगार विषे मारो नीचे मुजब अभिप्राय छे.

६. मदिरोना पत्रको अने हीसाबो राखवानी पद्धति चोख्खी छे / नथी

७. मदिर अने गामना लोकोनु अत्यजो प्रत्ये वलण नीचे मुजब छे.

८ मदिरमां औद्योगिकशिक्षण / कतामण उपर सारु ध्यान अपायछे / अपातुनथी

विशेषता .... खामीओ

९ मदिरना विद्यार्थीओ विषे मारा उपर नीचे प्रमाणे छाप पडी छे

१०. मदिरनी आर्थिक स्थिति सारी / नबळी छे

११ एकदरे मारी सलाह छे के मदिरने मान्य करवु नहि / नीचेनी शरतेथी .... धोरण सुधी मान्य करवु

शरतो—

ली० सेवक

निरीक्षक

(४) मान्यतानुं प्रमाणपत्र

.... समिति आगळ रजु

मिति ...... सुद / वद ...... स. १९

ठराव .... मदिर गाम ....

तालुको .... जील्लो .... ने धोरण

सुधी नीचेनी शरते मान्य करवामां आवे छे / मान्य करवामां आवतु नथी.

शरतो—

सिक्को

मिति ...... सुद / वद १९

महामात्र

२ मदद मेळववा माटे भरवानां पत्रको

पत्रक १

(१) मददनी अरजी माटेनो नमुनो

श्री० महामात्र,

गूजरात विद्यापीठ

अमदावाद

जत विद्यापीठे मदद माटे ठरावेला नियमोने अनुसरीने स १९ ना सुदी १थी स १९ ना वदी ३० सुधी एक वर्ष माटे[1] ____ माटे रु ____ अके रुपिया ____ नी मदद करवा विनति करु छु

मदिर सबधी सर्व माहिति साथेना परिशिष्ट १–२–३ मा आपी छे.

[2]ली०

पत्रक २

(२) निरीक्षकनुं निवेदन

श्री० महामात्र,

गूजरात विद्यापीठ

अमदावाद

वि० ____ विनय मदिरनी मदद माटेनी अरजी विषे तपास करी हु नीचे मुजब जणाववा रजा लउ छु

क मदिरनी गाम अगर लतामा जरुरीआत $\frac{\text{छे}}{\text{नथी}}$ कारण के

ख मदिरना मकाननी हवा, अजवाळा अने तदुरस्तीना नियमो प्रमाणे योग्यता सारी $\frac{\text{छे}}{\text{नथी}}$. खामीओ

ग मदिरमा तदुरस्तीना नियमो उपर ध्यान सारु $\frac{\text{अपाय छे}}{\text{अपातु नथी}}$

विशेषता खामीओ

घ मदिरमा शिक्षणने माटे योग्य अने पूरता साधनोनी सामग्री $\frac{\text{छे}}{\text{नथी}}$.

विशेषता खामीओ

---

१ विनयमदिरनु नाम

२ मदिरना मालीके अथवा व्यवस्थापक मडळना प्रमुखे सही करवी. अने जे अधिकारथी सही करी होय ते अधिकार जणाववो.

च. मदिरना अध्यापक मडळनी लायकात अने पगार विषे मारो अभिप्राय नीचे मुजब छे.

मदिरना मालिकनो पोताने ख्याते मासिक/वार्षिक उपाड रु छ, मारा मानवा मुजब ए उपाड व्याजबी छे[1]/नथी

छ झ. में मदिरनु कायमनु भडोळ अने तेने जिल्ला के तालुका समिति तरफथी मळेली रकम ध्यानमा लीधी छे

ञ. मदिरनी औद्योगिक/कांतण शिक्षणना सगवड सतोषकारक छे/नथी

विशेषता खामीओ

ट अत्यज विद्यार्थीओ प्रत्ये मदिरमा दर्शावाती वृत्ति विषे में पुछपरछ करी छे मने लागे छ के अत्यजोने दाखल थवा माटे मदिरमा पूरतु अनुकूल वातावरण छ[2]/नथी

मदिरोना पत्रको तथा हीसाबो विगेरे चोख्खी रीते राखेल छे/नथी

खामीओ

ड. मदिरने मदद आपवा माटे मारी नीचे मुजब सलाह छ मदिरने मदद नीचे प्रमाणे/न करवी

१. मददनी रकम—

२ क्यारे—

३ कई बाबतमा खर्चवा—

४ केवे प्रकारे—

६. खास शरतो—

ली० सेवक

समिति आगळ रजु मिति सुद/वद स १९ निरीक्षक

समितिनो ठराव

---

[1] वाजबी न होय तो वाजबी आकडो सूचववो

[2] काइ खास प्रसगो जाणवामा आव्या होगे तो तेनी नोंध लखवी.

(३) माहिती

परिशिष्ट १

मदिरनी रचनानी माहिती

१

	नाम	ठेकाणु	मिति	
मदिरनु			स्थापनानी मान्यतानी	
आचार्यनु			नीमणुकनी	
मालिक, व्यवस्थापक के व्यवस्थापक मंडळनु			मंडळ होय तो स्थापनानी	
मंडळनी कार्यवाहक समितिनु	प्रमुख उपप्रमुख— मंत्री सभ्यो		चुटणीनी	

२

विद्यार्थीओनु जातवार वर्गीकरण

	छोकरा	छो	कुल
हिंदु-अंत्यज			
हिंदु-बीजा			
जैन			
पारसी			
मुसल्मान			
ख्रीस्ती			
याहुदी			
सरवाळो			

परिशिष्ट १ (चालु)

३				४							
अध्यापक मंडळना अने कायमना नोकरोना नाम	लायकात	मासिक पगार	नीमणुक	वर्ग	वर्गनी फी	विद्यार्थीओनी संख्या			सरेराश हाजरी		
						छोकरा	छोकरी	कुल	छोकरा	छोकरी	कुल
	सरवाळो			सरवाळो							
शिक्षक	शिक्षकोना सरेराश मासिक पगार			सरेराश वर्ग दीठ							

आर्थिक स्थितिनी माहिती

परिशिष्ट २

मंदिरनी आर्थिक स्थितिनी माहिती

मंदिरनु वर्ष मासथी मास सुधी छेल्लु वर्ष स अदाजपत्रनु वर्ष स

५

उपज	छेल्ला वर्षनी खरी	मददना वर्षनु अदाज	मददना वर्षनी छेल्ला* मासनी खरी
१. कायम फडना व्याज खाते			
२. लवाजो खाते			
३. सामान्य दान खाते			
४. विद्यार्थीओनां लवाजम खाते			
५ उद्योग विभागनी उत्पत्ति खाते			
६ तालुका के जिल्ला समिति अथवा कोई संस्था तरफथी मळती मदद खाते			
७ विद्यापीठनी मदद खाते			
८ बीजी आवक खाते			
सरवाळो			
सरेराश विद्यार्थी दीठ			

खर्च	छेल्ला वर्षनो खरो	मददना वर्षनु अदाज	मददना वर्षनो छेल्ला* मासनो खरो
१ शिक्षकोना पगार खाते			
२ नोकरोना पगार खाते			
३ पाठ्य पुस्तको खाते			
४ पुस्तकालय खाते			
५ सरसामान खाते			
६. औद्योगिक विभाग खाते			
७ प्रयोगशाळा खाते			
८ बांधकाम खाते			
९ ईनामो अने मेळावडा खाते			
१० प्रवास खाते			
११. परचुरण खर्च खाते			
सरवाळो			
सरेराश विद्यार्थी दीठ खर्च			
खूटती रकमनो आंकडो			
मागेली रकमनो आंकडो			

* मासनी मूकवी

परिशिष्ट २ (चालु)

६

मिलकतनी वीगत	किंमत	जंगम मिलकतनी वीगत	किंमत
१ कायमनां मडोळ एन व्याजना दर साथे वीगत मुजब		१ सरसामान	
		२ पुस्तको	
		३ ओजारो	
२ स्थावर मिलकत		४ औद्योगिक माल	
		५ प्रयोगशाळाओनो सामान	
३. थापणो			

टीपः—उपर जणाव्या सिवाय बीजा अगत्यना खाताओनां उपज, खर्च, माल, मडोळ, वगेरेनी माहिती छेल्ला आंकडाथी आवकओनो पाछी मांगवी

अभ्यासो अने उद्योगोनी माहिती

परिशिष्ट ३

७

१. रेंटियानी संख्या

२. केटला विद्यार्थी कांते छे ?

३. केटलो समय कांते छे ?

४. रेंटियो सरेराश रोज केटला कलाक चाले छे ?

५. सुतरनो आंक	मासिक उपज क्रेर	किंमत

६. सुतरनो शो उपयोग करवामां आवे छे.

८

उद्योग नाम			
१ विद्यार्थीओनी संख्या			
२ कयाथी कया धोरण			
३. उद्योग पाछळ अपातो नित्य समय			
४ वर्ग पाछळ खर्च			
५ उद्योगनो विद्यार्थी दीठ खर्च			
६ वर्गनी उपज			
७ उत्पन्न थता मालनी वीगत किंमत			
८. मालनी व्यवस्था			

मंदिरना अभ्यासो अने उद्योगोनी माहिती

अभ्यासो धोरणोमां साप्ताहिक समय

विषयो	१	२	३	४	५	६	७

३ निरीक्षण करवा माटे

(१) §आचार्यनु निवेदन

मन्दिरनुं नाम ____________

गाम ____________ तालुको ____________ जिल्लो ____________

स्थापना मिति ____________ मान्यता मिति ____________

बाबत	छेल्ला निरीक्षण समये (मिति)	आज रोज (मिति)
१. धोरण सख्या		
२. विद्यार्थीनी सख्या पत्रक प्रमाणे { छोकरा, छोकरी .., कुल हाजर { छोकरा, छोकरी, कुल		
३ शिक्षकोनी सख्या		*
४ कातण चालु स्थितिमां रेंटिया कुल चलावनार विद्यार्थीनी सख्या रेंटिया माटे रोज केटलो समय अपाय छे सुतरनी सरेराश उत्पत्ति× कातण साथे कपास पीलवा अने पींजवानी व्यवस्था होय तो चरखा सख्या पींजण ,, वणाट चालु होय तो खादीनी शाळ सख्या शेतरजीनी शाळ ,, पाटीनी ,, ,,	छे / नथी	छे / नथी
५. बीजो कोई धधो होय तो ते धधा विषे		

§निरीक्षक तपास करवा आवे, त्यारे आ पत्रक भरीने निरीक्षकने आपवुं. *फरक पड्यो होय तो क्यारथी ते मिति साथे सूचववु. ×उत्पत्ति दैनिक, साप्ताहिक के मासिक ए जणाववु.

६. प्रगति　　१ अभ्यासमां　　२ उद्योगमां

७. प्रकीर्ण　　१ मकाननी स्थिति　　भाडाउ होय तो रकम

२ बहार गामना छोकरा

३ छेल्ला निरीक्षण पछी मन्दिरनी मुलाकात कोणे लीधी ?

४ छेल्ला निरीक्षण बाद कोईनी कसुर जणाई होय, अने तेने माटे शिक्षा के प्रायश्चित्त करवामां आव्या होय तो तेनी वीगतः

कसुरनो प्रकार	कसुर करनारनु नाम	शिक्षा के प्रायश्चित्तनो प्रकार. कोई बीजाए प्रायश्चित्त कर्युं होय तो तेनो संबध

५ मंदिरनी जरूरियातो

६ मंदिरनी विशेषताओ

विद्यार्थीओनी जातवार हकीकत

	उजळियात वर्णो			पछात वर्णो			अंत्यज			मुसलमान			रजिस्टर कुल	हाजर कुल	पास कुल	सेंकडे टका		शेरो	शाळानी विस्त कैवी छे.
	छो.	क	कुल	छो.	क	कुल	छो.	क	कुल	छो.	क	कुल				रजिस्टरने	हाजरने		
रजिस्टर सङ्ख्या																			
हाजर सङ्ख्या																			
पास सङ्ख्या																			
सेंकडे टका } रजिस्टर																			
सेंकडे टका } हाजर																			

विद्यार्थीओनी धोरणवार हकीकत

धोरण	रजिस्टर सङ्ख्या			परीक्षा वखते हाजर			पास थया ते							तेज धोरणमा केटली मुदतथी छे					
														पास थयेला			नपास तथा गेरहाजर		
	छोकरा	कन्या	कुल	छोकरा	कन्या	कुल	लेखन	गणित	भाषा	इतिहास, भूगोळ			सर्व विषयोमां कुल पास	१ वरस रहेला	२ वरसना	२ वरस उपरना	१ वरस रहेला	२ वरसना	२ वरस उपरना
७																			
६																			
५																			
४																			
३																			
२																			
१																			

१ दफतरनी व्यवस्था केवी छे?

२ आ वर्षमां शाळानी भेट कोणे कोणे लीधी?

३ कया धोरणमां बेठा

४ शाळाना परिणाम विषे शेरो.

५ पाछली शाळमां शिक्षा थइ होय अगर लाभ मळ्यो होय तो ते

शिक्षकना नाम होद्दा साथे	लायकात	क्युं धोरण केटली मुदत शीखव्युं		रजिस्टर संख्या	हाजर संख्या	पास संख्या	नोकरीनी मुदत		पगार	बदली	विशेष हकीकत	शेरो
		धोरण	मुदत				खातामां	आ शाळामां				

(२) निरीक्षकनुं निवेदन

निरीक्षकना मन पर थयेली असर

	विद्यार्थीओनां	शिक्षकोना
१ तदुरस्ती विषे		
२ चारित्र विषे		
३. शिस्त विषे		
४. अभ्यास विषे		
५. व्यवस्थितता विषे		
६. दफतरो विषे		
७. हाजरी विषे		
८. आत्मजो प्रत्येनी वृत्ति विषे		

८ प्रकीर्ण

१ हाजरी कमती रहेती होय तो तेनुं कारण

२ कइ कोम गाममां वसती होय छतां तेना विद्यार्थी आवता नथी; अने तेनु कारण

३. मंदिरना शिक्षणमां प्रत्यक्ष जणायेली खामीओ अने लीधेला इलाज

४. मंदिर तथा शिक्षको प्रत्ये लोकोनो भाव केवो छे ?

५ मंदिरना आचार्य विषे अभिप्राय

६ मंदिरना मकाननी स्थिति

७. छेल्ली परीक्षानां परिणामो विषे टीका

८ निरीक्षके लीधेली परीक्षानो प्रकार अने ते विषे टीका

९. सूचनाओ

१० सामान्य टीका

मिती ____________ निरीक्षकनी सही ____________

आचार्यनी सही* ____________

(३) मासिक निवेदन

मास ____________ संवत् १९८

मंदिरनु नाम ____________ गाम ____________ ता ____________ जिल्लो

विद्यार्थीओनी संख्या —

		छोकरा	कन्या	कुल
कारतक सुद १ ने रोज				
गये मासने अन्ते	दफतर उपर . ..			
	सरेराश हाजर ...			
मास दरम्यान उठी गयेल				
,, ,, दाखल थयेल ...				
आ मासने अन्ते	दफतर उपर			
	सरेराश हाजर			

* पोताने आ निवेदन विषे काई जणाववु होय तो तेनो शेरो आनी उपर ज करी, निरीक्षकने बतावी आ निवेदन अने पोतानु निवेदन कार्यालयमां रवाना करवु

धोरण अने जातवार विद्यार्थीओनु वर्गीकरण —

धोरण	हिंदु*		अंत्यज	मुसलमान	पारसी	खिस्ती	कुल
	उजळियात	पछात					
७ मु							
६ ठ्ठु							
५ मु							
४ थु							
३ जु							
२ जु							
१ लु							
बाळ							
तालीम							
कुल							

शिक्षकोनी सख्या ______ पगार-श्रेष्ठ रु ______ पगार कनिष्ठ रु ______ सरेराश रु ______

आ मासनी उपज रु , कुल उपज (चालु वर्षना छेल्ला मासोनी मळी) रु
आ मासनु खर्च रु , कुल खर्च ,, ,, रु
आ वर्षे करेलो अदाज रु
अदाज प्रमाणे आ मास सुधीमां खर्च थात रु.
अदाज प्रमाणे आ मास सुधीमा थवी जोईती उपज रु.
उद्योगः अने ते सबधी विशेष विगतो—
मन्दिरनी जरूरियातोः—

जाणवाजोग बनावो+ः—

मिति ______ आचार्यनी सही ______

* जैनोने उजळियात हिंदुमां गणवा
+ कोई शिक्षक शाळा छोडी जाय के नवा आवे तो तेमनां नाम, कारणो अने पगार दर्शाववा

सूचनाः—आ निवेदन सर्वे मान्य मंदिरोए मास पूरो थया पछी सुद ५ सुधीमा मोकलवु नियमितता राखवा खास विनति छे.

(ख) पुस्तकोना अवलोकन संबंधी पत्रको

१ अभिप्रायनु पत्रक

गूजरात विद्यापीठ—पुस्तकसमिति

मिति Date	निर्णय अंक Decision No.	पुस्तकनु नाम Name of the book	लेखक वा संपादक Author o Editor	प्रकाशक Publisher	मूल्य Price	अभिप्राय Decision	लेखक या प्रकाशकने माटे अवलोकनकारनो शेरो Remarks by reviewers (for the author or publisher)

मिति शुध सं. १९
Dated 192

महामात्र
(Registrar)

२ अवलोकन माटे मोकलवानुं पत्रक

गूजरात विद्यापीठ कार्यालय,

अमदावाद सुद/वद स १९७९ने वार

भाईश्री,

विनंती के आ साथे कोंसमां जणावेलु पुस्तक मोकल्यु छे, ते उपर नियत समयमां आपनो अभिप्राय मोकलशो

ली सेवक,

महामात्र.

मळ्यु सुद/वद पाछु मोकल्युं सुद/वद

अभिप्राय:—

(ग) चूंटणीनां पत्रको

१ नियामक सभानी चुटणी माटे

(१) स्नातक मतदार मडळमां नाम नोंधावानु अरजीपत्र

श्री० महामात्र,

गूजरात विद्यापीठ,

अमदावाद

भाईश्री,

हु नीचे सही करनार आथी जणावु छु के गूजरात विद्यापीठना उद्देशो मने मान्य छे अने एना कार्य विषे हु सहानुभूति धरावु छु, तेमज कोई पण सरकारी विद्यापीठ साथे मारे प्रत्यक्ष सबध नथी.

हु स्नातक मतदार मडळमां मारु नाम नोंधाववा इच्छु छु अने आ साथे लवाजमना रु. २५ मोकलावु छु, तो मारु नाम स्नातक मतदार मंडळमां नोंधशो.
(५ वार्षिक हफताना)

ली०

सही

पूरेपूरु नाम

सरनामुं

कई विद्यापीठना स्नातक

कया वर्षमां

बीजी पदवीओ संबंधी हकिकत

(२) दाता-मतदार-मंडळमां नाम नोंधाववानुं अरजीपत्र

श्री० महामात्र,

गूजरात विद्यापीठ

अमदावाद

भाईश्री,

हु नीचे सही करनार आथी जणावु छु के गूजरात विद्यापीठना उद्देशो मने मान्य छे.

हु दाता-मतदार-मडळमां मारु नाम नोंधाववा इच्छु छु, अने आ साथे लवाजमनो वार्षिक हफ्तो रु. २५) अंके पचीस मोकलावु छु, तो मारु नाम दाता-मतदार-मडळमा नोंधशो.

ली०

सही ____________________

पूरेपूरु नाम ____________________

सरनामु ____________________

(३) प्रतिनिधि दरखास्त पत्र

श्री० महामात्र,

गूजरात विद्यापीठ, अमदावाद

भाईश्री,

विनति जे अमे विद्यापीठना ____________________ मतदार मडळना सभ्यो होई ते मडळ तरफथी सवत १९८ नी चुटणीमां अमारा मडळना नीचेना सभ्यनी नीमणुक करवा दरखास्त करीए छीए.

नाम ____________________

ली० सेवको

सही (१) ____________________

तिथि ____________________ ठेकाणु ____________________

सही (२) ____________________

तिथि ____________________ ठेकाणु ____________________

सूचित सभ्यनी प्रतिज्ञा

हु उपरोक्त सभ्य जणावु छु के गूजरात विद्यापीठना सिद्धान्तो मने मान्य छे. अने सदरहु मंडळ तरफथी मारी पसदगी करवामा आवे तो हु ए मंडळ तरफथी नियामक सभामां प्रतिनिधि रहेवा खुशी छु.

ली० सेवक

सही ________________

तिथि ________________ ठेकाणु ________________

(नीचेनी बीगतो उमेदवारे भरवानी नथी)

दरखास्त पत्र मळ्यानी तिथि ________________ क्रमांक ________________

प्रतिनिधिनु नाम मतदार नोंधमां ________________ क्रमांके तथा दरखास्त करनाराओना

नामो ________________ तथा ________________ क्रमांके नोंधायेलां छे

महामात्र

(घ) विद्यार्थीओने भरवाना पत्रको

१ महाविद्यालयना प्रथम वर्षमा दाखल थवा माटे

श्रीमान आचार्य,

गूजरात महाविद्यालय

अमदावाद

विनति जे हु महाविद्यालयमां दाखल थवा इच्छुं छु, तो कृपा करी मने दाखल करशो. मारा सबधी नीचे प्रमाणे विगतो छे:—

पूरू नाम ________________

ठेकाणु ________________

जात ________________ जन्मतिथि ________________

धर्म ________________ विवाहित के अविवाहित ________________

आज पूर्वेनोअभ्यास ________________

चालु अभ्यास ________________ मातृभाषा ________________

आधुनीक भाषा ________________ ऐच्छिक ________________

छेल्ली शाळा ________________

विद्यापीठ परीक्षानो क्रमांक ________________ फी भर्या मिति ________________

अरजी दाखल कर्या मिति ________________

ली. आज्ञांकित,

२ महाविद्यालयना कोई मंदिरमां दाखल थवा माटे

श्रीमान्

गूजरात महाविद्यालय

अमदावाद

विनंति के हुं महाविद्यालयमां दाखल थवा इच्छुं छुं, तो आप कृपा करी मने दाखल करशो. मारा संबंधी नीचे प्रमाणे विगतो छे —

पूरुं नाम

ठेकाणुं

जात जन्मतिथि

धर्म विवाहित के अविवाहित

आज पूर्वनो अभ्यास

मंदिरनुं नाम वर्ष

विभाग खास विषय

मातृभाषा

छेल्लुं महाविद्यालय

त्यां केटला सत्र भर्या छे फी भर्या मिति

अरजी दाखल कर्या मिति

ली. आज्ञांकित

३ धर्म ऋण लेवा माटे

श्री आचार्य

गूजरात महाविद्यालय

मु. अमदावाद

अत हुं रहेवाशी गाम

ठेकाणुं तालुको जिल्लो

महाविद्यालयना मंदिरना वर्षमां भणतो विद्यार्थी प्रतिज्ञा करुं छुं के मारी आ सत्रनी माफ करेली फी रु. अंके रुपिया हुं मारा उपर ऋण तरीके समजीश, अने मारा जीवनमां पहेली तके एने पाछुं वाळवानो मारो धर्म मानीश.

गूजरात महाविद्यालय

मिती सुद / वद

संवत १९

तारीख – – १९२

ली. आज्ञांकित,

४ परीक्षाओमां बेसवा माटे

(१) विनीत परीक्षामां बेसवा माटे

श्री० महामात्र,

गूजरात विद्यापीठ

अमदावाद

आवता ______ मासमां लेवामा आवनारी विनीत परीक्षामां मने बेसवा देवानी विनति छे

मारी इच्छा ______ [1]मुकामे परीक्षामां बेसवानी छे.

मारी अर्वाचीन भाषा ______ [2] छे.

हु ______ भाषा[3] तथा गणितना / ना औद्योगिक[4] ______ विषयमां बेसवा इच्छुं छुं

आ साथे परीक्षानु लवाजम रु. १०) मोकलुं छुं ते स्वीकारशो.

पूरू नाम[5] ______

ठेकाणु[6] ______

जन्मस्थान अने तिथि ______

ली. सेवक,

मिति ______ स. १९८ ______

विनयमंदिरना आचार्यनु प्रमाणपत्र

जणावु छु के उपर आपेली हकीकत बराबर छे. उमेदवार विनीत परीक्षामा बेसवा लायक छे अने हु मानु छु के एनु चारित्र्य सारुं छे.

आचार्य,

मिति ______ स. १९८ ______ विनयमंदिर

---

१ अमदावाद, सुरत अने मुबाई मुकामे परीक्षा थनार छे.
२ मराठी, बगाळी, हिंदुस्तानी के इग्रेजी लखो
३ सस्कृत, अरबी, फारसी के फ्रेन्च लखो.
४ वणाट, सुथारकाम, शिवणकाम, कृषि, वाणिज्य, सगीत, आलेखन के व्यायाम लखो
५ अटकथी नाम शरु करो.
६ कायमनु सरनामु लखो.

स. १९८ ______ नी सालनुं विनीत परीक्षामां बेसवा देवानु लवाजम रु १०—०—० विद्यार्थी ______ तरफथी मळेल छे.

महामात्र वती

सही ______

मिति ______ स. १९८ ______ विनयमंदिरना आचार्य

(२) प्रथमा कक्षामां बेसवा माटे

श्री० महामात्र,

गूजरात विद्यापीठ, अमदावाद

वि० के स १९८   ना   मासमां लेवामां आवनारी प्रथमा परीक्षाना उमेदवार तरीके मारु नाम नोंधाशो. परीक्षाना लवाजमना रु. १०) साथे मोकल्या छे. मारी इच्छा[१] ______ मुकामे परीक्षामां बेसवानी छे. विशेष हकीकत नीचे मुजब छे—

पूरुं नाम[२] ______

ठेकाणुं ______

अर्वाचीन भाषा[३] ______ राष्ट्र भाषा[४] ______

स्वभाषा[५] ______ ऐच्छिक विषय[६] ______

विनीत परीक्षानु पसार कर्यानु वर्ष ______ विद्यापीठनु नाम ______

जन्म तिथि ______ जन्मस्थान ______ धर्म ______

आ पूर्वे साथे जोडेलां प्रमाण पत्र मुजब   विषयो उत्तीर्ण कर्या छे, एटले ए विषयोमा मारे परीक्षा आपवानी नथी.[७]

मिति स १९८   ना   सुद/वद   ने   वार

ली० सेवक

महाविद्यालयनु प्रमाणपत्र

जणावु छु के उपर आपेली हकीकत बराबर छे. उमेदवार परीक्षामा बेसवा लायक छे, अने एने मारी तरफथी परीक्षामां बेसवा परवानगी छे. उमेदवारे नीचे प्रमाणे महाविद्यालयमा हाजरी भरी छे —

स १९	ना	*सत्रमा	दिवसमांथी	दिवस
स १९	ना	सत्रमा	दिवसमांथी	दिवस
स १९	ना	सत्रमा	दिवसमांथी	दिवस

आचार्य

______ महाविद्यालय

१ अमदावाद तथा मुंबाई मुकामे परीक्षा थशे   २ अटक पहेली लखवी   ३ मराठी, बगाळी, इग्रेजी के फ्रेन्च   ४ हिन्दी के उर्दु   ५ गूजराती, मराठी के हिन्दी पैकी स्वभाषा तरीके जेमां परीक्षा आपवी होय ते लखवी.   ६ प्रमाणशास्त्र, गणित, सस्कृत, अरबी, फारसी सगीत, चित्रकळा के वाणिज्य   ७ जे आखी परीक्षामां बेसवाना होय तेमणे आ वाक्य छेकी नाखवु.

* १ लु, २ जु इ० लखवु. वर्षासत्र पहेलु, शरदसत्र बीजु, अने शिशिरसत्र त्रीजु समजवु.

स १९८   ना   मासमा लेवामां आवनारी प्रथमा परीक्षामां बेसवा देवानु लवाजम रु १०) उमेदवार ______ तरफथी मळेल छे.

मिति स. १९८   ना   सुद/वद   वार

आचार्य

______ महाविद्यालय

(३) स्नातक परीक्षामां बेसवा माटे

श्री महामात्र,

गूजरात विद्यापीठ, अमदावाद

विनंति के स १९८ ना मासमा लेवामा आवनारी स्नातक परीक्षाना उमेदवार तरीके मारु नाम नोंधशो परीक्षाना लवाजम माटे प्रश्नपत्र दीठ रु ३ लेखे रु.) रूपिआ बोस साथे मोकल्या छे मारी इच्छा १ मुकामे परीक्षामां बेसवानी छे. विशेष हकीकत नीचे मुजब छे.

पुरु नाम[२]

ठेकाणु

प्रश्नपत्रोना नाम फरजियात (१) ३ (२) ४

मरजियात[५] शाखाना

प्र० प० ( ) प्र० प० ( )
प्र० प० ( ) प्र० प० ( )
प्र० प० ( ) प्र० प० ( )
प्र० प० ( ) प्र० प० ( )
प्र० प० ( ) प्र० प० ( )

विनीत परीक्षा पसार कर्यानु वर्ष संस्थानु नाम

प्रथमा परीक्षा पसार कर्यानु वर्ष ,, ,,

जन्मतिथि वतन जात धर्म

मने आ परीक्षामां बेसवाने कार्यवाहक समितिनी परवानगी मळी छे मे आ पत्र साथे जोडेला प्रमाणपत्रमां जणाव्या मुजब प्रश्नपत्रोनी परीक्षा उत्तीर्ण करी छे

मिति स १९८ ना सुद/वद ने वार लो. सेवक

महाविद्यालयना आचार्यनु प्रमाणपत्र[८]

जणावु छु के उपर आपेली हकिकत बराबर छे अने तेओ परीक्षामां बेसवा लायक छे,

१ अमदावाद के मुंबाई २ अटक पहेलां लखवी ३ स्वभाषा (गूजराती के मराठी). ४ राष्ट्र भाषा (हिंदी के उर्दु) (आ बे विषयमां बेसवु न होय तो लीटी छेकी नाखवी) ५ बोधपत्रमां जणावेली योजना प्रमाणे प्रश्नपत्रोना नाम बराबर लखवां ६ पहेली वार स्नातक परीक्षामां बेसनार उमेदवारे प्रमाणपत्र साथे जोडवु ७ सामान्य उमेदवारोए आ लीटी छेकी नाखवी. ८ सामान्य उमेदवारो माटेज आ प्रमाणपत्र भरवु

अने एने मारी तरफथी परीक्षामां बेसवा परवानगी छे उमेदवारे नीचे प्रमाणे महाविद्यालयमा हाजरी भरी छे[*]:—

सं १९	सत्रांक	दिवस	/	सं १९	सत्रांक	दिवस	/
सं १९	सत्रांक	दिवस	/	सं १९	सत्रांक	दिवस	/
सं. १९	सत्रांक	दिवस	/	सं १९	सत्रांक	दिवस	/
सं १९	सत्रांक	दिवस	/	सं. १९	सत्रांक	दिवस	/
सं. १९	सत्रांक	दिवस	/				

अरजी मजुर.

आचार्य,

महामात्र ____________ महाविद्यालय.

सं १९ ना __________ मासमा लेवामां आवनारी स्नातक परीक्षामां बेसवा वेवानु लवाजम रु.) विद्यार्थी __________ तरफथी मळेल छ

मिति __________

महामात्र वती
महाविद्यालयना आचार्यनी सही.

(ख) प्रमाणपत्रोना नमुना

१ विनीत परीक्षा

विद्यापीठनो
सिक्को

विनीत परीक्षा

__________ विनय मंदिरना

विद्यार्थी __________

संवत १९ ना मासमां लेवायेली विनीत परीक्षामा उत्तीर्ण थयेल छे अरजी पत्रमा बताव्या मुजब विद्यार्थीनी जन्मतिथि __________ छ.

अमदावाद

सं. १९ ना महामात्र

---

* आ प्रमाण भरवु. स १९७९ सत्रांक २ दिवस ६७/८० वर्षासत्र, शरदसत्र ने शिशिरसत्र अनुक्रमे १ ला. २ जु अने ३ जु सत्र समजवु

२ प्रथमा परीक्षा

विद्यापीठनो
सिक्को

प्रथमा परीक्षा

विद्यार्थी ________________ (परीक्षामां क्रमांक) ________________

सं. १९ ना मास सुधीमां लेवायेली परीक्षाओमां नीचेना / सर्व विषयोमां वर्गमां उत्तीर्ण थयानु आ प्रमाणपत्र आपवामां आवे छे.

विषय	गुण		उत्तीर्ण कर्यानु वर्ष
	कुल	मेळवेला	

सं १९ ना सुद / वद ने वार

महामात्र

सूचना—विद्यार्थीए आ प्रमाणपत्र साचवी राखवु, अने बीजी वखते परीक्षामा बेसती वखते अरजी साथे जोडवु आ प्रमाणपत्र खोई नाखवामां आवशे तो शोधन माटे रु १ भरवो पडशे.

क्रमांक ________

३ स्नातक परीक्षा

गूजरात विद्यापीठनो

सिक्को

विनीत स्नातक परीक्षा माटे

विद्यार्थी ________ (परीक्षानो क्रमांक) ________

सं. १९   ना   मागसर मां लेवायेली परीक्षाओमां नीचेना विषयोमां उत्तीर्ण थवाथी आ प्रमाणपत्र आपवामां आवे छे.

प्रश्नपत्र	विषय	गुण		उत्तीर्ण थयानुं वर्ष
		कुल	मेळव्या	

सं. १९   ना   सुद / वद   ने वार

महामात्र

सूचना — विद्यार्थीए आ प्रमाणपत्र साचवी राखवुं. जो बीजी वखते परीक्षामां बेसती वखते अरजी भेगुं जोडवुं. आ प्रमाणपत्र खोवाई जाय तो बीजुं आपवा माटे रु. १) भरवो पडशे

(४) पदवी मेळवनार विद्यार्थी माटे

विद्यापीठनो

सिक्को

श्रीमान ______________________________

एमणे गुजरात विद्यापीठना धाराधोरण प्रमाणे ______________ ना ______________ महाविद्यालयमां तालीम लई अने अभ्यास पूरो करीने अध्यापको अने परीक्षकोने संतोष आपी ______________________________ ना विषयमां खास योग्यता मेळवेली होवाथी, तथा हवे पछी स्नातक थई जीवननी फरजो अदा करवा इच्छा धरावता होवाथी, उक्त श्रीमानने, अमे गुजरात विद्यापीठना कुलपति अने नियामको सर्वे मळी '______________ विशारद'नी पदवी आपीए छीए, अने तेमना अध्ययननुं परीक्षण करी तेमने ______ श्रेणीमां मूकीए छीए, तथा स्वधर्मनुं पालन करी गुजरात विद्यापीठ, स्वदेश अने स्वभाषानी प्रतिष्ठा वधे ए रीते पोतानुं जीवन गाळवा आदेश आपीए छीए.

मिति सं. १९८ ना ______ ने वार ______ ना ______ १९२

मुकाम अमदावाद

हुं प्रतिज्ञा करुं छुं के जीवनपर्यंत मारा धर्मनुं पालन करवा अने मारा विद्यापीठ, देश अने भाषानी प्रतिष्ठा वधे एवी रीते जीवन गाळवा निरंतर प्रयत्नशील रहीश. परमात्मानी कृपा अने गुरुजनोना आशीर्वादथी मारी प्रतिज्ञा पार पडो. मिति सदर

____

उक्त स्नातक   कुलपति

---

* 'अने तेमनो ______ मूकीए छीए' एटलो भाग सामान्य वर्गमां उत्तीर्ण थनार माटे बाद.

गूजरात विद्यापीठनां प्रकाशनो

पुरातत्त्व मंदिर ग्रंथावली

१	आर्यविद्या व्याख्यानमाळा—पूंठानी पट्टी	किं २—०—०
	,, चामडानी पट्टी	किं ०—८—०
२	प्राचीन साहित्य—(श्री० रविन्द्रनाथ टागोरना पुस्तकनो अनुवाद)	किं ०—१२—०
३	बुद्धलीला सार संग्रह—ले० अ० धर्मानंद कोसम्बी	किं १—८—०
४	आर्योना तहेवारोनो इतिहास—ले० त्रिवेदी	किं ३—८—०
५	पालि पाठावलि—स० मुनि जिनविजयजी	किं ०—१४—०
६	प्राकृत कथा संग्रह—सं० मुनि जिनविजयजी	किं ०—१२—०
७	उपनिषद् पाठावली—स० श्री० द बा कालेलकर	किं ०—१२—०
८	अभिधम्मत्थसंगहो—स० अ० धर्मानंद कोसम्बी	किं २—०—०
९	अभिधानप्पदीपिका—(पालि भाषानो शब्दकोष)	किं ५—०—०
१०	सम्मतितर्क भाग १ लो—(स० प सुखलालजी तथा प बेचरदास)	किं १०—०—०
११	काव्य प्रकाश उ १ थी ६ गूजराती अनुवाद (पाठक तथा परीख)	किं १—८—०
१२	धम्मपद—स० अ० धर्मानंद कोसम्बी	किं १—०—०
१३	समाधिमार्ग—ले० धर्मानंद कोसंबी	किं ०—८—०
१४	प्राकृत भाषाओनुं व्याकरण—ले० प० बेचरदास जीवराज	(छपाय छे)
१५	जिनचरितम्—स० मुनि जिनविजयजी	(,,)
१६	वैदिक पाठावलि—स० श्री रसिकलाल छोटालाल परीख	(,,)
१७	बुद्धसंघनो परिचय—ले० अ० धर्मानंद कोसम्बी	(,,)

पाठ्य पुस्तकमाळा—कुमार मंदिरो माटे:—

४,५ बाळकमाडी मामी–बाळपोथी–सचित्र कि. ०–८–० मोटी–बीजी आवृत्ति किं ०–३–०

११ वणीबोर—(बाळकविताओनो संग्रह त्रीजी आवृत्ति) भाग १ कि ०—१—३
भाग–२ किं. ०–२–० भाग ३ किं. ०–३–० त्रणे भाग साथे कि ०—५—०

१२ रायण—(वणीबोर पछीनी आगळ वधेलाओ माटे) बीजी आवृत्ति
बे भाग दरेकनी किं. ०—३—०

१५,१७ विद्यापीठ वाचनमाळा—पहेली चोपडी (त्रीजी आवृत्ति) किं. ०—३—०
बीजी चोपडी (सुधारेली–बीजी आवृत्ति) किं ०–४–० त्रीजी चोपडी किं. ०–६–६

कुमार अने विनय मंदिरो माटे:—

१६ ऐतिहासिक वार्तामाळा—मोगलवंश (त्रीजी आवृत्ति) किं. ०—१२–०
२२ संक्षिप्त करणघेलो किं. ०—१२–०
२३ पाठसंचय भाग १ लो—स० श्री नरहरि द्वा परीख कि ०—१३–०

विनय मंदिरो माटे:—

१८ Poetical Selections for the Vinita Examination किं. ०—८—०
२४ हिंदी तवारीख (तुर्क अने पठाण समयनो इतिहास) कि. ०—१२–०
२६ प्राकृतिक भूगोळ—ले० श्री छोटालाल बा पुराणी (छपाय छे)

विनय मंदिरो अने महाविद्यालयो माटे:—

१० मुन्तखेबात उर्दू—स० मौ० अबु झफर नदवी कि ०—४—०
१४ पूर्वरंग—(हिंदनो प्राचीन समयनो इतिहास) ले० श्री द बा कालेलकर किं १—०—०
२७ व्यापारी भूगोळ—ले० श्री. चंदुलाल भगुभाई दलाल कि. २—८—०

महाविद्यालयो माटे:—

३, ६, १३, २६ अर्थशास्त्र—भाग १थी ६ (प्रो० भाटे कृत मराठी
पुस्तकना आधारे) भाग १ किं. ०–३–०, भाग २
किं. ०–८–०, भाग ३-४ कि १–४–०, भाग ५–६
किं. ०–५–०. एकंदर किं. २—४—०

८ Poetical Selections for the Prathama Examination किं. ०—८—०
९ प्रमाणशास्त्र प्रवेशिका—ले० श्री रामनारायण वि. पाठक किं. २—०—०
१९ गोविंद गमन—स० श्री रामनारायण वि पाठक किं. ०—५—०
२० हिन्दी राष्ट्रीय कार्य—ले० श्री कुशाल तलकशी शाह किं. ०—८—०
२१ Prose Selections for the Prathama Examination किं. १—४—०
आंकडाशास्त्र—ले० चंदुलाल भगुभाई दलाल (छपाय छे)

*

अध्यापको माटे:—

१	स्वतंत्र बाळशिक्षण—(श्री बधेकानु व्याख्यान)	कि ०—३—०
२	बाळवार्ताओ पर व्याख्यानो—श्री. बधेका तथा श्री कालेलकर	कि. ०—३—०
७	गणितकी परिभाषा—कर्ता श्री हरिहर प्रा भट्ट	कि. ०—८—०
	कुमार मंदिरो माटे अभ्यासक्रम	कि ०—८—०
	विनय मंदिरो माटे अभ्यासक्रम	कि ०—४—०
	विनीत परीक्षानो अभ्यासक्रम	कि ०—२—०
	महाविद्यालयनुं बोधपत्र स. १९८० (अभ्यासक्रम)	कि ०—५—६
	„ „ स १९८०–८१ „	कि ०—५—६
	गूजरात विद्यापीठनुं विज्ञापक (कॅलेन्डर) स १९८०-८१	कि. १—८—०

गुजराती तथा हिंदी सारा पुस्तकोनी एक यादी विद्यापीठ तरफथी प्रसिद्ध थयेली छे. किमत अनुक्रमे ०-१-० अने ०-०-६

वेपारीओ तथा शिक्षण विषयक संस्थाओने तेमज सामटां पुस्तको खरीद करनारने नियम मुजब वाजबी वळतर आपवामां आवे छे

पुस्तको वेचनार मुख्य आडतीआ—शा. बाळगोविंद कुबेरदास

ठे. प्रोप्रायटरी हाइस्कूल पासे, अमदावाद